राष्ट्रीय संस्करण

मेलोनी बोलीं– मैं, ट्रंप और मोदी बात करते हैं तो इसे बताया जाता है लोकतंत्र को खतरा

>> 11

दैनिक जागरण

वर्ष 8 अंक 258

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, सोमवार, 24 फरवरी, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

संपादकीय

विकास में राज्यों की जिम्मेदारी: राज्यों के हाथ में देश के भविष्य को संवारने का बड़ा दायित्व है। उद्योग और रोजगार बढ़ाने के रास्ते में आने वाली अड़चनें उन्हें दूर करनी चाहिए। **प्रो. केवी सुब्रमण्यन** का दृष्टिकोण।

भाजपा में मुख्यमंत्री चयन की कसौटी: प्रधानमंत्री मोदी लंबे समय तक काम करने वाले अनुभवी एवं परीक्षित लोगों की टीम खड़ी करने की कोशिश कर रहे हैं। **अवधेश कुमार** का आलेख। ● पेज-8

विमर्श

भीड़ प्रबंधन की लचर व्यवस्था : देश में हाल में हुई भगदड़ की घटनाएं भीड़ प्रबंधन की कमजोरियों को उजागर करने के साथ यह भी साबित करती हैं कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो ऐसी त्रासदियां बार-बार हो सकती हैं। सुनील बिश्नोई का विश्लेषण।

दो ध्रुवों पर खिंचतीं सियासी तलवारें : उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव भले ही 2027 में होने हैं, लेकिन राजनीतिक दलों के बीच सियासी जंग अभी से छिड़ती दिखाई देने लगी है। अजय जायसवाल की यूपी डायरी। ● पेज-9

सप्तरंग

साहित्य और संगीत का

सबसे बड़ा ग्लोब

शिव और शक्ति का प्रतीक राग शंकरा

● पेज-13

जागरण विशेष

इस्पात संयंत्र के कचरे से पीने योग्य बनेगा खारा पानी

भोपाल: वह दिन दूर नहीं जब इस्पात संयंत्र के एक कचरे से खारे पानी को भी पीने लायक बनाया जा सकेगा। ● पेज-14

पाकिस्तान पर ये जीत विराट है

अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण

दुबई : जिस तरह वानरराज बाली के सामने बाकी योद्धाओं की ताकत आधी हो जाती थी, उसी तरह आइसीसी टूर्नामेंट में भारत के सामने पाकिस्तान टीम की हालत हो जाती है। रविवार को दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत ने आइसीसी चैंपियंस ट्राफी में पाकिस्तान को छह विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह लगभग पक्की कर ली। इसी के साथ मेजबान पाकिस्तान अंतिम चार में पहुंचने की दौड़ से लगभग बाहर हो गया है।

बार्डर-गावस्कर ट्राफी में तेज गेंदबाजों के सामने पांचवें विकेट पर और वनडे में लेग स्पिनर की गेंदों पर आउट हो रहे विराट कोहली (नाबाद 100), पिछले मैच में असफल रहे श्रेयस अय्यर (56) और लगातार रन बना रहे शुभमन गिल (46) ने 242 रनों के लक्ष्य को बौना साबित कर दिया। भारत ने सिर्फ 42.3 ओवर में चार विकेट गंवाकर जीत हासिल कर ली। विराट ने वनडे में 51वां और कुल 82वां अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया।

पाकिस्तान की टीम पहले खेलते हुए 49.4 ओवर में 241 रनों पर आलआउट हो गई। उनकी तरफ से सबसे ज्यादा 62 रन सऊद शकील ने बनाए। पाकिस्तानी टीम कभी भी जीतती हुई नहीं दिखाई दी। कुलदीप यादव ने सबसे ज्यादा तीन विकेट हासिल किए।

विराट कोहली के शतक से चैंपियंस ट्राफी के सेमीफाइनल में भारत की जगह लगभग पक्की

मेजबान पाकिस्तान टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर पहुंचा

22 बार (आठ वनडे विश्व कप, आठ टी-20 विश्व कप और छह चैंपियंस ट्राफी) भारत और पाकिस्तान का आइसीसी टूर्नामेंट में आमना-सामना हुआ है, जिसमें भारत ने 18 बार जीत हासिल की है

आइसीसी चैंपियंस ट्राफी

आज का मैच

न्यूजीलैंड vs बांग्लादेश

दोपहर 2:30 बजे से

स्थान : रावलपिंडी

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क/जियो हाटस्टार

51 वनडे शतक लगा चुके हैं विराट कोहली, कुल 82 अंतरराष्ट्रीय शतक हुए उनके नाम

6 बार दोनों टीमें चैंपियंस ट्राफी में भिड़ी हैं, जिनमें दोनों ने तीन-तीन बार जीत हासिल की है

पाक के सामने दिखा 'विराट स्वरूप' : पेज>>12

शतक बनाने के बाद अभिवादन स्वीकार करते विराट कोहली। एपी

पूर्व सीएम आतिशी दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली: दिल्ली विधानसभा के इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है, जब सदन में सत्तापक्ष और विपक्ष में मुख्य पद, दोनों पर महिलाएं आसीन होंगी। भाजपा की रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री हैं, वहीं आप ने भी पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ नेता आतिशी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में चुन लिया है। (पेज-2)

मोदी ने मोटापे की बढ़ती समस्या पर लोगों को किया सचेत

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में मोटापे की बढ़ती समस्या पर लोगों को सचेत किया है। कहा कि एक स्वस्थ राष्ट्र बनने के लिए हमें मोटापे की समस्या से निपटना होगा। इसके लिए उन्होंने खाने के तेल में 10% की कटौती करने का आह्वान किया। (पेज-3)

महाकुंभ पर अनर्गल बयानबाजी करने वाले नेताओं पर प्रधानमंत्री का करारा प्रहार

गुलाम मानसिकता के लोग हमारी आस्था पर कर रहे हमला : मोदी

वीरेंद्र तिवारी ● नईदुनिया

श्री बागेश्वर धाम (छतरपुर) : दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ और सनातन धर्म की मान्यताओं पर अनर्गल बयानबाजी करने वाले नेताओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आड़े हाथों लिया। कहा कि देश में नेताओं का एक वर्ग विदेशी ताकतों से मिलकर धर्म को कमजोर करने में लगा है। हिंदू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी ना किसी वेश में रहते आए हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे लोग हमारे मत, मान्यताओं, मंदिरों, संत, संस्कृति और सिद्धांतों पर हमला करते रहते हैं। हमारी प्रथाओं को गाली देना और हिंदुओं को तोड़ना ही इनका एजेंडा है, लेकिन संतों के प्रयास से वे सफल नहीं हो पा रहे हैं।

प्रधानमंत्री का संकेत उन नेताओं की तरफ था, जो महाकुंभ पर किसी न किसी कारण सवाल खड़े कर रहे हैं। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि महाकुंभ अब मृत्यु कुंभ में बदल गया है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने कुंभ को अर्थहीन और फालतू बताया था। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा था कि गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर होती है क्या?

मध्य प्रदेश के दो दिवसीय दौरे के पहले दिन प्रधानमंत्री मोदी ने छतरपुर जिले के श्री बागेश्वर धाम में 200 करोड़ रुपये की लागत से 25 एकड़ में बनने वाले कैंसर अस्पताल एंड रिसर्च सेंटर का भूमिपूजन किया। 100 बिस्तरों के इस अस्पताल में विशेष रूप से कैंसर रोगियों का निश्शुल्क उपचार होगा। इसके पहले धाम में प्रधानमंत्री ने बालाजी के दर्शन भी किए। इस मौके पर एक समारोह को संबोधित करते उन्होंने श्री बागेश्वर धाम के पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की भी प्रशंसा की और कहा कि यह अस्पताल आरोग्य का नया केंद्र बनेगा। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव भी उपस्थित थे।

- कहा, विदेशी ताकतों के साथ मिलकर देश में धर्म को कमजोर करने में लगा है नेताओं का एक वर्ग
- श्री बागेश्वर धाम में 200 करोड़ की लागत से बनने वाले कैंसर अस्पताल व रिसर्च सेंटर का किया भूमिपूजन

छतरपुर में रविवार को कैंसर अस्पताल व रिसर्च सेंटर के भूमि पूजन के दौरान लोगों को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। प्रेट्र

प्रधानमंत्री बोले– चिंता मत करना, दिल्ली में बैठा है बेटा

प्रधानमंत्री मोदी ने माता-पिता के बीमार होने से बेटे-बेटियों पर होने वाली मुसीबत का उल्लेख करते हुए कहा कि आज किसी भी मां-बाप को चिंता करने की जरूरत नहीं है। दिल्ली में मोदी नहीं, बेटा बैठा है, जिसने उनके पांच लाख रुपये तक इलाज की व्यवस्था कर रखी है। मोदी ने तय किया है कि कैंसर की दवाओं को और सस्ता किया जाएगा।

प्रयागराज में चल रहा एकता का महाकुंभ

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रयागराज में एकता का महाकुंभ चल रहा है, जो सदियों तक प्रेरणा देता रहेगा। महाकुंभ के हजारों स्वच्छताकर्मियों को नमन करते उन्होंने कहा कि जिस सेवाभाव से वे दिन-रात कार्य कर रहे हैं, वह अद्भुत है। वहां सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे पुलिसकर्मियों को उन्होंने साधक बताया और कहा कि उनकी नम्रता ने वहां स्नान करने आ रहे करोड़ों लोगों का दिल जीता है। मेले में चल रहे सामाजिक प्रकल्प नेत्र महाकुंभ का उल्लेख करते उन्होंने कहा कि दो लाख लोगों की आंखों की मुफ्त जांच हुई है, डेढ़ लाख को दवा व चश्मा दिया गया और 16 हजार लोगों के मोतियाबिंद का निश्शुल्क आपरेशन किया गया।

जिला स्वास्थ्य केंद्रों में 'डे केयर कैंसर सेंटर' बनाने को सर्वे शुरू

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने अगले तीन वर्षों में सभी स्वास्थ्य केंद्रों में 'डे केयर कैंसर सेंटर' स्थापित करने की बजटीय घोषणा पर अमल करने के लिए सभी जिला अस्पतालों में खामियों की पहचान तथा बुनियादी ढांचे की समीक्षा के लिए सर्वेक्षण शुरू किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि इन केंद्रों की स्थापना पर अगले तीन वर्षों में 3,200 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि ये केंद्र चार से छह बिस्तरों वाले होंगे और इनमें कीमोथेरेपी सेवाएं उपलब्ध कराने तथा कैंसर की रोकथाम और जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर ध्यान दिया जाएगा। अधिकारी ने कहा, 'हमने इन कैंसर केंद्रों की स्थापना के लिए सभी जिला अस्पतालों के बुनियादी ढांचे की समीक्षा शुरू कर दी है।' कैंसर रोगियों की देखभाल के लिए सतत प्रयास के हिस्से के रूप में पिछले कुछ वर्षों में 19 राज्य कैंसर संस्थानों (एससीआइ) और 20 टेरीटेरी कैंसर देखभाल केंद्रों (टीसीसीसी) के लिए 2014-15 से 2025-26 के बीच की अवधि के लिए तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि स्वीकृत की गई है। देश के 22 नए एम्स समेत राज्य कैंसर संस्थानों और 20 क्षेत्रीय संस्थानों ने कैंसर उपचार सुविधा केंद्र बनाने की स्वीकृति दे दी है। देश में फिलहाल कुल 764 जिला अस्पताल हैं, जिनके लिए कैंसर के दौरान होने वाले कीमोथेरेपी आदि देने की व्यवस्था करने की आवश्यकता है।

ध्यान रहे कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा था कि सरकार अगले तीन वर्षों में सभी जिला अस्पतालों में 'डे केयर कैंसर केंद्र' स्थापित करने में मदद करेगी और 2025-26 में 200 केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा था, 'इससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक लोगों की कैंसर देखभाल तक पहुंच बढ़ेगी। साथ ही इससे प्रमुख कैंसर देखभाल केंद्रों का बोझ कम होगा। वह जिला स्तर पर ऐसी सेवाएं प्रदान किए जाने से अधिक जटिल मामलों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।'

- सरकार जिला अस्पतालों के बुनियादी ढांचे की कर रही समीक्षा
- ग्रामीण क्षेत्रों में भी कैंसर मरीजों के देखरेख की व्यवस्था की तैयारी
- बजट में सरकार ने की थी घोषणा, आवंटित किए 3200 करोड़ रु.

कैंसर रोगियों की चिंता में सरकार। प्रतीकात्मक

यूएसएड से सियासी फंडिंग नहीं : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय चुनावों को प्रभावित करने में यूएसएड की कथित भूमिका को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच पता चला है कि एजेंसी ने वित्त वर्ष 2023-24 में 75 करोड़ डालर की सात परियोजनाओं की फंडिंग की है। वित्त मंत्रालय की हालिया वार्षिक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। वित्त मंत्रालय की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) द्वारा भारत सरकार के साथ साझेदारी में कुल लगभग 75 करोड़ डालर बजट की सात परियोजनाएं कार्यान्वित की गईं। इस अवधि में कोई राजनीतिक फंडिंग नहीं हुई।

वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आर्थिक मामलों के विभाग ने रिपोर्ट में इन परियोजनाओं का विवरण भी साझा किया है। आर्थिक मामलों का विभाग द्विपक्षीय फंडिंग के लिए नोडल विभाग है। वित्त वर्ष के दौरान मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए कोई धनराशि उपलब्ध नहीं कराई गई। लेकिन कृषि एवं खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम, जल, स्वच्छता एवं आरोग्य, नवीकरणीय ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य से संबंधित परियोजनाओं के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा सतत वन एवं जलवायु अनुकूलन कार्यक्रम तथा ऊर्जा दक्षता प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण एवं नवाचार परियोजना के लिए भी धनराशि उपलब्ध कराई गई।

भारत को अमेरिका की द्विपक्षीय विकास सहायता 1951 में शुरू हुई थी। मुख्य रूप से यूएसएड के माध्यम से इसका प्रबंधन किया जाता है। शुरुआत के बाद से यूएसएड ने 555 से अधिक परियोजनाओं के लिए भारत को 17 अरब डालर से अधिक की सहायता दी है।

इसी महीने देश में राजनीतिक विवाद तब शुरू हो गया था, जब एलन मस्क के नेतृत्व वाले अमेरिकी सरकारी दक्षता विभाग ने दावा किया कि उसने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भारत को दिए जाने वाले 2.1 करोड़ डालर के अनुदान को रद कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी दावा किया कि जो बाइडन प्रशासन के तहत यूएसएड ने भारत में मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए 2.1 करोड़ डालर की फंडिंग की थी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा था कि ट्रंप प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी चिंताजनक है और सरकार इस पर गौर कर रही है। यूएसएड को भारत में सद्भावना के साथ गतिविधियों की अनुमति दी गई थी। लेकिन, अमेरिका से रिपोर्ट मिल रही है कि ऐसी गतिविधि चलाई गई, जो दुर्भावनापूर्ण थी।

- यूएसएड ने पिछले वित्त वर्ष में भारत में सात परियोजनाओं की फंडिंग की
- सरकार के साथ साझेदारी में 75 करोड़ डालर की परियोजनाएं चलीं

मंत्रालय की रिपोर्ट से मिली जानकारी। फाइल

भारत को चुनाव में मदद के लिए 1.8 करोड़ डालर दिए गए : ट्रंप पेज>>11

चार वर्षों में दो लाख भारतीय अमेरिका से होंगे डिपोर्ट

जालंधर : 'सिख सेंटर आफ सिएटल' के पूर्व चेयरमैन एवं आउटरीच कंसलटेंट हरजिंदर सिंह संधा ने कहा कि अवैध रूप से अमेरिका गए डेढ़ से दो लाख भारतीयों का ओवर स्टे समाप्त हो चुका है। उनके पास दस्तावेज नहीं हैं। आने वाले चार वर्षों में इन भारतीयों का डिपोर्ट होना तय है। इसी डर से कई लोग स्वयं ही अमेरिका छोड़कर भारत लौट रहे हैं। संधा के मुताबिक 'सेवन आइ' एजेंसी ने ओवर स्टे भारतीयों का आंकड़ा अमेरिकी सरकार को सौंप दिया है। (पेज-5)

मंदिरों, श्मशानों और पवित्र जल को साझा करें हिंदू : भागवत

गुवाहाटी: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन मधुकर राव भागवत ने संघ के सभी स्वयंसेवकों से देश में सभी समूहों के बीच मित्रता बढ़ाने की अपील की है। फिर चाहे वह समूह किसी भी जाति, पंथ, क्षेत्र का हो या कोई भी भाषा बोलने वाला हो। उन्होंने कहा कि सभी हिंदुओं को समान रूप से मंदिरों, श्मशानों और विभिन्न क्षेत्रों में पवित्र जल को आपसी आदर दिखाकर सहयोग से साझा करना चाहिए। (पेज-6)

जमीन से जुड़े नेताओं को किनारे लगाने से कांग्रेस को हो रहा नुकसान : राशिद अल्वी

नई दिल्ली, आइएएनएस : कांग्रेस के लोकसभा सदस्य शशि थरूर के बाद अब पार्टी के एक अन्य वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने भी पार्टी में 'बड़े नेताओं की भूमिका' पर सवाल उठाए हैं। पूर्व राज्यसभा सदस्य अल्वी ने रविवार को कहा कि जमीन से जुड़े नेताओं को किनारे लगाने से पार्टी को नुकसान हो रहा है। एक दिन पहले थरूर ने भी अपनी भूमिका को लेकर पार्टी नेतृत्व से सवाल किया था।

अल्वी ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी में कई वरिष्ठ, अनुभवी और जमीन से जुड़े हुए राजनेता हैं। हमें उन्हें पार्टी की मुख्यधारा में लाना चाहिए। इससे कांग्रेस मजबूत होगी। अगर हम इन अनुभवी व्यक्तियों को मुख्यधारा में नहीं लाते हैं, तो इससे पार्टी को नुकसान होगा।' इस समय पार्टी नेतृत्व की भूमिका और रणनीति को लेकर आंतरिक बहस तेज हो गई है। पार्टी अपने राजनीतिक आधार को फिर से हासिल करने के प्रयासों में लगी हुई है।

हालांकि थरूर रविवार को जब दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे तो कांग्रेस के साथ मतभेद की खबरों पर उन्होंने कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया। अलबत्ता उन्होंने पत्रकारों से अपील की, 'जाइए, भारत-पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्राफी मैच का लुत्फ लीजिए...आज का मैच बहुत महत्वपूर्ण है।' गौरतलब है कि ऐसी खबरें आ रही हैं कि उनके और कांग्रेस के बीच सब कुछ ठीक नहीं है, जिसके चलते पार्टी के भीतर से तीखी प्रतिक्रिया आ रही है। हाल ही में उन्होंने केरल की लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) सरकार की औद्योगिक नीति और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ की थी।

बहरहाल, अल्वी ने महाराष्ट्र के राजनीतिक घटनाक्रम पर कहा कि शरद पवार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच संभावित गठबंधन के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि शरद पवार ऐसा कोई कदम उठाएंगे जिससे यह संकेत मिले कि वे प्रधानमंत्री के जाल में फंस गए हैं, भले ही उन्हें कितना भी अपमान सहना पड़ा हो।

राशिद अल्वी। फाइल

- पूर्व राज्यसभा सदस्य राशिद अल्वी ने भी पार्टी में बड़े नेताओं की भूमिका पर उठाए सवाल
- एक दिन पहले शशि थरूर ने पार्टी में अपनी भूमिका को लेकर नेतृत्व से किया था सवाल

शशि थरूर। फाइल

निपटा मामला

संविधान में मिली विशेष शक्तियों का उपयोग कर सुनाया फैसला, शीर्ष कोर्ट ने माना– वैवाहिक संबंधों के सुधरने की उम्मीद नहीं, पूरी तरह टूट चुकी है शादी

पूर्ण न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पति की अर्जी पर दी तलाक की मंजूरी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पूरी तरह टूट चुकी शादी और संबंधों में सुधार की कोई गुंजाइश नहीं देखते हुए संविधान के अनुच्छेद 142(1) के तहत मिली विशेष शक्तियों का इस्तेमाल कर पूर्ण न्याय करते हुए पति की तलाक की अर्जी स्वीकार कर ली है और पति-पत्नी के बीच विवाह विच्छेद घोषित कर दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने पति को 25 लाख रुपये स्थायी भरण-पोषण के तौर पर पत्नी को देने का आदेश दिया है। इतना ही नहीं शीर्ष अदालत ने पति-पत्नी द्वारा एक-दूसरे के विरुद्ध विभिन्न अदालतों में दाखिल किए गए आपराधिक और दीवानी सभी मुकदमे रद कर दिए। इसके अलावा कोर्ट ने सुनवाई का मौका दिए बिना पति का पासपोर्ट जब्त करने को गलत ठहराया और उसके विरुद्ध अमेरिका से भारत प्रत्यर्पण की कार्यवाही भी रद कर दी। संबंधित अथारिटी को एक सप्ताह के भीतर पासपोर्ट रिलीज करने का आदेश दिया है।

ये आदेश जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने वैवाहिक विवाद के मामले में पति की याचिका पर दिए। पति ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल कर पासपोर्ट जब्त करने और अदालत के नोटिस पर घरेलू हिंसा के मामले में पेश नहीं होने पर प्रत्यर्पण की कार्रवाई शुरू करने के हावड़ा (बंगाल) के न्यायिक मजिस्ट्रेट और कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। इसके अलावा पति ने अर्जी दाखिल कर कोर्ट से अनुच्छेद 142 की शक्तियों का इस्तेमाल करके शादी पूरी तरह टूट चुकने के आधार पर तलाक मांगा था। कोर्ट ने इस बारे में पूर्व फैसलों का जिक्र करते हुए विवाह समाप्त होने का फैसला सुनाया।

ज्ञात हो कि सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद-142 के तहत पूर्ण न्याय करने के लिए कोई भी आदेश दे सकता है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने शिल्पा शैलेष केस में व्यवस्था दी थी कि कोर्ट को पूरी तरह टूट चुकी शादी के मामले में अनुच्छेद 142(1) में विवाह विच्छेद का आदेश देने का विवेकाधिकार है। पीठ ने मौजूदा मामले का आकलन करते हुए कहा कि पति-पत्नी विवाह के बाद सिर्फ 80 दिन साथ रहे। पति पांच वर्षों से अलग अमेरिका में रह रहा है और पत्नी भारत में है। शादी से दोनों के कोई संतान नहीं है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के विरुद्ध बहुत से आपराधिक, घरेलू हिंसा और दीवानी मुकदमे दर्ज करा रखे हैं। पक्षकारों के बीच सुलह की कोई गुंजाइश नहीं दिखती। ऐसे में यह शादी पूरी तरह टूट चुकी है। शादी जारी रखने से कोई उद्देश्य पूरा होता नहीं दिखता। दोनों के कोई बच्चा नहीं हैं, ऐसे में तलाक का असर पक्षकारों पर पड़ेगा, कोई बच्चा प्रभावित नहीं होगा। यह केस अनुच्छेद 142(1) के तहत विवेकाधिकार इस्तेमाल करने का सही मामला है।

- विवाह बाद पति-पत्नी 80 दिन साथ रहे, पति अमेरिका में और पत्नी भारत में, दोनों के कोई संतान नहीं
- कहा, यह केस अनुच्छेद 142(1) के तहत विवेकाधिकार इस्तेमाल करने का सही मामला

तेलंगाना सुरंग हादसा : मलबे-कीचड़ ने बचाव अभियान की बढ़ाई चुनौती

नगरकुरनूल, प्रेट्र : तेलंगाना के नगरकुरनूल जिलान्तर्गत श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में छत का एक हिस्सा ढह जाने से 14 किमी अंदर फंसे आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। कई घंटे से फंसे हुए लोगों में दो इंजीनियर, दो मशीन आपरेटर और चार श्रमिक शामिल हैं। भारतीय सेना, एनडीआरएफ और अन्य एजेंसियों के अथक प्रयासों के बावजूद रविवार को बचाव अभियान में कोई सफलता नहीं मिली। हालांकि बचाव दल उस स्थान पर पहुंच गया है जहां सुरंग खोदने वाली मशीन काम कर रही थी। लेकिन, वहां पानी और गाद भर जाने से बचाव कार्य में बाधा आ रही है।

तेलंगाना के मंत्री जे कृष्ण राव ने कहा कि इन परिस्थितियों में बचने की संभावना ';बहुत अच्छी नहीं है। सुरंग के अंदर बहुत अधिक कीचड़ जमा हो गया है, जिससे उसमें से गुजरना असंभव हो गया है। वे (बचावकर्ता) उसमें से निकलने के लिए रबर ट्यूब और लकड़ी के तख्तों का उपयोग कर रहे हैं।'

एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक फंसे हुए लोगों से संपर्क नहीं हो पाया है। 14 किमी के बिंदु से पहले दो किमी पर जलभराव है। इस कारण भारी उपकरण अंतिम बिंदु तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। जल निकासी की कोशिश की जा रही है।

- एनडीआरएफ व सेना के जवान फंसे लोगों को बचाने में जुटे
- कई घंटे बीत जाने के बाद भी फिलहाल नहीं मिली है सफलता

****

7 फरवरी से शुरू हुए सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले का समापन खूबसूरत माहौल में किया गया। पर्यटन निगम के रिकार्ड के अनुसार 17 दिनों में 18.10 लाख पर्यटकों ने मेला देखा।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 24 फरवरी, 2025

आज का मौसम

सुबह के समय धुंध होने का पूर्वानुमान है। दिन में आसमान साफ रहेगा। शाम को बादल छाए सकते हैं।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
24 फरवरी	27.0	11.0
25 फरवरी	28.0	12.0
नोएडा		
24 फरवरी	27.0	13.0
25 फरवरी	28.0	16.0
गुरुग्राम		
24 फरवरी	26.0	10.0
25 फरवरी	27.0	12.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

सदर बाजार में गांजा बिकने पर छह पुलिसकर्मी निलंबित

नई दिल्ली : उत्तरी जिला के सदर बाजार थाना अंतर्गत बीट नंबर दो प्रियदर्शनी कालोनी में गांजा बिकते पाए जाने पर एक महिला एएसआइ समेत छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इस इलाके में गांजा समेत अन्य ड्रग्स बेचे जाने की बार-बार शिकायतें मिलने पर बीते शुक्रवार को डीसीपी राजा बांठिया द्वारा जिले के स्पेशल स्टाफ को प्रियदर्शनी कालोनी भेजकर जांच करवाने पर दो तस्कर गांजा बेचते पाए गए। डीसीपी ने एएसआइ राजबाला समेत छह पुलिसकर्मियों को निलंबित किया। (जासं)

31 मई तक पूरी करे 24 नालों की सफाई: एनजीटी

नई दिल्ली: राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने मानसून के दौरान दिल्ली की सड़कों पर जलभराव को रोकने के लिए दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग (आइ एंड एफसीडी) को 24 नालों की सफाई का काम 31 मई तक पूरा करने का आदेश दिया। एनजीटी ने विभाग अतिरिक्त मुख्य सचिव को 25 फरवरी तक इस बाबत एक हलफनामा दायर करने का भी आदेश दिया है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने विभाग को हलफनामे के जरिए यह भरोसा दे कि 24 नालों से गाद निकालने का काम तय समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। (जासं)

पिटाई का बदला लेने को युवक के पिता को मार डाला

नई दिल्ली: भाई की पिटाई का बदला लेने के लिए आरोपितों ने युवक के माता-पिता और बहन पर सुआ से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक के पिता 60 वर्षीय कालीचरण को लोकनायक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। शालीमार बाग थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। (जासं)

सरकारी खजाना खाली, फिर भी पूरे करेंगे वादे : रेखा गुप्ता

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- विधानसभा सत्र से पहले प्रदेश भाजपा कार्यालय में हुई विधायक दल की बैठक
- सीएम बोलीं, खजाना खाली होने के बाद भी हम अपने वादे शतप्रतिशत पूरे करेंगे

नई दिल्ली के भाजपा प्रदेश मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा। ध्रुव कुमार

दिल्ली में महिलाओं को 2,500 रुपये देने के लिए सीएम रेखा ने एक बार फिर प्रतिबद्धता दोहराई है। सीएम ने कहा कि चार दिन से हम लगातार बैठकें कर रहे हैं, जब सरकार के खजानों की ओर देखते हैं, तो सारे खाली मिलते हैं, लेकिन हमें अपनी वादे याद हैं और शतप्रतिशत हम इन्हें पूरा करेंगे।

सीएम ने कहा कि पिछली सरकार ने हमारे सामने जो स्थिति छोड़ी है, उसमें खजाना खाली दिखता है। अब यह दिल्ली की जनता के लिए स्थायी कार्य करना है। इसके लिए हम विस्तृत कार्ययोजना लेकर सामने आएंगे। दिल्ली की जनता के रेगुलर काम हैं, बहनों के लिए काम हैं। इसकी विस्तृत योजना बनाकर हम जनता के सामने निश्चित लाएंगे।

दिल्ली भाजपा कार्यालय में विधायक दल की बैठक के बाद सीएम रेखा गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि नई सरकार में सोमवार को दिल्ली विधानसभा का पहला सदन है और पहला दिन है, इसलिए सभी विधायक शपथ लेंगे। स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का चुनाव किया जाएगा। तीन दिवसीय इस विधानसभा सत्र में विकास परियोजनाओं पर चर्चा होगी। नकारात्मकता के लिए कोई स्थान नही होगा। सीएम ने कहा कि पहले ही सदन में कैग रिपोर्ट को रखने का वादा किया था, उस वादे को पूरा किया जाएगा। इसमें जनता की जिस गाढ़ी कमाई का दुरुपयोग पिछली सरकारों ने किया है, उसका हिसाब उन्हें जनता को देना पड़ेगा।

पंजाब का हिसाब लेकर विधानसभा में आएं आतिशी: प्रेसवार्ता में वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि जनता की अपेक्षा पर सरकार खरी उतरे, इसकी जिम्मेदारी है। दिल्ली को लूटने और ठगने वाली आम आदमी पार्टी जिस झूठ को प्रसारित-प्रचारित कर भाजपा को बदनाम करने की कोशिश कर रही है। उसका हमारे विधायक अपने कामों के जरिये जवाब देंगे। सचदेवा ने महिलाओं को 2,500 रुपये देने पर पूर्व सीएम आतिशी द्वारा किए जा रहे सवालों पर कहा कि आतिशी जब सोमवार को विधानसभा में आएं तो पंजाब में एक हजार रुपये देने का जो वादा किया था, उसमें कितने रुपये दे दिए हैं उसका हिसाब लेकर आए। उन्होंने कहा कि आप अपने कर्मों का जवाब दे। आने वाले दिनों में आप को सिर खुजाने का भी समय नहीं मिलेगा। सचदेवा ने कहा कि हमारी सरकार का एक ही एजेंडा है, दिल्ली को विकसित राजधानी बनाना है। विधानसभा सत्र के दौरान विधायकों की शपथ, एलजी का अभिभाषण और अन्य सरकारी कार्यक्रम होंगे, लेकिन दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू करके भाजपा सरकार पहले ही दिल्लीवालों को बड़ी सौगात दे चुकी है। विधायक दल की बैठक में यह निश्चय किया है कि कैसे वे अपने क्षेत्र को आगे बढ़ाएंगे और किस प्रकार से लोगों के दुख दर्द को बांटेंगे। दिल्ली के जो जो काम अधूरे पड़े हैं, वे सभी पूरा करना हमारी जिम्मेदारी है।

इस वर्ष 1,495 करोड़ का राजस्व घाटा होने का अनुमान जता चुका है वित्त विभाग

दिल्ली में सरकार के खजाने की स्थिति यह है कि वित्त वर्ष 2024-25 में 1,495 करोड़ का राजकोषीय घाटा होने का अनुमान वित्त विभाग जता चुका है। विभाग ने तत्कालीन सीएम को अक्टूबर, 2024-25 के संशोधित अनुमान तैयार करते हुए रिपोर्ट दी थी कि वित्त वर्ष के अंत तक बजटीय अनुमान 64,142 करोड़ से घटकर 62,415 करोड़ होने का अनुमान है। राजस्व व्यय 60,911 करोड़ से बढ़कर 63,911 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। यानी बजट में 1,495.48 करोड़ के घाटे का अनुमान है। वित्त विभाग के बजट प्रभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए संशोधित अनुमान तैयार करते समय ये अनुमान लगाए थे।

दिल्ली के विकास व सांस्कृतिक समृद्धि के लिए समर्पित हूं: सीएम

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: द्वारका स्थित यशोभूमि में जैन समाज से जुड़े द्वारकेश श्री बाहुबली स्वामी महामस्तकाभिषेक समारोह में प्रदेश की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि जैन धर्म के अहिंसा, सत्य और तपस्या के सिद्धांत समाज में सद्भाव व नैतिक मूल्यों को मजबूत बनाते हैं। दिल्ली की सांस्कृतिक विरासत इसी आध्यात्मिकता और समरसता से समृद्ध हुई है। इस अवसर पर पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत, नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज, मटियाला के विधायक संदीप सहरावत सहित अनेक व्यक्ति उपस्थित रहे।

भाजपा सरकारी खजाना खाली होने का बहाना न बनाए : आतिशी

आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने रविवार को दिल्ली की जनता से किए तमाम वादों को पूरा करने से बचने के लिए अभी से बहाने ढूंढने का भाजपा पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकारी खजाना खाली होने का बहाना न बनाए, जनता ने उसे जनादेश दिया है और अब वह दिल्लीवालों से किए वादे पूरा करे। उन्होंने कहा कि आप ने भाजपा को आर्थिक रूप से विकसित और एक मजबूत सरकार सौंपी है। हमने 10 साल में दिल्ली का बजट 30 हजार करोड़ से ढाई गुना बढ़ाकर 77 हजार करोड़ तक पहुंचाया है। भाजपा शासित एक भी राज्य नहीं है, जिसने दस साल में अपने बजट को ढाई गुना बढ़ाया हो और ऋण-जीडीपी अनुपात को 50 प्रतिशत कम किया हो।

विस सत्र आज से, 27 साल बाद सत्तापक्ष में बैठेगी भाजपा

तीन दिवसीय सत्र ▸ विधानसभा में पहले दिन 70 सदस्य शपथ लेंगे

सदन में कल पेश की जाएंगी पिछली आप सरकार की लंबित 14 कैग रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा का तीन दिवसीय सत्र आज (सोमवार) से शुरू हो रहा है। 27 साल बाद भाजपा सदन में सत्तापक्ष में बैठेगी और 10 साल से सत्ता में रही आम आदमी पार्टी विपक्ष में बैठेगी। सत्र के पहले दिन नवनिर्वाचित 70 सदस्य शपथ लेंगे तथा विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए भाजपा के विजेंद्र गुप्ता ने नामांकन कराया है।

आठवीं विधानसभा के पहले सत्र में दिल्ली की भाजपा सरकार कैग रिपोर्ट पेश कर अपने उस वादे को पूरा करेगी, जो दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने किया था। दूसरे दिन यानी 25 फरवरी को उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण के बाद पिछली आप सरकार की लंबित 14 कैग रिपोर्ट को सदन पटल में रखा जाएगा। पहले दिन सदन चलाने के लिए गांधी नगर से विधायक अरविंदर सिंह लवली को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। इस बारे में उपराज्यपाल के निर्देश पर आदेश जारी कर दिए गए हैं।

दिल्ली विधानसभा। जागरण आर्काइव

सोमवार सुबह 11 बजे विधानसभा के नए कार्यकाल का पहला सत्र शुरू होगा। इस दौरान नवनिर्वाचित विधायकों को प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली शपथ दिलाएंगे। पहले दिन दोपहर दो बजे विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता विजेंद्र गुप्ता को अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव रखेंगी, जिसका कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा समर्थन करेंगे। कैबिनेट मंत्री रविन्द्र इंद्रराज प्रस्ताव रखेंगे कि विजेंद्र गुप्ता को अध्यक्ष निर्वाचित किया जाए। इस प्रस्ताव का कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह समर्थन करेंगे। इस तरह अध्यक्ष के निर्वाचन की कार्यवाही पूरी की जाएगी। विधानसभा सत्र के दूसरे दिन 25 फरवरी को सत्र में उपराज्यपाल वीके सक्सेना का अभिभाषण होगा। इसके बाद विधानसभा के पटल पर कैग रिपोर्ट रखी जाएगी। एलजी के अभिभाषण पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता धन्यवाद प्रस्ताव पेश करेंगी। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर अवकाश है। 27 फरवरी को सदन में उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी। इसके बाद विधानसभा के उपाध्यक्ष का चुनाव होगा।

भाजपा के वादे याद दिलाएगी आप

दिल्ली में आप की सरकार के दौरान विपक्ष में बैठी भाजपा ने मांग की थी कि कैग रिपोर्ट को पेश किया जाए। लेकिन, रिपोर्ट पेश नहीं की गई थी। दूसरी ओर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुवाई में पहली कैबिनेट की बैठक में कैग रिपोर्ट पर चर्चा हुई थी। इस दौरान 14 कैग रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर प्रस्तुत करने की योजना बनाई गई थी। माना जा रहा है कि शपथ लेने के बाद यह सत्र हंगामेदार रहेगा। आप विधानसभा सदन में भाजपा के महिलाओं को 2500 रुपये देने के वादे को याद दिलाते हुए जोरशोर से यह मुद्दा उठाएगी। इसके लिए नेता प्रतिपक्ष आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के विधायक तैयारी कर चुके हैं।

मोहल्ला क्लीनिक के बाद बदलेगा मोहल्ला बसों का नाम

राज्य ब्यूरो, जागरण, ● नई दिल्ली: मोहल्ला क्लीनिक का नाम बदलने के बाद दिल्ली की भाजपा सरकार मोहल्ला बसों का नाम बदलने पर विचार कर रही है। आप सरकार ने मोहल्ला बसों के नाम से दिल्ली में छोटी बसें चलाने की योजना बनाई थी, लेकिन सरकार नई बसें सड़कों पर नहीं उतार पाई। इस योजना के तहत 150 बसें आ चुकी हैं, जो पिछले तीन महीने से कुशक नाला बस डिपो में खड़ी हैं। ये बसें दिल्ली विस चुनाव की अधिसूचना की घोषणा के पहले ही आ चुकी थीं पर उस वक्त आप सरकार लाख कोशिशों के बाद भी इन्हें संचालित नहीं कर सकी, जिसका एक कारण सत्ता में बैठे नेताओं और अधिकारियों के बीच तालमेल का ना होना रहा था। यह सब चल ही रहा था तब तक दिल्ली में चुनाव की अधिसूचना लग गई थी। भाजपा के सत्ता में आ जाने से अब इनके संचालन का रास्ता साफ हो गया है।

लास्टमाइल कनेक्टिविटी के मामले में दिल्लीवासियों को जल्द राहत मिलने जा रही है, क्योंकि दिल्ली की सड़कों पर 150 मोहल्ला बसें उतरेंगी। ये बसें कुशक नाला डिपो में खड़ी हैं। इस डिपो में नौ मीटर वाली लो फ्लोर इलेक्ट्रिक बसों की पहली खेप आ चुकी है। जहां 12 मीटर की बड़ी बसें नहीं जा सकती हैं वहां ये बसें चलेंगी। ये न केवल लोगों के समय और पैसे की बचत करेंगी, बल्कि उन्हें आटो रिक्शा लेने या गंतव्य तक पहुंचने के लिए कई बस रूट बदलने की आवश्यकता को भी समाप्त कर देंगी।

राजनीतिक प्रपंच के लिए नहीं होगा विधानसभा का उपयोग

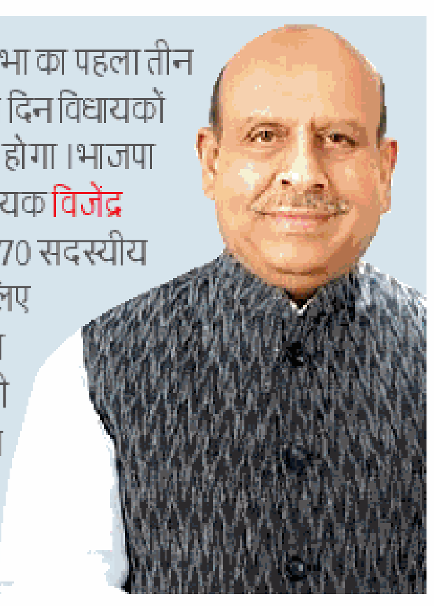

भाजपा के सत्ता में आने के बाद दिल्ली विधानसभा का पहला तीन दिवसीय सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। पहले दिन विधायकों की शपथ के बाद विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। भाजपा की तरफ से पूर्व नेता प्रतिपक्ष व रोहिणी के विधायक विजेंद्र गुप्ता ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया है। 70 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 48 विधायक हैं, इसलिए गुप्ता का अध्यक्ष चुना जाना तय है। विधानसभा की कार्य प्रणाली, विधानसभा के नए अध्यक्ष की चुनौती व प्राथमिकता को लेकर दैनिक जागरण के संतोष कुमार सिंह ने उनसे विस्तार से चर्चा की। प्रस्तुत है बातचीत के मुख्य अंश :

साक्षात्कार

● **भाजपा के शासनकाल में विधानसभा की कार्यप्रणाली में क्या बदलाव आएगा?**

– विधिवत सदन चलेगा। राजनीतिक प्रपंच के लिए विधानसभा का उपयोग नहीं होना चाहिए। पूर्व में यही होता था। सत्ता पक्ष के सदस्य जानबूझकर दिल्लीवासियों से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा नहीं होने देते थे। अब नियम एवं गरिमा के साथ सदन चलेगा। सभी विधायी कार्य नियम के अनुसार होंगे। कार्य मंत्रणा समिति, प्रश्न काल, अल्पकालीक चर्चा, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, निजी सदस्य बिल को रोक दिया गया था। इसे बहाल किया जाएगा।

● **नए अध्यक्ष के लिए विधानसभा में लोकतांत्रिक प्रक्रिया व अनुशासन का पालन कराना कितनी बड़ी चुनौती है?**

– विधानसभा में चर्चा व इसकी कार्य प्रणाली का स्तर गिरा दिया गया था। इसे पुनर्स्थापित किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष का ध्येय पवित्र और दृष्टिकोण स्पष्ट हो, तो किसी तरह की परेशानी नहीं होती है। सदन को संचालित करने के लिए विधानसभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियम है। सदन की गरिमा को बनाए रखने के लिए इसमें पूरी व्यवस्था है। इसका पालन होने से सदन में किसी तरह का गतिरोध नहीं होगा।

● **नेता प्रतिपक्ष रहते हुए आप एवं अन्य भाजपा विधायक विधानसभा में विपक्ष की आवाज को दबाने का आरोप लगाते थे। इसमें कितनी सच्चाई है?**

– यह आरोप पूरी तरह से सच हैं। सभी ने देखा है कि विपक्ष के सदस्यों को सदन में बोलने नहीं दिया जाता था। यदि वह अपनी बात रखना चाहते थे, तो उनकी माइक बंद कर दिया जाता था। इसका विरोध करने पर उन्हें मार्शल के माध्यम से बाहर कर दिया जाता था। जनहित के मुद्दों पर चर्चा नहीं होती थी।

● **क्या भाजपा शासनकाल में विपक्ष को बात रखने का पर्याप्त अवसर मिलेगा?**

– बिल्कुल। प्रत्येक सदस्य को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर मिलेगा। जनहित से संबंधित मुद्दों पर खूब चर्चा होगी और इसका समाधान निकाला जाएगा। विधानसभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियम सदन की आत्मा है। यह संविधान से प्रेरित है। इसके तहत विधानसभा संचालित होगी और सभी सदस्य चर्चा में शामिल होंगे। इसमें किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सदस्यों द्वारा उठाए प्रश्नों का जवाब भी मिले।

● **विधानसभा में मार्शल का प्रयोग कितना उचित है?**

– राजनीतिक द्वेष भाव से, पूर्वाग्रह से ग्रस्त होकर और किसी की आवाज दबाने के लिए मार्शल का प्रयोग नहीं होना चाहिए। प्रत्येक सदस्य को अपनी बात रखने की स्वतंत्रता है। स्वस्थ आलोचना भी आवश्यक है।

● **विधानसभा में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन कराने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे?**

– सदन सुचारू रूप से चले यह प्राथमिकता होगी। सदन में सिर्फ रस्म अदायगी नहीं होगी। सभी आवश्यक सत्र आयोजित होंगे। सदन की बैठक बुलाने की प्रक्रिया का पालन आवश्यक है। कुछ घंटों की नोटिस पर विधासभा सत्र बुला लिया जाता था। प्रत्येक सत्र का सत्रावसान भी होना चाहिए। इसका उल्लंघन किया जाता रहा है। नए सत्र के लिए उपराज्यपाल से अनुमति न लेनी पड़े, इसके लिए सत्र का सत्रावसान नहीं किया जाता था। प्रश्न काल, अल्पकालीक चर्चा, सदस्यों को प्रश्न पूछने के अधिकार से वंचित रखा जाता था। इस तरह की अलोकतांत्रिक तरीके अब नहीं चलेंगे। राजनीतिक एजेंडे के लिए नहीं, अब दिल्लीवासियों के हित के लिए विधानसभा का सत्र नियम अनुसार बुलाया जाएगा और उसका सत्रावसान भी होगा। यह प्रयास होगा कि दिल्ली विधानसभा देश के अन्य विधानसभाओं के लिए आदर्श प्रस्तुत करे।

● **सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों से क्या कहना चाहेंगे?**

– विधानसभा लोकतंत्र में भागीदारी का मंच है। सभी विधायकों को इसमें शामिल होना चाहिए। चर्चा में विधायकों की भागीदारी से सुखद परिणाम सामने आएंगे। यह दिल्लीवासियों के हित में है।

गृह मंत्री और रक्षा मंत्री से मिलीं सीएम रेखा गुप्ता

जासं, नई दिल्ली: मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यभार संभालने के बाद रेखा गुप्ता लगातार शिष्टाचार मुलाकात कर रही हैं। रविवार को सीएम ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की। साथ ही गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने भी सीएम रेखा से दिल्ली में मुलाकात की है। गृहमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'रेखा गुप्ता को नए दायित्व के लिए बधाई व शुभकामनाएं। दिल्ली की जनता ने पीएम मोदी के नेतृत्व पर भरोसा दिखाया है। सीएम के रूप में आपका यह कार्यकाल निश्चित ही दिल्ली को नई ऊंचाईयों तक ले जाएगा। जनता की सभी आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करेगा।

आप ने कहा 12 हजार कर्मी होंगे पक्के, निगम ने कहा कोई प्रस्ताव नहीं

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली नगर निगम में पार्षदों के पाला बदलने से अल्पमत में आई आप सरकार ने निगम के 12 हजार अस्थायी कर्मचारियों को नियमित करने का दावा किया है। आप का कहना है कि 25 फरवरी को होने वाली निगम सदन की बैठक में प्रस्ताव पारित किया जाएगा, जबकि निगम के आधिकारिक सूत्रों ने इस तरह के प्रस्ताव से इन्कार किया है। सूत्रों का कहना है कि न तो किसी भी विभाग ने ऐसा कोई प्रस्ताव तैयार किया है और न ही किसी ने प्रस्ताव उनसे मांगा है। अधिकारियों ने नाम न उजागर करने की शर्त पर कहा कि राजनीतिक दल द्वारा जितने कर्मचारियों को पक्का करने का दावा किया जा रहा है, निगम में उससे कहीं ज्यादा अस्थायी कर्मचारी हैं।

आप के राष्ट्रीय कार्यालय में पूर्व सीएम आतिशी ने महापौर महेश कुमार के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता में कहा कि 25 फरवरी को होने वाले एमसीडी सदन की बैठक में 12 हजार कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा।

सदन में सत्तापक्ष और विपक्ष में प्रमुख पद पर आमने-सामने होंगी दो महिलाएं

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

आतिशी। फाइल

पूर्व मुख्यमंत्री व आप की वरिष्ठ नेता आतिशी व नेंगी दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष

दिल्ली विधानसभा के इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है जब सदन में सत्तापक्ष और विपक्ष में मुख्य पद, दोनों पर महिलाएं आसीन होंगी। भाजपा ने जहां पहली बार विधानसभा में चुनकर आई रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाया है, वही आप ने भी पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ नेता आतिशी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में चुना है। रविवार को पार्टी कार्यालय में आप विधायकों की बैठक के बाद पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि आतिशी को सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से नेता चुन लिया है। राय ने कहा कि आतिशी दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगी। उम्मीद है कि पार्टी की विचारधारा व रणनीति को आगे ले जाएंगी।

कैग रिपोर्ट पर भ्रम फैला रही है भाजपा: आतिशी : नेता प्रतिपक्ष चुने जाने पर आतिशी ने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल सहित पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं को धन्यवाद दिया है। कैग रिपोर्ट विधानसभा में पेश किए जाने के भाजपा सरकार के फैसले के बारे में पूछे जाने पर आतिशी ने कहा कि भाजपा भ्रम फैला रही है कि उन्होंने सदन में कैग रिपोर्ट प्रस्तुत करने का फैसला लिया है। सच्चाई यह है कि उन्होंने मुख्यमंत्री रहते ही सभी रिपोर्ट्स दिल्ली विस अध्यक्ष को सीलबंद लिफाफे में भेज दी थी और अगले सदन में रिपोर्टें सदन में पेश होनी थीं। आतिशी से जब पूछा गया कि उनकी सरकार ने इन कैग रिपोर्ट्स को कार्यकाल में पेश क्यों नहीं किया, तो उनका कहना था यह एक रुटीन प्रक्रिया थी और इसमें समय लगता है। साथ ही उन्होंने कहा कि रिपोर्ट्स में क्या है यह जनता को पता ही लगना चाहिए।

मजेंटा लाइन

बाहरी रिंग रोड के पास यलो लाइन के ऊपर से 28.362 मीटर की ऊंचाई पर किया गया है तैयार, निर्माणाधीन 29.262 किलोमीटर लंबी जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम मेट्रो लाइन का है हिस्सा

बादली मोड़ पर बना मेट्रो का सबसे ऊंचा कारिडोर

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने फेज-चार की मेट्रो लाइन पर हैदरपुर बादली मोड़ के पास दिल्ली मेट्रो के सबसे ऊंचे कारिडोर का निर्माण पूरा कर लिया है। यह कारिडोर बाहरी रिंग रोड के पास वर्तमान यलो लाइन (समयपुर बादली-मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम) के ऊपर से 28.362 मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया है। खास बात यह है कि यह कारिडोर यलो लाइन के कारिडोर के बीच बने सिंगल पिलर के ऊपर बनाया गया है। इस तरह मेट्रो का सबसे ऊंचा कारिडोर अब मजेंटा लाइन पर होगा।

इससे पहले धौला कुआं में पिंक लाइन के कारिडोर की ऊंचाई सबसे अधिक थी। अब डीएमआरसी ने हैदरपुर बादली मोड के पास सबसे ऊंचा मेट्रो कारिडोर बनाकर एक नया रिकार्ड कायम किया है। डीएमआरसी का कहना है कि इस कारिडोर का निर्माण बेहद चुनौतीपूर्ण था। यह कारिडोर फेज-चार में निर्माणाधीन 29.262 किलोमीटर लंबी जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम मेट्रो लाइन का है यह हिस्सा है, जो वर्तमान मजेंटा लाइन (बोटेनिकल गार्डन-जनकपुरी पश्चिम) की विस्तार परियोजना है। हैदरपुर बादली मोड़ में पहले से यलो लाइन का स्टेशन है। हैदरपुर बादली मोड में फेज-चार के मेट्रो कारिडोर का प्लेटफार्म भी वर्तमान स्टेशन के ऊपर बनाया गया है। इस वजह से बाहरी रिंग रोड के पास 490 मीटर लंबा सेक्शन यलो लाइन के ऊपर से गुजर रहा है और हैदरपुर बादली मोड़ मेट्रो स्टेशन के पास पिलर नंबर 340 पर मेट्रो कारिडोर की ऊंचाई सबसे अधिक 28.362 मीटर है। डीएमआरसी का कहना है कि फेज-चार के कारिडोर के लिए वर्तमान यलो लाइन के ऊपर स्टील स्पैन डालकर एलिवेटेड कारिडोर बनाया गया। यलो लाइन पर मेट्रो का परिचालन व सुरक्षा में व्यवधान न पड़े इसके लिए इंजीनियरों ने तीन चरणों में सुरक्षित तरीके से निर्माण पूरा किया।

हैदरपुर बादली मोड के पास 142 मीट्रिक टन स्टील गार्डर से बना मेट्रो कारिडोर। इसके नीचे से यलो लाइन गुजर रही है।

दूसरा ऊंचा वायाडक्ट भी है इसी कारिडोर पर

मेट्रो का दूसरा सबसे ऊंचा वायाडक्ट भी इसी कारिडोर पर हैदरपुर बादली मोड़ के पास रेलवे क्रासिंग के पास तैयार किया गया है। रेलवे क्रासिंग के ऊपर 52.288 मीटर का लंबा स्टील स्पैन लगा कारिडोर तैयार किया। इस जगह पर कारिडोर की ऊंचाई 27.610 मीटर है। इस जगह मेट्रो के वायाडक्ट व रेलवे ट्रैक के बीच जगह की कमी से रेलवे के ओवरहेड इलेक्ट्रिकल वायर से कम दूरी के अंतर पर दो हैवी क्रेनों का इस्तेमाल कर कारिडोर तैयार किया गया।

यमुना नदी में चलेगी वाटर टैक्सी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

- एनसीआर प्लानिंग बोर्ड ने अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग को डीपीआर बनाने को कहा
- एक बार में 20 से 25 यात्रियों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाएगी वाटर टैक्सी

एनसीआर प्लानिंग बोर्ड (एनसीआरपीबी) यमुना में वाटर टैक्सी चलाने की योजना बना रहा है। बोर्ड ने यह प्रस्ताव एनसीआर के अंतर्गत आने वाले राज्यों के सचिवों से बैठक में रखा है। बोर्ड के अनुसार, दिल्ली से नोएडा तक चलने वाली इस वाटर टैक्सी का रूट मदनपुर खादर से लेकर आइटीओ तक होगा और उसी के अनुरूप वाटर टैक्सी स्टेशन बनाए जाएंगे।

एनसीआर प्लानिंग बोर्ड के अनुसार, दिल्ली के मदनपुर खादर, निजामुद्दीन, आइटीओ और फिल्म सिटी नोएडा तक वाटर टैक्सी के लिए स्टेशन बनाए जाएंगे। इसके लिए अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग (आइडब्ल्यूएआइ) को प्रस्ताव दिया गया है। इसके तहत यह वाटर टैक्सी यमुना में 20-25 सवारियों को लेकर एक जगह से दूसरी जगह तक जाएगी। कहा जा रहा है कि इससे एनसीआर में जल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा और पर्यटन भी बढ़ेगा।

चर्चा को लेकर एक अधिकारी ने बताया कि यमुना में वाटर टैक्सी चलाने के लिए एक से 1.2 मीटर जल स्तर की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में यमुना नदी पर वाटर टैक्सी के लिए ना सिर्फ रिवर फ्रंट बनवाने की जरूरत है, बल्कि परिवहन और टूरिज्म के लिए भी इसे सहज बनाने की जरूरत पड़ेगी। अधिकारी ने बताया कि वाटर टैक्सी शुरू करने से पहले दिल्ली से लेकर नोएडा तक पानी का सर्वेक्षण और उसके ट्रैफिक का अध्ययन करना होगा।

किडनी खराब होने की बीमारी से पीड़ित बच्चों को मिलेगा बेहतर इलाज

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत आरएमएल अस्पताल के पीडियाट्रिक आइसीयू में पहली बार सीआरआरटी (कंटीन्यूअस रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी) मशीन लगाई गई है। रविवार से इस मशीन के जरिये आइसीयू में जिंदगी और मौत से जूझ रहे बच्चों का इलाज शुरू हो गया। इस आइसीयू में महत्वपूर्ण अंगों व किडनी खराब होने की बीमारी से पीड़ित बच्चों को अब बेहतर इलाज मिल सकेगा।

डाक्टर बताते हैं कि यह मशीन एकेआइ (एक्यूट किडनी इंजरी) के कारण होने वाली मौतों को कम करने में मददगार होगी। चिकित्सा अधीक्षक डा. अजय शुक्ला ने इस मशीन से इलाज की सुविधा की शुरुआत की। पीड़ियाटिक के विभागाध्यक्ष डा. दिनेश कुमार ने बताया कि सीएसआर के तहत यह मशीन अस्पताल को मिली है।

****

2024 के सितंबर तक 10 मिशनों में 153 महिलाओं सहित 5,384 कर्मियों के साथ भारत संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में शीर्ष योगदानकर्ताओं में से एक रहा है।

मोदी ने मोटापे की बढ़ती समस्या पर लोगों को किया सचेत

बोले- मोटापा अनेक बीमारियों की जड़, इससे निजात जरूरी ; खाद्य तेल के उपभोग में 10 प्रतिशत कटौती करने का किया आह्वान

एआइ और खेल के क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत का भी किया उल्लेख

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- बोर्ड परीक्षाएं देने वाले छात्रों से खुश और तनावमुक्त रहने का अनुरोध किया
- भारत की विविध वन्यजीव संपदा को संरक्षित करने का भी आह्वान

नई दिल्ली में रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सुनते दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, सांसद बांसुरी स्वराज व अन्य। एएनआइ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में मोटापे की बढ़ती समस्या पर लोगों को सचेत किया। कहा कि एक स्वस्थ राष्ट्र बनने के लिए हमें मोटापे की समस्या से निपटना होगा। इसके लिए उन्होंने खाने के तेल में 10% की कटौती करने का आह्वान किया। साथ ही इस आदत को 10 अन्य लोगों तक पहुंचाने की अपील की ताकि वे भी प्रेरित हों। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने स्पेस सेक्टर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत का भी उल्लेख किया। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि भारत आज एक वैश्विक खेल शक्ति बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। साथ ही उन्होंने बोर्ड परीक्षाएं देने वाले छात्रों से खुश और तनावमुक्त रहने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने मोटापे को हृदय रोग, मधुमेह और हाई बीपी जैसी कई बीमारियों की जड़ बताते हुए कहा कि इससे निपटना केवल व्यक्तिगत इच्छा का मामला नहीं है, बल्कि यह परिवार के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। मोटापे की समस्या के विकराल रूप धारण करने की ओर इशारा करते हुए उन्होंने एक अध्ययन का हवाला दिया और कहा कि आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से जूझ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं। सबसे बड़ी बात बच्चों में बढ़ता मोटापा है और ऐसे बच्चों की संख्या चार गुना बढ़ गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2022 के आकलन का हवाला देते हुए कहा कि दुनिया में 250 करोड़ लोगों का वजन तय सीमा से अधिक है। प्रधानमंत्री ने खाने के तेल में 10% की कमी का आह्वान करते हुए लोगों से इसे अपनाने और दूसरों को प्रेरित करने की अपील की। मोटापा से निपटने के लिए लोगों को प्रेरित करने के मकसद से पीएम ने दो बार के ओलिंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा, बाक्सिंग में विश्व चैंपियन निखत जरीन और प्रसिद्ध चिकित्सक डा. देवी शेट्टी के संदेश भी साझा किए। इन हस्तियों ने लोगों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया।

मोदी ने स्पेस साइंस में भारत की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि जीवन में कुछ रोमांचक करने की सोचने वाले युवाओं के लिए स्पेस सेक्टर एक बेहतरीन विकल्प बन रहा है। स्पेस सेक्टर को निजी क्षेत्र के लिए खोलने के चंद साल में ही सैकड़ों स्टार्टअप और निजी कंपनियां इसमें काम करने लगी हैं। इसके साथ ही पिछले दिनों पेरिस में हुए वर्ल्ड एआइ समिट का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि दुनिया एआइ में भारत की प्रगति की सराहना कर रही है। उन्होंने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में एआइ के बढ़ते इस्तेमाल का उल्लेख करते हुए बताया कि तेलंगाना के आदिलाबाद के शिक्षक थोडासम कैलाश एआइ की मदद से कोलामी समेत विभिन्न भाषाओं में गीत तैयार कर रहे हैं।

मोदी ने छात्रों से कहा- 'यह बोर्ड परीक्षाओं का मौसम है। मैं अपने युवा परीक्षार्थी मित्रों को शुभकामनाएं देता हूं। बिना किसी तनाव के और पूरी तरह से सकारात्मक भावना के साथ अपने पेपर दें।' मोदी ने भारत की विविध वन्यजीव संपदा को संरक्षित करने का भी आह्वान किया। उन्होंने भारत के जीव-जंतुओं और देश की सांस्कृतिक धरोहर के बीच गहरे संबंध को रेखांकित किया।

महिला दिवस पर महिलाएं संभालेंगी पीएम के इंटरनेट मीडिया अकाउंट्स : प्रधानमंत्री मोदी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के व्यापक योगदान को रेखांकित करते हुए आठ मार्च को महिला दिवस के अवसर पर अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट्स को चुनिंदा महिलाओं को सौंपने का एलान किया। इनमें उन महिलाओं को चुना जाएगा, जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हो, नई खोज की हो और अपनी अलग पहचान बनाई हो। प्रधानमंत्री के अनुसार ये महिलाएं आठ मार्च को पूरे दिन अपने कार्य और अनुभवों को देशवासियों के सामने साझा करेंगी। प्रधानमंत्री ने अन्य महिलाओं को भी उनके एक्स और इंस्टाग्राम अकाउंट्स के माध्यम से पूरी दुनिया में अपनी बात पहुंचाने के लिए आमंत्रित किया। उनके अनुसार नमो एप पर एक विशेष फोरम बनाया गया है, जिसका हिस्सा बनने के बाद किसी भी महिला को अपनी बात प्रधानमंत्री के एक्स व इंस्टाग्राम अकाउंट के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने का मौका मिल जाएगा।

बता दें कि मोदी ने 2020 में भी आठ मार्च को अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट्स को विभिन्न क्षेत्रों की सात प्रमुख महिलाओं को सौंपा था। एक्स, यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफार्म पर करोड़ों फालोअर्स के साथ, मोदी इंटरनेट मीडिया पर सबसे अधिक फालो किए जाने वाले वैश्विक नेताओं में से एक हैं।

भारत ने अंतरिक्ष में भी लगाया शतक

चैंपियंस ट्राफी का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि इन दिनों हर जगह क्रिकेट का माहौल है। हम सभी अच्छी तरह से जानते हैं कि क्रिकेट में शतक का रोमांच क्या होता है। लेकिन आज, मैं उस अद्भुत शतक के बारे में बात करने जा रहा हूं जो भारत ने अंतरिक्ष में बनाया है। पिछले महीने देश ने इसरो के 100वें राकेट का प्रक्षेपण देखा। यह सिर्फ एक संख्या नहीं है, बल्कि यह हर दिन अंतरिक्ष विज्ञान में नई ऊंचाइयों को छूने के हमारे संकल्प को भी दर्शाता है।

दर्द निवारक टेपेंटाडोल व कैरिसोप्रोडोल के उत्पादन और निर्यात पर प्रतिबंध

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआइ) ने दर्द निवारक दवाओं टेपेंटाडोल और कैरिसोप्रोडोल के उत्पादन और निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कदम इन खबरों के बाद उठाया गया है, जिनमें कहा गया था कि इन दवाओं को मुंबई स्थित फार्मा कंपनी ने पश्चिम अफ्रीकी देशों में निर्यात किया था, जिससे वहां संकट पैदा हो गया था। इन दवाओं का मादक पदार्थों के तौर पर नशे के लिए इस्तेमाल किए जाने का खतरा है।

डीसीजीआइ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दवा नियंत्रण अधिकारियों से इन दोनों दवाओं के सभी निर्यात एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) और विनिर्माण लाइसेंस तुरंत वापस लेने को कहा है। टेपेंटाडोल का उपयोग दर्द के इलाज के लिए किया जाता है, वहीं कैरिसोप्रोडोल मांसपेशी रिलैक्सेंट है जो दर्द से राहत देता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बयान में कहा है कि उसने भारतीय दवा निर्माता कंपनी एविओ फार्मास्युटिकल्स द्वारा पश्चिम अफ्रीका के कुछ देशों में टेपेंटाडोल और कैरिसोप्रोडोल दवाओं के निर्यात के संबंध में चिंताओं को उजागर करने वाली समाचार रिपोर्टों के बाद तत्काल और निर्णायक कार्रवाई की है। इसके पहले भी दवाओं के अमानक होने की खबरें आती रही हैं और सरकार उसके आधार पर कार्रवाई करती हैं।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी फ्रांस यात्रा में रक्षा-सैन्य संबंधों को बढ़ाने पर करेंगे फोकस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- जनरल द्विवेदी रविवार को फ्रांस की चार दिवसीय यात्रा पर हुए रवाना
- रक्षा और सैन्य सहयोग में भारत का भरोसेमंद साझेदार है फ्रांस

जनरल उपेंद्र द्विवेदी। फाइल

भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक रक्षा और सैन्य सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी हैं। इसी क्रम में थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी रविवार को फ्रांस की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। 24 से 27 फरवरी तक की उनकी इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत और फ्रांस के बीच सैन्य सहयोग को और मजबूत करना, नए सहयोग के रास्ते तलाशना और दोनों देशों की सेनाओं के बीच रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देना है। फ्रांस, भारत की रक्षा जरूरतों के लिए एक महत्वपूर्ण और भरोसेमंद साझेदार है। फ्रांस से हथियारों और रक्षा उपकरणों की खरीद पर भी बातचीत जारी है, जिसमें वायुसेना के लिए और राफेल लड़ाकू जेट विमानों की खरीद का विकल्प शामिल है।

सेना प्रमुख की यह यात्रा दोनों देशों की रक्षा-रणनीतिक साझेदारी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जनरल द्विवेदी फ्रांस के सेना प्रमुख के साथ वार्ता करने के अलावा वहां के अन्य वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व से भी मुलाकात करेंगे। 24 फरवरी को दिन की शुरुआत गार्ड आफ आनर से होगी, जिसके बाद फ्रांस के सेना प्रमुख जनरल पियरे शिल के साथ चर्चा होगी। पेरिस दौरे के दौरान वह प्रतिष्ठित मिलिट्री स्कूल और इंस्टीट्यूशन काम्प्लेक्स इकोले मिलिटेयर का दौरा करेंगे, जहां उन्हें फ्यूचर काम्बैट कमांड (सीसीएफ) के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा, वह वर्सेल्स में बैटल लैब टेरे का दौरा करेंगे। ज्ञात हो कि फ्रांस के सेना प्रमुख ने पिछले साल फरवरी में भारत का दौरा किया था।

यात्रा के दूसरे दिन 25 फरवरी को जनरल द्विवेदी मार्सिले जाएंगे, जहां वे फ्रांसीसी सेना की तीसरी डिवीजन का दौरा करेंगे। यहां वह तीसरी डिवीजन के मिशन और भूमिका, द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास शक्ति, भारत-फ्रांस प्रशिक्षण सहयोग और फ्रांसीसी सेना आधुनिकीकरण कार्यक्रम (स्कार्पियन) से रूबरू होंगे। अगले दिन कार्पियाग्ने जाएंगे और लाइव फायरिंग अभ्यास के साथ स्कार्पियन डिवीजन के गतिशील प्रदर्शन को देखेंगे। दौरे के अंतिम दिन 27 फरवरी को सेना प्रमुख प्रथम विश्व युद्ध में भाग लेने वाले शहीद भारतीय सैनिकों के सम्मान में पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए न्यूवे चैपल भारतीय युद्ध स्मारक का दौरा करेंगे। वह फ्रांसीसी संयुक्त स्टाफ कालेज में व्याख्यान देंगे, जिसमें आधुनिक युद्ध की प्रकृति और भारत की रणनीतिक दृष्टि पर प्रकाश डाला जाएगा।

सांस्कृतिक चुंबक जैसी काशी, पूरा देश इससे जुड़ा : जयशंकर

जागरण संवाददाता, वाराणसी

- विश्व के 45 देशों के राजदूतों के साथ 'काशी तमिल संगमम' में शामिल हुए विदेश मंत्री
- कहा-क्षेत्रीय हितों को लेकर टकराव के बीच भारत दिखा रहा है समरसता का मार्ग

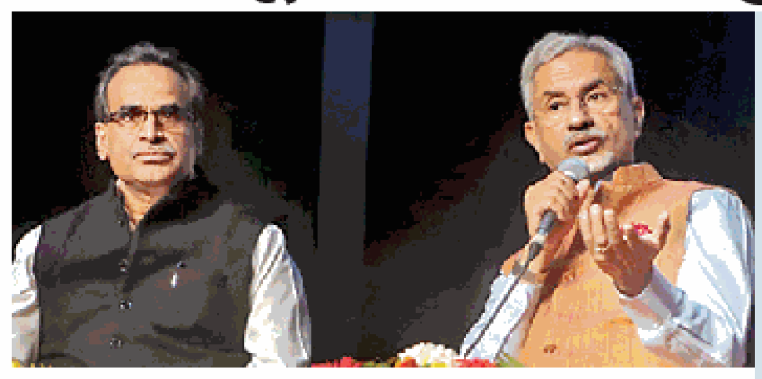

वाराणसी स्थित बीएचयू में रविवार को काशी-तमिल संगमम संवाद कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर (दाएं)। साथ हैं बीएचयू के कार्यवाहक कुलपति प्रो. संजय कुमार। जागरण

विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर ने रविवार को कहा कि काशी-तमिल संगमम काशी और तमिलनाडु के बीच सदियों पुराने जुड़ाव का उत्सव है। प्राचीन नगरी काशी दुनिया के सबसे पुराने शहरों में एक है। भारत के लिए काशी सांस्कृतिक चुंबक की तरह है, जिससे देश के सभी हिस्सों के लोग गहराई से जुड़ते हैं। भारत ने दुनिया को सह-अस्तित्व और समरसता का मार्ग दिखाया है, खासतौर से ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर पर क्षेत्रीय हितों के टकराव के कारण संघर्ष बढ़ रहे हैं। वह काशी-तमिल संगमम के तहत बीएचयू में आयोजित 'परंपरा, प्रौद्योगिकी और विश्व' विषयक अकादमिक सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आइआइटी-बीएचयू के विद्यार्थियों से भी संवाद किया। विदेश मंत्री और 45 देशों के राजदूतों ने तमिल प्रतिनिधियों के साथ संवाद भी किया।

जयशंकर ने कहा कि तमिलनाडु के लोगों का काशी के प्रति विशेष लगाव है और काशी-तमिल संगमम इस अनूठे संबंध का उत्सव है। यह भारत की विविधता में एकता के उत्सव का आदर्श उदाहरण है, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परिकल्पना की थी। तमिल प्रतिनिधि राजगोपालन के सवाल के जवाब में कहा कि देश की गौरवशाली विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए इसका उत्सव मनाना जरूरी है। एक अन्य सवाल के उत्तर में कहा कि परंपरा प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने में सहायक होती है। इस संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। देश के विश्वविद्यालयों में ड्रोन तकनीक, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उन्नत अध्ययन हो रहे हैं। आगे चलकर इन संस्थानों से अधिक प्रगतिशील पहल सामने आएंगी।

भाषाई, धार्मिक और सांस्कृतिक विविधताओं के साथ दुनिया भारत को कैसे देखती है, सवाल के जवाब में सोमालिया के राजदूत ने कहा कि समरूपता (होमोजेनेसिटी) कोई समाधान नहीं है। भारत अनूठा उदाहरण है कि कैसे एक अरब से अधिक लोग अपनी-अपनी मान्यताओं और विचारधाराओं के साथ मिलकर रह सकते हैं। अफ्रीकी देशों में जारी संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की समृद्ध विविधता ही उसे एक सूत्र में बांधती है, जहां लोग साझा मूल्यों में विश्वास रखते हैं और एक-दूसरे के प्रति सम्मान और सद्भाव दिखाते हैं।

एआइ बनेगा क्रांतिकारी शक्ति, भारत के पास अपार क्षमता

विदेश मंत्री जयशंकर ने इसके बाद 'विश्व से संवाद : विश्व बंधु' कार्यक्रम में आइआइटी-बीएचयू के विद्यार्थियों से संवाद किया। कहा कि देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) की ताकत का इस्तेमाल करने की अपार क्षमता है। एआइ भारत और दक्षिण एशिया के लिए अगली क्रांतिकारी शक्ति बन सकता है, जो समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देगा। उन्होंने छात्रों को भारत की बदलती वैश्विक भूमिका को आत्मसात करने और अपनी परंपराओं के प्रति निष्ठावान रहने की प्रेरणा दी। छात्र राजा भावेश ने पूछा कि भारत से अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करने के लिए दुनिया क्या सीख सकती है? जवाब में जयशंकर ने कहा कि भारत का उद्देश्य दूसरों को सबक सिखाना नहीं, बल्कि आत्मविश्वास के साथ वैश्विक व्यवस्था में योगदान देना है। साथ ही अन्य दृष्टिकोणों के महत्व को भी स्वीकार करना उतना ही आवश्यक है।

ग्रामीण घरों के लिए 50 हजार की अतिरिक्त सब्सिडी देगा महाराष्ट्र

मुंबई, प्रेट्र : प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के घरों के लिए महाराष्ट्र सरकार 50 हजार रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी देगी जिससे प्रत्येक घर के लिए फंडिंग 2.1 लाख रुपये हो जाएगी।

राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री जय कुमार गोर ने रविवार को धाराशिव में कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस फैसले को मंजूरी दे दी है और 2025-26 के बजट में सब्सिडी का प्रविधान कर दिया गया है। इस अतिरिक्त सब्सिडी का खर्च राज्य सरकार ही वहन करेगी। उन्होंने बताया, 'शनिवार को केंद्रीय मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में 10 लाख आवासीय इकाइयों के लिए पहली किस्त वितरित की गई। महाराष्ट्र को देश में सबसे बड़ा 20 लाख घरों का लक्ष्य मिला है। राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 100 दिवसीय कार्यक्रम के पहले 45 दिनों में सौ प्रतिशत आवासीय आवेदनों को मंजूरी प्रदान कर दी गई है।' गोर ने कहा कि अगले 15 दिनों में सरकार शेष 10 लाख घरों के लिए धन का वितरण शुरू कर देगी।

पिंडारी ग्लेशियर के हिम तेंदुओं की दुनिया का रहस्य खोलेगा वन विभाग का अध्ययन

घनश्याम जोशी ● जागरण

- बागेश्वर जिले के ग्लेशियर में लगाए जाएंगे ट्रैप कमरे, वन विभाग को बेहतर परिणाम की आस
- ग्रीन इंडिया मिशन के तहत वन विभाग को मिला बजट, उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ेगा अध्ययन

बागेश्वर का पिंडारी ग्लेशियर। जागरण

बागेश्वर : वन विभाग पिंडारी ग्लेशियिर में स्नो लेपर्ड यानी हिम तेंदुए पर अध्ययन करेगा। इससे उनकी संख्या, आवास व भोजन के बारे में भी सटीक जानकारी हासिल होगी। जलवायु परिवर्तन का असर और भोजन के रूप में वह जंगलों में भरल (ब्लू सीप) तथा स्थानीय चरवाहों के मवेशियों का शिकार कैसे करते हैं इस पर भी अध्ययन किया जाना है। साथ ही सुंदरढूंगा, पिथौरागढ़ व उत्तरकाशी के उच्च हिमालयी क्षेत्र में भी हिम तेंदुए को लेकर अध्ययन आगे बढ़ सकेगा।

बागेश्वर वन प्रभाग में हिम तेंदुओं की दुनिया का रहस्य जानने के लिए वन विभाग अध्ययन की तैयारी कर रहा है। इसके लिए विभाग को ग्रीन इंडिया मिशन के तहत बजट स्वीकृत हुआ है। अध्ययन के बाद हिम तेंदुओं के संरक्षण के कदम बेहतर ढंग से उठाए जा सकेंगे। वन प्रभाग के पिंडारी, कफनी व सुंदरढूंगा आदि क्षेत्र उच्च हिमालयी वन्यजीवों की दृष्टि से बेहतर माने जाते हैं। लगभग 12 वर्ष पहले क्षेत्र में वन विभाग के सहयोग से विज्ञानी विपुल मौर्य ने अध्ययन किया था। उस समय पिंडारी ग्लेशियर में लगाए गए ट्रैप कैमरे में पहली बार तिब्बती भेड़िया रिपोर्ट हुआ था। बाद में एक हिम तेंदुए की फोटो भी आई थी। अब हिम तेंदुओं के अध्ययन के लिए एक वर्ष का समय तय किया गया है।

हिम तेंदुओं की संख्या में आई थी गिरावट : वर्ष 2024 में हिम तेंदुओं के आकलन की रिपोर्ट जारी की गई थी। यह अध्ययन भारतीय वन्यजीव संस्थान ने किया था। इसके अनुसार लद्दाख में 477, उत्तराखंड में 124, हिमाचल प्रदेश 51, सिक्किम 21, अरुणाचल प्रदेश 36 तथा जम्मू-कश्मीर में नौ हिम तेंदुए हैं।

जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का भी होगा अध्ययन : हिम तेंदुओं के निचले भूभाग की ओर आने से सामान्य तेंदुओं से उनके टकराव की स्थिति भी देखी गई है। उत्तरकाशी के हर्षिल में 2018 में अत्यधिक हिमपात होने से वहां हिम तेंदुए की तस्वीर सामने आई थी। 2019 की सर्दियों में भी हिम तेंदुए निचले क्षेत्रों में देखे गए।

महिला शांति सैनिकों पर पहला सम्मेलन भारत में होगा

- संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव ने कहा, भारतीय महिला शांतिरक्षक अपरिहार्य बन चुकीं
- सम्मेलन में ग्लोबल साउथ में सैन्य योगदान देने वाले 35 देशों की महिला शांति रक्षक शामिल होंगी

जीन-पियरे लैक्रोइक्स। फाइल

नई दिल्ली, एएनआइ : महिला शांति सैनिकों पर पहला सम्मेलन 24-25 फरवरी को नई दिल्ली में होगा। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि यह सम्मेलन शांतिरक्षा में महिलाएं : एक वैश्विक दक्षिण परिप्रेक्ष्य विषय पर होगा। रक्षा मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र के सहयोग से विदेश मंत्रालय इसका आयोजन कर रहा है।

सम्मेलन में ग्लोबल साउथ में सैन्य योगदान देने वाले 35 देशों की महिला शांति रक्षक शामिल होंगी। विदेश मंत्री मुख्य भाषण देंगे। संयुक्त राष्ट्र का प्रतिनिधित्व संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव जीन-पियरे लैक्रोइक्स और विशेष समन्वयक क्रिश्चियन सान्डर्स करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भाग लेने वाली महिला शांति सैनिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मुलाकात करेंगी।

इस बीच, जीन-पियरे ने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा की आधारशिला बना हुआ है। इसकी महिला शांतिरक्षकों ने प्रदर्शित किया है कि अधिक महिला प्रतिनिधित्व वाले मिशन परिणामों में सुधार करते हैं और स्थायी शांति में योगदान देते हैं। सितंबर 2024 तक 10 मिशनों में 153 महिलाओं सहित 5,384 कर्मियों के साथ भारत संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में शीर्ष योगदानकर्ताओं में से एक है। भारत ने 2007 में लाइबेरिया में पहली पूर्ण महिला पुलिस इकाई तैनात की थी।

भारत ने जीता वैश्विक सड़क सुरक्षा पुरस्कार

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारत को 'प्रिंस माइकल डिकेड आफ एक्शन रोड सेफ्टी अवार्ड' मिला है। पिछले दस वर्षों में वाहन सुरक्षा मानकों को बढ़ाने के प्रयासों के लिए भारत को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इन प्रयासों में नई कार सेफ्टी एसेसमेंट प्रोग्राम की शुरुआत और देश में निर्मित सभी नए दोपहिया वाहनों में एंटी-लाक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) जैसे कदम शामिल हैं। सड़क सुरक्षा के लिए यह वैश्विक पुरस्कार मोरक्को में आयोजित सड़क सुरक्षा पर चौथे मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में प्रदान किए गए।

सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्यमंत्री, अजय टम्टा ने डब्ल्यूएचओ के एटियेन क्रुग से भारत के लिए यह पुरस्कार प्राप्त किया। बता दें कि पिछले 10 वर्षों में भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की लंबाई 2014 में 91,287 किमी से बढ़कर 2024 में 146,195 किमी हो गई है, जिससे यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क बन गया है। राष्ट्रीय हाई-स्पीड कारिडोर भी 2014 में 93 किमी से बढ़कर 2024 में 2,474 किलोमीटर हो गया है।

उत्तराखंड में पलायन रोकने को 100 माडल गांव बनेंगे

होंगे उपाय

आजीविका विकास पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा, विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में समन्वयक की भूमिका में रहेगा पलायन निवारण आयोग

राज्य ब्यूरो, जागरण ● देहरादून

- 10-10 गांवों को लेकर इनके 10 क्लस्टर बनाने की प्रक्रिया शुरू

पुष्कर सिंह धामी। फाइल

उत्तराखंड के गांवों से निरंतर हो रहे पलायन को थामने की दिशा में सरकार गंभीर हुई है। इस कड़ी में राज्य के उन गांवों को माडल ग्राम बनाने की तैयारी है, जहां 50 प्रतिशत से ज्यादा पलायन हुआ है। प्रथम चरण में ऐसे 100 गांव लेने का निर्णय लिया गया है, जिनके क्लस्टर बनाने की प्रक्रिया इन दिनों चल रही है। इन गांवों में मूलभूत सुविधाएं तो विकासित की ही जाएंगी, आजीविका विकास पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस दृष्टि से वहां विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए पलायन निवारण आयोग समन्वयक की भूमिका में रहेगा।

सरकार ने उत्तराखंड की स्थापना के रजत जयंती वर्ष में गांवों के विकास पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करने का निश्चय किया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में भी इसके लिए सरकार ने कई प्रविधान किए हैं। इसके पीछे गांवों से हो रहे पलायन की चिंता भी समाहित है। इसी कड़ी में पलायन प्रभावित गांवों को विभिन्न विभागों की सभी योजनाओं से संतृप्त करने पर जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के क्रम में पूर्व में शासन स्तर पर हुई बैठक में उन 478 गांवों पर ध्यान देने का निर्णय लिया गया था, जिनमें 50 प्रतिशत या इससे ज्यादा पलायन हुआ है। पहले चरण में ऐसे 100 गांवों के एकीकृत विकास व आजीविका के अवसर मुहैया कराने को कदम उठाने का निश्चय किया गया। अब इन गांवों के लिए कसरत प्रारंभ कर दी गई है। 10-10 गांवों को लेकर इनके 10 क्लस्टर बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके लिए पलायन निवारण आयोग ने अपने सदस्यों को संबंधित जिलों में भेजा है। आयोग के उपाध्यक्ष डा एसएस नेगी के अनुसार पलायन प्रभावित गांवों को माडल बनाया जाना है। यानी, वहां पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य समेत सभी मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। आजीविका विकास के लिए भी ठोस कदम उठाए जाएंगे। डा. नेगी ने बताया कि इस मुहिम में आयोग को समन्वयक की भूमिका में है। वह यह सुनिश्चित करेगा कि वह इन गांवों के क्लस्टर में सभी विभागों की योजनाओं ठीक से धरातल पर उतरें। साथ ही आयोग यह भी देखेगा कि इन गांवों में और क्या-क्या हो सकता है। इसके लिए भी कार्ययोजना बनाने के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस पहल के परिणाम के आधार पर अन्य पलायन प्रभावित गांवों को द्वितीय चरण में लिया जाएगा।

कालका-शिमला रेलवे ट्रैक पर 28 के बाद नहीं चलेगी स्पेशल ट्रेन

जागरण संवाददाता, शिमला : विश्व धरोहर में शामिल कालका-शिमला रेलवे ट्रैक पर 28 फरवरी तक ही स्पेशल ट्रेन चलेगी। इसके बाद इसे बंद कर दिया जाएगा। रेलवे ने विंटर सीजन को देखते हुए स्पेशल ट्रेन आरंभ की थी। अब विंटर सीजन समाप्त होने वाला है, ऐसे में रेलवे भी इस ट्रेन को बंद कर देगा।

रेलवे ने 18 दिसंबर, 2024 को इस ट्रेन को आरंभ किया था। पिछले वर्ष के आखिरी महीने और इस वर्ष की शुरुआत में ट्रेन फुल चल रही थी, लेकिन अब वर्षा व हिमपात न होने से पर्यटकों की संख्या घट गई है। ट्रेन में 40 से 45 प्रतिशत यात्री रह गए हैं। अब बुकिंग भी न के बराबर हो रही है। दिसंबर और जनवरी तक सुहावने मौसम का आनंद लेने के लिए पड़ोसी राज्यों से हजारों पर्यटक इस ट्रेन से शिमला पहुंच रहे थे।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

****

19 वीं किस्त के तौर पर नौ करोड़ 80 लाख किसानों के खाते में 22 हजार करोड़ रुपये जारी करेंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को। वह सोमवार को भागलपुर पहुंच रहे हैं।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 24 फरवरी, 2025

ओबीसी व एसटी के द्वंद्व में झारखंड भाजपा

चुनाव परिणाम के तीन महीने बाद भी नेता प्रतिपक्ष का चयन नहीं, अध्यक्ष के दावेदारों का लंबा हो रहा इंतजार

अरविंद शर्मा ● जागरण

नई दिल्ली : झारखंड में सत्ता में वापसी का सपना टूटने के बाद भी भाजपा का द्वंद्व खत्म नहीं हुआ है। विधानसभा चुनाव के तीन महीने बाद भी अभी तक नेता प्रतिपक्ष का नाम तय नहीं हो पाया है, जबकि सोमवार से बजट सत्र की शुरुआत भी होने जा रही है। फिर भी कोई हलचल नहीं--चर्चा नहीं। इसी चक्कर में प्रदेश अध्यक्ष की उम्मीदवारी पर भी पर्दा पड़ा हुआ है, जिसके दावेदारों की लंबी लाइन है। सब कुलबुला भी रहे हैं, क्योंकि इंतजार लंबा हो रहा है। इतना तय है कि पहले नेता प्रतिपक्ष का चेहरा सामने आएगा, उसके बाद ही प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की बारी आएगी। मगर द्वंद्व इसलिए कि नेता प्रतिपक्ष का रास्ता भी प्रदेश अध्यक्ष से होकर ही गुजर रहा है।

दरअसल, झारखंड में ओबीसी और आदिवासी समुदाय की बड़ी आबादी है। भाजपा का शीर्ष नेतृत्व दोनों को साधकर आगे बढ़ना चाहता है। विधानसभा में नेता के लिए भाजपा के पास विकल्प सीमित है। आदिवासी समुदाय से सिर्फ दो विधायक हैं। बाबूलाल मरांडी एवं झाविमो से आए चम्पाई सोरेन। बाबूलाल अभी प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। यदि उन्हें सदन के नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी जाती है तो

फिर प्रदेश अध्यक्ष किसी ओबीसी या सवर्ण को दिया जा सकता है। ऐसे में मजबूत दावेदार रघुवर दास हैं, जिनकी क्षमता पर किंतु-परंतु नहीं है। ओडिशा के राज्यपाल पद से इस्तीफा देकर हाल में झारखंड की राजनीति में सक्रिय होने वाले रघुवर को अगर राष्ट्रीय कमेटी में जगह दी जाती है तो प्रदेश अध्यक्ष के बाकी दावेदारों के बीच इतनी रस्साकशी है कि केंद्रीय नेतृत्व को भी सोचना पड़ सकता है। हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल बहुत तेजी से उभरकर ऊपर आए हैं। संगठन पर राज्यसभा सदस्य प्रदीप वर्मा की अच्छी पकड़ है। आरएसएस के साथ अच्छे समन्वयक भी हैं। भाजपा के विभिन्न पदों पर काम करते आ रहे आदित्य साहू की दावेदारी भी किसी से कम नहीं है। हाल के दिनों में धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो की संभावनाओं को भी संबल मिला है। केंद्रीय नेतृत्व की उलझन किसी सवर्ण नेता को भी लेकर भी है। लोकसभा चुनाव में राजपूत समुदाय से किसी को प्रत्याशी नहीं बनाया गया था। ऐसे में चतरा के पूर्व सांसद सुनील सिंह या रांची के विधायक सीपी सिंह को भी बड़ी जिम्मेदारी देने पर विचार किया जा सकता है।

राज्य में कम हुई शीर्ष नेतृत्व की दिलचस्पी

हालात बता रहे कि विधानसभा चुनाव में शिकस्त के बाद भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने झारखंड में दिलचस्पी लेना कम कर दिया है। झारखंड विधानसभा चुनाव का परिणाम 23 नवंबर 2024 को आया था। इस हिसाब से पूरे तीन महीने गुजर गए। इस दौरान प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी सिर्फ एक बार रांची गए और हार की समीक्षा कर लौट आए। दोबारा जाना जरूरी नहीं समझा। इसी तरह चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान और सह प्रभारी हिमंत बिस्व सरमा ने भी झारखंड से मुंह मोड़ लिया। किसी को मतलब नहीं रह गया है। यही कारण है कि सदस्यता अभियान में भी सुस्ती दिख रही है। अभी तक बूथ कमेटियों के गठन का काम भी पूरा नहीं हो पाया है। इसके लिए प्रदेश भाजपा के शीर्ष नेता भी तेजी नहीं दिखा रहे हैं।

आज से आरंभ होगा विधानसभा का बजट सत्र

राज्य ब्यूरो. जागरण ● रांची : झारखंड विधानसभा का बजट सत्र सोमवार से आरंभ होगा। बजट सत्र के पहले दिन सदन की औपचारिक कार्यवाही होगी। सत्र के आरंभ में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का अभिभाषण होगा, जिसमें वे राज्य सरकार की प्राथमिकताएं बताएंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में दोबारा सरकार बनने के बाद यह पहला बजट सत्र है। इससे पूर्व विधायकों को शपथ दिलाने के निमित्त संक्षिप्त सत्र का आयोजन हुआ था। 27 मार्च तक चलने वाले झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान कुल 20 कार्यदिवस होंगे। तीन मार्च को आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 का वार्षिक बजट पेश होगा। बजट पर दो दिनों तक चर्चा होगी। पहले चर्चा एक दिन निर्धारित थी। इसके अलावा दस दिनों तक अनुदान मांगों पर चर्चा होगी। सत्र के दौरान चालू वित्तीय वर्ष का तृतीय अनुपूरक बजट बजट 27 फरवरी को पेश किया जाएगा। इसके बाद सदन में विभिन्न महत्वपूर्ण विधेयक और गैर सरकारी संकल्पों के साथ विविध प्रश्न सत्र होंगे।

राजस्थान में कांग्रेस विधायकों ने दूसरी रात विधानसभा में बिताई रात, धरना जारी

जागरण संवाददाता, जयपुर

- इंदिरा पर मंत्री की टिप्पणी व छह विधायकों को निलंबित करने का विरोध
- आज विधान सभा का घेराव करेगी कांग्रेस, सदन में ही बनाई रणनीति

राजस्थान में सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी पर की गई टिप्पणी के बाद हुए हंगामे और कांग्रेस के छह विधायकों के निलंबन के बाद बना गतिरोध रविवार को तीसरे दिन भी बरकरार रहा। विधायकों ने शनिवार को लगातार दूसरी रात भी सदन में ही गुजारी। रविवार को तीसरे दिन भी धरना जारी रहा। मंत्री के माफी मांगने और विधायकों का निलंबन वापस लेने पर अड़ी सोमवार को विधान सभा का घेराव करेगी। सदन में ही कांग्रेस विधायक दल की बैठक में घेराव की तैयारियों पर चर्चा हुई। जिला कांग्रेस कमेटियों को घेराव में भीड़ जुटाने का जिम्मा सौंपा गया है।

शनिवार रात को सरकार की ओर से दो मंत्रियों ने कांग्रेस विधायकों से वार्ता की, लेकिन समझौता नहीं हो सका। जानकारी के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष चाहते हैं कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा माफी मांगें। हंगामे के दौरान डोटासरा विधायकों के साथ अध्यक्ष की टेबल तक पहुंच गए थे थे। अध्यक्ष ने इसे आसन का अपमान माना है। उधर, कांग्रेस विधायक पहले मंत्री गहलोत के माफी मांगने की बात कर रहे हैं।

राजस्थान विधानसभा। फाइल

21 फरवरी को प्रश्नकाल के दौरान गहलोत ने एक सवाल के उत्तर के दौरान इंदिरा गांधी पर टिप्पणी करते उन्हें कांग्रेसियों की दादी बताया था। मंत्री की इस टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस विधायकों ने हंगामा किया था। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित हुई। इसके बाद भी शांति नहीं हुई तो छह विधायकों के निलंबन के साथ सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। उधर कांग्रेस विधायकों के धरने में पूर्व सीएम अशोक गहलोत व कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट का नहीं पहुंचना भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

मंत्री ने फिर खुद का फोन टैप होने का लगाया आरोप

जागरण संवाददाता, जयपुर : राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने फिर खुद का फोन टैप होने की बात कही है। रविवार को जालौर के सांचौर में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मेरी जासूसी की जा रही है। मेरे पीछे सीआइडी लगी हुई है। उन्होंने इसका कारण भी बताया। कहा कि मैं मुख्यमंत्री और मंत्रियों से कहता रहता हूं कि पुलिस उप निरीक्षक भर्ती मामले में सांप को तो पकड़ लिया, लेकिन सांप की मां को तो पकड़ो। बता दें कि किरोड़ी ने कुछ दिन पहले भी एक सार्वजनिक कार्यक्रम में अपनी ही सरकार द्वारा खुद का फोन टैप करवाने की बात कही थी। इस मुद्दे को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई थी। विधानसभा में कांग्रेस ने हंगामा किया था। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने विधान सभा में किरोड़ी सहित किसी का भी फोन टैप कराने से इन्कार किया था। इस मुद्दे पर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने किरोड़ी को कारण बताओ नोटिस दिया था।

किरोड़ी लाल मीणा

संगठन की मजबूती के साथ राजनीतिक दशा व दिशा पर गुजरात में मंथन करेगी कांग्रेस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- अहमदाबाद में आठ-नौ अप्रैल को होगा कांग्रेस का अधिवेशन
- गुजरात के अगले चुनाव के लिहाज से राज्य में पार्टी को नए सिरे से खड़ा करना चुनौती

अपने संगठनात्मक ढांचे के पुनर्निर्माण के रोडमैप पर आगे बढ़ रही कांग्रेस का अगला अधिवेशन गुजरात में होगा। इसमें देशभर से पार्टी के नेता तथा एआइसीसी सदस्य शामिल होंगे। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को अहमदाबाद में आठ और नौ अप्रैल को होने वाले इस अधिवेशन के कार्यक्रमों की घोषणा की। कांग्रेस के इस अधिवेशन में संगठन के मामलों पर चर्चा के साथ ही केंद्र की भाजपा सरकार की नीतियों पर भी हमला बोला जाएगा। केसी वेणुगोपाल ने इसका संकेत देते हुए कहा भी कि इस महत्वपूर्ण अधिवेशन में देशभर के एआइसीसी प्रतिनिधि एकत्रित होकर भाजपा की जनविरोधी नीतियों और संविधान तथा उसके मूल्यों पर लगातार किए जा रहे हमलों से उत्पन्न चुनौतियों पर विचार-विमर्श करेंगे।

कांग्रेस के संगठनात्मक कायाकल्प की दृष्टि से गुजरात भी अहम है, जहां पार्टी तीन दशक से अधिक समय से सत्ता से बाहर है। हालांकि पिछले चुनाव में आम

केसी वेणुगोपाल। फाइल

आदमी पार्टी के दस्तक देने के बाद भी भाजपा के मुकाबले मुख्य विपक्ष के रूप में कांग्रेस ही मौजूद है। दिल्ली में आप के सत्ता से बाहर होने के बाद गुजरात में उसका राजनीतिक प्रभाव कमजोर होने की आशंका बढ़ गई है। इस लिहाज से कांग्रेस के पास गुजरात में मजबूत विपक्षी विकल्प के रूप में उभरकर आने का मौका है और अहमदाबाद में एआइसीसी अधिवेशन का आयोजन सूबे में पार्टी को फिर से खड़ा करने की पहल का आगाज साबित हो सकता है। वेणुगोपाल के अनुसार अहमदाबाद अधिवेशन के पहले दिन आठ अप्रैल को विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक होगी। जबकि नौ अप्रैल को एआइसीसी प्रतिनिधियों की बैठक होगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे दोनों बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय पदाधिकारी, वरिष्ठ पार्टी नेता आदि भी इस बैठक में मौजूद रहेंगे। एआइसीसी का यह सत्र कर्नाटक के बेलगावी में पिछले साल दिसंबर में हुई विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में पारित प्रस्तावों के अनुरूप बुलाया गया है। संविधान की विरासत को संरक्षित, सुरक्षित और बढ़ावा देने की तत्काल आवश्यकता को देखते हुए 26 जनवरी, 2025 से कांग्रेस संविधान बचाओ राष्ट्रीय पदयात्रा नामक एक विशाल, राष्ट्रव्यापी जनसंपर्क अभियान चला रही है।

हरियाणा का संगठन बनाने पर खुद ध्यान देंगे राहुल गांधी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़ : हरियाणा में कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे में जबरदस्त तरीके से बदलाव होगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हरियाणा से मिलने जा रहे नेताओं को संगठनात्मक बदलाव के संकेत दिए हैं। बदलाव में लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी को नुकसान पहुंचाने वाले नेताओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। ऐसे नेताओं को संगठन में महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी नहीं मिलेगी। चुनाव में पार्टी को जिताने के लिए काम करने वाले नेताओं को जिलाध्यक्ष बनाने के संकेत राहुल गांधी ने दिए हैं। हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी दीपक बाबरिया के स्थान पर बीके हरिप्रसाद की नई नियुक्ति के रूप में संगठन में बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान भी अपनी विदाई तय मानकर चल रहे हैं।

राज्य में पिछले 11 साल से कांग्रेस का संगठन नहीं है। नये प्रदेश प्रभारी बीके हरिप्रसाद जल्दी ही राज्य के कांग्रेस नेताओं से मुलाकात करने का सिलसिला आरंभ करने वाले हैं।

जनसंख्या नियंत्रण से तमिलनाडु की संसदीय सीटें घटने की आशंका

- सीएम स्टालिन बोले- परिसीमन के बाद बन सकती है ऐसी स्थिति, वर्तमान में हैं तमिलनाडु की 39 सीटें

चेन्नई, प्रेट्र : तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एमके स्टालिन ने रविवार को कहा कि राज्य ऐसी स्थिति का सामना कर रहा है जिसमें परिवार नियोजन कार्यक्रम को लागू करने की वजह से उसकी संसदीय सीटें कम होने की आशंका है। तमिलनाडु की वर्तमान में लोकसभा में 39 सीटें हैं। स्टालिन ने पूर्व में भी इस विषय को उठाया था और 16 प्रकार की संपत्तियों के बारे में तमिल कहावत का जिक्र करते हुए कहा था कि लोकसभा परिसीमन की कवायद के कारण लोगों को 16 बच्चे पैदा करने के बारे में सोचना पड़ सकता है।

रविवार को कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के विवाह में मुख्यमंत्री ने नवविवाहितों को अपने बच्चों के तमिल नाम रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बच्चों की संख्या पर ध्यान केंद्रित करते हुए परिवार नियोजन अभियान एक सुनियोजित परिवार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'चूंकि हमने लगातार इसका सही से पालन किया है, इसलिए परिसीमन की कवायद के तहत संसदीय सीटों की संख्या कम होने की

एमके स्टालिन। फाइल

स्थिति है।'

गौरतलब है कि तमिलनाडु परिसीमन के बाद राज्य की संसदीय सीटों में किसी भी तरह की कमी का विरोध कर रहा है। स्टालिन ने अधिवक्ता संशोधन विधेयक, 2025 को लेकर भी केंद्र की आलोचना की है और इसे कानूनी पेशे की स्वायत्तता पर सीधा हमला करार दिया। उन्होंने एक्स पर यह भी दावा किया कि इस विधेयक में भाजपा की तमिल के प्रति घृणा स्पष्ट है क्योंकि वह तमिलनाडु एवं पुडुचेरी बार काउंसिल का नाम बदलकर मद्रास बार काउंसिल करना चाहती है।

घुसपैठ पर लगाम के लिए एनआरसी लागू कराना जरूरी : सुवेंदु

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : भाजपा नेता और बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने एनआरसी का मुद्दा उठाया। कहा कि घुसपैठ पर लगाम लगाने और जनसांख्यिकी स्वरूप में आने वाले बदलाव को रोकने के लिए राज्य में एनआरसी लागू कराना जरूरी है। इसका सभी राजनीतिक दलों को समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्य एनआरसी को लागू कर रहे हैं। मगर तृणमूल कांग्रेस सरकार इससे इन्कार कर रही है। यह काफी हैरान करने वाला है। इससे लगता है कि वह बढ़ती घुसपैठ को लेकर चिंतित नहीं हैं। अंसारुल्लाह बांग्ला जैसे बांग्लादेशी आतंकी संगठन बंगाल के जिलों में अपने ठिकाने बढ़ा रहे हैं। राज्य के सीमावर्ती जिलों में जनसांख्यिकी बदल रही है। पुलिस और प्रशासन कुछ नहीं कर रहे हैं। 2026 के विधानसभा चुनाव में जब भाजपा सत्ता में आएगी तो हम बंगाल में एनआरसी लागू करेंगे। सुवेंदु के आरोप पर टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि एनआरसी का उद्देश्य राजनीतिक कारणों से समाज का ध्रुवीकरण करना है।

बिहार में भाजपा की बैसाखी पर चल रही सरकार की विदाई तय : प्रतापगढ़ी

जासं, नरकटियागंज (पश्चिमी चंपारण): अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि मोदी सरकार की बैसाखी पर बनी बिहार सरकार का आगामी विधानसभा चुनाव में विदाई तय है। इसके लिए आपसी मतभेद को भुलाकर एकजुट होने की जरूरत है। केंद्र की भाजपा सरकार संविधान बदलना चाहती है। भाजपा के बड़े नेताओं ने लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान बदलने की बात कही थी। चार सौ पार का नारा देकर वोट मांगा, लेकिन देश की जनता और संविधान की ताकत देखिए कि संविधान बदलने वालों को 240 (सीट) पर लाकर खड़ा कर दिया। वह रविवार को नरकटियागंज में संविधान जिंदाबाद सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जिस धरती पर महात्मा गांधी ने सत्याग्रह किया, आज उसी धरती पर नफरत फैलाने वाले भारत को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं।

गैंगस्टर के बेटे-बेटी को आशीर्वाद देने पहुंचे अखिलेश ने भाजपा पर साधा निशाना

जागरण संवाददाता, कानपुर

- सपा प्रमुख बोले-मैंने तो गंगा स्नान कर लिया, अब भाजपा वाले बताएं गंगा को कैसे धोएंगे
- महाकुंभ में व्यवस्था पर प्रदेश सरकार को घेरा, स्नान के लिए शुद्ध जल न दे पाने का लगाया आरोप

सपा मुखिया अखिलेश यादव पर भाजपा अपराधियों को प्रश्रय देने का आरोप लगाती रही है। रविवार को जाजमऊ में उन्होंने हिस्ट्रीशीटर व गैंगस्टर महफूज अख्तर के घर पहुंच कर खुद भाजपा के आरोप को हवा दे दी। वह महफूज के नवविवाहित बेटी मारिया और बेटे मुदस्सिर को आशीर्वाद देने पहुंचे थे। इस दौरान महाकुंभ को लेकर हो रही राजनीति के बीच सपा अध्यक्ष ने कहा कि कन्नौज में मंदिर गया तो उसे गंगाजल से धोया गया। मुख्यमंत्री आवास छोड़ा तो उसे गंगाजल से धुलवाया गया। अब तो मैंने गंगा में स्नान कर लिया तो भाजपा वाले बताएं कि गंगा को कैसे धोएंगे। महाकुंभ में व्यवस्थाएं करने में सरकार को फेल बताया।

अखिलेश ने कहा कि ये लोग महाकुंभ

अखिलेश यादव। फाइल

में फेल हो गए। कितने मरे हैं, उसकी संख्या नहीं बता रहे हैं। गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आपस में लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि गंगा साफ हो और महाकुंभ की अवधि बढ़ाई जाए।

मुख्यमंत्री जी, उपेक्षित आगरा में पूरा करते जाएं होम वर्क

जासं, आगरा : आगरा दौरे को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को रविवार को घेरा। इंटरनेट मीडिया के एक्स प्लेटफार्म पर पोस्ट में अखिलेश ने लिखा, जब मुख्यमंत्री आगरा आ ही रहे हैं तो अपने कार्यकाल में लंबे समय से उपेक्षित पड़े आगरा के 10 सूत्रीय होम वर्क को भी पूरा करते जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को आगरा पहुंचे थे। दोपहर 12 बजे के अखिलेश ने एक्स पर पोस्ट में आगरा के 10 सूत्रीय होम वर्क बताए हैं।

शिंदे की हल्के में न लेने वाली टिप्पणी किसके लिए थी, यह अभी भी स्पष्ट नहीं : अजीत

नई दिल्ली, प्रेट्र : महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा है कि यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि एकनाथ शिंदे की 'हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए'' वाली टिप्पणी किसके लिए थी। 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए पवार ने सवाल किया कि क्या शिंदे यह कहना चाहते थे कि शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) या किसी और को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। सत्र में पवार के बाद बोलने वाले शिंदे ने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया। सिर्फ इतना कहा कि ''मुझे हल्के में न लें'' वाली टिप्पणी दो साल पहले हुई एक घटना के संदर्भ में थी।

तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में अजीत पवार ने कहा कि यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि 'मशाल' को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए या किसी और को उन्हें (शिंदे) हल्के में नहीं लेना चाहिए।

शिवसेना में मर्सिडीज कार उपहार में देने से मिलते थे पद : नीलम गोरे

मुंबई, प्रेट्र : दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन के एक कार्यक्रम में शिवसेना नेता नीलम गोरे ने उद्धव ठाकरे पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि अविभाजित शिवसेना में पद मर्सिडीज कारों को उपहार में देने से मिलते थे। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (अविभाजित) को लेकर दिए गए उनके इस बयान से विवाद पैदा हो गया है। इस विवाद के बीच, शिवसेना (यूबीटी) कार्यकर्ताओं ने रविवार को पुणे में गोरे के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने नीलम गोरे के दावे पर कहा है कि मुझे दिखाओ कि वे कारें कहां हैं। हमने उन्हें कई बार विधायक बनाया, उन्होंने कितनी बार मर्सिडीज दी। फिलहाल, मैं इस पर अधिक टिप्पणी नहीं करना चाहता। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने अखिल भारतीय मराठी साहित्य महामंडल से इस राजनतिक टिप्पणी के लिए स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या यह आयोजन किसी राजनीतिक दबाव में आयोजित किया गया था। विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने मीडिया से कहा कि गोरे ने जो कहा है यदि वह सच होता तो मातोश्री (उद्धव ठाकरे के आवास) पर मर्सिडीज कारों की कतार होती। पार्टी ने मराठवाड़ा में एक साधारण कार्यकर्ता से उन्हें आज बड़ा नेता बनाया। उनसे कभी एक रुपया भी नहीं मांगा गया। गौरतलब है कि अविभाजित शिवसेना के विभाजन के बाद गोरे एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ आ गईं थीं।

नीलम गोरे।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के कार्यकर्ताओं का गोरे के आवास के बाहर प्रदर्शन

राष्ट्रीय फलक

मेघालय में छह बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार

शिलांग, प्रेट्र : बीएसएफ ने मेघालय में छह बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया। इनमें से कुछ मुंबई में काम कर चुके हैं। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि रोजगार की तलाश में फिर से मुंबई जाने के लिए बांग्लादेश से शनिवार को मेघालय पहुंचने पर घुसपैठियों को पकड़ा गया। अधिकारी ने कहा कि गुप्त सूचना पर बीएसएफ कर्मियों ने चार बांग्लादेशी घुसपैठियों को पश्चिमी जैंतिया हिल्स जिले में और दो को दक्षिण गारो हिल्स जिले में गिरफ्तार किया। पकड़े गए घुसपैठियों में एक महिला है। महिला अपने पति के इलाज के लिए मुंबई जाने वाली थी। सभी को पुलिस को सौंप दिया गया है। दूसरी तरफ पूर्वी जैंतिया हिल्स जिले में उमकिआंग गांव में अंतरराष्ट्रीय सीमा के समीप शनिवार सवेरे अपराधियों ने कई घरों में तोड़फोड़ की। संदेह है कि अपराधी बांग्लादेशी थे। अपराधी ग्रामीणों के कई सामान लेकर भाग गए।

सत्ता सेवा के लिए है, जनता का काम करो : पीएम मोदी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मध्य प्रदेश भाजपा के सभी विधायकों, सांसदों सहित पार्टी पदाधिकारियों के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि सत्ता सेवा के लिए है, जनता से जुड़े काम करो, वर्ना वही लोग आपको चुनाव हरा भी देंगे, जिन्होंने लोकतंत्र के मंदिर में चुनकर भेजा है। मोदी ने जनप्रतिनिधियों को नसीहत दी कि वे अपना व्यवहार सदैव अच्छा रखें। अपनी सेहत का भी ध्यान रखें। प्रधानमंत्री लगभग दो घंटे यहां रुके, साथ में भोजन भी किया। उन्होंने राजभवन में रात्रि विश्राम किया। बैठक में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा के अलावा दोनों उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और जगदीश देवड़ा, केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार, ज्योतिरादित्य सिंधिया, सावित्री ठाकुर, दुर्गादास उइके सहित मोहन कैबिनेट के सभी मंत्री और राज्यमंत्री उपस्थित रहे। बिहार दौरे पर होने के कारण केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल नहीं हो सके।

विधायकों से जानी कार्यप्रणाली

विधायकों से संवाद करते पीएम मोदी ने पूछा कि वे विधान सभा में किस तरह के मुद्दे उठाते हैं, प्रश्न कैसे करते हैं? एक विधायक से उन्होंने यह भी पूछा कि कुशाभाऊ ठाकरे कौन थे? पीएम ने सहज अंदाज में सभी से कहा कि जो बोला है, उसे दिल में रखना है और आत्मसात करना है। बैठक में सभी के लिए पास जारी किए गए थे। इंदौर के सांसद शंकर ललवानी पास लाना भूल गए, बाद में जब उन्होंने अपना पास मंगवाया, तभी अंदर गए।

पीएम के बिहार दौरे के बाद एनडीए में बढ़ेगी राजनीतिक सरगर्मी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोमवार को बिहार दौरे के उपरांत एनडीए में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ेगी। संभव है कि बिहार में बजट सत्र से पहले सरकार मंत्रिमंडल विस्तार को अंतिम रूप दे। 243 सदस्यीय विधानसभा में मंत्रिमंडल में 36 मंत्री हो सकते हैं। वर्तमान में मुख्यमंत्री नीतीश एवं दो उपमुख्यमंत्रियों सहित 30 मंत्री हैं। ऐसे में छह और मंत्रियों के सरकार में सम्मिलित होने की संभावना है। विस्तार में भाजपा के चार एवं जदयू के दो विधायकों को सम्मिलित किए जाने की संभावना है। वर्तमान में भाजपा के दो उपमुख्यमंत्रियों सम्राट चौधरी एवं विजय सिन्हा के साथ 15 मंत्री हैं। जबकि जदयू की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ 13 मंत्री हैं। हम को एक पद मिला है। हम प्रमुख संतोष मांझी स्वयं दो विभाग के मंत्री हैं। एक निर्दलीय विधायक सुमित कुमार सिंह भी नीतीश मंत्रिमंडल का हिस्सा हैं।

ट्रंप के बार-बार देश का अपमान करने पर केंद्र चुप क्यों : कांग्रेस

- विपक्षी पार्टी ने भाजपा पर लगाया राष्ट्र विरोधी कार्य करने का आरोप

नई दिल्ली, प्रेट्र : अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) के अनुदान को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस ने रविवार को भाजपा पर अमेरिका से फर्जी खबरें फैलाकर राष्ट्र विरोधी कार्य करने का आरोप लगाया।

विपक्षी दल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर को जवाब देना होगा कि जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अरबपति एलन मस्क बार-बार भारत का अपमान कर रहे हैं, तो सरकार चुप क्यों है? हालांकि, भाजपा ने कांग्रेस के ऐसे सभी आरोपों को खारिज किया है और राहुल गांधी को देशद्रोही करार देते हुए उन पर भारत को कमजोर करने की कोशिश में विदेशी ताकतों के साथ साठगांठ करने का आरोप लगाया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा झूठों और अनपढ़ों की बरात है। जिस 2.1 करोड़ डालर पर भाजपाई और उसके चरणचुंबक उछल रहे थे, वह खबर तो फर्जी निकली। 2022 में 2.1 करोड़ डालर भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि बांग्लादेश के लिए थे।

जयराम ने आरोप लगाया कि एलन मस्क ने फर्जी दावा किया। ट्रंप को ढाका और दिल्ली के बीच गलतफहमी हुई। अमित मालवीय ने झूठ आगे फैलाया। फिर भाजपा के चरणचुंबकों ने उसे लपक लिया। जबसे ट्रंप प्रशासन के सरकारी दक्षता विभाग ने कहा कि यूएसएड ने 2.1 करोड़ डालर का अनुदान रद्द कर दिया है, तबसे भाजपा कांग्रेस पर मनगढ़ंत आरोप लगा रही है। लेकिन अब पता चल रहा है कि यह पूरी खबर तो फर्जी है। जब पैसा भारत आया ही नहीं, तो यह रद कैसे होगा?

वीडियो बना जवानों को धमकी देने वाले दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, प्रेट्र : प्रतिबंधित संगठन कांग्लेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (सिटी मैतेई) के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को कहा कि दोनों ने कुछ ग्रामीण स्वयंसेवकों को गिरफ्तारी को लेकर सुरक्षा बलों को धमकी देने के लिए वीडियो बनाया था।

पुलिस ने कहा कि मोइरानगथेम थोइबा को बिष्णुपुर जिले में थामनापोकपी से जबकि सैखोम लेंबुर्स सिंह को इंफाल पूर्वी जिले से गिरफ्तार किया गया। लेंबुर्स फिरौती वसूली में भी संलिप्त था।

एक अन्य अभियान में मणिपुर पुलिस और असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने प्रतिबंधित नेशनल लिबरेशन फ्रंट (के) के दो कैडरों को गिरफ्तार किया। ये दोनों भी दुकानों और वाहनों से फिरौती वसूलते थे। बता दें, मणिपुर में मुख्यमंत्री के इस्तीफा देने के बदा राज्यपाल ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था।

****

1 प्रोफेसर की डायरी

लेखक: लक्ष्मण यादव

प्रकाशक: अनबाउंड स्क्रिप्ट

यह पुस्तक डायरी, टिप्पणियों की शैली में अपने समय की तफ्तीश करती है। इसमें समाज और राजनीति की बड़ी परिघटनाएं हैं तो उनके बीच आकार लेते एक प्रबुद्ध युवक की कहानी भी है।

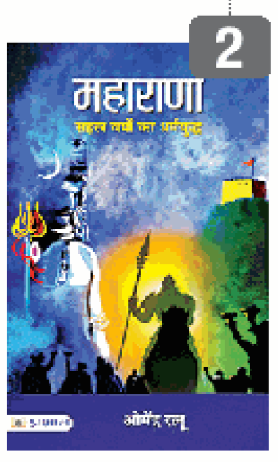

2 महाराणा : सहस्त्र वर्षों का धर्मयुद्ध

लेखक: ओमेन्द्र रत्नू

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

एक सहस्त्र वर्ष तक अरावली की पहाड़ियों में यायावरों सा जीवन जीने वाले मेवाड़ के वीर योद्धाओं के कारण ही भारत में आज केसरिया लहराता है। यह पुस्तक भ्रांतियों को दूर करने के साथ नई मान्यताओं को भी स्थापित करती है।

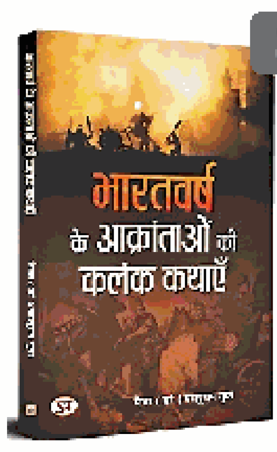

3 भारतवर्ष के आक्रांताओं की कलंक कथाएं

लेखक: परशुराम गुप्त

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

भारतवर्ष की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक स्थलों पर प्रहार करने वाले विदेशी आक्रांताओं के क्रूर कृत्यों को संवेदना के साथ प्रस्तुत करती है यह पुस्तक।

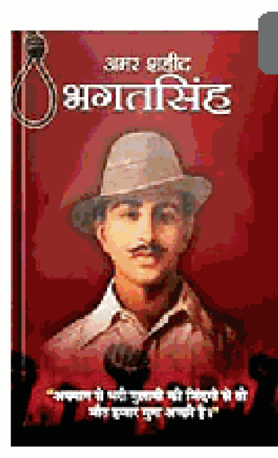

4 अमर शहीद भगतसिंह

लेखक: महेश शर्मा

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

युवावस्था में लोग सुनहरे भविष्य के स्वप्न बुनते हैं, पर भगत सिंह ने स्वतंत्रता का स्वप्न देखा और उसकी खातिर बलिदान हो गए। इस पुस्तक में उनके प्रेरणादायक जीवन को उकेरा गया है।

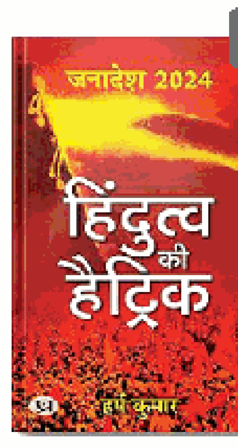

5 जनसंदेश 2024: हिंदुत्व की हैट्रिक

लेखक: हर्ष कुमार

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों का विश्लेषण करते हुए यह व्याख्या की गई है कि देश की जनता ने कैसे हिंदुत्व की डोर को कसकर थाम रखा है।

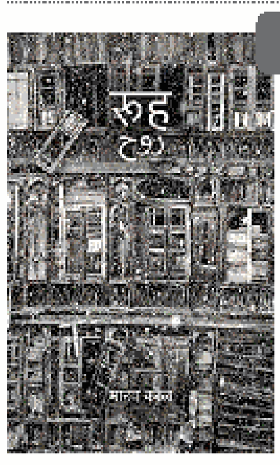

6 रूह

लेखक: मानव कौल

प्रकाशक: हिंद युग्म

कश्मीर के पथरीले रास्तों में चलते हुए जीवन के नवांकुर देखने के बाद बचपन की यादों को बहुत ही मर्मस्पर्शी ढंग से समेटते हुए आज और कल की तुलना की गई है।

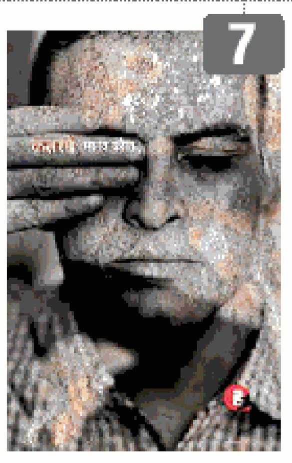

7 कतरनें

लेखक: मानव कौल

प्रकाशक: हिंद युग्म

क्या आप सोच सकते हैं कि किताबें भी बातें करती हैं, लेकिन यह हकीकत है। किताब पढ़ते हुए जब कहानी के संसार में प्रवेश होता है तो कहानी के एक सिरे पर आप होते हैं और दूसरा सिरा किताब ही होती है।

8 सुपरकाप अजीत डोभाल

लेखक: महेश दत्त शर्मा

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अनेक कठिन आपरेशन का सफल संचालन किया है। राष्ट्र के सम्मान को सर्वोपरि मानने वाले डोभाल की यह प्रेरक जीवनी उनके राष्ट्र-जीवन की झलक है।

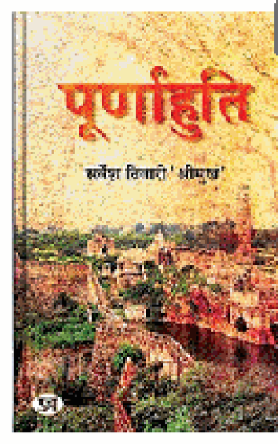

9 पूर्णाहुति

लेखक: सर्वेश तिवारी

प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

मुगलों के आक्रमण और चित्तौड़ के योद्धाओं की वीरता और बलिदान को जीवंत रूप में बहुत अच्छे से चित्रण किया गया है। इसके साथ ही प्रेम, भक्ति और शौर्य की गाथा का बखूबी बखान भी किया गया है।

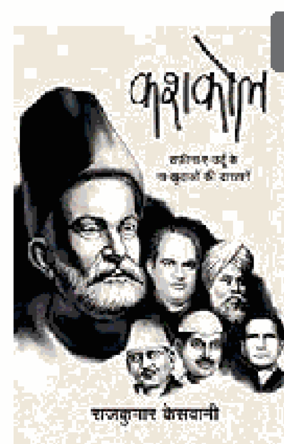

10 कशकोल

लेखक: राजकुमार केसवानी

प्रकाशक: मंजुल पब्लिशिंग हाउस

उर्दू में लिखने वाले कुछ प्रसिद्ध और चुनिंदा लेखकों की जिंदगी और उनके अनछुए पहलुओं पर गहराई से प्रकाश डालने के साथ ही शब्दों को बहुत खूबसूरती के साथ उकेरा गया है जो दिल में गहराई से उतरते हैं।

विस्तारित सूची

कल पढ़िये अनुवाद श्रेणी की सूची

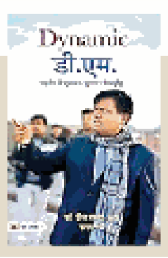

11 डायनमिक डीएम
लेखक: हीरा लाल, कुमुद वर्मा
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

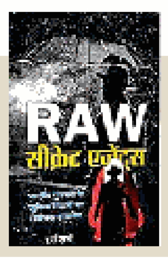

12 रा सीक्रेट एजेंट्स
लेखक: हर्षा शर्मा
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

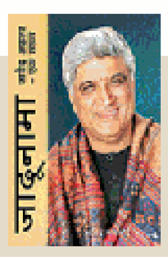

13 जादूनामा : जावेद अख्तर
लेखक: अरविंद मंडलोई
प्रकाशक: मंजुल पब्लिशिंग हाउस

14 जितनी मिट्टी उतना सोना
लेखक: अशोक पांडेय
प्रकाशक: हिंद युग्म

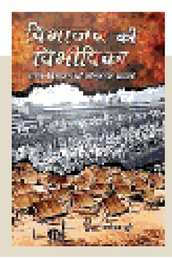

15 विभाजन की विभीषिका
लेखक: मनोहर पुरी
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

16 भारत के वारेन बफे : राकेश झुनझुनवाला
लेखक: महेश दत्त शर्मा
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

17 उसने गांधी को क्यों मारा
लेखक: अशोक कुमार पांडेय
प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन

18 यशस्वी भारत
लेखक: मोहन भागवत
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

19 यार बटोही
लेखक: चौदह लेखकों का समूह
प्रकाशक: हिंद युग्म

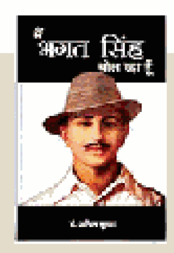

20 मैं भगत सिंह बोल रहा हूं
लेखक: अनिल कुमार
प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन

साहित्य हो या राजनीति, जड़ों से जुड़ना ही होगा

बड़ा निष्कर्ष- एजेंडे के साहित्य ने पाठकों को साहित्य से दूर किया, आम आदमी के मुद्दों पर लिखेंगे तो पढ़े जाएंगे

Rajnigandha प्रस्तुत करता है बिहार संवादी दैनिक जागरण

दैनिक जागरण के बिहार संवादी में साहित्य, राजनीति, समाज, इंटरनेट मीडिया, सिनेमा व संस्कृति पर चर्चा

प्रमोद कुमार सिंह ● जागरण

बिहार संवादी कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के साथ संवाद करते दैनिक जागरण के नेशनल ब्रांड महाप्रबंधक प्रशांत कश्यप। जागरण

पटना: दैनिक जागरण के तत्वावधान में आयोजित बिहार संवादी के दूसरे दिन रविवार को विभिन्न सत्रों में विमर्श की धार तेज रही। वक्ता और श्रोता एक दूसरे से जुड़ते गए। संवाद विस्तार पाता गया, रोमांच बढ़ता गया, विचारों के प्रवाह से निष्कर्ष का मार्ग प्रशस्त होता गया। अधिकतर वक्ताओं का मानना था कि संवाद बिहार की जड़ में है।

बातें आधी आबादी से शुरू होकर साहित्य के गोलमेज तक आई। फिर रील के बिहारी सितारों ने अपनी संघर्ष यात्रा को श्रोताओं से साझा किया। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बिहार फर्स्ट-बिहारी फर्स्ट विजन पर बिहारी होने के गौरव बोध को स्पष्ट करते नजर आए। संवाद यात्रा में इससे पहले विधायक प्रतिमा दास इसको दृढ़ता से रेखांकित करती दिखती हैं कि महिला आरक्षण पर बातें तो होती हैं, पर पार्टियों को इस पर अमल भी करना होगा। बात साहित्य, राजनीति, समाज, इंटरनेट मीडिया से लेकर सिनेमा और संस्कृति तक की हुई। पठनीयता का रोना रोने वालों के लिए यह कि साहित्य से पाठक नहीं, लेखक ही पाठकों से दूर हो रहे। वे अपना एजेंडा चलाते रहे और लोग उनसे दूर होते चले गए।

'साहित्य की आधी आबादी' सत्र में यह बात उभर कर आई कि अब औरतों ने ना कहना सीख लिया है। साथ ही इंटरनेट मीडिया पर दखल बढ़ी है, लेकिन इस बात को लेकर चिंता जताई गई कि इस प्लेटफार्म की तीस प्रतिशत सामग्री ही रचनात्मकता के दृष्टिकोण से सही है। इस सत्र में साहित्यकार वीणा ठाकुर, उपन्यासकार प्रत्यक्षा और कथाकार इरा टाक से लेखिका वीणा अमृत ने बातचीत की। 'साहित्य का गोलमेज' सत्र में आलोचक इंदुशेखर तत्पुरुष, उपन्यासकार रत्नेश्वर और सर्वेश तिवारी से दैनिक जागरण के एसोसिएट एडिटर अनंत विजय के संवाद में निष्कर्ष सामने आया कि साहित्यकारों ने विचारधारा के नाम पर सबसे अधिक साहित्य का गला घोंटा है। यात्रा 'बिहार के रील के सितारे' पर पहुंची तो मिंटुआ, सौरभ और आरजे अंजलि की बातों में अपनी भाषा और संस्कृति के प्रति आग्रह था। बात फिर बिहार की आधी आबादी की नई पीढ़ी पर पहुंची तो नेशनल शूटर और विधायक श्रेयसी सिंह ने इसको दृढ़ता से रखा कि अब पहले की अपेक्षा परिवर्तन है। पटना सबरंग सत्र में पूर्व मुख्य सचिव वीएस दुबे, पूर्व डीजीपी अभयानंद और लेखक अरुण सिंह ने बदलाव पर चर्चा की। सांस्कृतिकी को स्वर देने वाले सत्र 'बचेगी तो त्रिपाठी ही' में अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने अभिनय के विविध पहलुओं पर प्रकाश डाला। गायिका दीपाली सहाय की प्रस्तुति ने विमर्श में आनंद रस घोला।

सिर्फ पीएम मोदी के कारण एनडीए के साथ : चिराग

लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान ने दैनिक जागरण के बिहार संवादी के मंच पर दो टूक कहा कि वह भाजपा नहीं, सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी के कारण एनडीए में हैं। जब तक पीएम मोदी हैं, तब तक हर हाल में वह गठबंधन का हिस्सा रहेंगे। फन विद चिराग सत्र में उन्होंने राजनीति से लेकर निजी जीवन तक सभी विषयों पर खुलकर दैनिक जागरण के नेशनल ब्रांड टीम के महाप्रबंधक प्रशांत कश्यप से संवाद किया।

एचआइवी मरीजों के लिए दवाओं की कमी वाली अर्जी पर सुप्रीम सुनवाई आज

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश में एचआइवी रोगियों के इलाज के लिए एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी दवाओं की कथित कमी से संबंधित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड की गई 24 फरवरी की वाद-सूची के अनुसार, जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ वर्ष 2022 में 'नेटवर्क आफ पीपल लिविंग विद एचआइवी/एड्स' नामक एनजीओ और अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करेगी। केंद्र ने पिछले साल जुलाई में सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि सरकार राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी केंद्रों के माध्यम से एचआइवी से पीड़ित सभी लोगों के लिए मुफ्त, आजीवन एंटी-रेट्रोवायरल दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है। उसने यह भी कहा था कि राष्ट्रीय स्तर पर दवाओं का पर्याप्त स्टाक है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि याचिका दायर होने के बाद से जो कुछ हुआ है, उसे देखते हुए वर्तमान में एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी दवाओं की कोई कमी नहीं है। हालांकि, वकील ने दवाओं की खरीद प्रक्रिया और गुणवत्ता के संबंध में कुछ कठिनाइयों को जरूर चिह्नित किया था।

न्यूज गैलरी

नक्सलियों के छिपाए हथियार, विस्फोटक व ड्रोन मिले

सुकमा: छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षा बल ने कैमट्टा की पहाड़ियों व जंगल में नक्सलियों की ओर से छिपाए गए भारी संख्या में हथियार, विस्फोटक, ड्रोन व नक्सल साम्ग्री बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि नवीन अग्रिम सुरक्षा चौकी मेट्टागुड़ा से संयुक्त बल नक्सल विरोधी अभियान में निकला था। इसी दौरान बल को दो देसी राइफल, एक देसी राइफल की बैरल, 60 लीटर तरल विस्फोटक यौगिक, एक दूरबीन, दो दूरबीन कवर पाउच, विस्फोटक पाउडर, गन पाउडर, आइईडी का एक सीरीज तंत्र, आइईडी विस्फोट में प्रयुक्त होने वाला कैमरे का फ्लैश, 14 बैरल ग्रेनेड लांचर हेड, 27 बीजीएल, एक टूटा छोटा ड्रोन, मोटोरोला रेडियो सेट व अन्य सामान मिले। (नईदुनिया)

जयपुर में रेव पार्टी पर छापा, संचालक, आयोजक गिरफ्तार

जयपुर : राजस्थान की जयपुर पुलिस ने शनिवार देर रात करीब डेढ़ बजे दिल्ली-जयपुर हाईवे पर गांव लबाना स्थित एक रिसार्ट पर छापा मारकर रेव पार्टी करते करीब डेढ़ सौ युवक-युवतियों को नशे की हालत में पकड़ा और रिसार्ट संचालक संजय लुहाड़िया व रेव पार्टी के आयोजक हर्षवर्धन कुमार सैनी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों के कब्जे से स्मैक, अलग-अलग ब्रांड की बीयर व अंग्रेजी शराब की बोतलें, हुक्का पाइप और फ्लेवर पैक बरामद किए गए। गिरफ्तार दोनों आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट, आबकारी अधिनियम, ध्वनि प्रदूषण और तंबाकू की खपत कम करने के लिए बनाए गए कोटपा अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। (जासं)

623 किलो विस्फोटक के साथ वाहन जब्त, तीन गिरफ्तार

आइजल : मिजोरम में एक वाहन से लगभग 623 किलोग्राम इमल्शन विस्फोटक जब्त कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। वाहन आइजल से सकावर्तुइचुन की ओर जा रहा था। असम राइफल्स ने शनिवार को कहा, विशिष्ट खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए आइजल से सकावर्तुइचुन की ओर जा रहे वाहन से लगभग 623 किलोग्राम इमल्शन विस्फोटक जब्त किया गया। सकावर्तुइचुन क्वारी रोड पर मोबाइल चेक पोस्ट स्थापित किया गया है। वाहन को जब्त कर लिया गया है। वाहन से यात्रा कर रहे तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। (एएनआइ)

पनामा निर्वासित किए गए 12 भारतीयों का जत्था दिल्ली पहुंचा

- चार बार में लाए गए निर्वासित भारतीयों की संख्या हुई 344
- आइजीआइ एयरपोर्ट से चार युवक इंडिगो की फ्लाइट से पहुंचे अमृतसर

जेएनएन, नई दिल्ली

अमेरिका से निर्वासित किए गए 12 और युवक रविवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे। पनामा से भारत आने वाला यह पहला जत्था उन 299 अवैध प्रवासियों में शामिल हैं जिन्हें कुछ दिन पहले अमेरिका से निर्वासित कर वहां रखा गया था।

विदित हो कि अमेरिका से पांच फरवरी को 104, 15 फरवरी को 116 और 16 फरवरी को 112 भारतीयों को निर्वासित कर भारत भेजा गया था। पहले तीन बार इन्हें अमेरिकी सेना के विमान से अमृतसर लाया गया था।

रविवार को पहली बार गैर सैन्य विमान से दिल्ली के आइजीआइ एयरपोर्ट लाया गया है। पहले तीन बार हथकड़ियां डाल कर लाया गया था। पहली बार तो महिलाओं और बच्चों को भी हथड़कड़ी पहनाई गई थीं, जिस पर भारत में नाराजगी जताई गई। अब तक चार बार में 344 भारतीयों को लाया जा चुका है। रविवार को पनामा से लाए गए 12 लोगों में से चार पंजाब के हैं, जो इंडिगो की फ्लाइट से अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे। इनकी पहचान गुरदासपुर के हरप्रीत सिंह व मनिंदर दत्त, जालंधर निवासी जुगराज सिंह तथा पटियाला जिला के नाभा निवासी जतिंदर सिंह भंगू के रूप में हुई है। पता चला है कि इनको अमेरिका से पनामा लाकर एक सप्ताह तक होटल में रखा गया। वहां से एक एनजीओ ने टिकट दिलाकर भारत भेजा।

प्रतीकात्मक

चार वर्षों में दो लाख भारतीय होंगे डिपोर्ट

जागरण संवाददाता, जालंधर

'सिख सेंटर आफ सिएटल' के पूर्व चेयरमैन एवं आउटरीच कंसलटेंट हरजिंदर सिंह संधा ने कहा कि अवैध रूप से अमेरिका गए डेढ़ से दो लाख भारतीयों का ओवर स्टे समाप्त हो चुका है। उनके पास दस्तावेज नहीं हैं। आने वाले चार वर्षों में इन भारतीयों का डिपोर्ट होना तय है। इसी डर से कई लोग स्वयं ही अमेरिका छोड़कर भारत लौट रहे हैं। संधा के मुताबिक 'सेवन आइ' एजेंसी ने ओवर स्टे भारतीयों का आंकड़ा अमेरिकी सरकार को सौंप दिया है। ऐसे लोगों के फिंगर प्रिंट लिए जा चुके हैं।

हरजिंदर सिंह संधा रविवार को एनआरआइ सभा की ओर से आयोजित दो दिवसीय ग्लोबल माइग्रेशन सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि बिना दस्तावेज के कई भारतीय टैकोमा जेल में बंद हैं जो आइटी कंपनियों में काम करने या बिजनेस करने अमेरिका पहुंचे थे, लेकिन उनका ओवर स्टे समाप्त हो चुका है। ऐसे लोग स्वयं भारत नहीं लौटेंगे तो उन्हें समुद्री जहाज से वापस भेजा जाएगा। जो लोग जिस देश से अवैध ढंग से अमेरिका पहुंचे हैं, उन्हें वहीं छोड़ा जाएगा।

सेमिनार में पूर्व डीआइजी गुरप्रीत सिंह तूर ने पंजाब से भारी प्रवासन के कई कारण बताए। कहा कि अवैध प्रवासन को बढ़ाने में लिबरल माइग्रेशन पालिसी, नशा, फेक वीजा व गैर-मान्यता ट्रैवल एजेंटों की बड़ी भूमिका है।

टोरंटो से आए डा. जागीर सिंह काहलों ने कहा कि पंजाब में रोजगार न मिलने के कारण युवा विदेश की ओर रुख कर रहे हैं। रोजगार के साधन बढ़ाने के साथ पंजाब सरकार को क्वालिटी लाइफ पर अधिक फोकस करना होगा। तर्क दिया कि अधिकतर विद्यार्थी बारहवीं व आइलेट्स टेस्ट पास करके विदेश जाने का सपने इसलिए देखने लगते हैं क्योंकि उन्हें वहां क्वालिटी लाइफ के साथ-साथ काम मिल जाता है। वे उस कल्चर में स्वयं को ढाल लेते हैं।

बिहार में मां ने तीन बच्चों को कुएं में फेंक कर मार डाला

- नशेड़ी पति से विवाद के बाद पत्नी ने उठाया कदम, निशानदेही पर कुएं से निकाले गए बच्चों के शव
- पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो उसने तीनों बच्चों को कुएं में फेंके जाने की बात स्वीकार कर ली, पहले गुमराह करती रही पुलिस को

जागरण संवाददाता, कल्याणपुर (समस्तीपुर)

बिहार के समस्तीपुर जिले में नशेड़ी पति से परेशान पत्नी ने अपने तीन मासूम बच्चों को पानी भरे कुएं में फेंककर मार डाला। उसकी निशानदेही पर रविवार को कुएं से तीनों के शव निकाले गए।

बताया गया कि मालीनगर पंचायत निवासी चंदन कुमार ई रिक्शा चलाता है। शनिवार की रात खाने के बाद वह और उसकी पत्नी सीमा अपने दो पुत्रों व एक पुत्री के साथ सो गए। देर रात अपने बच्चों के बिस्तर पर नहीं रहने की सूचना पत्नी ने पति को दी। इसके बाद पिता ने बच्चों की खोजबीन शुरू की। कुछ पता नहीं चलने पर इसकी सूचना सुबह चार बजे पुलिस को दी।

बिहार के समस्तीपुर जिले के एसपी अशोक मिश्रा भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्वजन से पूछताछ की। शक के आधार पर पुलिस ने मां को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

वह पहले तो पुलिस को अलग-अलग कहानियां सुनाती रही, लेकिन जब पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो उसने तीनों बच्चों को कुएं में फेंके जाने की बात स्वीकार कर ली। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने घर से दूर तीनों बच्चों के शव को कुएं से बाहर निकाला। महिला अपने पति के नशेड़ी होने से परेशान थी। दोनों के बीच किसी बात को लेकर देर शाम विवाद भी हुआ था। एसपी ने बताया कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छत्रपति शिवाजी के किलों के लिए यूनेस्को विरासत का दर्जा हासिल करने का प्रयास तेज

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज के 12 किलों को यूनेस्को विश्व विरासत स्थल का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर पेरिस गया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, महाराष्ट्र सरकार ने भारत का मराठा सैन्य परिदृश्य विषय के अंतर्गत यूनेस्को को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। प्रस्ताव में रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, पन्हाला, शिवनेरी, लोहागढ़, सालहेर, सिंधुदुर्ग, सुवर्णदुर्ग, विजयदुर्ग, खंडेरी और तमिलनाडु में जिंजी के किले को शामिल किया गया है। शेलार ने महाराष्ट्र के प्रस्ताव को यूनेस्को को भेजने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा वैश्विक मंच पर राज्य का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी देने के लिए फडणवीस का आभार व्यक्त किया।

हाथरस भगदड़ : जांच रिपोर्ट में सीओ व एसडीएम की भूमिका पर सवाल

- धार्मिक समागम में भगदड़ से हुई थी 121 लोगों की मौत
- विधानमंडल के बजट सत्र में पेश की जा सकती है रिपोर्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ

हाथरस मामले की न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट में तत्कालीन एसडीएम व क्षेत्राधिकारी (सीओ) की भूमिका पर प्रश्नचिह्न लगाया गया है। सूत्रों के अनुसार सत्संग की मंजूरी देने व यातायात व्यवस्था की कमान आयोजक के निजी सुरक्षाकर्मियों के हाथों में सौंपने को गलत ठहराया गया है। साथ ही सुझाव दिया गया है कि इस प्रकार के आयोजनों की मंजूरी देने से लेकर भीड़ प्रबंधन की कमान पुलिस व प्रशासन को अपने हाथों में रखनी चाहिए थी। न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट को बीते दिनों हुई कैबिनेट की बैठक में सदन के पटल पर रखने की मंजूरी दे दी गई है।

हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र के फुलराई गांव में बीते वर्ष दो जुलाई को नारायण साकार हरि के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। राज्य सरकार ने हादसे की जांच के लिए हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया था। सेवानिवृत्त आइपीएस अधिकारी भवेश कुमार सिंह व सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी हेमंत राव को आयोग का सदस्य बनाया गया था। आयोग ने हादसे को लेकर नारायण साकार हरि के अलावा मृतकों के स्वजन, घायलों व प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए थे। रिपोर्ट में कई बिंदुओं को उजागर किया गया है।

बंगाल में पीड़ित भाजपा कार्यकर्ता से मिलीं राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य अर्चना मजूमदार ने दक्षिण 24 परगना के जीबनतला के माठेरदिघी इलाके में पीड़ित भाजपा कार्यकर्ता बापन मंडल के घर का दौरा किया। कुछ दिन पहले जमीन विवाद को लेकर कुछ लोगों ने उनकी पिटाई की थी। पति को बचाने गई गर्भवती पत्नी को भी पीटा गया था। महिला आयोग की सदस्य ने दंपती की शिकायतें सुनीं। अर्चना ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि पूरे मामले की जानकारी गृह मंत्रालय को दी जाएगी। कहा कि चारों ओर स्थिति भयावह है। पीड़ित परिवार पर बार-बार हमला करने की कोशिश की जा रही है। वे काफी डरे हुए हैं। मैंने पूरे मामले की सूचना जिला प्रशासन के उच्च अधिकारियों और स्थानीय पुलिस थाने को दे दी है। मैं चाहती हूं कि प्रशासन उचित कदम उठाए।

****

आर्थिक रूप से समर्थ होने पर पत्नी गुजारा भत्ते की हकदार नहीं : हाई कोर्ट

- तलाक के एक मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने सुनाया महत्वपूर्ण फैसला

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

कलकत्ता हाई कोर्ट ने तलाक के एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि पत्नी के आर्थिक रूप से समर्थ होने पर पति को गुजारा भत्ता देने की जरूरत नहीं है। न्यायाधीश अजय कुमार गुप्त की पीठ ने कहा कि मामले में पत्नी की आय कमोबेश पति के समान है। पत्नी शिक्षित है और रोजगार करती है। वह आर्थिक रूप से पति पर निर्भर नहीं है इसलिए गुजारा भत्ता पाने की हकदार नहीं है। मामला हावड़ा के बेलूर इलाके के एक दंपती का है।

सीए पत्नी ने कुछ समय बाद पति व ससुरालवालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए तलाक के लिए आवेदन किया था। साथ ही गुजारा भत्ते की भी मांग की थी। निचली अदालत ने पति को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। साफ्टवेयर इंजीनियर पति ने फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती देते हुए कहा था कि पत्नी ने अपनी आय का विवरण निचली अदालत से छिपाया है। हाई कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को खारिज करते हुए कहा है कि जब पत्नी समर्थ है तो उसे पति से गुजारा भत्ता लेने की क्या जरुरत है!

कलकत्ता हाई कोर्ट। फाइल

दलित बेटियों के समर्थन में यादव समाज, शादी की उठाएगा जिम्मेदारी

जासं, मथुरा: दलित समाज की दुल्हन बेटियों और बरात पर हमला कर शादी तुड़वाने वाले युवकों के खिलाफ यादव समाज ने कड़ा फैसला लिया। आरोपितों के परिवारों का हुक्का-पानी बंद होगा। न कोई इनके आयोजन में शामिल होगा और न बुलाया जाएगा। पंचायत में आरोपितों की करतूत को समाज पर कलंक बताया और बेटियों की शादी का जिम्मा उठाने का एलान कर दिया। शुक्रवार को दलित परिवार की दो सगी बहनों की बरात राजस्थान से आई थी। फूफा के साथ ब्यूटी पार्लर से लौट रही दुल्हन बहनों की कार द्वारा बाइक को साइड न देने पर यादव समाज के युवकों ने उत्पात मचाया था। कार से निकालकर दुल्हनों को पीटा गया। उन पर कीचड़ फेंका गया। गाड़ियों को ट्रैक्टरों ने क्षतिग्रस्त कर बरातियों को पीटा गया। डंडा मारकर दूल्हे के पिता का सिर फोड़ दिया गया।

33 सभी छत्तीसगढ़ की जेलों में बंद 18 हजार से अधिक कैदियों को मंगलवार को संगम के पवित्र जल से स्नान कराया जाएगा। प्रयागराज से गंगाजल मंगवाकर सभी जेलों को भेज दिया गया है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 24 फरवरी, 2025

भ्रष्टाचार रोकथाम कानून में हर मामले की प्रारंभिक जांच अनिवार्य नहीं : सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष अदालत ने कहा, यह आपराधिक मामला दर्ज करने की पूर्व शर्त नहीं

अदालत ने कहा – कानून के तहत दर्ज मामलों समेत कुछ श्रेणी के मामलों में प्रारंभिक जांच वांछित होती है

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत दर्ज हर मामले में प्रारंभिक जांच अनिवार्य नहीं है और यह आरोपित का अधिकार भी नहीं है। अदालत ने कहा कि इस कानून के तहत दर्ज मामलों समेत कुछ श्रेणी के मामलों में प्रारंभिक जांच वांछित होती है, लेकिन आपराधिक मामला दर्ज करने की यह पूर्व शर्त नहीं है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने 17 फरवरी के अपने फैसले में कहा कि प्रारंभिक जांच का उद्देश्य प्राप्त जानकारियों की सत्यता को प्रमाणित करना नहीं, बल्कि सिर्फ यह पता लगाना है कि क्या उक्त जानकारी से कोई संज्ञेय अपराध होने का पता चलता है। पीठ ने कहा, 'यदि किसी वरिष्ठ अधिकारी के पास स्रोत सूचना रिपोर्ट है जो विस्तृत व तर्कपूर्ण है और अगर किसी विवेकशील व्यक्ति की यह राय पहली दृष्टि में संज्ञेय अपराध होने को उजागर करती हो तो प्रारंभिक जांच से बचा जा सकता है।'

शीर्ष अदालत ने यह फैसला कर्नाटक सरकार की अपील पर सुनाया जिसमें प्रदेश हाई कोर्ट के मार्च, 2024 के फैसले को चुनौती दी गई थी। हाई कोर्ट ने भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत कथित अपराधों के लिए एक अधिकारी के विरुद्ध कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस स्टेशन द्वारा दर्ज एफआइआर को रद कर दिया था। उक्त अधिकारी पर आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्तियां अर्जित करने का आरोप था।

सुप्रीम कोर्ट के समक्ष सवाल था कि क्या मामले के तथ्यों के मद्देनजर भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत एफआइआर दर्ज करने का निर्देश देने से पहले प्रारंभिक जांच अनिवार्य है या फिर स्रोत सूचना रिपोर्ट को प्रारंभिक जांच का विकल्प माना जाना चाहिए। पीठ ने शीर्ष कोर्ट के पूर्व फैसलों का हवाला देकर अपना फैसला सुनाया और कहा कि प्रारंभिक जांच आवश्यक है या नहीं, इसका फैसला हर मामले के तथ्यों एवं परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग होगा। पीठ ने कहा, हाई कोर्ट ने इस निष्कर्ष पर पहुंचने में गलती की कि प्रारंभिक जांच नहीं करने के कारण एफआइआर निरस्त कर दी जाए।

शीर्ष अदालत ने भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम की धारा-17 का भी हवाला दिया जो जांच के लिए अधिकृत व्यक्तियों से संबंधित है। पीठ ने कहा कि इस मामले में एसपी ने स्रोत सूचना रिपोर्ट के आधार पर संज्ञेय अपराध होने के बारे में अपनी राय बनाने के बाद डीएसपी को आरोपित के विरुद्ध एफआइआर दर्ज करने का निर्देश दिया और जांच के लिए अधिकृत किया। साथ ही कहा, 'भ्रष्टाचार के मामले में जांच एजेंसी पर प्रशासनिक बाधाओं का ढांचा तैयार करके अनावश्यक बंदिशें लगाकर हाई कोर्ट ने गंभीर गलती की जिससे कानूनी एजेंसियों के अक्षम हो जाने की संभावना है।'

शीर्ष अदालत ने कहा कि कानून बनाने के पीछे विधायी मंशा भ्रष्टाचार से संबंधित अपराधों की जांच के लिए मजबूत तंत्र बनाना और भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने वाली प्रक्रियागत बाधाओं के निर्माण से बचना था। लिहाजा, ऐसे प्रक्रियागत कानूनों की व्याख्या करते समय ध्यान रखा जाना चाहिए कि संभावित आपराधिक गतिविधियों, खासकर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के मामलों में व्याख्या जांच को सुविधाजनक बनाए, न कि हतोत्साहित करे।

मंदिरों, श्मशानों व पवित्र जल को साझा करें हिंदू : भागवत

▶ संघ प्रमुख बोले–रिश्तेदारों व कुलों में सद्भावना हो ताकि देश आगे बढ़े

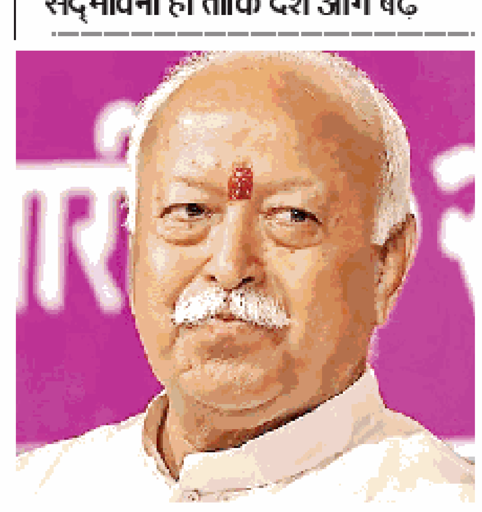

मोहन भागवत

गुवाहाटी, प्रेट्र : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने संघ के सभी स्वयंसेवकों से देश में सभी समूहों के बीच मित्रता बढ़ाने की अपील की है। फिर चाहे वह समूह किसी भी जाति, पंथ, क्षेत्र का हो या कोई भी भाषा बोलने वाला हो। उन्होंने कहा कि सभी हिंदुओं को समान रूप से मंदिरों, श्मशानों और विभिन्न क्षेत्रों में पवित्र जल को आपसी आदर दिखाकर सहयोग से साझा करना चाहिए।

एक बौद्धिक कार्यक्रम में सम्मिलित होते हुए रविवार को संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि समाज के कल्याण के लिए स्वयंसेवकों को प्रेरक बनकर इस प्रयोजन में खुद को खपाना होगा। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न परंपरागत समूहों के बीच सांप्रदायिक सौहार्द होना चाहिए। रिश्तेदारों व कुलों के बीच सद्भावना होनी चाहिए ताकि देश सकारात्मक दिशा में आगे बढ़े और उसके अच्छे परिणाम निकलें। भागवत ने आग्रह किया कि एक समाज के तौर पर हमें जल संरक्षण, पौधारोपण करने और पर्यावरण की रक्षा के लिए प्लास्टिक के बर्तनों के उपयोग से बचना चाहिए।

संघ प्रमुख ने सामाजिक परिवर्तन के लिए पंच परिवर्तन पर जोर देते हुए कहा कि सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक मूल्यों, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग और नागरिक कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। प्रत्येक भारतीय को आत्म अभिव्यक्ति के अनुरूप ही खानपान, रहन-सहन, यात्राओं और यहां तक कि भाषा का प्रयोग भी करना चाहिए। रोजमर्रा हरेक को विदेशी भाषाओं के बजाय अपनी मातृ भाषा का प्रयोग करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि भागवत छह दिन के दौरे पर गुवाहाटी पहुंचे हैं। वह यहां संगठन को मजबूत करने के लिए स्वयंसेवकों से बातचीत करेंगे।

न्यूज गैलरी

एक्सप्रेस वे पर कार डिवाइडर से टकराई, तीन की मौत

जयपुर : राजस्थान में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर दौसा जिले के धनावड़ इलाके में रविवार को सड़क दुर्घटना में उत्तर प्रदेश के नोएडा निवासी कार सवार दंपती और उनके बेटे की मौत हो गई, जबकि बहू गंभीर रूप से घायल है। पुलिस के अनुसार महिपाल सिंह कार में पत्नी गीता देवी, बेटे ललित सिंह व बहू पूजा के साथ जयपुर से दिल्ली की तरफ जा रहे थे। धनावड़ इलाके में एक्सप्रेस वे पर कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। पुलिस का कहना है कि गाड़ी के एयरबैग खुले, मगर फट गए। महिपाल, उनकी पत्नी व बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। उधर, प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक ट्रक ने कट लगाते ओवरटेक किया था, जिससे तेजी से दौड़ रही कार अनियंत्रित हुई। (जासं)

10 वर्षों में 17 करोड़ लोगों को रोजगार दिया : मांडविया

जयपुर : केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश के आर्थिक हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। रविवार को जयपुर में मीडिया से बात करते उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट विकसित भारत के सोच वाला बजट है। 2014 के मुकाबले बजट में तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। नीति आयोग भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देख रहा है। पिछले 10 वर्षों में 17 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत में 3 .2 प्रतिशत बेरोजगारी है, जबकि यूपीए सरकार के समय यह छह प्रतिशत थी। महंगाई भी छह प्रतिशत थी, जो अब कम हुई है। (जासं)

दुष्कर्म व मतांतरण के लिए दबाव में पूर्व पार्षद गिरफ्तार

जयपुर : राजस्थान में ब्यावर जिले के विजय नगर में नाबालिग छात्राओं के साथ मुस्लिम युवकों द्वारा दुष्कर्म कर वीडियो बनाने, मतांतरण के लिए रोजा रखने और कलमा पढ़ने का दबाव बनाने के मामले में पुलिस ने रविवार को पूर्व निर्दलीय पार्षद हकीम कुरैशी को गिरफ्तार किया है। इसके पहले इस मामले में पुलिस पाक्सो एक्ट में आठ मुस्लिम युवक गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस उपाधीक्षक सज्जन सिंह ने बताया कि हकीम घटनाक्रम में आरोपितों का सहयोगी था। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। उधर, इस घटना के विरोध में रविवार को जिले के दो कस्बे पिसांगन व बांदनवाड़ा बंद रहे। लोगों ने आरोपितों को फांसी देने की मांग को लेकर नारेबाजी की। (जासं)

राजस्थान में 150 फीट गहरे खुले बोरवेल में गिरा बच्चा

जयपुर : राजस्थान में झालावाड़ जिले के डग में रविवार को पांच साल का बच्चा 150 फीट गहरे खुले बोरवेल में गिर गया और 30 फीट गहराई में फंसा हुआ है। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और बचाव आपरेशन शुरू कर दिया गया है। बोरवेल से करीब 80 फीट की दूरी पर जेसीबी से खोदाई की जा रही है। बोरवेल में रस्सी डालकर उसे बाहर निकालने का भी प्रयास किया जा रहा है। बच्चे तक आक्सीजन पहुंचाई गई है। देर शाम तक उसके रोने की आवाज सुनी गई। मौके पर पहुंचे कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ ने बताया कि बोरवेल दो दिन पहले ही खोदवाया गया था। आसपास की जमीन पथरीली है। आसपास गड्डे खोदवाकर बच्चे को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। (जासं)

पप्पू के बिगड़े बोल, धीरेंद्र शास्त्री को कहा – बंदर बाबा

बेगूसराय : पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव के बयान से फिर सियासत गर्म हो गई है। उन्होंने बेगूसराय में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री को बंदर बाबा बता दिया। कहा कि हमको समझ में नहीं आ रहा है कि किस बागेश्वर की बात होती है। कुंभ आस्था से जुड़ी चीज है, बागेश्वर जब पैदा नहीं हुआ था, जब इसके मां-बाप पैदा नहीं हुए थे, तब से कुंभ चल रहा है। इसको कुंभ का क्या पता, यह लोग तो बंदर है। हम ऐसे बाबाओं को बंदर कहते हैं, जो कुछ भी पब्लिक के बारे में, गरीबों के बारे में बोल देता है। (जासं)

महाकुंभ लाकर पत्नी की हत्या, बेटों से कहा– मेले में खो गई मां

▶ लाज में महिला की हत्या की जांच कर रही थी पुलिस, मां की तलाश में बेटा थाने पहुंचा तो खुला सच

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

मीनाक्षी (फाइल फोटो)

संगम स्नान कर पत्नी संग बनाया घूमने का वीडियो, सीरियल देख बनाई योजना

दिल्ली के एक व्यक्ति ने विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुंभ को अपनी पत्नी की हत्या के पाप के लिए चुना। पत्नी को महाकुंभ में लाकर संगम में स्नान किया। पत्नी संग मेले में घूमने का वीडियो बनाया। इसके बाद झूंसी के एक लाज में पत्नी के गर्दन पर चाकू से वार करके हत्या कर दी और वहां से भाग गया। घर पर उसने बेटों को बताया कि मां मेले में खो गई है। तीन बेटों में दो जब परिचितों को लेकर प्रयागराज पहुंचे तो आरोपित उनके साथ पत्नी को ढूंढ़ने का नाटक करता रहा। मेले में खोया-पाया शिविर में उद्घोषणा करवाता रहा। इस बीच बड़ा बेटा झूंसी थाने में मां की फोटो लेकर पहुंचा तो लाज में एक महिला की हत्या की जांच कर रही पुलिस को मानो बड़ी कड़ी मिल गई।

19 फरवरी की सुबह झूंसी पुलिस को पता चलता है कि आजाद नगर स्थित लाज में एक महिला की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई है। महिला कौन है? कहां से आई? किसने हत्या की। पुलिस इन सवालों में उलझ गई। इस बीच, 21 फरवरी को दिल्ली के त्रिलोकपुरी का रहने वाला अश्वनी अपने भाई आदर्श, बुलंदशहर निवासी मामा प्रवेश व दो मित्रों के साथ झूंसी थाने पहुंचा। एसओ उपेंद्र प्रताप सिंह को फोटो दिखाते हुए बताया कि यह उसकी मां मीनाक्षी है। महाकुंभ स्नान करने आए उसके पिता अशोक वाल्मीकि ने बताया है कि महाकुंभ मेला से उसकी मां गायब हो गई। शहर के दो थानों में गया तो वहां पता चला कि झूंसी में एक महिला का कत्ल हुआ है तो झूंसी थाने में आया है।

बीमा के नाम फर्जीवाड़ा : कमीशन का मेल, बैंक व बीमा कंपनी में भी खेल

▶ जांच कंपनी का संचालक भी कमीशन पर कराता था मृतकों की जानकारी

▶ बैंककर्मी दूसरे जिलों में खोलते थे खाता, नामिनी का भी बदलते थे पता

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद

संभल में बीमा क्लेम के नाम पर फर्जीवाड़े की परतें खुलती जा रही हैं। गिरोह के लोग गांव स्तर पर कमीशन उपलब्ध कराते थे। कमीशन के चक्कर में गिरोह की बैंक और बीमा कंपनियों में गहरी पैठ थी। ईस्ट इंडिया इन्वेस्टिगेशन कंपनी के संचालक शैलेन्द्र ने सत्यापन का काम लेने के लिए कई बीमा कंपनियों में कमीशन तय कर रखा था। वह विभिन्न राज्यों में अपनी कंपनी के जांचकर्ताओं को ढाई हजार रुपये प्रति केस (बीमा धारक का सत्यापन) देता था। मृतक और मरणासन्न लोगों की जानकारी देने का अलग कमीशन था। गिरोह का सरगना ओंकारेश्वर मिश्र इन्हीं लोगों का बीमा अपने लोगों से कराता था। ईकेवाइसी के नाम पर बैंककर्मियों को हर खाते पर 10 हजार रुपये तक दिए जाते थे।

बुलंदशहर के अनूपश हर के बैंक स्टाफ ने बदायूं और संभल आकर भी फर्जी बीमाधारकों के खाते खोले हैं। पुलिस को ऐसे कई बैंक और बीमा

प्रतीकात्मक

कंपनियों की जानकारी मिली है। पुलिस ने 17 जनवरी को वाराणसी के ओंकारेश्वर मिश्र सहित दो लोगों को 11 लाख रुपये की नकदी के साथ गिरफ्तार किया था। इसके बाद शैलेन्द्र व अनूपशहर की यस बैंक शाखा के दो उपप्रबंधक सहित 13 और लोग हत्थे चढ़ चुके हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, हरियाणा, असम व बंगाल सहित 12 राज्यों के साथ दिल्ली के जीबी पंत अस्पताल और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के नाम पर भी फर्जीवाड़ा सामने आ चुका है। मृतकों और मरणासन्न लोगों के बीमा कर गिरोह उनके नाम से फर्जी क्लेम निकालते हैं।

परत दर परत

- बैंककर्मियों को खाता खुलवाने का लक्ष्य पूरा कराने का लालच देने के साथ हर खाते पर 2500 दिए जाते थे।
- शैलेन्द्र सत्यापन में फजी रिपोर्ट लगाने के लिए अपने स्टाफ को भी ढाई हजार प्रति खाता अतिरिक्त देता था।
- अन्य इन्वेस्टिगेशन कंपनियों के भी फर्जी सत्यापन में भी जानकारी मिली।
- बैंककर्मी खाताधारक के पास जाकर खाता खुलवाते थे। गिरोह के सदस्य नामिनी के आधार से पता बदलते थे।
- बीमा कंपनियों के अधिकांश संदिग्ध क्लेम की रकम बुलंदशहर स्थित एक ही बैंक के खातों में ट्रांसफर हुई है।

महाकुंभ से लौटने के दौरान तीन सड़क हादसे में चार की मौत

जागरण टीम, पटना : यूपी के प्रयागराज में महाकुम्भ स्नान के बाद घर लौटने के दौरान बिहार के कैमूर, भोजपुर व हाजीपुर जिले में तीन अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, वहीं 19 घायल हो गए। तीनों दुर्घटनाएं रविवार की सुबह हुईं। तीनों सड़क दुर्घटनाओं का कारण थकान से चालक को झपकी आना बताया जा रहा है। हाजीपुर गांधी सेतु पर ट्रक का अचानक ब्रेक लगाने से पीछे से आ रही बस ने टक्कर मार दी।

कैमूर जिले में एनएच 19 पर चिलबिली गांव के पास एक ही परिवार के श्रद्धालुओं को लेकर आ रही स्कार्पियो खड़े कंटेनर से टकरा गई। इससे जमुई निवासी एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई और चालक सहित पांच लोग घायल हो गए। एक महिला की स्थिति गंभीर है। कुदरा थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि दोनों वाहनों को जब्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं भोजपुर जिले के आरा-बक्सर नेशनल हाईवे पर इटवां गांव के समीप एक कार अनियंत्रित होकर ट्रक से जा टकराई।

तमिलनाडु में रेलवे स्टेशन के हिंदी नाम पर पोती कालिख

पोल्लाची, प्रेट्र: तमिलनाडु में हिंदी विरोध की आंच अब रेलवे स्टेशनों तक पहुंच गई है। पोल्लाची रेल वे स्टेशन पर रविवार को हिंदी विरोधी प्रदर्शन हुआ। तमिल समर्थक प्रदर्शनकारियों ने रेलवे स्टेशन के साइनबोर्ड पर लिखे हिंदी शब्दों पर कालिख पोत दी। इंटरनेट मीडिया पर इस घटना का वीडियो प्रसारित हुआ, जिसमें कार्यकर्ताओं को हिंदी में लिखे ''पोल्लाची जंक्शन'' पर काला पेंट करते देखा गया। आरपीएफ का एक अधिकारी प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश करता दिखा। घटना के बाद, दक्षिण रेलवे के पलक्कड़ डिवीजन के अधिकारियों ने सफाई दी कि बोर्ड से कालिख को तुरंत हटा दिया गया। रेलवे ने कहा कि आरपीएफ पोल्लाची ने आरोपितों की पहचान कर ली है और रेलवे एक्ट के तहत उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक, भाजपा और केंद्र सरकार के साथ वाकयुद्ध में लगी हुई है, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के माध्यम से हिंदी थोपने का आरोप लगाया गया है, हालांकि केंद्र ने इस आरोप का खंडन किया है।

योग करते वक्त स्कूल संचालक का सिर धड़ से किया अलग

▶ जालौन का मामला, निष्कासित प्रधानाचार्य व शिक्षक को किया नामजद, चार अज्ञात पर मुकदमा

▶ प्रबंध समिति के चुनाव को लेकर चल रहे विवाद में हत्या की है आशंका

जागरण संवाददाता, जालौन

उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में सुबह गांव के बाहर योगाभ्यास करने के दौरान बुजुर्ग की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हत्यारों ने तीन स्कूलों के संचालक के सिर को धड़ से अलग कर दिया। रामपुरा के सिलउवा गांव में हुई दुस्साहसिक वारदात में बुजुर्ग की पत्नी ने प्रबंध समिति के विवाद में विद्यालय से निष्कासित पूर्व प्रधानाचार्य व सेवानिवृत्त शिक्षक के साथ कुछ अन्य लोगों पर हत्या का अंदेशा जताया है।

स्वजन और ग्रामीणों के अड़ने पर पहुंचे एसपी डा. दुर्गेश कुमार ने जब सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया, तब शव उठाने दिया गया। दिवंगत के पुत्र की तहरीर पर दो नामजद व चार अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

ग्राम सिलउवा निवासी 68 वर्षीय विद्याराम जाटव सुबह करीब सात बजे घर से टहलने के लिए निकले थे। गांव के बाहर प्राथमिक विद्यालय के पास नाले पर बनी पुलिया पर बैठकर वह योगाभ्यास करने लगे। उसी दौरान पीछे से उनकी गर्दन में किसी ने धारदार हथियार से प्रहार किया, जिससे उनका सिर धड़ से अलग हो गया। कुछ देर बाद ग्रामीण उधर से निकले तो रक्तरंजित शव देख स्वजन व पुलिस को सूचना दी।

बता दें, विद्याराम तीन विद्यालयों, सेवा निकेतन विद्यालय और भीमराव जूनियर हाईस्कूल स्कूल के साथ भीमराव इंटर कालेज के संचालक थे। तीनों विद्यालय में प्रबंधक उनकी पत्नी प्रेमा देवी हैं।

पत्नी के मुताबिक वर्ष 2019 में पति ने अनियमितता के आरोप में इंटर कालेज के प्रधानाचार्य रामखिलावन को निष्कासित करने के साथ जूनियर हाईस्कूल से सेवानिवृत्त रामचरन को विद्यालय आने से रोक दिया था। दोनों ने उनको जान से मारने की धमकी दी थी। वर्ष 2020 में उनकी पौत्री की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने रामखिलावन के स्वजन को हिरासत में ले लिया है।

उज्जैन, हरिद्वार और नासिक में भी हो शाही की जगह 'अमृत' स्नान

▶ योगी सरकार ने पेशवाई को छावनी प्रवेश व शाही स्नान को दिया है अमृत स्नान का नाम

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

महाकुंभ की अलौकिक आभा ने विश्वभर के लोगों को आकर्षित किया। अपेक्षा से अधिक 61 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम के पवित्र जल में डुबकी लगाई। जनकल्याण, राष्ट्रोत्थान, गोरक्षा और सामाजिक समरसता का संदेश दुनियाभर में गया। उत्तर और दक्षिण के धर्मगुरुओं का समागम हुआ। महत्वपूर्ण रहा गुलामी के दौर में मिले पेशवाई और शाही स्नान का नाम बदलना। अखाड़ों की मांग पर सनातन संस्कृति का मान बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेशवाई और शाही स्नान का नाम बदलने का ऐतिहासिक काम किया। पेशवाई को छावनी प्रवेश और शाही स्नान का नाम बदलकर अमृत स्नान कर दिया। अब अखाड़े उज्जैन, हरिद्वार और नासिक में होने वाले कुंभ, अर्द्धकुंभ मेला में पेशवाई तथा शाही स्नान का नाम बदलवाना चाहते हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद तीनों प्रदेशों मध्य प्रदेश, उत्तराखंड व महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों से मिलकर अभिलेखों से शाही और पेशवाई शब्द

श्रीमहंत रवींद्र पुरी। जागरण

हटाने की मांग करेगा।

सदियों से अखाड़ों के कुंभ मेला क्षेत्र में प्रवेश को पेशवाई और स्नान को शाही स्नान कहा जाता था। पेशवाई फारसी और शाही उर्दू शब्द है। अखाड़ों का मत है कि सनातन धर्म से जुड़ी परंपरा का नाम संस्कृत अथवा हिंदी में होना चाहिए। दैनिक जागरण ने उनकी मांग को प्रमुखता से प्रकाशित किया, तो हर वर्ग के लोग उसके समर्थन में खड़े हो गए। भाषाविद, सनातन धर्म के मर्मज्ञ, समाजसेवी, तीर्थपुरोहित सहित हर वर्ग के लोगों ने अखाड़ों की मांग को समर्थन दिया। मुख्यमंत्री ने सबकी मंशा के अनुरूप नाम बदलने की घोषणा कर दी।

हर जगह नाम में होनी चाहिए एकरूपता : रवींद्र पुरी

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद व मां मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट हरिद्वार के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखाड़ों और सनातन धर्मावलंबियों की मंशा का सम्मान रखते हुए पेशवाई और शाही स्नान का नाम बदलने का उत्कृष्ट कार्य किया है। अब 2027 में नासिक में कुंभ, 2027 में हरिद्वार में अर्द्धकुंभ और 2028 में उज्जैन का सिंहस्थ कुंभ होना है। हर जगह अखाड़ों की परंपरा समान है। ऐसे में उसके नाम में एकरूपता होनी चाहिए। जैसे अभी तक हर जगह पेशवाई और शाही स्नान शब्द का प्रयोग होता था। उसकी जगह अब छावनी प्रवेश और अमृत स्नान होना चाहिए।

गुणवत्ता सुधरी

गंगा और यमुना के जल की गुणवत्ता में सुधार, गंगा में कुछ स्थानों पर फीकल कोलीफार्म उच्च

सीपीसीबी ने जारी की नई रिपोर्ट, अब गंगा का पानी शुद्ध

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की ओर से जारी की गई जल गुणवत्ता रिपोर्ट में गंगा और यमुना नदी के पानी की गुणवत्ता में सुधार देखा गया है। हालांकि, कुछ स्थानों पर फीकल कोलीफार्म (एफसी) की मात्रा अभी चिंता का विषय बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, गंगा के विभिन्न स्थानों पर जल की गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया है। फीकल कोलीफार्म का स्तर 2500 एमपीएन प्रति 100 मिलीलीटर से कम होना चाहिए, लेकिन कुछ स्थानों पर यह मानक से अधिक पाया गया था, पर नई रिपोर्ट में इसमें काफी सुधार हुआ है।

28 जनवरी को संगम पर फीकल कोलीफार्म की मात्रा 200 दर्ज की गई, हालांकि यमुना में संगम पहुंचने से पूर्व ओल्डिब्रिज के पास यह 7900 था। संगम पर 29 जनवरी को यह 2300 पहुंच गया। अगले दिन 30 जनवरी को कोलीफार्म की मात्रा 2400 हो गई, जो मानक के करीब थी। तीन फरवरी को संगम पर कोलीफार्म की मात्रा 1800 दर्ज की गई जबकि डीहा घाट पर यह 450 रहा। चार फरवरी को संगम पर फीकल कोलीफार्म की मात्रा 7900 हो गई। 12 फरवरी को संगम पर कोलीफार्म की मात्रा 200 दर्ज की गई। दोनों दिनों में पानी में घुलित आक्सीजन की मात्रा क्रमशः 2.07 और 2.36 एमजी प्रतिलीटर रही जबकि यह तीन एमजी प्रतिलीटर होनी चाहिए।

प्रतीकात्मक

17 फरवरी को संगम पर कोलीफार्म की मात्रा 780, संगम के बाद वाराणसी की ओर डीहा घाट पर 200, यमुना में पुराने ब्रिज के पास 1700 और 450 मात्रा दर्ज की गई। यानी की 17 फरवरी तक गंगा का पानी कोलीफार्म की मानक मात्रा से काफी बेहतर रहा। इससे पूर्व सीपीसीबी की रिपोर्ट में 12 जनवरी को संगम पर फीकल कोलीफार्म 2000 एमपीएन/100 मिलीलीटर और डीहा घाट पर 4500 एमपीएन था। 13 जनवरी को डीहा घाट पर 33000 एमपीएन (खतरनाक रूप से उच्च) था। 14 जनवरी को संगम पर 11000 और डीहा घाट पर 17000 और यमुना पर 33000 एमपीएन था। 20 जनवरी को यह संगम पर 49000 एमपीएन और डीहा घाट पर 7800 एमपीएन था पर बाद में इसमें सुधार भी देखने को मिला।

महाकुंभ में भगदड़ की जांच के लिए बढ़ाया गया समय

राब्यू, जागरण, लखनऊ : महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दिन हुई भगदड़ व श्रद्धालुओं की मौत के मामले की जांच के लिए न्यायिक जांच आयोग को एक माह का और समय दिया गया है। राज्य सरकार ने बीती 29 जनवरी को सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हर्ष कुमार की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग का गठन कर जांच पूरी करने के लिए एक माह का समय दिया था। आयोग ने 30 जनवरी से हादसे की जांच शुरू कर दी थी। सूत्रों के अनुसार, पीड़ितों के बयान दर्ज किए जाने के बाद कुछ और जानकारियां सामने आई हैं। नतीजतन सरकार ने जांच का समय एक माह और बढ़ा दिया है। हादसे में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी और 60 से अधिक श्रद्धालु घायल हुए थे। हादसे में साजिश की आशंका की जांच भी एजेंसियां कर रही हैं।

दिग्विजय सिंह को पता नहीं और बिक गई उनकी जमीन

जागरण संवाददाता, अंबेडकरनगर

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नाम से वरासत में दर्ज भूमि बिक गई और उनको पता भी नहीं चला। पावर आफ अटार्नी की आड़ में ऐसा किया गया। मामला जिला प्रशासन के संज्ञान में आया तो प्रशासन ने निर्माण कार्य रोकवा दिया। भूमि से संबंधित दस्तावेज की पड़ताल की जा रही है। बता दें, वरासत प्रमाण पत्र या उत्तराधिकार प्रमाण पत्र एक कानूनी दस्तावेज है, जो किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसके उत्तराधिकारियों को जारी किया जाता है।

उप्र में अंबेडकरनगर की आलापुर तहसील के रामनगर महुवर गांव में दिग्विजय सिंह के नाम पर भूमि है। यह भूमि पूर्व में उनकी मां के नाम थी। 18 फरवरी, 1986 को मां के निधन के उपरांत वरासत के आवेदन पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के नाम पर दर्ज हो गई थी। बाद में उन्होंने अपने पुराने रिश्तों के चलते भूमि का अधिकार पत्र मकरही रियासत के नृपेंद्र शाह को सौंप दिया। हालांकि यह अभी अभिलेखों में दर्ज नहीं है। मामले ने तब तूल पकड़ लिया, जब गत शुक्रवार को भूमि पर कुछ लोगों ने निर्माण के लिए नींव की खोदाई शुरू की। केयरटेकर अनिल यादव ने इसकी जानकारी पूर्व मुख्यमंत्री समेत प्रशासनिक अधिकारियों को दी, तो मामला जिला प्रशासन के संज्ञान में आया और प्रशासन ने निर्माण कार्य रोकवा दिया। अनिल के अनुसार किसी व्यक्ति ने मुख्तार-ए-आम दिग्विजय सिंह बनकर 1989 में तीन सगे भाइयों जियालाल यादव, राजबहादुर यादव व मंगली यादव के नाम बैनामा कर दिया है।

****

मदद या मकसद

विकसित देश और वैश्विक स्तर पर काम करने वाले गैर सरकारी संगठन कई देशों को वित्तीय मदद मुहैया कराते हैं। आम तौर पर यह किसी क्षेत्र विशेष के लिए होती है। जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण या गरीबी खत्म करने के लिए। एक विकासशील देश के तौर पर भारत भी इस तरह की मदद का लाभार्थी रहा है। लेकिन अमेरिका की संस्था यूएसएड की भारत में मतदान बढ़ाने के लिए दी गई 2.1 करोड़ डालर की मदद सवालों के घेरे में है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि बाइडन प्रशासन इस मदद की आड़ में भारत में सत्ता परिवर्तन कराना चाहता था। अमेरिका के डीप स्टेट और कारोबारी जार्ज सोरोस पर पहले भी भारत में अव्यवस्था फैलाने के लिए फंडिंग करने के आरोप लग चुके हैं। सवाल उठता है कि विदेशी स्रोतों से आने वाली वित्तीय मदद बताए गए उद्देश्यों के लिए होती है या इसके जरिये संबंधित देश या संस्थाएं अपने हित या मकसद को साधने का प्रयास करती हैं। यह मदद है या मकसद पूरा करने का टूल, इसकी पड़ताल ही आज का मुद्दा है...

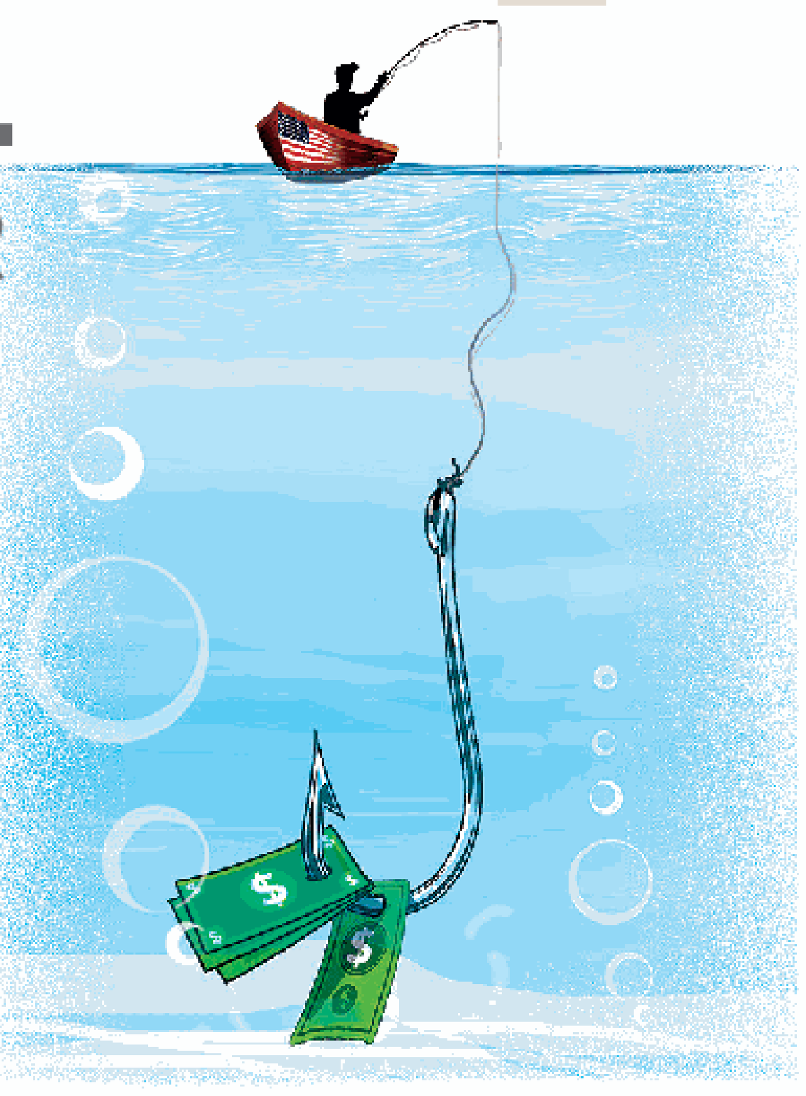

भारत में चुनाव और लोकतंत्र के लिए यूएसएड की फंडिंग

गवर्नेंस → मकसद

2001 से 2024 के बीच 121 मिलियन डालर दिए गए गवर्नेंस के लिए। इसमें से 14.5 मिलियन डालर चुनाव और लोकतांत्रिक भागीदारी के लिए थे।

चुनाव 2013-18: 4,84,115 डालर → कंसोर्टियम फार इलेक्शंस एंड पालिटकल प्रासेस स्ट्रेंथनिंग (सीईपीपीएस)

कुल 14.6 मिलियन डालर

लोकतांत्रिक भागीदारी और सिविल सोसायटी (2013, 2020-2024): 14.1 मिलियन डालर

- नेशनल डेमोक्रेटिक इंस्टीट्यूट: 7.6 मिलियन डालर
- आरटीआइ इंटरनेशनल: 2.3 मिलियन डालर
- एंटरप्राइज यूएस रिडैक्टेड: 1.9 मिलियन डालर
- एंटरप्राइज नान यूएस, अन्य: 1 मिलियन डालर
- अन्य: 1.3 मिलियन डालर

चुनावों के लिए फंड: यूएसएड ने चुनाव के लिए अनुदान सीईपीपीएस को दिया। सीईपीपीएस में गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) शामिल हैं। इसका मकसद दुनिया भर में लोकतांत्रिक प्रथाओं और संस्थानों को आगे बढ़ाना है। यूएसएड ने भारत को चुनाव के उद्देश्य के लिए सीईपीपीएस के माध्यम से 2013 और 2018 के बीच 4,84,158 डालर का भुगतान किया।

यूएसएड की फंडिंग

अमेरिका की संस्था यूएसएड की भारत को दी गई वित्तीय मदद इन दिनों सवालों के घेरे में है। अमेरिका के राष्ट्रपति का कहना है कि यूएसएड की मदद के जरिये बाइडन प्रशासन 2024 के चुनाव में सरकार बदलवाने का प्रयास किया है। आइये जानते हैं कि यूएसएड क्या है और इसने भारत में कितनी फंडिंग की है।

क्या है यूएसएड

यूएस एजेंसी फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट यानी यूएसएड की स्थापना 1961 में राष्ट्रपति जान एफ कैनेडी ने विदेशी सहायता संगठनों तथा कार्यक्रमों को एक एजेंसी के तहत एकजुट करने के लिए की थी। अमेरिकी कानून के अनुसार यूएसएड को अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रत्यक्ष अधिकार क्षेत्र में रखा गया है। इसका मूल उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य, आपदा राहत, सामाजिक आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण, लोकतांत्रिक शासन और शिक्षा के क्षेत्र में अपने कार्यक्रमों को लागू करना है। यह एजेंसी भारत में लंबे समय से कई कार्यक्रमों के लिए फंडिंग कर रही है।

पिछले चार वर्ष में आया एक चौथाई अनुदान

यूएसएड अब तक भारत को मदद के नाम पर 2.9 बिलियन डालर दे चुका है। इसका करीब एक चौथाई हिस्सा पिछले चार वर्ष में प्राप्त हुआ है। यूएसएड ने 2021 और वित्त वर्ष 2024 के बीच 650 मिलियन डालर या 23 प्रतिशत दिया, जिसमें सबसे ज्यादा अनुदान (228.2 मिलियन डालर) अकेले वित्त वर्ष 2022 में प्राप्त हुआ, जब जो बाइडन राष्ट्रपति थे। अमेरिका में संघीय सरकार का वित्तीय वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक होता है।

किस मद में भारत आया यूएसएड का पैसा

2.9 बिलियन डालर में से 'स्वास्थ्य और जनसंख्या' सेक्टर को सबसे बड़ा हिस्सा मिला, जो कि 56 प्रतिशत या 1.6 बिलियन डालर था। इस बीच, 'गवर्नेंस' सेक्टर को सिर्फ 4.2 प्रतिशत या 121 मिलियन डालर मिले, जिससे यह चौथा सबसे बड़ा फंडेड सेक्टर बन गया। इस 121 मिलियन डालर के अनुदान में से, 26.6 मिलियन डालर 'गवर्नमेंट और सिविल सोसायटी' के लिए बांटे गए, जबकि बचे 94.7 मिलियन डालर 'अन्य सामाजिक अवसंरचना और सेवाओं' के लिए दिए गए।

(स्रोत: फारेनअसिस्टेंटसहाटगाव)

15,947 एनजीओ ही सक्रिय हैं एफसीआरए लाइसेंस के साथ देश में, एफसीआरए डैशबोर्ड के अनुसार

35,488 एनजीओ अब सक्रिय नहीं हैं। या तो इनका एफसीआरए लाइसेंस रद किया गया है या लाइसेंस एक्सपायर हो गया है

भारत में यूएसएड का अनुदान

(फंडिंग मिलियन डालर में)

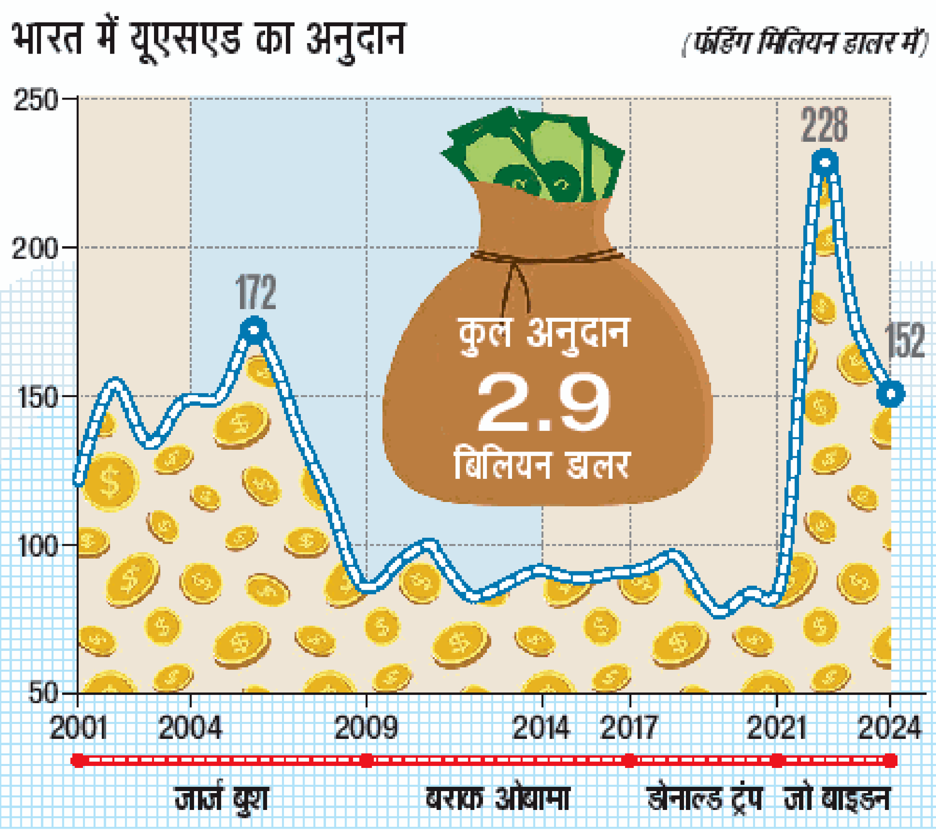

भारत को दिए गए सालाना औसतन 119 मिलियन डालर

यूएस फारेन असिस्टेंस वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, साल 2001 से 2024 के बीच यूएसएड ने भारत को कुल 2.9 बिलियन डालर दिए हैं। यह सालाना औसतन 119 मिलियन डालर है। इस राशि का 1.3 बिलियन डालर या 44.4 प्रतिशत भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार (2014-2024) के दौरान दिया गया था। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार (2004-2013) (2004-2013) के दौरान भारत को 1.2 बिलियन डालर या 41.3 प्रतिशत अनुदान मिला।

जातिवार गणना को मुद्दा बनाने के लिए रची गई साजिश

डिसइन्फोलैब ने अपनी एक रिपोर्ट द इनविजिबल हैंड में दावा किया है भारत में एक साजिश के तहत जातिवार गणना के मुद्दे को हवा दी गई। 2021 में ऐसे ट्वीट की बाढ़ आ गई थी जिसमें फ्रांस के राजनीति विज्ञानी क्रिस्टोफ जैफरलाट का उल्लेख था। इसी समय उनके पब्लिकेशन ने जातिवार गणना के नरेटिव को बढ़ाने के लिए जोरदार प्रयास किया।

क्रिस्टोफ जैफरलाट से जुड़े ट्वीट की बढ़ती संख्या (सालाना)

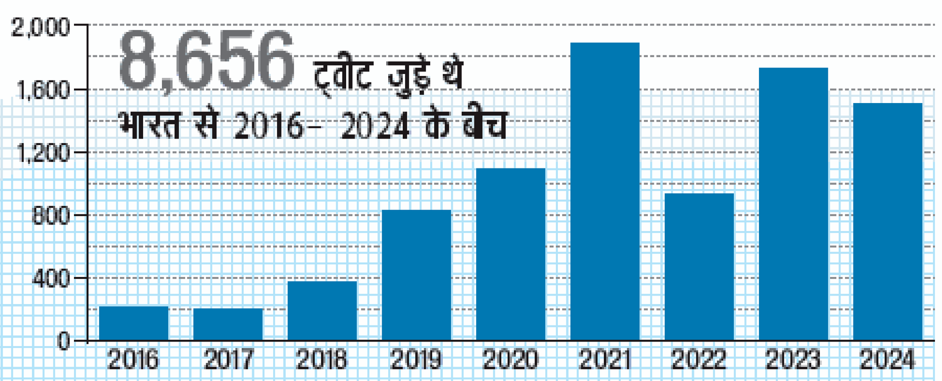

भारत के बारे में ट्वीट और रीट्वीट की बढ़ती संख्या

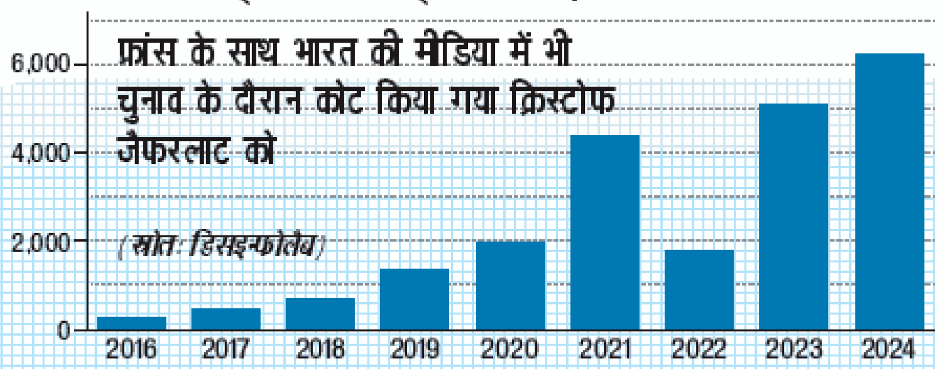

संस्थाओं पर अंकुश लगाना जरूरी

डा. अभिषेक श्रीवास्तव
असिस्टेंट प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी

सबसे बड़े और सबसे पुराने लोकतंत्र के तौर पर भारत और अमेरिका दोनों की जिम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करें कि कोई संस्था दूसरे देशों में साजिश के तहत चुनाव में हस्तक्षेप न कर सके। वरना पूरी दुनिया में अराजकता फैल जाएगी। इसका फायदा जार्ज सोरोस और डीप स्टेट से जुड़े लोग उठाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय मदद के नाम पर अपने अवांछित मकसद के पूरा करने में कई संस्थाओं का नाम समय-समय पर सामने आया है। विशेषकर भारत में शिक्षा तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने के नाम पर धर्म परिवर्तन कराने तथा सामाजिक अव्यवस्था फैलाने का आरोप भी कई संगठनों पर लगता रहा है। पिछले एक दशक में मोदी सरकार अंतरराष्ट्रीय फंडिंग की उपयोगिता तथा उनकी मंशा को जांच के दायरे में लाई है, जिससे कई अहम जानकारी सामने आई है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूएस एजेंसी फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएड) पर उनके बयान ने संस्था की भूमिका को सवालों के घेरे में ला दिया है। इस एजेंसी पर भारत के हालिया लोकसभा चुनाव को प्रभावित करने का आरोप लग रहा है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान अमेरिका के डीप स्टेट की भूमिका भी संदिग्ध रही है। इसमें जार्ज सोरोस का नाम महत्वपूर्ण है। वह खुलेआम नरेन्द्र मोदी सरकार को बदलने के लिए फंडिग करने की बात करते रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के अनुसार, जार्ज सोरोस के दो संगठनों, ओपन सोसाइटी और एंटी करप्शन एक्शन सेंटर ने सिर्फ भारत और बांग्लादेश में ही सत्ता परिवर्तन का प्रयास नहीं किया बल्कि एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका तथा पूर्वी यूरोप के देशों में भी सत्ता परिवर्तन और सामाजिक अव्यवस्था फैलाने में भी उनकी भूमिका है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह दावा भी किया है कि पिछले 15 वर्षों में यूएसएड ने जार्ज सोरोस के ओपेन सोसाइटी फाउंडेशन के साथ साझेदारी करने वाले संगठन ईस्ट-वेस्ट मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट को 27 करोड़ डालर से ज्यादा रकम दी है। यूएसएड सीधे अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अंतर्गत आता है। उसके पैसे का इस्तेमाल दूसरे देशों की संप्रभुता को सीमित करने के लिया किया जाना चिंताजनक है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अमेरिका की सरकार की भूमिका को लेकर चिंताएं बढ़ गईं हैं क्योंकि जिस देश में भी सत्ता परिवर्तन हुआ है, उसका सीधा लाभ अमेरिका की उस दौर की सरकारों को हुआ है। प्रश्न तो यह भी है कि किसके इशारे पर जार्ज सोरोस की संस्थाओं को यूएसएड से इतनी बड़ी धनराशि मुहैया कराई जाती थी, इन संस्थाओं को निर्देश कहां से मिलते थे तथा सत्ता परिवर्तन के बाद यह संस्थाए उन देशों में किस रूप में काम करती थीं? इन सभी सवालों पर गंभीरता से जांच करनी होगी और ऐसे में अमेरिका से संचालित डीप स्टेट की भूमिका से इंकार करना अव्वल दर्जे की मासूमियत कही जाएगी।

भारत और अमेरिका दोनों ही विश्व के सबसे बड़े और पुराने लोकतांत्रिक देश हैं। यह जिम्मेदारी दोनों देशों की है कि किसी भी देश के लोकतंत्र को किसी एजेंसी की साजिश के तहत धराशायी ना किया जाए। अगर इन एजेंसियों पर अंकुश न लगाया गया तो विश्व में अराजकता पैदा हो सकती है। इसका सीधा लाभ जार्ज सोरोस तथा डीप स्टेट के कुछ लोगों को होगा। वहीं प्रभावित देशों की जनता सामाजिक विद्वेष, राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक विषमता की बलि चढ़ जाएगी।

आपकी आवाज

कुछ देश और लोग भारत के विकास और कामयाबी में बाधा डालने के लिए और देश की युवा पीढ़ी और देश को आर्थिक रूप से कमजोर करने के लिए हमारे देश में फंडिंग करते हैं लेकिन सवाल यह है कि इससे निपटने के लिए सरकार सख्त कदम क्यों नहीं उठाती? कैसे यह फंडिंग हो जाती है? क्या देश की खुफिया एजेंसियों को इसकी भनक नहीं लगती? क्या आरबीआइ इसकी निगरानी नहीं करता है?

राजेश कुमार चौहान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले कहा कि यूएसएड भारतीय चुनाव में किसी और को जीत दिलाने के लिए फंड दे रही थी और अमेरिका को इस बारे में पीएम मोदी से बात करनी चाहिए। लेकिन बाद में उन्होने इस बयान से मुकरते हुए कहा कि यह 2.1 करोड डालर का फंड मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मेरे मित्र मोदी को गया। ट्रंप के इन परस्पर विरोधी बयानों से तो यही लगता है कि दाल में कुछ काला है।

गौरीशंकर अंतज

यह बात किसी से छिपी नहीं है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी अमेरिका और यूरोप जाकर भारत में लोकतंत्र बचाने की गुहार लगा रहे थे। मोदी सरकार जब अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबाव में नहीं आई तो इन देशों ने चुनाव में साजिश के तहत मोदी सरकार को हरवाने का प्रयास किया। जाहिर है कि यह काम बिना पैसों के नहीं हो सकता था।

प्रमोद शर्मा

लोकतंत्र के नाम पर साधा जा रहा हित

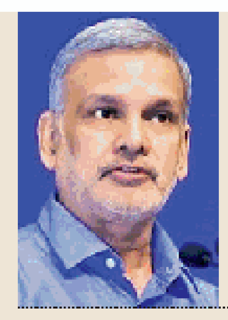

चिंतामणि महापात्रा
संस्थापक, कलिंगा इंस्टीट्यूट आफ इंडो-पैसिफिक स्टडीज

लोकतंत्र के नाम पर दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में दखल देना और अपने हित साधना अमेरिका का पुराना इतिहास रहा है। अमेरिका की कोई भी मदद ऐसी नहीं होती है जिसमें उसका कोई स्वार्थ शामिल न होता हो। मतदान बढ़ाने के नाम पर हुई फंडिंग में भी अमेरिका के हितों को पूरा करने का प्रयास साफ दिखता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूएसएड को पूरी तरह से बंद करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि यह एजेंसी दुनिया के तमाम देशों में अलग अलग मदों में अनुदान देती है। ट्रंप प्रशासन ने इस अनुदान का ब्योरा निकाला है। उनका कहना है कि इन चीजों पर अमेरिका के टैक्सपेयर्स का अरबों डालर खर्च नहीं होना चाहिए। इसमें यह सामने आया है कि यूएसएड ने 21 मिलियन डालर भारत में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने पर खर्च किया है।

सवाल उठता है कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए पैसे की क्या जरूरत है। इसके लिए लोगों को जागरूक किया जा सकता है और उनको प्रेरित किया जा सकता है। अगर पैसा देकर भी भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाना है तो इसमें अमेरिका का क्या फायदा है। यह तो तय है कि 21 मिलियन डालर खर्चा हुआ है क्योंकि यह यूएसएड के बजट में था। ट्रंप ने इसकी जानकारी दी है। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अमेरिका ने भारत के चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास किया है। यह साफ तौर पर चुनाव में हस्तक्षेप करने का मामला है। लेकिन अमेरिका ने किसी को जिताने का प्रयास किया, इसका साक्ष्य कहां मिलेगा? इसके बारे में स्पष्ट साक्ष्य के लिए जांच करनी होगी। जब तक इसके बारे में जांच की अंतिम रिपोर्ट न आए तब तक सटीक तौर पर कुछ भी कहना मुश्किल है। लेकिन यह तो तय है कि अमेरिका ने भारत के चुनाव में हस्तक्षेप करने की कोशिश की। अगर आप गौर करें तो पाएंगे कि भारत में लोकसभा चुनाव 2024 के पहले और चुनाव के दौरान वर्ल्ड मीडिया में मोदी विरोधी और भाजपा विरोधी लेख काफी ज्यादा प्रकाशित हो रहे थे। भारत में अगर विपक्षी पार्टियां कुछ बोलती हैं या यहां का मीडिया कुछ लिखता है तो ठीक है लेकिन पश्चिमी देशों की मीडिया में इस तरह के लेख जिस तरह से छा गए थे, उससे पता चलता है कि कोई न कोई साजिश थी कि मोदी सरकार को हटाया जाए। चुनाव से पहले इस तरह का नरेटिव स्थापित करने का प्रयास किया गया कि भारत में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है और मौजूदा सरकार मनमानी कर रही है। इसकी वजह यह थी कि पश्चिमी देश भारत में एक मजबूत सरकार नहीं चाहते है। वे चाहते हैं कि ऐसी सरकार हो जो उनके हितों के हिसाब से काम करे। रूस यूक्रेन युद्ध सहित कई मसलों पर मोदी सरकार ने अमेरिका और पश्चिमी देशों की लाइन को फालो करने से परहेज किया। भारत ने एक तो रूस की निंदा नहीं की, दूसरी तरफ रूस से तेल खरीदना शुरू कर दिया। मोदी सरकार ने तमाम मसलों पर ऐसा स्टैंड लिया जो भारत के हित में हो। इससे भी अमेरिका और पश्चिमी देश काफी परेशान थे। यूएसएड के जरिये अमेरिका कई देशों में पैसा खर्च कर रहा है। उनका कहना है कि हम लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिए ऐसा कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि आप क्यों कर रहे हैं। दुनिया में कोई भी वित्तीय मदद या अनुदान किसी मकसद के बिना नहीं होता है क्योंकि दुनिया में कुछ भी मुफ्त नहीं मिलता है।

राष्ट्रीय फलक

राज्यपाल के अल्टीमेटम के बाद मणिपुर में लोगों ने सरेंडर किए हथियार

- चूड़चंदपुर जिले में सरेंडर किए 16 हथियार और गोला-बारूद

इंफाल, एएनआइ : मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला के अल्टीमेटम और लोगों को जागरूक करने के जिला पुलिस, असम राइफल्स और सीआरपीएफ के संयुक्त प्रयासों के बाद मणिपुर में लोगों ने अवैध रूप से रखे गए हथियारों को सरेंडर करना शुरू कर दिया है। राज्यपाल ने 20 फरवरी को लोगों को अल्टीमेटम दिया था कि वे सात दिनों के भीतर लूटे हुए और अवैध हथियारों को स्वेच्छा से सौंप दें तो हथियार सौंपने वालों पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन सात दिनों की अवधि बीतने के बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मणिपुर पुलिस ने कहा कि शनिवार को जोमी और कुकी समुदायों के लोगों ने चूड़चंदपुर जिले में 16 हथियार और गोला-बारूद सरेंडर किए। इंफाल पूर्वी, तेंगनोपाल जिले में हथियार गोला-बारूद सरेंडर किए गए।

चोरी की 15 वाहन बरामद, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में हुआ था इस्तेमाल : पुलिस ने चोरी के 15 वाहन बरामद किए हैं जिनका इस्तेमाल महिलाओं के खिलाफ अपराध और विभिन्न अन्य अपराधों में लोगों से पैसे ऐंठने के लिए किया जा रहा था। पुलिस अधिकारी ने कहा कि वाहन चोरी के बढ़ते मामलों के बीच पुलिस ने विशेष अभियान चलाया और इंफाल पूर्व और थौबल जिलों में 10 कारों और पांच दोपहिया वाहनों सहित 15 वाहन बरामद किए। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान पुसाम अजामलुद्दीन और ककमयूम नवाज खान के रूप में हुई। जब्त वाहनों में तीन टोयोटा फार्च्यूनर, तीन महिंद्रा थार और टाटा सफारी शामिल हैं। इस बीच अलग-अलग अभियानों में तेंगनौपाल, इंफाल पूर्व और चुड़चंदपुर जिलों में दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। आठ हथियार, विस्फोटक उपकरण, गोला-बारूद भी बरामद किए गए हैं।

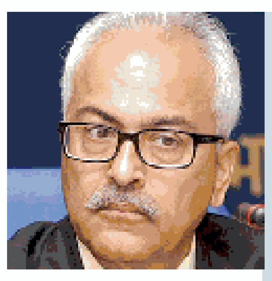

अजय कुमार भल्ला

राज्यपाल ने सात दिनों में हथियार सरेंडर करने का दिया था अल्टीमेटम

हथियारों को सरेंडर करने के लिए सात दिन का समय पर्याप्त: प्रेट्र के अनुसार मणिपुर के मुख्य सचिव पीके सिंह ने रविवार को कहा कि अगर कोई हथियार छोड़ना चाहता है तो लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों को आत्मसमर्पण करने के लिए दिया गया सात दिन का समय पर्याप्त है। अगर कोई हथियार छोड़ने का फैसला करता है, तो यह एक दिन में किया जा सकता है। यह खतरनाक स्थिति है। लूटे गए हथियार या कोई अन्य हथियार समाज के लिए खतरा पैदा करते हैं।

राज्य में मई 2023 से मैतेयी और कुकी- जो आदिवासियों के बीच हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के अपने पद से इस्तीफा देने के कुछ दिनों बाद मणिपुर में राजनीतिक अनिश्चितता पैदा होने के बाद केंद्र ने 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था।

बिग बास-17 के विजेता मुनव्वर फारूकी के खिलाफ शिकायत दर्ज

मुंबई, आइएएनएस: कामेडियन समय रैना के शो इंडियाज गाट लेटेंट पर भारी हंगामे के बाद अब बिग बास 17 के विजेता कामेडियन मुनव्वर फारुकी अपने स्ट्रीमिंग शो पर टिप्पणियों के लिए सवालों के घेरे में हैं। एडवोकेट अमिता सचदेवा ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने ओटीटी शो 'हफ्ता वसूली' पर उनकी टिप्पणियों के कारण मुनव्वर फारुकी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। अमिता ने मुनव्वर को आदतन अपराधी कहा और आरोप लगाया कि शो में उनकी कथित टिप्पणियों ने कई धर्मों का अपमान किया है। उन्होंने लिखा कि मैंने मुनव्वर फारुकी के खिलाफ जिओ हाटस्टार पर स्ट्रीम किए गए उनके शो "हफ्ता वसूली" के लिए शिकायत दर्ज करायी है, जिसमें अश्लीलता को बढ़ावा देने के लिए आइटी अधिनियम और अन्य संबंधित धाराओं के साथ-साथ बीएनएस धारा 196, 299 और 353 के तहत एफआइआर दर्ज करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि शिकायत ईमेल के माध्यम से भेजी गई है और सोमवार को व्यक्तिगत उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराऊंगी और स्पीड-पोस्ट किया जाएगा।

पत्नी ने नींद की गोलियां खिलाकर किया बेहोश, प्रेमी ने जला दिया जिंदा

जागरण संवाददाता, मैनपुरी

- मैनपुरी में प्रेमी के साथ मिलकर साजिश रचकर पत्नी ने मार डाला पति को
- सामूहिक दुष्कर्म की पैरवी में पति की हत्या की गढ़ी थी कहानी

पत्नी ने पति के खाने में नींद की गोलियां मिला दीं। इसके बाद प्रेमी ने पहले पति पर हमला किया और पेट्रोल डालकर जिंदा जिला दिया। पुलिस को पत्नी ने सामूहिक दुष्कर्म के मुकदमे की पैरवी के चलते हत्या करने की कहानी सुना दी। हालांकि, पुलिस जब पड़ताल में जुटी तो कहानी कुछ और निकली, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। सामूहिक दुष्कर्म के जिस मामले की पैरवी की बात कही जा रही थी, वह मुकदमा दो साल पहले ही खारिज किया जा चुका था।

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में गत 17 जनवरी की सुबह साजिद का अधजला शव मिला था। उसके पिता आशिक अली ने पुत्रवधू के साथ सामूहिक दुष्कर्म के आरोपितों पर आरोप लगाते हुए भोला यादव व उसके पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पिता का कहना था कि बेटा दुष्कर्म के मुकदमे की पैरवी कर रहा था। इसलिए उसकी हत्या की। साजिद की पत्नी ने भी यही बयान दिए। पुलिस ने जब जांच शुरू की तो पता चला कि सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा 31 अगस्त, 2022 में खारिज किया जा चुका था।

पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा ने बताया कि साजिद की पत्नी आमना बेगम लगातार बयान बदल रही थी। आमना का भोला यादव से पुराना परिचय था। 2022 में आमना ने भोला यादव व अन्य के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमा खारिज हो जाने के कारण उसने भोला को फंसाकर पैसे और प्लाट पाने के लिए साजिश रची। अपने प्रेमी सुमित कश्यप के साथ पति साजिद की हत्या की योजना बनाई। 16 फरवरी को आमना ने पति के खाने में नींद की गोलियां मिला दीं। खाना खाने के बाद साजिद खेत पर निकल गया। वहां सुमित भी पहुंच गया। दोनों के बीच विवाद हुआ तो सुमित ने लोहे के रिंच से सिर पर हमला कर दिया। साजिद बेहोश हुआ तो सुमित ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। उसने आमना को काम पूरा होने की जानकारी दी।

आतंकी रिंदा व पशियां से जुड़े बीकेआइ के दो आतंकी गिरफ्तार

जासं, तरनतारन : स्टेट स्पेशल आपरेशन सेल ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआइ) के आतंकियों पाकिस्तान में रह रहे हरविंदर सिंह रिंदा व अमेरिका में बैठे हैप्पी पशियां से जुड़े दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान हरिके पत्तन निवासी जगदीश सिंह व जोणेके के शुभदीप सिंह औलख के तौर पर हुई है। दोनों से दो पिस्तौल, दो मैगजीन, पांच कारतूस बरामद किए गए हैं।

तीन वर्ष पहले आतंकी रिंदा के भाई की महाराष्ट्र के नांदेड़ में हत्या हुई थी। हत्यारोपित को पुलिस ने पकड़ लिया था। जनवरी में वह जेल से बाहर आया तो रिंदा ने 10 फरवरी को शुभदीप और जगदीश की मदद से उसकी हत्या करा दी। पुलिस के अनुसार, नांदेड़ में हत्या की वारदात कर दोनों आरोपित पंजाब आ गए थे। अब इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। तरनतारन के पक्खोपुरा निवासी हरविंदर सिंह रिंदा लंबे समय से पाकिस्तान में पनाह लिए हुए है। वह कनाडा में बैठे लखबीर सिंह हरिके व अमेरिका में बैठे हैप्पी पशियां के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दे रहा है। गिरफ्तार दोनों आतंकी इन तीनों के लिए पंजाब व अन्य राज्यों में वारदात को अंजाम दे रहे थे।

****

दैनिक जागरण
निरंतर प्रयास ही सफलता का सूत्र है

अनर्गल टिप्पणियों का जवाब

मध्य प्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम मेडिकल एवं साइंस रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ का उल्लेख करते हुए जिस तरह कुछ विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग वास्तव में अनावश्यक और अनर्गल टीका-टिप्पणी करने में लगे हुए हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि लालू प्रसाद यादव ने किस तरह महाकुंभ को फालतू करार दिया और ममता बनर्जी ने उसे मृत्यु कुंभ की संज्ञा दे दी। इसी प्रकार कुछ अन्य विपक्षी नेताओं ने महाकुंभ को लेकर ऐसे बयान दिए जो वहां जाने वाले लोगों को भयभीत और आशंकित करने वाले थे। यह स्पष्ट दिखा कि ऐसे बयान उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को नीचा दिखाने के लिए तो दिए ही गए, धर्म और आस्था का उपहास उड़ाने के लिए भी दिए गए। यह समझ आता है कि कुछ तथाकथित प्रगतिशील और सेक्युलर लोगों को आस्था से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे सभी मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की।

महाकुंभ केवल एक धार्मिक समागम ही नहीं है, यह भारत की संस्कृति का भी परिचायक है। इस बार महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है। विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई मिसाल नहीं मिलती। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि महाकुंभ भारत की संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। इसे छिद्रान्वेषी मानसिकता ही कहा जाएगा कि कुछ लोगों ने चुन-चुनकर इस आयोजन की समस्याओं को गिनाने में अतिरिक्त दिलचस्पी दिखाई और इस क्रम में वहां मची भगदड़ का जिक्र करते हुए यहां तक कहा कि उसमें हजारों लोगों की मृत्यु हुई है। यह गैरजिम्मेदारी के अतिरिक्त और कुछ नहीं। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने ऐसे लोगों को कठघरे में खड़ा किया, क्योंकि वे हिंदू आस्था पर जानबूझकर प्रहार ही कर रहे थे। ऐसा लगता है कि महाकुंभ पर मीन-मेख निकालने वाले विपक्षी नेता यह विस्मृत कर बैठे कि भाजपा भारतीय संस्कृति के परिचायक आयोजनों को सदैव ही विशेष महत्व देती है और यदि उसने महाकुंभ के संदर्भ में ऐसा ही किया तो यह समय की मांग थी, क्योंकि इसमें करोड़ों लोगों की भागीदारी सुनिश्चित थी। अच्छा हो कि विपक्षी नेता यह समझें कि ऐसे आयोजनों पर उनकी बेजा टिप्पणियां उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान ही पहुंचाती हैं।

बजट का हो सदुपयोग

उत्तराखंड को दशा-दिशा देने और जनाकांक्षाओं के दबाव से निपटने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में सरकार का परिश्रम झलका है। विधानसभा ने बजट पर अपनी मोहर लगा दी है। आगामी एक अप्रैल से प्रदेश की व्यवस्था नए बजट से संचालित होगी। वार्षिक बजट का आकार एक लाख करोड़ रुपये को पार करने के साथ ही सरकार की चुनौती बढ़ गई है। चालू वित्तीय वर्ष में विकास कार्यों को गति देने की सरकार की तैयारी पर पहले लोकसभा चुनाव और फिर नगर निकाय चुनाव की आचार संहिता ने ब्रेक लगाए। पूंजीगत मद की बजट राशि के खर्च के आंकड़े इसकी पुष्टि कर रहे हैं। 10 महीने बीतने के बाद भी इस मद में सात हजार करोड़ की राशि उपयोग में लाई जा सकी। शेष दो माह के भीतर इतनी ही राशि खर्च होगी, इसकी संभावना कम ही है। ऐसे में नए वित्तीय वर्ष में विकास कार्यों को तेजी से पूरा करना होगा। सशक्त उत्तराखंड का निर्माण सरकार का संकल्प है।

सरकार का पूरा ध्यान अब बजट के समयबद्ध उपयोग पर होना चाहिए, ताकि प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से बढ़ सके

संकल्प धरातल पर आकार ले, इसके लिए सरकारी विभागों को दृढ़ इच्छाशक्ति और नियोजित ढंग से कदम आगे बढ़ाने होंगे। पिछले वित्तीय वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि बजट खर्च के मोर्चे पर प्रदर्शन सुधारने की आवश्यकता है। बजट आकार भले ही बढ़ाया गया, लेकिन निर्माण एवं कल्याण कार्यों की धनराशि तेजी से खर्च करने की विभागों की क्षमता में वृद्धि नहीं हुई। इन कमियों को दूर करने के लिए आगे गंभीरता से कार्य किया जाना चाहिए।

विकास में राज्यों की जिम्मेदारी

प्रो. केवी सुब्रमण्यन

राज्यों के हाथ में देश के भविष्य को संवारने का बड़ा दायित्व है। उद्योग और रोजगार बढ़ाने के रास्ते में आने वाली अड़चनें उन्हें दूर करनी चाहिए

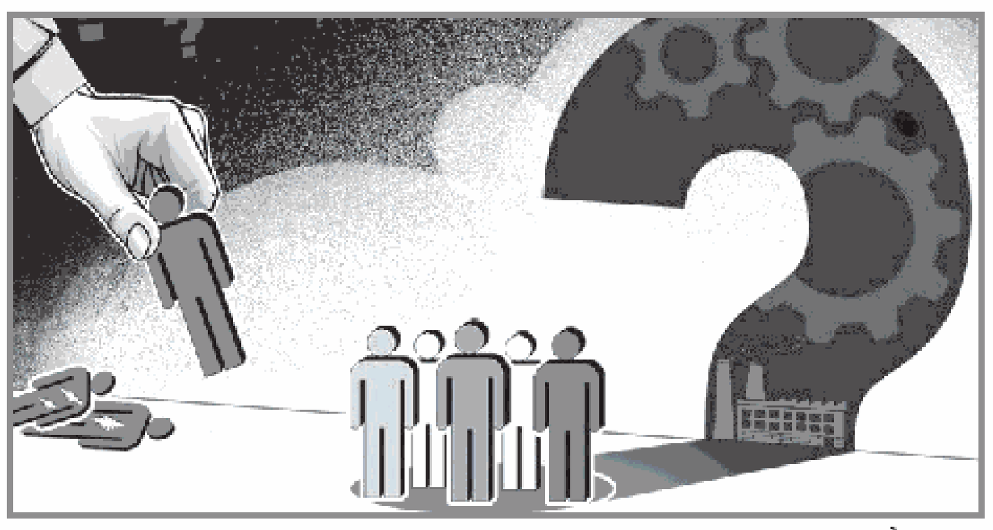

अवधेश राजपूत

केंद्रीय बजट को मुख्यधारा के मीडिया से लेकर इंटरनेट मीडिया और विभिन्न औद्योगिक संगठनों के अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा मिलती है। जबकि राज्यों के बजट को उतना महत्व नहीं मिलता। चूंकि इन दिनों राज्यों के बजट पेश हो रहे हैं, इसलिए यह सवाल उठ रहा है, क्योंकि उन पर कहीं उतनी चर्चा सुनाई नहीं पड़ रही। हमें यह नहीं भूलना होगा देश संघीय ढांचे के अनुसार चलता है, जहां राज्यों के पास अहम जिम्मेदारियां हैं। हैरानी की बात है कि आम जन से लेकर उद्योग संगठन राज्यों के नीतिगत क्रियाकलापों को लेकर उदासीन रहते हैं और यही बात मीडिया के एक तबके के लिए भी कही जा सकती है। राज्यों की राजनीति में नए प्रयोगों के लिहाज से उन पर नजर रखना और जरूरी हो गया है, क्योंकि ये प्रयोग आर्थिकी पर भी असर करते हैं।

किसी भी लोकतंत्र में सत्ता और जिम्मेदारी के बीच संतुलन बना रहना चाहिए। राज्यों का सिर्फ सत्ता से उभरने वाली ताकत का इस्तेमाल और अपनी जिम्मेदारियों से मुकरना लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। राज्य सिर्फ मुफ्त की रियायतें देकर नहीं चल सकते। उन्हें अपने राज्य में जीवन एवं कामकाज को सुगम बनाने के लिए बदलाव भी करने होंगे। क्या हम अच्छे वेतन वाली नौकरियों के बिना प्रत्येक भारतीय के लिए बेहतर जीवन स्तर प्राप्त कर सकते हैं? बिल्कुल नहीं। हर भारतीय के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का रास्ता अच्छे और ठोस रोजगारों से ही गुजरता है और मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र का मजबूत होना रोजगार बढ़ाने के लिए बहुत जरूरी है, लेकिन भारत में मैन्यूफैक्चरिंग दूसरे एशियाई देशों जितना तेजी से क्यों नहीं बढ़ रहा?

किसी भी मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी को जरूरी छह चीजें चाहिए-जमीन, मजदूर (लेबर), पूंजी, बिजली, परिवहन और उत्पादन बढ़ाने की आजादी यानी स्केल। इनमें से पांच-जमीन, मजदूर, बिजली, परिवहन और स्केल सीधे-सीधे राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। फिर भी कितनी राज्य सरकारों ने इन चीजों में सुधार को प्राथमिकता दी है? बाजार में प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ाने के बजाय राज्य सरकारों ने इन क्षेत्रों में कई दिक्कतें बनी रहने दी हैं। जमीन खरीदने में बड़े झंझट, कागजी कार्रवाई और भ्रष्टाचार की वजह से दाम बहुत बढ़ जाते हैं। पुराने और कालबाह्य श्रम कानूनों के कारण नई भर्तियां मुश्किल हैं। किसानों को मुफ्त बिजली देने की वजह से उद्योगों को मिलने वाली बिजली महंगी पड़ती है। शहरों में परिवहन के मोर्चे पर कायम समस्याओं के चलते ढुलाई मुश्किल और महंगी है। अनावश्यक कागजी कार्रवाई की वजह से छोटे और मझोले उद्योगों को आगे बढ़ने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। स्केल न बढ़ पाने के चलते उनकी औसत लागत ऊंची रहती है और वे उपलब्ध आर्थिक अवसरों का समुचित लाभ नहीं उठा पाते। उत्पादन महंगा होने ये उद्यम अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में भी पिछड़ जाते हैं। इससे पर्याप्त मात्रा में रोजगार के अवसर सृजित नहीं हो पाते और निवेश भी आकर्षित नहीं हो पाता। मैन्यूफैक्चरिंग में भारत अगर अपेक्षित स्तर नहीं हासिल कर पा रहा तो उसके लिए राज्यों की भूमिका को अनदेखा नहीं किया जा सकता, क्योंकि मैन्यूफैक्चरिंग के लिए आवश्यक छह में से पांच पहलुओं की कमान राज्यों के हाथ में है।

राज्यों के हाथ में देश का भविष्य संवारने की जिम्मेदारी है। उन्हें उद्योग और रोजगार बढ़ाने के रास्ते में आने वाली अड़चनें दूर करनी चाहिए। निवेश लाना चाहिए और लोगों को रोजगार दिलाने चाहिए। रोजगार के मामले में तरह-तरह के आरक्षण संबंधी प्रविधानों और स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने वाले दबावों से निपटना चाहिए, क्योंकि ऐसे पहलू निवेशकों को प्रभावित करते हैं। भारत में अधिकांश काला धन और भ्रष्टाचार रियल एस्टेट से जुड़ा है। जमीन की कीमतों में हेरफेर, जमीन के कागज सही न होना, इन सबसे अवैध कमाई होती है और जनता का भरोसा टूटता है। राज्यों के मुख्यमंत्री साफ-सुथरे जमीन रिकार्ड, डिजिटल लेनदेन और रियल एस्टेट में साफ-सुथरी व्यवस्था क्यों नहीं लागू करते?

जनता भी अपने राज्य की सरकारों से कड़े सवाल नहीं करती। आपने आखिरी बार अपने मुख्यमंत्री से रोजगार, शहर के परिवहन ढांचे और व्यवस्था या अपने शहर में सुखपूर्वक रहने की सुविधा के बारे में कब सवाल किया था? या शहरों के बेतरतीब विस्तार के बारे में कब सवाल उठाए? हर राज्य सरकार जब बजट पेश करे तो हमें हरसंभव तरीके से सवाल पूछने चाहिए। मसलन पिछले साल राज्य में कितनी नई नौकरियां बनीं? कारोबारी सुगमता में राज्य ने कितनी प्रगति की? इस साल बजट में कौन से सुधारों की घोषणा की गई है ताकि नौकरियों के अवसर बढ़ें? गूगल मैप्स पर देखे जाने वाले सफर के औसतन समय में कितना सुधार हुआ है? सफर को सुगम बनाने एवं उसमें समय की कटौती के लिए बजट में क्या प्रविधान किए गए हैं। आम जन की तरह सीआइआइ, फिक्की और एसोचैम जैसे उद्योग संगठनों को भी राज्य इकाइयों के जरिये प्रदेश के बजट पर चर्चा करते हुए सवाल उठाने चाहिए। जैसे जमीन खरीद को सुगम बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए? नए उद्यमों को प्रोत्साहन देने के लिए कौन-कौन सी प्रक्रियाएं आसान बनाई गईं? राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए कौन सी नीतियां अपनाने की तैयारी है?

समय आ गया है कि आम जन से लेकर मीडिया भी राज्य सरकारों की जवाबदेही को बढ़ाएं। अब सिर्फ मुफ्त सुविधाओं की आड़ में काम चलाने के सिलसिले को जारी नहीं रखा जा सकता। राज्य सरकारों को भी तरक्की की राह में अपनी भूमिका के साथ न्याय करना होगा। एक नागरिक, मतदाता और करदाता के रूप में हमें भी उनके कमतर प्रयासों से संतुष्ट नहीं रहना होगा। राज्य सरकारें नाकाम रहेंगी तो अंततः नुकसान हमारा ही होगा। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का काम राज्यों की सार्थक भूमिका के बिना संभव नहीं होगा।

(स्तंभकार आइएमएफ के कार्यकारी निदेशक, भारत के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और 'इंडिया@100' पुस्तक के लेखक हैं)

response@jagran.com

भाजपा में मुख्यमंत्री चयन की कसौटी

अवधेश कुमार

प्रधानमंत्री मोदी लंबे समय तक काम करने वाले अनुभवी एवं परीक्षित लोगों की टीम खड़ी करने की कोशिश कर रहे हैं

दिल्ली में भाजपा नेतृत्व द्वारा मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का चयन उसी वैचारिक और सांगठनिक पुनर्निर्माण प्रक्रिया की कड़ी है, जिसके अंतर्गत पिछले काफी समय से मुख्यमंत्री बनाए गए हैं। दिल्ली में निर्वाचित विधायकों में से कई अनुभव, कद और पहचान में रेखा गुप्ता से ज्यादा वजनदार नजर आएंगे। इसके बावजूद मुख्यमंत्री का चयन अलग तरह से हो रहा है तो इसके पीछे नेतृत्व, संगठन और दिशा की दृष्टि से दूरगामी योजनाएं होंगी।

राजनीतिक विश्लेषकों की सामान्य टिप्पणी होती है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा हमेशा चौंकाती है, मगर क्या वाकई उनके निर्णय चौंकाने वाले होते हैं? महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस को छोड़ दें तो राजस्थान में भजनलाल शर्मा, मध्य प्रदेश में मोहन यादव, छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय, ओडिशा के मोहन चरण माझी आदि के बारे में कल्पना नहीं थी कि वे मुख्यमंत्री बन सकते हैं। फडणवीस 2024 में अवश्य मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे, किंतु जब उन्हें 2014 में लाया गया था, तब उनके सीएम बनने की संभावना बेहद कम थी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बारे में भी कल्पना नहीं थी। 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद योगी आदित्यनाथ का नाम नहीं था। उन्हें विधानसभा चुनाव भी नहीं लड़ाया गया था।

भारतीय राजनीति में लंबे समय से हम शीर्ष पर जाने-पहचाने चेहरे देखने के अभ्यस्त थे, इसलिए भाजपा के निर्णय चौंकाते हैं, पर इन निर्णयों में एक निरंतरता, तारतम्यता, वैचारिक और सांगठनिक दृष्टि दिखाई देती है। कोई इसे तात्कालिक निर्णय मान ले तो समस्या उसकी है। महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा सरमा को छोड़ दें तो अधिकतर मुख्यमंत्री या प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की पृष्ठभूमि से भाजपा में आए। यानी गैर-वैचारिक, गैर-सांगठनिक लोगों को जगह नहीं दी गई। उपमुख्यमंत्रियों में भी बिहार में सम्राट चौधरी के अलावा ऐसा नाम नहीं दिखेगा, जिसकी वैचारिक-राजनीतिक पृष्ठभूमि भाजपा से अलग हो। इससे समझा जा सकता है कि नेतृत्व सतही या तत्कालिकता के अनुसार निर्णय नहीं करता।

दूरगामी योजनाओं को देखते हुए नए नेतृत्व पर दांव। प्रेट्र

मोदी सरकार ने हिंदुत्व, हिंदुत्व अभिप्रेरित राष्ट्र भाव, सभ्यता-संस्कृति-अध्यात्म आदि के अनुरूप आंतरिक एवं विदेश नीति के मामले में अकल्पनीय काम किया है। स्वाभाविक ही नेतृत्व चयन में इससे परे दृष्टि नहीं जा सकती।

यह स्मरण करें कि प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्रीय क्षितिज पर आविर्भाव के समय भाजपा की स्थिति क्या थी? 2004 में पराजय के बाद ही नहीं, 2000 से ही भाजपा के अंदर आंतरिक कलह, उथल-पुथल की स्थिति थी, जो चुनाव में पराजय के साथ परवान चढ़ गई। केएन गोविंदाचार्य के भाजपा से बाहर जाने के बाद लंबी कड़ी दिखाई देगी, जिसमें कल्याण सिंह, तपन सिकदर, उमा भारती, मदनलाल खुराना आदि बड़े नाम विद्रोह कर बैठे। वाजपेयी और आडवाणी के साथ कुर्सी पर बैठने वाले जसवंत सिंह तक को पार्टी से निकाला गया। 2009 में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने झंडेवालान जाकर संघ से कहा कि अब आप ही लोग निर्णय करिए। तब नितिन गडकरी को अध्यक्ष बनाया गया। उनके लिए भी काम करना कठिन था। तब शीर्ष नेताओं के बीच आवश्यक सामंजस्य नहीं था। 2009 में आडवाणी को प्रधानमंत्री का उम्मीदवार बनाया गया, लेकिन तब भाजपा 2004 से भी कम सीटों पर सिमट गई। इसका कारण आंतरिक कलह और व्यापक पैमाने पर पूरे संगठन परिवार के अंदर नेतृत्व से मोहभंग की स्थिति थी। इसके बाद संप्रग सरकार से लोगों के अंदर व्यापक असंतोष उपजा। मुस्लिम तुष्टीकरण तथा हिंदुत्व को बदनाम करने के अभियानों ने लोगों में व्यापक गुस्सा पैदा किया, किंतु तत्कालीन भाजपा नेतृत्व उसके विरुद्ध प्रखरता से लड़ने में सक्षम साबित नहीं हो पा रहा था। सबके अंदर छटपटाहट थी कि विचारधारा के आधार पर कोई प्रखर निष्ठावान नेतृत्व सामने आए। ऐसे में नरेन्द्र मोदी आए और उन्होंने देश में व्याप्त असंतोष, संगठन परिवार के भीतर सामूहिक सोच को अभिव्यक्ति दी। वह सबकी उम्मीद की किरण बनकर उभरे और उन्होंने अपने अभियानों से पूरे देश के मनोविज्ञान को अपने पक्ष में मोड़ा। तब भी तत्कालीन भाजपा नेतृत्व को उम्मीद नहीं थी कि पार्टी को लोकसभा में बहुमत प्राप्त हो जाएगा।

2013-14 के दौर में आम धारणा यही थी कि भाजपा 180-82 सीट से ऊपर नहीं जा सकती, पर मोदी बहुमत पाकर प्रधानमंत्री बने। जब उन्होंने अमित शाह को अध्यक्ष बनाया तब बहुत लोगों को संदेह था, लेकिन उनका चयन सही साबित हुआ। आज मोदी और शाह की जोड़ी की तुलना वाजपेयी-आडवाणी से की जाती है। मोदी जिस तरह के वैचारिक एजेंडे पर बढ़ रहे हैं, उससे लगता है कि वे उत्तराधिकारियों के लिए कोई घोषित एजेंडा शायद ही छोड़ें। वह भविष्य की ऐसी आधारभूमि बना रहे, जिस पर संगठन और देश बढ़ सके। इस दृष्टि से देखने पर नेतृत्व के चयन के पीछे का सोच काफी स्पष्ट हो जाता है। उन्हें कुछ फैसले बदलने भी पड़े, लेकिन निष्कर्ष यही निकलता है कि प्रधानमंत्री मोदी अपने रहते राष्ट्रीय और राज्य के स्तर पर पार्टी को भविष्य की दृष्टि से लंबे समय तक काम करने वाले अनुभवी और परीक्षित लोगों की टीम खड़ी करने की कोशिश कर रहे हैं।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

आत्मशोधन

यह आवश्यक नहीं कि हर कोई ध्यान के सोपानों पर पग रखता हुआ जीवन के परम लक्ष्य आत्मा के शोधन तक पहुंच सके। साधना एवं योग के लिए सतत अभ्यास और तीव्र वैराग्य अनिवार्य है, जो आम मनुष्यों के लिए कठिन है। इस अवस्था तक पहुंचने से पहले कला, साहित्य एवं अध्यात्म तीन सरल सोपान हैं, जो आत्मा के परिशोधन के लक्ष्य को साधने में सहायता करते हैं।

भौतिकता और उथल-पुथल से ऊबा हुआ मन कला में आधार ढूंढ़ता है। यह किसी भी रूप में संभव है। जैसे कि प्रकृति में बिखरे सौंदर्य पर मोहित होना, उसे सहेजना, किसी कला को सीखना, उसमें महारत पाना, स्वयं सृजन करने को प्रेरित होना इत्यादि। इसके बाद साहित्य का स्थान आता है। संवेदनशील मन में कई प्रश्नों के बीज अंकुरित होने लगते हैं। इन्हें विशेष खाद-पानी की आवश्यकता होती है। प्रथमतः साहित्य में रुझान कथा, कविता तक सीमित हो सकता है। जैसे-जैसे बुद्धि की परिधि विस्तृत होने लगती है, चित्त में ज्ञान का प्रकाश फैलने लगता है, व्यक्ति और अधिक जिज्ञासु होकर यथार्थवादी साहित्य, ज्ञानपरक पुस्तकों की ओर उन्मुख होने लगता है।

कला-साहित्य बिखरे हुए मन को संबल देते हैं, परंतु प्रश्नों के सटीक उत्तर, परम शांति और संतुष्टि अंततः अध्यात्म की शरण में ही मिल पाती हैं। अंततः ईश्वर की सत्ता को स्वीकार कर लेना, अपने अहं को तिरोहित कर देना अध्यात्म ही सिखाता है। आध्यात्मिकता का संबंध अपने 'स्व' की खोज में लग जाना है। इस स्व को खोजने की यात्रा में अनुभव होता है कि व्यष्टि से समष्टि हो जाने में ही परम सुख है। संवेदनशीलता एक जिम्मेदारी के साथ समस्त जीवों के लिए जाग जाती है। आध्यात्मिक होने का अर्थ कर्मकांडों का दिखावा नहीं, अपितु ईश्वरप्रदत्त समस्त कार्यों का पूर्ण निष्ठा के साथ संपादन करने से है।

ट्विंकल तोमर सिंह

तंबाकू मुक्त भारत का सपना

देवेंद्रराज सुथार

तंबाकू और गुटखा उत्पादों का सेवन गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देता है, जिनमें कैंसर जैसी बीमारियां प्रमुख हैं

झारखंड सरकार ने निकोटीन और तंबाकू युक्त गुटखा और पान मसाला के उत्पादन, वितरण, बिक्री और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। यह कदम न केवल जन स्वास्थ्य की रक्षा करेगा, बल्कि राज्य की नई पीढ़ी को तंबाकू के जाल में फंसने से भी बचाएगा। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 और खाद्य सुरक्षा और मानक (बिक्री पर प्रतिषेध और प्रतिबंध) विनियम, 2011 के तहत लागू यह प्रतिबंध अगले एक साल तक प्रभावी रहेगा और समीक्षा के बाद इसे आगे बढ़ाने पर विचार किया जाएगा। तंबाकू और गुटखा उत्पादों का सेवन गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देता है, जिनमें कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियां और दांतों के विकार प्रमुख हैं। झारखंड में हर एक लाख की आबादी पर लगभग 70 लोग कैंसर से ग्रस्त हैं, जिनमें से 40-45 मरीज मुंह के कैंसर के शिकार हैं। यह बताता है कि गुटखा और पान मसाला का सेवन किस कदर स्वास्थ्य संकट को बढ़ा रहा है। बहरहाल झारखंड में गुटखा और पान मसाला का एक बड़ा कारोबार है, जिसमें हजारों लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। इस प्रतिबंध के लागू होने से इनकी आजीविका प्रभावित हो सकती है। यह आवश्यक होगा कि सरकार इन लोगों के पुनर्वास और वैकल्पिक रोजगार के लिए नीतियां बनाए।

इसके अलावा गुटखा और तंबाकू उत्पादों पर प्रतिबंध के बावजूद इनकी अवैध बिक्री और तस्करी की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। कई राज्यों में जहां गुटखा और तंबाकू उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया गया है, वहां अवैध कारोबार का समानांतर बाजार विकसित हो गया है। अगर झारखंड में भी इस पर सख्ती से निगरानी नहीं की गई तो प्रतिबंध प्रभावी तरीके से लागू नहीं हो पाएगा। इसलिए सरकार को इस दिशा में ठोस रणनीति अपनानी होगी, जिसमें सघन छापेमारी, आपूर्ति श्रृंखला की सख्त निगरानी और जन जागरूकता अभियान शामिल हों। यह प्रतिबंध एक आदत के खिलाफ लड़ाई भी है। गुटखा और पान मसाला का सेवन एक लत बन चुका है, जिससे छुटकारा पाना आसान नहीं है। यह न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी गहरी जड़ें जमा चुका है। इसलिए इसे केवल कानूनी उपायों से खत्म करना संभव नहीं है। इसके लिए बड़े पैमाने पर जन जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत होगी, ताकि लोगों को इस बुरी आदत को छोड़ने के लिए प्रेरित किया जा सके।

स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता खर्च और कार्यकुशलता की कमी देश के विकास में बाधा डालती है। अगर केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर पूरे देश में इस तरह का प्रतिबंध लागू करें, तो आने वाले वर्षों में तंबाकू मुक्त भारत का सपना साकार हो सकता है। पूरे देश में गुटखा और तंबाकू उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

डबल इंजन सरकार से आस

संजय गुप्त ने अपने आलेख 'अब बदलनी चाहिए दिल्ली की सूरत' के माध्यम से दिल्ली में रेखा गुप्ता की नवगठित सरकार को जो संदेश दिया है, उसका संज्ञान केंद्र की मोदी सरकार को भी लेना चाहिए। केंद्र सरकार के सहयोग के बिना दिल्ली का नियोजित विकास संभव नहीं। यह भी एक कारण रहा कि दिल्ली के मतदाताओं ने भाजपा को पूर्ण बहुमत के साथ दिल्ली सौंपकर डबल इंजन की सरकार से दिल्ली की सूरत संवारने की उम्मीद की है। ऐसे में दिल्ली सरकार के साथ केंद्र सरकार की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वह न केवल दिल्लीवासियों की अपेक्षाओं पर खरी उतरे, अपितु प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए भी दिल्ली को सजाने-संवारने में कोई कसर बाकी न रखे। दिल्ली एक राज्य के साथ देश की राजधानी भी है, जिस पर देश-दुनिया की नजर पड़ती है। माना कि दिल्ली के अति विशिष्ट लोगों के आवास और कार्यालय वाला वीआइपी परिसर बहुत सुंदर और सुसज्जित है, लेकिन दिल्ली का वह इलाका जहां दिल्ली की सरकार बनाने वाली आम जनता का वास है, अभी भी अपनी सूरत सुधरने की आस में है। ऐसा नहीं है कि दिल्ली की पिछली सरकारों ने दिल्ली के विकास के लिए कुछ काम न किया हो, लेकिन यह काम जिस नियोजन के साथ होना चाहिए, वह नहीं हुआ। वोट की राजनीति के चलते बांग्लादेशी घुसपैठियों और विदेशी रोहिंग्या मुसलमानों को दिल्ली में बसने की छूट देकर पहले से ही प्रवासी मजदूरों द्वारा बनाई गई झुग्गी झोपड़ियों में बढ़ोतरी करने का जो काम किया गया, वह दिल्ली के नियोजित विकास में बाधक बनता रहा। अब दिल्ली की डबल इंजन सरकार इस बाधा से कैसे निपटती है, यह देखने वाली बात होगी। राजधानी दिल्ली सर्वाधिक सुंदर और नियोजित राज्य बने, यह दिल्लीवासियों की ही नहीं, अपितु हर भारतीय जन-मन की अपेक्षा है।

pandeyvp1960@gmail.com

गलत को गलत कहे समाज

तकनीक और इंटरनेट मीडिया के दुरुपयोग के मामले लगातार संज्ञान में आ रहे हैं, और उस पर कानूनी कार्रवाई भी हो रही है, इसके बावजूद ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ऐसी सामग्री जो विवादास्पद है, समाज में जहर घोल रही है, संस्कृति और संस्कारों को नष्ट करने हेतु बनाई और फैलायी जा रही है, उसका हर स्तर पर सामूहिक बहिष्कार करना अत्यंत आवश्यक है। तेजी से और सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए एवं इंटरनेट मीडिया से अधिकाधिक लाभ कमाने के फेर में इंफ्लुएंसर्स जानबूझकर विवादास्पद और घटिया साम्रगी का निर्माण करते हैं, लोग उत्सुकतावश उसे देखने को बाध्य होते हैं जिससे उनकी कमाई हो जाती है। फिल्मों में भी यही हथकंडा अपनाया जाता है किंतु वहां सेंसर बोर्ड स्क्रीनिंग के दौरान काट-छांट कर देता है, परंतु इंटरनेट मीडिया में कंटेंट की निगरानी के लिए तंत्र नहीं है, और सेंसर बोर्ड की बाध्यता भी नहीं, बस इसी का फायदा उठाकर तथाकथित सामाजिक नायक लोगों को अश्लील, अनुचित, अनैतिक, असामाजिक और गैर सांस्कृतिक चीजें उपलब्ध कराने में कोई संकोच नहीं करते। कानूनी रूप से जो गलत है उसका महिमामंडन न तो मीडिया में होना चाहिए और न ही समाज में। जिस दिन जनता यह बात समझ गई, उस दिन से इनकी दुकानों पर ताले लगना शुरू हो जाएंगे। उपयोगकर्ताओं को स्वविवेक का सर्वाधिक उपयोग इसी में करना चाहिए कि उन्हें क्या देखना है और क्या नहीं? किसे फालो करना है और किसे नहीं? तथाकथित नायक अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लें, तब हम उसे बढ़ावा न दें, ऐसा करने से उनका स्वतः डिजिटल बहिष्कार हो जाएगा। सामाजिक सतर्कता, सतत जागरूकता और चैतन्यता दिखाकर हम 'गलत' को हतोत्साहित कर सकते हैं। समाज और राष्ट्र के नायकों का व्यक्तिगत चयन विवेक की कसौटी पर खरा उतरने के बाद ही किया जाना श्रेयस्कर है।

मोहित सोनी, कुक्षी, मध्य प्रदेश

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

3,935 से अधिक भगदड़ की घटनाएं हुईं भारत में वर्ष 1996 से 2022 के बीच, जिनमें 3,000 से अधिक लोगों की जान गई है, नेशनल क्राइम रिकार्ड्स ब्यूरो के अनुसार।

आजकल

भीड़ प्रबंधन की लचर व्यवस्था

महाकुंभ, प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन, राजनीतिक रैलियां तथा अन्य बड़े कार्यक्रम समाज के लिए उत्सव का रूप होते हैं, लेकिन इन आयोजनों में सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की कमजोरियां अक्सर बड़े हादसों की वजह बनती हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और महाकुंभ में हाल में हुईं भगदड़ की घटनाएं भीड़ प्रबंधन की कमजोरियों को उजागर करने के साथ यह भी साबित करती हैं कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो ऐसी त्रासदियां बार-बार हो सकती हैं

सुनील बिश्नोई
शोधार्थी, स्कूल आफ सोशल साइंस, जेएनयू

भारत जैसे विशाल और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश में धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों का गहरा महत्व है। इन आयोजनों में लाखों लोग एकत्र होते हैं, जो देश की विविधता, सांस्कृतिक धरोहर और धार्मिक विश्वासों का प्रतीक होते हैं। महाकुंभ, मंदिरों के दर्शन, राजनीतिक रैलियों और अन्य बड़े कार्यक्रम समाज के लिए उत्सव का रूप होते हैं, लेकिन इन आयोजनों में सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की कमजोरियां अक्सर बड़े हादसों का कारण बनती हैं। हाल में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले महाकुंभ में हुई भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई थी। ये घटनाएं न केवल भीड़ प्रबंधन की कमजोरियों को उजागर करती हैं, बल्कि यह भी साबित करती हैं कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो ऐसी त्रासदियां बार-बार हो सकती हैं। नेशनल क्राइम रिकार्ड्स ब्यूरो के अनुसार वर्ष 1996 से 2022 के बीच भारत में 3,935 से अधिक भगदड़ की घटनाएं हुईं, जिनमें 3,000 से अधिक लोगों की जान गई। यह आंकड़ा भयावह है और हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हम कितनी बड़ी समस्या का सामना कर रहे हैं। ये घटनाएं सिर्फ आकस्मिक नहीं हैं, बल्कि सिस्टम और सुरक्षा उपायों की गंभीर कमी को दर्शाती हैं। भारत में धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों की संख्या अत्यधिक है और इन आयोजनों में भाग लेने वाले लोगों की संख्या भी बड़ी होती है। ऐसे आयोजनों में भीड़ प्रबंधन की विफलताएं न केवल जान-माल की हानि का कारण बनती हैं, बल्कि समाज में गहरी निराशा और चिंता का माहौल भी बनाती हैं।

भीड़ प्रबंधन में बार-बार असफलता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख कारण योजना की कमी और आयोजन स्थल पर क्षमता से अधिक लोगों का एकत्र होना है। जब आयोजक बिना सही योजना और पूर्वानुमान के कार्यक्रम आयोजित करते हैं, तो इसका परिणाम भारी नुकसान के रूप में सामने आता है। बड़ों आयोजनों में अपर्याप्त सुरक्षा, भीड़ की अधिकता और बुनियादी ढांचे की कमी भी बड़े हादसों का कारण बन सकती हैं। दूसरी बड़ी समस्या है सुरक्षा बलों की कमी, जो इन आयोजनों में भीड़ नियंत्रण में अहम भूमिका निभाते हैं। कई बार आयोजनों के दौरान पर्याप्त पुलिस या सुरक्षाकर्मी तैनात नहीं होते, जिससे स्थिति खराब हो जाती है। इसके अतिरिक्त, सुरक्षाकर्मियों की अपर्याप्त ट्रेनिंग भी इस समस्या को बढ़ाती है। यदि सुरक्षा बलों को सही प्रशिक्षण और जागरूकता नहीं मिलती, तो वे भीड़ को नियंत्रित करने में असमर्थ होते हैं और स्थिति बिगड़ जाती है।

जब आयोजनों में जानकारी का सही तरीके से प्रसार नहीं होता, तो भी अफवाहों का फैलना और भीड़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आयोजन स्थल पर सूचना का प्रसार सही तरीके से और प्रभावी रूप से किया जाना चाहिए, ताकि अफवाहों से बचा जा सके। आपातकालीन सेवाओं की अनुपलब्धता भी भगदड़ जैसी घटनाओं का कारण होती है। जब घायलों को समय पर उपचार नहीं मिलता, तो अधिक लोग अपनी जान गंवा देते हैं। किसी भी बड़े आयोजन में, विशेषकर धार्मिक आयोजनों में, आपातकालीन सेवाओं की तैनाती बेहद महत्वपूर्ण होती है। इससे न केवल घायलों को समय पर मदद मिलती है, बल्कि स्थिति की गंभीरता को भी कम किया जा सकता है। आयोजकों की लापरवाही भी भगदड़ जैसी घटनाओं का मुख्य कारण बनती है। कई बार आयोजक सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हैं और खतरों को नजरअंदाज कर देते हैं।

हालांकि भगदड़ की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए सरकार ने सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कई महत्वपूर्ण पहल और अधिनियम लागू किए हैं, जिनका उद्देश्य बड़े आयोजनों में सुरक्षा सुनिश्चित करना, भगदड़ जैसी घटनाओं को रोकना और नागरिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करना है। सबसे पहले आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 का उल्लेख किया जा सकता है, जिसे प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए बनाया गया था। इस अधिनियम के तहत भगदड़ को भी आपदा की श्रेणी में रखा गया है जिसमें अग्रिम योजना, प्रोटोकाल, और आपातकालीन राहत कार्यों की व्यवस्था की जाती है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भी विशेष दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनका उद्देश्य आयोजन स्थलों पर सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करना है। ये दिशा-निर्देश भगदड़ से बचाव के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली के कार्यान्वयन पर जोर देते हैं, जिससे आयोजनों के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। रेलवे स्टेशनों पर भीड़ नियंत्रण के लिए भारतीय रेल ने अपनी सुरक्षा के लिए विशेष प्रोटोकाल लागू किए हैं। इनमें सीसीटीवी कैमरे, आपातकालीन अलार्म सिस्टम और प्रशिक्षित रेलवे पुलिसबल की तैनाती जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं।

सरकार ने स्मार्ट सिटी पहल के तहत भी तकनीकी उपायों को लागू किया है, जिसमें ड्रोन, भीड़ विश्लेषण साफ्टवेयर और मोबाइल अलर्ट सिस्टम जैसे उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकार ने आपातकालीन हेल्पलाइन और बटन आधारित अलर्ट की पहल की है, जिसमें 112 हेल्पलाइन नंबर को भीड़ प्रबंधन की आपातस्थिति के लिए सक्रिय किया गया है। एक ''सुरक्षा अलर्ट'' नामक मोबाइल एप भी लांच किया गया है, जो भीड़ में फंसे लोगों को निकटतम पुलिस स्टेशन से तत्काल सहायता प्राप्त करने में मदद करता है। इन सभी उपायों से सरकार ने भीड़ प्रबंधन में सुधार लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। हालांकि इन पहलों का सही और सख्त कार्यान्वयन ही त्रासदियों को रोकने में प्रभावी हो सकता है।

भीड़ प्रबंधन की मौजूदा प्रणाली में सुधार की दरकार। फाइल

तकनीक का हो अधिकतम उपयोग

विकास मंडा

भीड़ प्रबंधन की मौजूदा प्रणाली में सुधार के लिए सरकार और विभिन्न संगठनों ने कई पहल की हैं, लेकिन इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कुछ अतिरिक्त कदम उठाने की आवश्यकता है। सबसे पहला कदम है स्मार्ट तकनीकों का अधिकतम उपयोग करना। रियल-टाइम भीड़ निगरानी के लिए सेंसर और ड्रोन जैसे आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया जा सकता है, जो भीड़ के घनत्व और गतिविधियों को लगातार मानिटर करें। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चेतावनी प्रणाली के माध्यम से संभावित खतरों का पूर्वानुमान किया जा सकता है, जिससे आयोजकों को पहले से अलर्ट किया जा सके और वे समय रहते आवश्यक कदम उठा सकें। एक मोबाइल एप भी विकसित किया जा सकता है, जो नागरिकों को सुरक्षित मार्ग सुझाए और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में खतरे के संकेत दे, जिससे लोग सतर्क हो घटनाओं से बच सकें।

दूसरी आवश्यकता है मानक संचालन प्रक्रिया का कड़ाई से पालन। सभी आयोजनों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया अनिवार्य की जानी चाहिए, जिसमें भीड़ नियंत्रण प्रोटोकाल, प्रवेश और निकास बिंदुओं की योजना और आपातकालीन सेवाओं की तैनाती के नियम शामिल हों। इस तरह की प्रणाली यह सुनिश्चित करेगी कि आयोजक और सुरक्षाकर्मी इन प्रक्रियाओं का पालन करें, जिससे किसी भी दुर्घटना का जोखिम कम हो सके। पुलिस और सुरक्षाबलों की ट्रेनिंग और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी बेहद महत्वपूर्ण है, ताकि वे भीड़ प्रबंधन के दौरान प्रभावी रूप से काम कर सकें। विशेष रूप से प्रशिक्षित पुलिस और सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जानी चाहिए, जो भीड़ नियंत्रण में माहिर हों। स्कूलों, कालेजों और सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ से बचने के उपायों पर जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए, ताकि आम नागरिक भी सुरक्षित तरीके से आयोजनों में भाग लें, वे सुरक्षा नियमों को समझें और उनका पालन करें। एक अन्य महत्वपूर्ण कदम है, बड़े आयोजनों के लिए पूर्व सूचना और अनुमति प्रणाली को अनिवार्य बनाना। जब तक आयोजकों को आवश्यक अनुमति नहीं मिलती और प्रशासन को भीड़ की सही जानकारी नहीं मिलती, तब तक उचित सुरक्षा उपाय करना कठिन हो सकता है। यह सुनिश्चित करेगा कि आयोजन स्थल पर भीड़ का प्रबंधन सही तरीके से किया जाए और आपातकालीन सेवाएं समय पर उपलब्ध हो सकें। इसके साथ ही बड़े आयोजनों और धार्मिक स्थलों पर एक विशेष बल का गठन किया जा सकता है, जो इन स्थानों पर विशेष रूप से प्रशिक्षित हो। यह बल उन्नत उपकरणों और तकनीकों से सुसज्जित हो, ताकि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटा जा सके। आपातकालीन प्रतिक्रिया समय में सुधार की भी जरूरत है। विशेष आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों को आयोजन स्थलों के पास तैनात किया जाना चाहिए और पर्याप्त संख्या में एंबुलेंस और चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।

अंत में एक मजबूत कानूनी ढांचे और सख्त दंड का प्रविधान किया जाना चाहिए। आयोजकों द्वारा भीड़ प्रबंधन नियमों का उल्लंघन करने पर भारी जुर्माना लगाया जाना चाहिए और जिम्मेदार सरकारी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। इन कदमों के माध्यम से हम भविष्य में भीड़ प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बना सकते हैं और इससे जुड़ी त्रासदियों को रोक सकते हैं। यह केवल सरकार और आयोजकों का काम नहीं है, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी भी बनती है कि वह भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सतर्क रहे और सुरक्षित व्यवहार अपनाए। इन सुधारों को लागू करके हम एक सुरक्षित, संगठित, और सुनियोजित समाज का निर्माण कर सकते हैं, जहां हर आयोजन सुरक्षा और खुशी का प्रतीक बन सके।

(शोधार्थी, स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडी, जेएनयू)

खरी-खरी

मैं हूं कौन...

राजेंद्र बज

आजकल यह चलन में आम हो गया है कि इधर कुछ करो और उधर बिखेर दो। यहां उधर से आशय उधर से है जहां वक्त काटने के नाम पर आदमी अपना वक्त कुतर कर अपनेआप से सम्मोहित हो जाता है। जिसे आप और हम इंटरनेट मीडिया के नाम से जानते हैं। जब से यह चलन में आया है तब से दुनिया के सामने अपनेआपको प्रस्तुत करने की होड़ सी मच गई है। आदमी मजे में अकेला रहकर भी दुनिया के बीच भारी भीड़ का हिस्सा बन सकता है। जिसे कुछ नहीं करना हो या जो कुछ नहीं कर सकता हो, उसके लिए बहुत कुछ करने का मार्ग इंटरनेट मीडिया ने प्रशस्त कर दिया है।

जब और कुछ करने को नहीं हो, तब मजे से अपनी जिंदगी की किताब के पन्नों को दुनिया के सामने रखा जा सकता है। इसके चलते आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। एक प्रकार से जीने के मकसद का भी पता चल जाता है। इसलिए हमें अपनी सार्वजनिक महत्ता स्थापित करने की दिशा में भी प्रयत्नशील रहना चाहिए। वैसे भी आजकल अपने भी कहां अपने रह गए हैं, इसलिए औरों के बीच अपनेआपको प्रस्तुत करते हुए अनजानों से रिश्ते गांठना कोई बुरी बात नहीं।

यूं भी आम आदमी की जिंदगी में नजदीकी मित्रों की संख्या को उंगलियों पर गिना जा सकता है, लेकिन इंटरनेट मीडिया में तो बिना मित्र धर्म का निर्वहन किए याराना गांठा जा सकता है। यह मित्रता का ऐसा रिश्ता होता है जिसमें सुख-दुख में डिजिटल साथ निभाया जाता है। आमतौर पर इसी वर्ग को प्रभावित करने के लिए फुर्सत के पलों में इंटरनेट मीडिया के माध्यम से अपने कुछ खास होने का सार्वजनिक रूप से ढिंढोरा पीटना परायों में अपनेपन के अहसास का सबब बन जाता है।

मुद्दे की बात यह है कि आजकल के भौतिकवादी दौर में किसी को क्या पड़ी है कि दूसरों के साथ सहानुभूति का प्रदर्शन करे। बहुत से बहुत अपने जो खास होते हैं, वे ही सुख-दुख के साथी हो सकते हैं, लेकिन इंटरनेट मीडिया में तो कुछ लोग बिना कुछ सोचेसमझे भी लाइक का बटन दबा दिया करते हैं। ऐसे में भूलचूक में भी हमारी पोस्ट पर कुछ लाइक्स आ जाएं, तो मन को इतना सुकून मिलने लगता है कि कुछ पूछो ही मत!

X पोस्ट

पाकिस्तान के खिलाफ गेंदबाजी के दौरान हार्दिक पांड्या बहुत प्रभावशाली दिखे। उनकी संजीदगी देखने लायक रही। समय पर विकेट निकालकर भारतीय टीम को राहत दिलाने में उनकी अहम भूमिका रही।
रोबिन उथप्पा@robbieuthappa

चुनाव हारने के बाद भी सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित में आत्मीयता दिखती थी। तब राजनीति में हारने-जीतने से इतर शिष्टाचार दिखता था। आतिशी भी रामलीला मैदान जाकर रेखा गुप्ता को बधाई दे सकती थीं। अब नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्हें सीएम का सामना करना होगा।
मीनाक्षी जोशी@IMinakshiJoshi

अखबार पढ़ना बहुत जरूरी है। खासतौर से स्थानीय समाचारों के मामले में अखबारों का कोई सानी नहीं। यूपी के हालिया बजट को ही लें तो अखबारों के अलावा कहीं और से उसकी कोई खास जानकारी नहीं मिली। अखबारों में कई खबरें ऐसी होती हैं, जो आनलाइन पता नहीं चलेंगी। वैसे भी, 'कैलिफोर्निया में किसने किसको लूटा' से ज्यादा अपने आसपास की खबर पता रखना बहुत जरूरी है।
विपुल मिश्रा@vipulmishra_1

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या शिवराज सिंह चौहान द्वारा सवाल उठाने के बाद विमान कंपनियां यात्री सुविधाओं पर ध्यान देंगी?

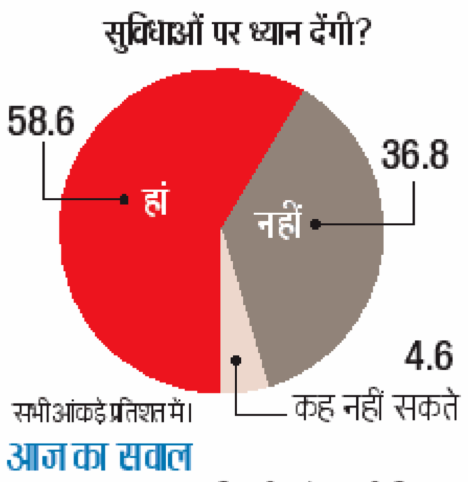

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या भाजपा सरकार दिल्ली को शहरी विकास के उदाहरण के रूप में स्थापित कर सकती है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

भगवदगीता की शपथ लेते काश पटेल,
अपनी संसद में चले फिलिस्तीन की रेल।
फिलिस्तीन की रेल रहे जय बोल ओवैसी,
लिये प्रियंका बैग ठसक दिखलातीं कैसी!
पाकर जो उपदेश युद्ध अर्जुन ने जीता,
गूंज रही हर ओर आज वह भगवदगीता।
– ओमप्रकाश तिवारी

उत्तर प्रदेश डायरी

दो ध्रुवों पर खिंचतीं सियासी तलवारें

अजय जायसवाल
ब्यूरो प्रमुख, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव भले ही दो वर्ष बाद 2027 में होने हैं, लेकिन राजनीतिक दलों के बीच तीखी सियासी जंग अभी से छिड़ती दिखाई देने लगी है। प्रयागराज महाकुंभ को लेकर सत्ताधारी भाजपा और मुख्य विपक्षी सपा जहां आमने-सामने हैं वहीं वंचितों के बड़े वोट बैंक को साधने के लिए कांग्रेस और बसपा में भिड़ंत हो रही है। इन दिनों चल रहे बजट सत्र के दौरान सदन में सपा के सवाल और भाजपा के आक्रामक जवाब गूंज रहे हैं तो बाहर कांग्रेस-बसपा एक-दूसरे पर भाजपा की बी टीम होने का लांछन लगाकर खुद को वंचितों का सच्चा हितैषी बताने में लगी हैं। एक-दूसरे के मुद्दे जरूर अलग-अलग दिखाई-सुनाई दे रहे हैं, लेकिन सबका मकसद किसी तरह मिशन-2027 को फतह करने के लिए पक्की जमीन तैयार करना ही है।

भाजपा जहां अपने तमाम कामों के साथ ही महाकुंभ के दिव्य-भव्य आयोजन को अपनी बड़ी उपलब्धि मानते हुए हैटट्रिक लगाने की तैयारी में जुटी है वहीं एक दशक बाद सपा, डेढ़ दशक बाद बसपा और तकरीबन चार दशक बाद कांग्रेस प्रदेश की सत्ता में वापसी करने के लिए चौतरफा हाथ-पैर मार रही हैं। सपा-भाजपा के बीच वार-पलटवार तो महाकुंभ के साथ ही शुरू हो गया था। मौनी अमावस्या पर भगदड़ मची तो जुबानी जंग तेज हो गई। सपा मुखिया अखिलेश यादव सवाल पर सवाल उठाते रहे तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक सहित भगवा दल करारे जवाब में उन पर निशाना साधते रहे। पिछले सप्ताह बजट सत्र शुरू हुआ तो राज्यपाल के अभिभाषण को सच्चाई से कोसों दूर बताते हुए सपा ने कहा कि महाकुंभ में घोर अव्यवस्था को दिव्य-भव्य बताकर जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं का अपमान किया जा रहा है। संगम जल में प्रदूषण पर केंद्र एवं राज्य के प्रदूषण नियंत्रण

मिशन-2027 को फतह करने के लिए पक्की जमीन तैयार करने की पहल। फाइल

बोर्ड के अलग-अलग आंकड़ों पर भी अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार महाकुंभ में भी टकरा रही है। इस बीच सदन में सपा ने उर्दू में भी भाषण सुनने की सुविधा मांगी तो योगी ने हमला बोला कि सपा वाले अपने बच्चों को अंग्रेजी स्कूलों में पढ़ाएंगे और दूसरों को मौलवी बनाना चाहते हैं। योगी ने वर्ष 2029 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर बनाने का दावा किया तो अखिलेश ने तंज कसा कि भाजपा कहीं यूपी की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर के कर्ज में न डुबा दे।

दूसरी ओर सिर्फ दो विधायक वाली कांग्रेस और एक विधायक वाली बसपा के बीच भी तकरार बढ़ती दिख रही है। शुरुआत दलित, ओबीसी, माइनारिटी एवं आदिवासी परिसंघ (डोमा परिसंघ) के चेयरमैन और कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद उदित राज ने कराई। उन्होंने बसपा प्रमुख पर दुर्व्यवहार, भ्रष्टाचार के साथ कार्यकर्ताओं से दूरी बनाने के आरोप लगाते हुए कहा था कि बहुजन आंदोलन का गला घोंटने वाली मायावती का गला घोंटने का वक्त आ गया है। हालांकि बाद में उन्होंने सफाई दी, लेकिन बसपाई आक्रोशित हो गए। मायावती ने एक्स पर कांग्रेस को दलितों का तिरस्कार करने वाली पार्टी बताते हुए उदित राज का नाम लिए बिना लिखा कि कुछ दलबदलू, अवसरवादी एवं स्वार्थी दलित लोग अपने आकाओं को खुश करने के लिए अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। तकरार में राहुल गांधी ने एंट्री करते हुए कहा कि यदि मायावती विपक्षी गठबंधन के साथ आतीं तो लोकसभा चुनाव में भाजपा हार जाती। इस तरह से भाजपा को फायदा पहुंचाने वाले राहुल के आरोपों पर मायावती ने पलटवार करते हुए एक्स पर लिखा कि कांग्रेस एवं भाजपा का चाल, चरित्र, चेहरा हमेशा बाबा साहेब, उनकी अनुयायी बसपा एवं उसके नेतृत्व और आरक्षण आदि का घोर विरोधी रहा है। मायावती ने कांग्रेस को ही भाजपा की बी टीम बताते हुए कहा कि यदि ऐसा न होता तो दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की दुर्दशा न होती।

वैसे अंदरखाने कांग्रेस एवं सपा के बीच भी अब सब कुछ ठीक चलता नहीं दिखाई दे रहा है। गठबंधन कर लोकसभा चुनाव में बेहतर नतीजे के बावजूद अगला विधानसभा चुनाव भी साथ लड़ने की कोई गारंटी नहीं है। दिल्ली चुनाव में सपा के रुख को देखते हुए कांग्रेस उसकी बैसाखी छोड़ अब मुस्लिम एवं दलितों में पैठ बनाकर अकेले ही विधानसभा चुनाव लड़ने का निर्णय कर सकती है। यही कारण है कि कई मौके पर कांग्रेसी सपा को घेरने में भी अब पीछे नहीं दिखाई देती है। आरोप-प्रत्यारोप से अंततः किसे सियासी फायदा होता है, यह तो विधानसभा चुनाव के नतीजे बताएंगे, लेकिन इतना साफ है कि चुनाव के नजदीक आने तक तकरारें बढ़ेंगी और राज्य का सियासी पारा चढ़ेगा।

छत्तीसगढ़ डायरी

विदेशी फंडिंग का सवाल

सतीश चंद्र श्रीवास्तव
संपादकीय प्रभारी, रायपुर

छत्तीसगढ़ के स्थानीय निकाय चुनाव में मिली सफलता से सत्तारूढ़ दल भाजपा उत्साहित है। इसी बीच मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चुनावों में विदेशी फंड के दुरुपयोग का मुद्दा उठा दिया है। जांच शुरू हो गई है। प्रदेश के 153 एनजीओ संदिग्ध गतिविधियों के दायरे में माने जा रहे हैं। इनमें 52 अर्थात लगभग एक तिहाई घोषित तौर पर ईसाइयों के संगठन हैं। वैश्वीकरण के प्रभाव में मामला ग्लोबल से लोकल और लोकल से ग्लोबल हो रहा है। पिछले सप्ताह जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 2.1 करोड़ डालर की सहायता दिए जाने के पीछे 'भारत में किसी और को निर्वाचित करने की कोशिश' और 'चुनावों में हस्तक्षेप' के आरोप लगा रहे थे, तब मुख्यमंत्री साय ने भी सीधे तौर पर दावा कर दिया कि प्रदेश में मतांतरण के लिए विदेशी फंडिंग का दुरुपयोग हो रहा है। अब भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी विभिन्न स्तरों पर जांच की घोषणा कर दी है।

प्रदेश में मतांतरण और चुनाव परिणाम के बीच तालमेल और घालमेल नई बात नहीं है। जिन क्षेत्रों में मतांतरितों की संख्या अधिक है, वहां सत्तारूढ़ भाजपा को गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ता है। चुनावी परिणामों में मात खानी पड़ी है। चाहे विधानसभा चुनाव में प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह के क्षेत्र बस्तर संभाग में सुकमा जिले का कोंटा क्षेत्र हो या नगरीय निकाय चुनाव में मुख्यमंत्री साय के जशपुर जिले का कुनकुरी नगर पंचायत क्षेत्र। इसी कारण तीनों स्तर पर सफलता का उत्साह है तो साथ में कसक भी है। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत और ग्राम पंचायतों के लिए चुनाव में भी भाजपा ने सफलता प्राप्त की है। मतदाताओं ने 10 नगर निगमों में भाजपा उम्मीदवारों को महापौर बना दिया है। सत्तारूढ़ दल ने पार्षद पदों पर भी एकतरफा जीत दर्ज की है। इन सबके बीच सत्ता पक्ष के लिए यह टीस बढ़ती जा रही है कि जहां मतांतरितों की संख्या अधिक है वहां बाजी पलट भी गई है। तय है कि जाति और धर्म के नाम पर समाज को बांटने वाली राजनीति के कारण आने वाले समय में पीड़ा और बढ़ेगी।

प्रदेश में 2023 के विधानसभा चुनाव के पहले ही जाति-धर्म के नाम पर बांटकर अधिकाधिक वोट प्राप्त करने की राजनीति ने रंग दिखाना शुरू कर दिया था। ओबीसी की राजनीति को उभार देते हुए कांग्रेस नेताओं ने साहू, कुर्मी, यादव आदि 64 जातियों की 50 प्रतिशत से अधिक आबादी का दावा किया और उनका आरक्षण भी 14 से 27 प्रतिशत तक बढ़ाया। यद्यपि बांट-बांट कर राजनीति चमकाने की कांग्रेस की रणनीति को ओबीसी में सर्वाधिक हिस्सेदारी वाले साहू मतदाताओं और नेताओं की महत्वाकांक्षा ने औंधे मुंह गिरा दिया। साहू समाज वर्तमान में स्वयं भी मतांतरण की गंभीर चुनौती से गुजर रहा है। प्रदेश में मतांतरण से सर्वाधिक प्रभावित अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अनुसूचित जाति (एससी) की बड़ी आबादी पहले ही कांग्रेस-वामपंथी गठजोड़ वाली विचारधारा के प्रभाव में स्वयं को सनातनी समाज से अलग-थलग मानने लगी थी। समाज में इसी बंटवारे का लाभ लेकर मतांतरण को प्रभावी तरीके से विस्तार दिया जाता रहा। गरीबों और पिछड़ों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के नाम पर विदेशी फंड के दुरुपयोग की बात इसी क्रम में सामने आई है।

मुख्यमंत्री साय इसे कुचक्र मानते हुए सार्वजनिक मंचों से लगातार घोषणा कर रहे हैं कि शिव-पार्वती का पूजक आदिवासी समाज असली सनातनी है। समाज को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर मतांतरण के लिए पृष्ठभूमि तैयार करने वालों के लिए मुख्यमंत्री की इन बातों को पचा पाना आसान नहीं है। इसका प्रभाव उनके गृह जिला जशपुर के कुनकुरी और कोतबा नगर पंचायत के चुनाव परिणाम में भी दिखा, जहां मतांतरितों की संख्या घोषित तौर पर 25 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। अघोषित तौर पर वहां मतांतरितों की संख्या 45 से 50 प्रतिशत के बीच बताई जा रही है। उत्तरी छत्तीसगढ़ की तरह ही दक्षिणी छत्तीसगढ़ के आंकड़े भी बेचैन करने वाले हैं जहां पिछले दस वर्षों में मतांतरितों की संख्या छह गुना से ज्यादा बढ़कर 11 हजार से 70 हजार से ऊपर जा चुकी है। कांग्रेस विधायकों वाले कोंटा (सुकमा) और बीजापुर जैसे नक्सलियों के गढ़ों में जहां अभी भी शिक्षाकर्मियों, स्वास्थ्यकर्मियों और सुरक्षाबलों को पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, वहां विदेश फंडिंग के कारण समृद्ध मिशनरियों के प्रतिनिधि पिछले चार दशकों में मजबूत पकड़ बना चुके हैं। मतांतरण के परिणाम मुख्यमंत्री साय के सामने हैं। विदेशी फंड की बात भी छुपी नहीं है। अब नौकरशाही और जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी है कि अपने दायित्व को समझें। प्रदेश की संस्कृति को दिशाहीन करने की साजिशों को नाकाम करें। ईमानदारी से जांच हो ताकि बिना देरी कुचक्र को कुचला जा सके।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जशपुर में अपने गांव बगिया में पंचायत चुनाव के लिए मतदान के बाद अघोर संत भगवान अवधूत राम सोगड़ा आश्रम में मां काली की पूजा-अर्चना करते हुए। डीपीआर

****

आइटी क्षेत्र में वेतन वृद्धि सीमित रहने का अनुमान

नई दिल्ली: भारत के सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) सेवा क्षेत्र में चालू वित्त वर्ष में वेतन वृद्धि सीमित रहने की संभावना हैं। विशेषज्ञों ने यह राय जताते हुए कहा कि आइटी क्षेत्र को इस समय वैश्विक अनिश्चितताओं, बदलते कौशल की बढ़ती मांग तथा कृत्रिम मेधा (एआइ) की बढ़ती स्वीकार्यता जैसी अनिश्चितताओं से जूझना पड़ रहा है। उद्योग विशेषज्ञों का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में औसत वेतन वृद्धि 4-8.5 प्रतिशत होगी। (प्रेट्र)

प्रमुख शहरों में आवासीय संपतियों की मांग बहुत मजबूत बनी हुई है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उत्साह थोड़ी कमी देखी जा रही है।

— पिरोजशा गोदरेज, कार्यकारी चेयरपर्सन, गोदरेज प्रापर्टीज

एक नजर में

अप्रैल-दिसंबर में 20 करोड़ टन कोयले का आयात

नई दिल्ली: चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-दिसंबर 2024 के दौरान देश का कोयला आयात 20.13 करोड़ टन पर स्थिर रहा है। एमजंक्शन के डाटा के अनुसार, अप्रैल-दिसंबर 2023 के दौरान देश का कोयला आयात 20.15 करोड़ टन रहा था। डाटा के अनुसार, पिछले वर्ष दिसंबर में कोयला आयात 1.92 करोड़ टन रहा है जो दिसंबर 2023 में 2.33 करोड़ टन था। एमजंक्शन के सीईओ विनय वर्मा का कहना है कि घरेलू स्तर पर ज्यादा स्टाक और मांग में कमी के कारण आयात में गिरावट आई है। हमें उम्मीद है कि आने वाले सप्ताहों में मांग परिदृश्य अपरिवर्तित रहेगा। (प्रेट्र)

भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए वार्ता आज से

नई दिल्ली: करीब आठ महीने के अंतराल के बाद भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) को लेकर आज से फिर वार्ता शुरू होगी। एक अधिकारी ने बताया कि ब्रिटेन के कारोबारी व व्यापार मंत्री जोनाथन रेनोल्ड्स और भारत के वाणिज्य एवं व्यापार मंत्री पीयूष गोयल के बीच यह वार्ता होगी। दोनों देशों के बीच एफटीए वार्ता 13 जनवरी 2022 को शुरू हुई थी। तब से अब तक 14 बार वार्ता हो चुकी है। ब्रिटेन में चुनावों के कारण मई 2024 में वार्ता रुक गई थी। (प्रेट्र)

एलसीसी प्रोजेक्ट्स ने जमा किए आइपीओ दस्तावेज

नई दिल्ली: अहमदाबाद की इंजीनियरिंग कंपनी एलसीसी प्रोजेक्ट्स आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) के जरिये पैसा जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी ने कैपिटल मार्केट रेग्युलेटर सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज जमा कर दिए हैं। दस्तावेजों के अनुसार, आइपीओ में 320 करोड़ रुपये के नए शेयर और 2.29 करोड़ प्रमोटर शेयरों की बिक्री की जाएगी। नए शेयरों की बिक्री से जुटाई जाने वाली राशि में से 220 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कर्ज चुकाने में किया जाएगा। 14.91 करोड़ रुपये से उपकरणों की खरीद की जाएगी। (प्रेट्र)

जुलाई 2026 तक बिकते रहेंगे बिना गुणवत्ता के फुटवियर

देश में क्वालिटी कंट्रोल नियम लागू, लेकिन कंपनियों को पुराना स्टाक निकालने के लिए मिला है दो साल का समय

- कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भरता भी क्वालिटी कंट्रोल के रास्ते में रोड़ा
- चीन से आयातित मशीनों के रखरखाव को लेकर भी भारतीय उद्यमी चिंतित

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: रोजगारपरक फुटवियर सेक्टर में सरकार ने क्वालिटी कंट्रोल नियम को पिछले साल अगस्त से लागू तो कर दिया, लेकिन जुलाई 2026 तक बिना गुणवत्ता वाले फुटवियर बाजार में बिकते रहेंगे। इसका कारण यह है कि सरकार ने फुटवियर उद्योग को अपना पुराना स्टाक निकालने के लिए दो साल का समय दिया है। जानकारों का कहना है कि अगले वर्ष जुलाई के बाद ही क्वालिटी कंट्रोल नियम का प्रभाव इस उद्योग में दिख पाएगा। हालांकि, माइक्रो व स्माल इकाइयों को क्वालिटी कंट्रोल नियम से छूट देने से छोटे सेगमेंट में पहले की तरह ही बिक्री जारी रहेगी।

निर्यात होने वाले उत्पादों पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) आधारित क्वालिटी कंट्रोल का नियम लागू नहीं होता है। इन उत्पादों पर उन देशों के मानक लागू होते हैं, जहां उन्हें निर्यात किया जाता है।

देश में फुटवियर उद्योग के लिए अगस्त 2024 में क्वालिटी कंट्रोल नियम लागू किए गए थे ● प्रतीकात्मक तस्वीर

89 प्रतिशत हिस्सेदारी गैर-लेदर फुटवियर की है कुल फुटवियर बाजार में

27 अरब डालर के आसपास है अभी भारत के फुटवियर बाजार का आकार

छोटे उद्यमियों को फिलहाल नियमों से छूट

फुटवियर सेक्टर के जानकारों का कहना है कि छोटे उद्यमियों को क्वालिटी कंट्रोल नियम से फिलहाल छूट दी गई है। ऐसे में फुटवियर की बड़ी कंपनियां छोटे-छोटे उद्यमियों से माल नहीं खरीदेंगी। इसका कारण यह है कि उनकी गुणवत्ता की गारंटी नहीं होगी। जानकारों के मुताबिक, गुणवत्ता नियम के लागू होने के बाद चीन व ताइवान से आयात कर भारत में बिक्री करने वाले उद्यमी अब भारत में ही यूनिट लगा रहे हैं। लेकिन मशीन व कच्चे माल दोनों के लिए वे आयात पर ही निर्भर है। चीन से मशीन मंगाने पर उन्हें बाद में इसकी रिपेयरिंग व रखरखाव को लेकर भी चिंता हो रही है क्योंकि मशीन में खराबी आने पर भारतीय मैकेनिक इनको ठीक नहीं कर पाते हैं और चीन के मैकेनिक को भारत में आने की इजाजत मिलने में समय लग जाता है। भारत में फुटवियर का बाजार अभी 27 अरब डालर के पास है। चीन के बाद भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा फुटवियर निर्माता देश है।

फुटवियर उद्योग से जुड़े कंपोनेंट्स पर भी क्वालिटी कंट्रोल लागू नहीं किया गया है। इसलिए फुटवियर उद्योग के पूरे इकोसिस्टम पर क्वालिटी कंट्रोल का नियम लागू नहीं हो पाएगा। दूसरी तरफ, नए प्रकार के फुटवियर निर्माण के लिए यूनिट लगाने वालों को ताइवान व चीन से मशीनरी का आयात करना पड़ रहा है क्योंकि नवीनतम फुटवियर निर्माण वाली मशीन भारत में नहीं बनती है।

फुटवियर सेक्टर के उद्यमियों का कहना है कि धीरे-धीरे करके कंपनियां क्वालिटी कंट्रोल नियम के मुताबिक उत्पादन शुरू कर रही हैं। इसका कारण यह है कि एक अगस्त 2024 के बाद उन्हें बिना गुणवत्ता वाले फुटवियर बेचने की इजाजत तो है, लेकिन बनाने की नहीं। वीकेसी के चेयरमैन नौशाद के मुताबिक फुटवियर बाजार में 89 प्रतिशत हिस्सेदारी गैर-लेदर फुटवियर की है और इनके कच्चे माल आयात किए जाते हैं। निर्माताओं के मुताबिक, कच्चे माल पर कोई गुणवत्ता नियम नहीं है। ऐसे में उन कच्चे माल से बने फुटवियर को पूर्ण रूप से गुणवत्ता वाला नहीं कहा जा सकता है। इंडियन फुटवियर कंपोनेंट्स मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट संजय गुप्ता ने बताया कि पीयू सोल जैसे कंपोनेंट्स भारत में बनने लगे हैं, लेकिन अधिकांश कंपोनेंट्स के लिए निर्भरता आयात पर ही है। आधुनिक फुटवियर में डिजाइनिंग खासा महत्व रखता है और इस मामले में हम चीन की ही नकल कर रहे हैं। ऐसे में दूसरे देश के ग्राहक सोचते हैं कि डिजाइनिंग भी चीन की, कंपोनेंट्स भी चीन का तो फुटवियर भारत की जगह चीन से ही खरीद लेते हैं।

अदाणी समूह ने पिछले वर्ष 58,104 करोड़ रुपये का टैक्स चुकाया

नई दिल्ली, प्रेट्र: विभिन्न कारोबार करने वाले अदाणी समूह की कंपनियों ने पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 58,104 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया है। समूह ने रविवार को बताया कि 2022-23 के दौरान सभी कंपनियों ने 46,610 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया था।

अदाणी समूह ने बताया कि भुगतान किए गए करों में वैश्विक कर, शुल्क और अदाणी पोर्टफोलियो की कंपनियों द्वारा वहन किए गए अन्य शुल्क, अन्य हितधारकों की ओर से जुटाए व भुगतान किया गया अप्रत्यक्ष कर योगदान और शुल्क के साथ सामाजिक सुरक्षा योगदान शामिल हैं। रिपोर्ट में सूचीबद्ध कंपनियों- अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स, अदाणी ग्रीन एनर्जी, अदाणी एनर्जी साल्यूशंस, अदाणी पावर, अदाणी टोटल गैस, अंबुजा सीमेंट, एनडीटीवी, एसीसी और सांघी इंडस्ट्रीज द्वारा दिए गए टैक्स की जानकारी दी गई है।

बढ़ते तापमान से 2030 तक 30% कृषि कर्ज में डिफाल्ट की आशंका

नई दिल्ली, प्रेट्र: बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के कारण अगले पांच वर्षों में कृषि और आवास कर्ज के 30 प्रतिशत में डिफाल्ट का जोखिम बढ़ सकता है। वैश्विक कंसल्टेंसी फर्म बीसीजी के एक विश्लेषण में यह आशंका जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, औसत वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर की तुलना में लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इससे तटीय क्षेत्रों में बाढ़ आ रही है और कृषि उत्पादन घट रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का लगभग आधा कर्ज प्रकृति और उसके इकोसिस्टम पर काफी हद तक निर्भर है, इसलिए कोई भी प्राकृतिक आपदा उनके मुनाफे को प्रभावित करती है। अनुमान के मुताबिक, 2030 तक भारत के 42 प्रतिशत जिलों में तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने का अनुमान है। इसलिए, अगले पांच साल में तापमान वृद्धि से 321 जिले प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि, जलवायु परिवर्तन बैंकों को ऊर्जा परिवर्तन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिवर्ष 150 अरब डालर का अवसर भी प्रदान करता है, क्योंकि 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने में सार्वजनिक वित्तपोषण कम है।

बीसीजी ने ताजा विश्लेषण में जताई संभावना, प्रकृति पर निर्भर है अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का लगभग आधा कर्ज

बीसीजी के प्रबंध निदेशक अभिनव बंसल ने कहा कि भारत कोयले और तेल से दूर होकर नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत को यह बदलाव लाने के लिए सालाना 150-200 अरब डालर का निवेश करना होगा। इसके विपरीत, भारत में जलवायु वित्त 40-60 अरब डालर के बीच है, जिससे 100-150 अरब डालर का अंतर आ रहा है।

बीओएम ने खुदरा लोन पर ब्याज घटाया

नई दिल्ली, प्रेट्र: सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक आफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने अपने होम और कार लोन समेत खुदरा लान पर ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है। आरबीआइ की ओर से पांच साल बाद रेपो रेट में कटौती के बाद बीओएम ने यह कदम उठाया है।

बीओएम ने रविवार को बयान में कहा कि इस कटौती के बाद होम लेन के लिए शुरुआती दर 8.10 प्रतिशत रह गई है, जो बैंकिंग उद्योग में सबसे कम है। कार लोन पर ब्याज दर घटकर 8.45 प्रतिशत पर आ गई है। इसी तरह, शिक्षा और रेपो से जुड़े कर्ज की दर (आरएलएलआर) में चौथाई प्रतिशत की कमी आई है। बैंक पहले ही होम एवं कार लोन पर प्रोसेसिंग फीस माफ कर चुका है। इससे पहले एसबीआइ और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) भी खुदरा लोन की ब्याज दरों में कमी कर चुके हैं।

एफपीआइ ने फरवरी में 23 हजार करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली, प्रेट्र: विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) ने फरवरी में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 23 हजार करोड़ रुपये से अधिक की निकासी कर चुके हैं। इस तरह 2025 में अबतक एफपीआइ भारतीय शेयरों से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक निकाल चुके हैं।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपाजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआइ) ने 21 फरवरी तक अबतक भारतीय शेयरों से 23,710 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले जनवरी में उन्होंने 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। इस तरह 2025 में अबतक एफपीआइ 1,01,737 करोड़ रुपये की बिकवाली कर चुके हैं। इतनी जबर्दस्त बिकवाली के चलते निफ्टी ने सालाना आधार पर इस दौरान चार प्रतिशत का नकारात्मक रिटर्न दिया है।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार का मानना है कि भारत में एफपीआइ निवेश में सुधार तब होगा, जब आर्थिक वृद्धि और कंपनियों की आय में सुधार होगा। इसके संकेत दो से तीन माह में मिलने की उम्मीद है। मार्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों पर जवाबी शुल्क के साथ-साथ इस्पात और एल्युमीनियम के आयात पर नए शुल्क लगाने पर विचार करने की रिपोर्ट के बाद बाजार की चिंताएं बढ़ गई हैं। इन घटनाक्रमों ने संभावित वैश्विक ट्रेड वार की आशंकाओं को फिर से जगा दिया है, जिसने एफपीआइ को भारत सहित उभरते बाजारों में अपने जोखिम का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया है।

श्रीवास्तव ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजों तथा डालर के मुकाबले रुपये में गिरावट ने भी भारतीय परिसंपत्तियों की अपील को और कम कर दिया है।

23,710 करोड़ रुपये पर पहुंची एफपीआइ की निकासी इस माह

78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे एफपीआइ ने जनवरी में

बांड बाजार से 7,352 करोड़ की निकासी

एफपीआइ डेट या बांड बाजार से भी निकासी कर रहे हैं। डाटा के अनुसार, 21 फरवरी तक एफपीआइ सामान्य सीमा बांड से 7,352 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। एफपीआइ का 2024 में भारतीय बाजार में निवेश काफी कम होकर 427 करोड़ रुपये रहा था। इससे पहले 2023 में उन्होंने भारतीय बाजार में 1.71 लाख करोड़ रुपये डाले थे, जबकि 2022 में वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि के बीच 1.21 लाख करोड़ रुपये की निकासी की थी।

आठ कंपनियों का पूंजीकरण 1.65 लाख करोड़ घटा

बीते सप्ताह घरेलू बाजारों में रही गिरावट के कारण बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष-10 में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 1.65 लाख करोड़ रुपये घटा है। इस दौरान टीसीएस के पूंजीकरण में सबसे ज्यादा 53,185 करोड़ रुपये की कमी रही है। इसके अलावा भारती एयरटेल, आइसीआइसीआइ बैंक, हिंदुस्तान यूनीलिवर, इन्फोसिस, आइटीसी, एचडीएफसी बैंक और एसबीआइ का पूंजीकरण भी घटा है। दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस का पूंजीकरण बढ़ा है।

राष्ट्रीय फलक

जाब सीकर नहीं, जाब क्रिएटर बनें युवा : योगी

जागरण संवाददाता, आगरा

- यूनिकार्न कान्क्लेव में सीएम बोले, उप्र में हैं अपार संभावनाएं
- कृषि के साथ सनातन, ज्ञान और परंपरा की भूमि है उत्तर प्रदेश

यूनिकार्न कंपनीज के कान्क्लेव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपार संभावनाएं हैं। यहां के युवाओं को जाब सीकर नहीं, जाब क्रिएटर बनना चाहिए। उत्तर प्रदेश कृषि के साथ सनातन, ज्ञान व परंपरा की भूमि है। जल्द ही प्रदेश की इकोनामी वन ट्रिलियन डालर की होगी। निवेश के प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा रहा है। निवेश को बढ़ावा देने के लिए कान्क्लेव आयोजित किया गया है। कोई भी यूनिकार्न कंपनी बिना निवेशकों के आगे नहीं बढ़ती है। यूनिकार्न दुनिया में नवाचार से डिजिटल अर्थव्यवस्था में लोहा मनवा चुके हैं। उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक बसें सिटी से लेकर रोडवेज के बेड़े का बड़ा हिस्सा बन रही हैं।

होटल अमर विलास में रविवार को आयोजित कान्क्लेव में देशभर के 100 से अधिक स्टार्टअप शुरू करने वाले उद्यमी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विचारों के आदान-प्रदान की परंपरा प्राचीन काल से है। स्टार्टअप की संस्कृति को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नया आयाम दिया है। उत्तर प्रदेश में 14 हजार से अधिक स्टार्टअप हैं। इनमें से महिलाओं के सात हजार हैं। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में फिजिक्स वाला यूनिकार्न बन गया। सभी शहरों में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक बस निर्माताओं को अनुदान की नीति बनाई गई है। अकेले उत्तर प्रदेश को डेढ़ लाख बसें चाहिए। यहां बहुत बड़ी डिमांड और नई-नई संभावनाएं हैं। खाद्यान्न और गन्ना उत्पादन में उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है। इसे फूड प्रोसेसिंग और निर्यात से जोड़ दें तो तीन गुना हो सकती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने महाकुंभ का उदाहरण देते हुए कहा कि खोया-पाया के माध्यम से हमारे युवाओं ने 28 हजार लोगों को घर वालों से मिलाया है। यह तकनीक का ही परिणाम है। एक व्यक्ति प्रयागराज में अपने घर से संगम स्नान करने निकले थे। अचानक रात में घटना घटित होती है। वे काफी दिन तक घर नहीं पहुंचे तो लोगों ने समझ लिया कि उनकी मृत्यु हो गई। तेरहवीं की व्यवस्था कर ली। उसी दिन वह ई-रिक्शा से घर पहुंच गए और बताया कि कुंभ में भंडारा में खाना खाकर रहते रहे। कांग्रेस अध्यक्ष कहते हैं कि हजारों लोग मारे गए, उनकी दृष्टि ऐसी ही है।

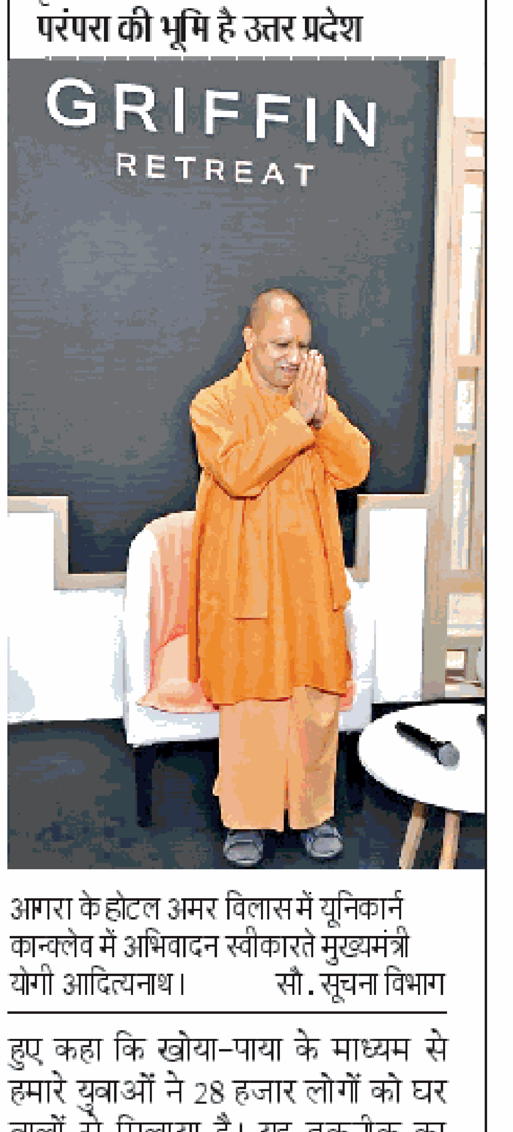

आगरा के होटल अमर विलास में यूनिकार्न कान्क्लेव में अभिवादन स्वीकारते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। सौ. सूचना विभाग

साढ़े तीन लाख करोड़ की इकोनामी ग्रोथ देगा महाकुंभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज में चल रहा महाकुंभ साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये की इकोनामी ग्रोथ देगा। पिछले 20 दिनों में अयोध्या में 700 करोड़ रुपये आए। ईको टूरिज्म में भी अपार संभावनाएं हैं। सरकार मेडिकल कालेज खोल रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने में डाक्टरों की अरुचि का जिक्र करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार अच्छे डाक्टर तैनात करने का प्रयास किया जा रहा है।

आधुनिक तकनीक से सुलझेंगी मखाना किसानों की समस्याएं : शिवराज

जागरण संवाददाता, दरभंगा

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आधुनिक तकनीक से मखाना उत्पादन की लागत को कम किया जाएगा। इससे ही किसानों की समस्याएं सुलझेंगी। उत्पादन बढ़ाने के लिए मखाना बोर्ड का गठन किया जा रहा है। हम लोग पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में काम करते हैं। उनकी तरह लोगों के बीच जाते हैं इसलिए तय किया कि कृषि भवन में बैठकर मखाना बोर्ड नहीं बनेगा। किसानों से संवाद के बाद ही इसका गठन होगा।

शिवराज रविवार को बिहार के दरभंगा में मखाना अनुसंधान केंद्र में आयोजित सेमिनार में किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, सोमवार को प्रधानमंत्री भागलपुर आ रहे हैं। देश के नौ करोड़ 80 लाख किसानों के खाते में 22 हजार 700 करोड़ रुपये से ज्यादा की किसान सम्मान निधि की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से देंगे। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि छोटे किसानों के लिए वरदान है।

उन्होंने मखाना अनुसंधान केंद्र में मखाना उत्पादों से जुड़े 10 स्टालों का निरीक्षण भी किया। राष्ट्रीय मखाना रिसर्च सेंटर में जाकर मखाना की खेती और प्रोसेसिंग की प्रक्रिया को समझा। साथ ही प्रोसेसिंग से तैयार मखाना का स्वाद भी लिया। तकनीकी, आर्थिक और विपणन संबंधी कठिनाइयों पर फीडबैक लिया। मखाना का बीज बोने के लिए कृषि मंत्री अनुसंधान केंद्र परिसर स्थित कीचड़ भरे तालाब में उतरे। अपने हाथ से रोपाई की।

दरभंगा में रविवार को मखाना किसानों के साथ फसल का निरीक्षण करते केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान। एएनआइ

पटना में श्रीराम मंदिर के ट्रस्टी रहे कामेश्वर चौपाल के घर 50 लाख की चोरी

जासं, फुलवारीशरीफ (पटना): राजधानी पटना में बेउर थाना क्षेत्र के न्यू महावीर कालोनी स्थित पूर्व विधान पार्षद दिवंगत कामेश्वर चौपाल के बंद घर का ताला काटकर चोरों ने नकदी समेत 50 लाख की संपत्ति चोरी कर ली। चौपाल श्रीराम मंदिर के ट्रस्टी भी थे। स्वजन उनके श्राद्धकर्म में शामिल होने सुपौल स्थित कमरैल गांव गए हुए थे।

कामेश्वर चौपाल के पुत्र विद्यानंद विवेक ने बताया कि पिताजी के देहांत के बाद परिवार सहित पैतृक गांव चले गए थे। घर के मुख्य द्वार पर ताला लगा हुआ था। अपराधियों ने ताला तोड़ दिया और घर के एक-एक कमरे को खंगाल डाला। चोरों ने अलमारी तोड़कर उसमें रखे आभूषण व नकदी की चोरी कर ली। पिता जी को उपहार में मिले कुछ सोने-चांदी के मुकुट एवं अन्य सामान भी चोर ले गए। पड़ोसी ने उन्हें घटना की जानकारी दी। बेउर पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से मामले की छानबीन कर रही है।

बेलगावी में सीमा विवाद बढ़ने से कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच बस सेवाएं प्रभावित

- महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कर्नाटक जाने वाली राज्य की बसों को रोक दिया
- कर्नाटक के मंत्रियों ने लोगों से बेलगावी में शांति बनाए रखने का किया आग्रह

बेंगलुरु, प्रेट्र: कर्नाटक बेलगावी में सीमा विवाद अचानक बढ़ने और बस चालकों पर हमले के कारण कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच बस सेवाएं प्रभावित हुई हैं। दशकों पुराना विवाद शुक्रवार को फिर से तब सामने आया जब बेलगावी के मरिहाल में एक बस चालक और कंडक्टर को मराठी में बात न करने पर पीटा गया। बस कंडक्टर द्वारा पुलिस में की गई शिकायत के अनुसार, एक लड़की ने मराठी में टिकट मांगा। जब उसने कहा कि उसे मराठी नहीं आती और उसने लड़की से कन्नड़ में बात करने को कहा, तो लड़की तथा उसके साथी ने उस पर हमला कर दिया। मरिहाल में युवकों के एक समूह ने बस को रोका और कंडक्टर की पिटाई कर दी।

बेलगावी के पुलिस आयुक्त यदा मार्टिन मारबानियांग ने बताया कि पुलिस ने हमला करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है और लड़की की शिकायत पर बस कंडक्टर के खिलाफ भी नाबालिग लड़की से अभद्र व्यवहार करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। वहीं, शनिवार को चित्रदुर्ग जिले में कुछ लोगों ने महाराष्ट्र परिवहन निगम के बस चालक भास्कर जाधव पर हमला कर दिया और उसका चेहरा काला कर दिया। पुलिस ने अपराध में शामिल कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है।

शनिवार को दिया था बस सेवा रोकने का आदेश

घटना के बाद, महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कर्नाटक जाने वाली राज्य परिवहन बसों की सेवा रोकने का शनिवार को आदेश दिया। इस पर कर्नाटक के मंत्रियों ने नागरिकों से बेलगावी में शांति बनाए रखने का आग्रह किया है। इस पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि जो लोग राज्य से लाभ लेते हैं, लेकिन कन्नड़ और कर्नाटक के खिलाफ बोलते हैं, उन्हें माफ नहीं किया जा सकता है। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को बेलगावी जैसी घटनाओं को रोकने के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया के साथ बैठक करनी चाहिए। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा है कि महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद लंबे समय से लंबित है और केंद्र को सुप्रीम कोर्ट में मामले को तेजी से निपटाने के लिए काम करना चाहिए।

यूपीआरएनएन के अफसरों ने किया 137 करोड़ का घोटाला, पांच पर केस

जागरण संवाददाता, देहरादून

उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम (यूपीआरएनएन) के अफसरों का एक बड़ा घपला सामने आया है। निगम के तत्कालीन परियोजना प्रबंधक व परियोजना महाप्रबंधक ने सहायक लेखाधिकारी के साथ मिलकर विभिन्न निर्माण कार्यों में 137 करोड़ रुपये का घोटाला किया है। विभागीय जांच में वर्ष 2012-18 के बीच हुए घोटाले की पुष्टि के बाद यूपीआरएनएन-1 के अपर परियोजना प्रबंधक सुनील कुमार मलिक की शिकायत पर देहरादून के नेहरू कालोनी थाने में छह मुकदमे दर्ज कराए गए हैं, जिनमें पांच अफसरों को आरोपित बनाया गया है।

ज्ञात हो, 2012-18 के बीच उत्तराखंड सरकार ने यूपीआरएनएन को करोड़ों रुपये के प्रोजेक्ट दिए थे। इनमें कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग में 15 राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के भवन, डिजास्टर रिलीफ सेंटर्स के निर्माण कार्य, पर्यटन विभाग के भवन बनाने, दून मेडिकल कालेज की ओपीडी ब्लाक निर्माण समेत अन्य कार्य थे। निर्माण कार्यों में निगम के तत्कालीन अधिकारियों ने करोड़ों रुपये का घोटाला किया।

इन पर किया गया है केस

- **शिवआसरे शर्मा:** तत्कालीन परियोजना प्रबंधक (सेवानिवृत्त) निवासी ठेकमा, आजमगढ़ (उप्र)
- **प्रदीप कुमार शर्मा:** तत्कालीन परियोजना प्रबंधक (सेवानिवृत्त) निवासी जयदेव पार्क (दिल्ली)
- **वीरेंद्र कुमार:** सहायक लेखाधिकारी (बर्खास्त) ग्राम खेड़ी भोजपुर, बिजनौर
- **राम प्रकाश गुप्ता:** सहायक लेखाधिकारी (सेवानिवृत्त) निवासी मोहल्ला बरौनी, हरदोई (उप्र)
- **सतीश कुमार उपाध्याय:** स्थानिक अभियंता (सेवानिवृत्त) निवासी ग्राम सरियांवा, प्रयागराज (उप्र)

न्यूयार्क से दिल्ली आ रहे विमान को सुरक्षा कारणों से रोम में उतारा गया

नई दिल्ली, प्रेट्र: न्यूयार्क से दिल्ली आ रहे विमान को रविवार को अचानक रोम की ओर डायवर्ट करना पड़ा। विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिलने पर सुरक्षा कारणों से यह कदम उठाना पड़ा।

अमेरिकन एयरलाइंस न्यूयार्क जेएफके-दिल्ली नानस्टाप (एए 292) उड़ान रविवार को नई दिल्ली आ रही थी। बीच रास्ते में विमान को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। क्रू से कहा गया कि विमान में बम है। इसके बाद विमान को इटली के रोम की ओर मोड़ दिया गया। बोइंग 787 ड्रीमलाइनर ने शनिवार रात सवा आठ बजे जेएफके से उड़ान भरी थी। धमकी के समय विमान कैस्पियन सागर के ऊपर था। चालक दल ने अलर्ट जारी करते हुए विमान को तुरंत यूरोप की ओर वापस मोड़ दिया। विमान को रोम के लियोनार्डो दा विंची फ्यूमिसिनो एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। बयान में कहा कि न्यूयार्क से दिल्ली के लिए संचालित एए 292 को विमान में संभावित खतरे के कारण डायवर्ट करना पड़ा।

****

7 अक्टूबर, 2023 को इजरायली सेना ने गाजा में सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। इस कार्रवाई में अभी तक 50 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं। इनमें महिलाओं और बच्चों की संख्या ज्यादा है।

मैं, ट्रंप व मोदी बात करते हैं तो इसे बताया जाता है लोकतंत्र को खतरा : मेलोनी

इतालवी पीएम ने कहा, ट्रंप की जीत से घबराए हुए वामपंथी, अपनाते हैं दोहरा मानदंड

बोलीं– विरोधी उम्मीद लगाए हैं कि ट्रंप यूरोप से दूर हो जाएंगे, पर ऐसा होगा नहीं

जियोर्जिया मेलोनी। फाइल

वाशिंगटन, प्रेट्र: इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी ने वैश्विक स्तर पर दक्षिणपंथियों (कंजरवेटिव) के प्रति वामपंथियों के दोहरे मानदंडों की आलोचना की है और कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और स्वयं उनके (मेलोनी) जैसे नेता आपस में सहयोग करते हैं तो वामपंथी इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हैं। लेकिन जब वामपंथी नेताओं के बीच इसी तरह का सहयोग होता है तो उनकी प्रशंसा की जाती है।

मेलोनी ने रोम से वीडियो लिंक से वाशिंगटन में 'कंजरवेटिव पालिटिकल एक्शन कान्फ्रेंस' (सीपीएसी) को संबोधित करते हुए कहा कि ट्रंप की जीत से वामपंथी घबराए हुए हैं। उन्होंने कहा, 'उनकी (वामपंथियों की) चिड़चिड़ाहट भय में बदल गई है, सिर्फ इसलिए नहीं कि दक्षिणपंथी जीत रहे हैं, बल्कि इसलिए भी कि दक्षिणपंथी अब वैश्विक स्तर पर सहयोग कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि जब बिल क्लिंटन (अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति) और टोनी ब्लेयर (ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री) ने पिछली सदी के आखिरी दशक में वैश्विक वामपंथी उदारवादी नेटवर्क बनाया था तो उन्हें अनुभवी एवं प्रतिष्ठित स्टेट्समैन कहा गया था। मेलोनी ने कहा, 'आज जब ट्रंप, मेलोनी, (अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर) माइली या शायद मोदी बात करते हैं, तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा कहा जाता है। यह दोहरा मापदंड है, लेकिन हम इसके आदी हो चुके हैं। चाहे वे हम पर कितना भी कीचड़ उछालें, लोग अब उनके झूठ पर विश्वास नहीं करते। नागरिक हमारे लिए वोट करते हैं।' उन्होंने कहा, 'लोग हमें वोट देते हैं क्योंकि हम स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं, हम अपने देश से प्यार करते हैं, हम सुरक्षित सीमाएं चाहते हैं, हम व्यापार एवं नागरिकों को वामपंथी उन्माद से बचाते हैं और हम पारिवारिक जीवन की रक्षा करते हैं।' उन्होंने कहा कि लोग उतने नासमझ नहीं हैं जितना वामपंथी उन्हें समझते हैं। मेलोनी ने कहा कि यूक्रेन सहित सहयोगियों के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद ट्रंप प्रशासन में अमेरिका और यूरोप करीब बने रहेंगे। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के शुरुआती हफ्तों में यूरोप और अमेरिका के बीच संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। अमेरिकी नेता ने रूस से संपर्क साधा और यूरोप से दूर जाने की चेतावनी दी, जिससे नाटो के प्रति ट्रंप की प्रतिबद्धता को लेकर आशंकाएं बढ़ गई हैं। मेलोनी ने कहा, 'हमारे विरोधियों को उम्मीद है कि राष्ट्रपति ट्रंप हमसे (यूरोप से) दूर चले जाएंगे। लेकिन मैं जानती हूं कि वह एक मजबूत एवं प्रभावी नेता हैं और मैं शर्त लगा सकती हूं कि जो लोग उनके अलग हो जाने की उम्मीद कर रहे हैं, वे गलत साबित होंगे।'

भाजपा ने केरल में लेफ्ट व कांग्रेस पर साधा निशाना

भाजपा ने मेलोनी के बयान का इस्तेमाल कर केरल में वामपंथी दलों व कांग्रेस पर निशाना साधा। पार्टी के केरल प्रभारी प्रकाश जावडेकर ने मेलोनी के भाषण का वीडियो साझा करते हुए एक्स पर कहा, 'अवश्य देखिए, आपको पसंद आएगा।' उन्होंने अपनी पोस्ट में कांग्रेस नीत यूडीएफ व माकपा नीत एलडीएफ का उल्लेख करके राहुल गांधी को भी टैग किया और लिखा, 'इटली की पीएम मेलोनी ने वर्तमान राष्ट्रवादी बनाम वामपंथियों की लड़ाई को संक्षेप में बता दिया है।' वहीं, तमिलनाडु भाजपा के प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने कहा, मोदी व मेलोनी आशा व अखंडता की किरण बनकर खड़े हैं। पुरातन मूल्यों व राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति दोनों की प्रतिबद्धता ने नई पीढ़ी को प्रेरित किया है। दोनों की सफलता दर्शाती है कि लोग अब धोखेबाजी बर्दाश्त नहीं करेंगे और ऐसे नेताओं को चुनेंगे जो ईमानदारी एवं पारदर्शिता के प्रतीक हैं।

जर्मनी में कंजरवेटिव गठबंधन के नेता मेर्ज का चांसलर बनना लगभग तय

- एक्जिट पोल में सीडीयू/सीएसयू गठबंधन जीत की ओर
- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद धुर दक्षिणपंथी पार्टी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

फ्रेडरिक मेर्ज। फाइल

बर्लिन, रायटर : जर्मनी में रविवार को हुए संसदीय चुनाव में कंजरवेटिव गठबंधन को सर्वाधिक वोट मिले हैं। एक्जिट पोल के अनुसार, फ्रेडरिक मेर्ज का चांसलर बनना लगभग तय है, हालांकि गठबंधन को बहुमत नहीं मिला है। बहुमत जुटाने के लिए उन्हें मशक्कत करनी पड़ सकती है। 69 वर्षीय मेर्ज के पास सरकार चलाने का अनुभव नहीं है, पर उन्होंने देश का बेहतर नेतृत्व करने का वादा किया है।

मेर्ज के नेतृत्व वाले गठबंधन को 28.5 प्रतिशत वोट मिले हैं। धुर दक्षिणपंथी पार्टी एएफडी दूसरे स्थान पर रही। यह एएफडी का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद किसी धुर-दक्षिणपंथी पार्टी को इतना आधिक समर्थन मिला है, जबकि मौजूदा चांसलर ओलफ शुल्ज की सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) ने अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन किया है। एसपीडी को 16.5 प्रतिशत वोट मिले हैं। शुल्ज के नेतृत्व वाला गठबंधन गत नवंबर में टूट गया था। इसलिए चुनाव निर्धारित समय से सात महीने पहले कराना पड़ रहा है।

इससे पहले पांच करोड़ 90 लाख से अधिक मतदाताओं ने जर्मनी की संसद के निचले सदन, बुंडेस्टाग के 630 सदस्यों को चुनने के लिए मतदान किया। स्थानीय समयानुसार, सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक मतदान चला। मेर्ज ने रविवार सुबह अर्न्सबर्ग में वोट डाला, वहीं शुल्ज ने पाट्सडैम में मतदान किया।

यह चुनाव ऐसे समय में हुए हैं जब यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में वर्षों से चले आ रहे ठहराव, अवैध प्रवासियों पर अंकुश लगाने का दबाव तथा यूक्रेन के भविष्य, यूरोप के अमेरिका के साथ गठबंधन को लेकर बढ़ती अनिश्चितता जैसी चिंताएं सामने आ रही हैं। एग्जिट पोल के अनुसार सीडीयू/सीएसयू को 28.5 प्रतिशत, एएफडी को 20 व ग्रीन्स पार्टी को 12 प्रतिशत मत मिले हैं।

जर्मनी की संसद में हैं 630 सीटें : जर्मनी की संसद बुंडेस्टाग में 630 सीटें हैं, जिनमें 299 पर मतदाता सीधे प्रतिनिधि चुनते हैं। 331 सीटें पार्टी वोटों के आधार पर आनुपातिक रूप से आवंटित जाती हैं। मतदाता दो मत देते हैं। पहला वोट स्थानीय उम्मीदवार को देते है, जबकि दूसरा वोट राजनीतिक दल को दिया जाता है। इस आधार पर आनुपातिक रूप से निचले सदन सीटें आवंटित की जाती हैं।

अवैध प्रवासी, अर्थव्यवस्था में सुस्ती का मुद्दा रहा हावी

- चुनाव में अवैध प्रवासियों का मुद्दा हावी रहा। देश में कई हमले हुए जिन्हें अवैध प्रवासियों ने अंजाम दिया है। अर्थव्यवस्था में सुस्ती का मुद्दा भी छाया रहा।
- यूक्रेन के भविष्य, अमेरिका के साथ यूरोप के गठबंधन पर बढ़ती अनिश्चितता की चिंताएं भी लोगों को सता रही है। जर्मनी 27 देशों वाले यूरोपीय संघ में सबसे अधिक आबादी वाला देश व नाटो का प्रमुख सदस्य है। अमेरिका के बाद यह यूक्रेन का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता रहा है।

भारत को चुनाव में मदद के लिए 1.8 करोड़ डालर दिए गए : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत की वित्तीय मदद करने के लिए बाइडन प्रशासन को घेरा

वाशिंगटन, प्रेट्र: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा, उसने भारत को उसके चुनाव में मदद के लिए 1.8 करोड़ डालर की धनराशि आवंटित की, जबकि उसे इसकी जरूरत नहीं है। ट्रंप ने कंजर्वेटिव पालिटिकल एक्शन कांफ्रेंस में शनिवार को अपने भाषण के दौरान यह टिप्पणी की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पहले भी कई बार दावा किया है कि चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए भारत को 2.1 करोड़ डालर की वित्तीय मदद दी गई। उन्होंने इसके लिए अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) पर निशाना साधा है।

ट्रंप ने भारत पर अमेरिका का फायदा उठाने का भी आरोप लगाया। कहा, भारत को चुनावों में मदद के लिए 1.8 करोड़ डालर दिए गए। आखिर क्यों? हम पुराने मतपत्रों का प्रयोग क्यों नहीं करते और उसे चुनाव में हमारी मदद करने देते हैं, है न? मतदाता पहचान पत्र। क्या यह अच्छा नहीं होगा? हम भारत को चुनाव के लिए पैसे दे रहे हैं। उसे जरूरत नहीं है। वह हमारा बहुत फायदा उठाता है। भारत दुनिया में सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाले देशों में से है। वह 200 प्रतिशत (कर) लगाता है और हम उसे उसके चुनाव में मदद के लिए बहुत सारा पैसा दे रहे हैं। ट्रंप ने बांग्लादेश को 2.9 करोड़ डालर देने के लिए भी यूएसएड की आलोचना की। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा, 2.9 करोड़ डालर का प्रयोग राजनीतिक परिदृश्य मजबूत करने व उनकी मदद में किया जाएगा, ताकि वे बांग्लादेश में कट्टरपंथी वामपंथी कम्युनिस्ट के लिए वोट कर सकें।

ट्रंप ने बड़े पैमाने पर निर्वासन का किया बचाव

वाशिंगटन, प्रेट्र : डोनाल्ड ट्रंप ने बिना दस्तावेज वाले विदेशी नागरिकों के निर्वासन का बचाव किया है। कहा, अवैध विदेशी अपराधियों को घर भेजा जा रहा है। उनका प्रशासन धोखेबाजों, बेईमानों व डीप स्टेट से जुड़े लोगों को घर भेजकर दलदल को खत्म कर रहा है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, 2022 तक अनधिकृत प्रवासियों की संख्या कुल अमेरिकी आबादी का 3.3 और विदेश में जन्मी आबादी का 23 प्रतिशत थी। ट्रंप ने आव्रजन प्रणाली के कुछ हिस्सों में परिवर्तन किया है और देश में अवैध रूप से रहने वालों के सामूहिक निर्वासन व गिरफ्तारी का वादा किया है। डिपार्टमेंट आफ होमलैंड सिक्योरिटी के अनुसार, तीन फरवरी तक 8,768 लोग पकड़े गए।

पाकिस्तान-बांग्लादेश के बीच पहली बार सीधा व्यापार शुरू

- दोनों देशों के बीच आधिकारिक व्यापार संबंधों की बहाली का पहला उदाहरण
- पाकिस्तान सरकार द्वारा अनुमोदित पहला माल पोर्ट कासिम से रवाना हुआ

प्रतीकात्मक

इस्लामाबाद, प्रेट्र: शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का पाकिस्तान प्रेम तेजी से बढ़ता जा रहा है। पहले जहां बांग्लादेश ने पाकिस्तानियों के लिए वीजा नियमों में राहत दी, वहीं बांग्लादेश और पाकिस्तान की सेना के अधिकारियों के बीच मुलाकात भी देखने को मिली। अब पहली बार पाकिस्तान और बांग्लादेश ने सीधा व्यापार शुरू किया है। सरकार द्वारा अनुमोदित पहला माल पोर्ट कासिम से रवाना हुआ। इस माल का परिवहन 1971 के बाद से आधिकारिक व्यापार संबंधों की बहाली का पहला उदाहरण है। पाकिस्तान नेशनल शिपिंग कारपोरेशन का जहाज बांग्लादेशी बंदरगाह पर पहुंचेगा।

इस समझौते को फरवरी की शुरुआत में अंतिम रूप दिया गया, जब बांग्लादेश ट्रेडिंग कारपोरेशन आफ पाकिस्तान के माध्यम से 50,000 टन पाकिस्तानी चावल खरीदने पर सहमत हुआ। यह शिपमेंट दो चरणों में पूरा किया जाएगा, शेष 25,000 टन मार्च की शुरुआत में भेजा जाएगा। इस विकास को आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने और दशकों से निष्क्रिय पड़े व्यापार चैनलों को फिर से खोलने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस व्यापार समझौते से दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और सीधे शिपिंग मार्गों को सुविधाजनक बनाने की बात कही जा रही है।

यूनुस ने मस्क को बांग्लादेश में इंटरनेट सेवा शुरू करने के लिए दिया न्योता

- यूनुस ने 19 फरवरी को भेजे पत्र में मस्क को बांग्लादेश आमंत्रित किया
- यूनुस ने अपने प्रतिनिधि से स्पेसएक्स टीम के साथ समन्वय करने कहा

मुहम्मद यूनुस। फाइल फोटो

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क को बांग्लादेश आने और 90 दिनों में देश में स्टारलिंक उपग्रह सेवा शुरू करने का न्योता दिया है। यूनुस ने 19 फरवरी को मस्क को पत्र लिखा था। पत्र में यूनुस ने मस्क से कहा कि उनकी बांग्लादेश यात्रा से उन्हें युवाओं से मिलने का मौका मिलेगा, जो इस प्रौद्योगिकी के मुख्य लाभार्थियों में से एक होंगे।

उन्होंने कहा कि आइए हम पारस्परिक दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए मिलकर काम करें। बांग्लादेश के बुनियादी ढांचे में स्टारलिंक की कनेक्टिविटी को शामिल करने से यह उद्यमशील युवाओं, ग्रामीण और दूरदराज के वंचित समुदायों के लिए परिवर्तनकारी साबित होगा। यूनुस ने अपने उच्च प्रतिनिधि खलीलुर रहमान से 90 कार्य दिवसों के भीतर बांग्लादेश में लांच के लिए स्टारलिंक को तैयार करने के लिए आवश्यक कार्य पूरा करने के लिए स्पेसएक्स टीम से समन्वय स्थापित करने कहा है। यूनुस ने बांग्लादेश में स्टारलिंक उपग्रह इंटरनेट सेवाओं को शुरू करने के लिए मस्क के साथ टेलीफोन पर चर्चा भी की, जिस पर मस्क ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

वेस्ट बैंक में इजरायल की सेना ने तेज की कार्रवाई

- तीन शहरों में टैंक उतारे गए, वर्ष भर कार्रवाई का एलान
- इजरायल ने 620 फलस्तीनी कैदियों की रिहाई रोकी

यरुशलम, एपी : फलस्तीनी बहुल वेस्ट बैंक में इजरायली सेना की कार्रवाई तेज हो गई है। सेना ने जेनिन, जुडिया और समारिया शहरों में सड़कों पर टैंक उतार दिए हैं। इजरायल के रक्षा मंत्री ने कहा है कि वहां पर कार्रवाई पूरे वर्ष जारी रहेगी। 19 जनवरी को गाजा में युद्धविराम लागू होने के बाद इजरायल ने 21 जनवरी से वेस्ट बैंक में कार्रवाई शुरू कर दी थी। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को गाजा पर इजरायल हमले शुरू होने के बाद से अभी तक नजदीकी वेस्ट बैंक में इजरायली सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 800 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं।

इस बीच इजरायल ने बंधकों के बदले में 620 फलस्तीनी कैदियों की रिहाई को स्थगित कर दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा है कि हमास इजरायली बंधकों का जिस तरह से उत्पीड़न कर रहा है और उनकी रिहाई के मौके पर समारोह आयोजित कर रहा है उससे इजरायली नागरिकों की भावनाएं आहत हो रही हैं। यह युद्धविराम समझौते का भी उल्लंघन है। हमास जब तक बंधकों की रिहाई की अगली प्रक्रिया को मर्यादित तरीके से पूरा करने का आश्वासन नहीं देता तब तक फलस्तीनी कैदियों की रिहाई रुकी रहेगी। जबकि अमेरिका ने गाजा में युद्धविराम दूसरे चरण में भी जारी रहने की उम्मीद जताई है। इसके लिए दोनों पक्षों में परोक्ष वार्ता शुरू हो गई है।

इस बीच अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि ईरान को किसी भी स्थिति में परमाणु हथियार नहीं बनाने दिया जाएगा। इस बारे में राष्ट्रपति ट्रंप की सोच बिल्कुल स्पष्ट है। ईरान को इस मकसद में कामयाब न होने देने के लिए अमेरिका अधिकतम दबाव का इस्तेमाल करेगा।

संघीय कर्मी बताएं पिछले हफ्ते क्या किया या इस्तीफा दें

- एलन मस्क ने कर्मियों को यह बताने के लिए आज रात तक का समय दिया
- संघीय न्यायपालिका के कर्मचारियों ने ईमेल प्राप्त होने की पुष्टि की

एलन मस्क फाइल

न्यूयार्क, रायटर: अमेरिका में सरकारी दक्षता विभाग अब तक हजारों लोगों को नौकरी से निकाल चुका हैं। ट्रंप प्रशासन ने शनिवार शाम संघीय सरकार के कर्मियों को ईमेल भेजकर कहा, वे सोमवार रात तक पिछले हफ्ते की अपनी कार्य उपलब्धियों का विवरण दें, अन्यथा नौकरी खोने का जोखिम होगा। ये ईमेल एलन मस्क द्वारा एक्स पर किए गए एक पोस्ट के बाद भेजा गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईमेल अनुरोध का जवाब न देने को इस्तीफे के रूप में देखा जाएगा।

मस्क का पोस्ट राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ट्रूथ सोशल पर किए उस पोस्ट के कुछ घंटों बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि मस्क को प्रयासों में और आक्रामक होना चाहिए। शनिवार शाम तक प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग, राष्ट्रीय महासागरीय व वायुमंडलीय प्रशासन, रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र और अन्य संघीय एजेंसियों के कर्मियों को एक साथ ईमेल भेजे गए। पूछा गया कि आपने पिछले सप्ताह क्या किया। कर्मियों से पांच बुलेट पाइंट्स के साथ जवाब देने कहा गया है। इसकी एक कापी मैनेजर को भेजने को कहा गया है। यह ईमेल कार्मिक प्रबंधन कार्यालय के मानव संसाधन पते से भेजा गया और कर्मियों को सोमवार रात 11:59 बजे तक का समय दिया गया है। मामले से परिचित लोगों ने कहा, कुछ संघीय न्यायपालिका कर्मियों को ईमेल प्राप्त हुए। भले ही अदालत प्रणाली कार्यकारी शाखा का हिस्सा नहीं है। अदालतों के प्रशासनिक कार्यालय ने इसे लेकर टिप्पणी के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मस्क के पास संघीय कर्मियों की बर्खास्तगी का क्या कानूनी आधार है। अगर कर्मी अनुरोध का जवाब देने में विफल रहते हैं तो उनका क्या होगा। उन कर्मियों का क्या होगा जो गोपनीय कार्य का विवरण नहीं दे सकते।

पहली बार नहीं हो रही इतनी बड़ी कटौती: अमेरिका में सरकारी खर्च में कटौती पहली बार नहीं हो रही। इस संबंध में सबसे बड़ा प्रयास वास्तव में 30 वर्ष पूर्व डेमोक्रेटिक प्रशासन ने किया था। तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की रीइनवेंटिंग गवर्नमेंट पहल थी, जो उनके उपराष्ट्रपति अल गोर के नियंत्रण में थी। हालांकि, रीइनवेंटिंग परियोजना मस्क के अचानक, अव्यवस्थित प्रयास के विपरीत थी। इसे द्विदलीय कांग्रेस विधान ने अधिकृत किया था। वर्षों तक धीरे-धीरे काम किया गया। मैरीलैंड यूनिर्वसिटी के प्रोफेसर डान केटल ने कहा, उस समय नौकरियों में कटौती से धन की बचत नहीं हुई, क्योंकि सरकार को वापस लौटना पड़ा। नौकरी छोड़ चुके श्रमिकों के कार्य करने के लिए ठेकेदार नियुक्त करने पड़े। अगर मस्क व ट्रंप संघीय कार्यबल में कटौती जारी रखते हैं तो यह फिर होगा।

कराची में होली मनाने पर विवि खफा, हिंदू छात्रों को नोटिस

- पूर्व सांसद लाल मलही ने कहा, क्या होली मनाना अपराध बन गया है
- दाऊद यूनिवर्सिटी की सफाई, घटना पुरानी, छात्र नोटिस का दे चुके जवाब

कराची, प्रेट्र : पाकिस्तान के सिंध प्रांत के कराची शहर में निजी विश्वविद्यालय दाऊद यूनिवर्सिटी आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी ने परिसर में होली मनाने पर छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इनमें अधिकांश हिंदू हैं। इस पर पाकिस्तान नेशनल असेंबली के पूर्व सदस्य लाल मलही ने सवाल उठाते हुए इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट किया है कि क्या होली मनाना अपराध बन गया है? पिछले वर्ष भी पाकिस्तान के दूसरे प्रांतों में होली के दौरान हिंदू छात्रों को ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा था। बाद में उसे दबा दिया गया। पूर्व सांसद मलही ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों की धार्मिक परंपराओं के बढ़ते अपराधीकरण पर चिंता जताते हुए सवाल उठाया कि क्या विश्वविद्यालय में होली मनाना सरकार के विरुद्ध कदम माना जाता है?

वहीं, विश्वविद्यालय ने कहा है कि यह पुराना मामला है। किसी छात्र के विरुद्ध एफआइआर दर्ज नहीं कराई गया है। छात्रों को प्रशासन से स्वीकृति लिए बिना विश्वविद्याल परिसर में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए नोटिस जारी किया गया था। छात्र पहले ही नोटिस का उत्तर दे चुके हैं।

इस्लामी पार्टी के छात्र संगठन करते हैं विरोध

पाकिस्तान की इस्लामी पार्टियों के छात्र संगठन परिसरों में किसी भी सांस्कृतिक कार्यक्रम का विरोध करने के लिए जाने जाते हैं। यहां तक कि मुस्लिम छात्रों के कार्यक्रमों का विरोध करने से भी वे पीछे नहीं रहते। इस्लामिक छात्र संगठन ऐसे कार्यक्रमों को समाज के नियमों के विरुद्ध और गैर-इस्लामिक मानते हैं।

युद्ध की तीसरी बरसी : रूस ने यूक्रेन पर किया बड़ा हमला

- 267 ड्रोन और तीन मिसाइल दागे, जेलेंस्की ने कहा- हवाई आतंक
- यूक्रेन की पैरवी करने को ट्रंप से मिलने जाएंगे मैक्रों और स्टार्मर

यूक्रेन के क्रीवी रिह में रविवार को रूसी हवाई हमले के बाद लगी आग बुझाने में जुटे दमकलकर्मी। रायटर

कीव, रायटर : युद्धविराम की चर्चा के बीच रूस ने युद्ध के तीन वर्ष पूरे होने पर यूक्रेन पर शनिवार-रविवार की रात 267 ड्रोनों से हमला किया। इससे हुए नुकसान की जानकारी यूक्रेन ने नहीं दी है। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसे तीन वर्ष के युद्धकाल का सबसे बड़ा हमला बताया है। जेलेंस्की ने इसे रूस का हवाई आतंक बताते हुए सहयोगी देशों से एकजुटता की अपील की है। एक्स पर लिखा है कि यूक्रेन के नागरिक प्रत्येक दिन इस हवाई आतंक को झेलते हैं।

ताजा हमले में रूस ने यूक्रेनी शहरों और गांवों को निशाना बनाया है। यूक्रेनी वायुसेना ने बताया है कि रूस की सेना द्वारा दागे गए ड्रोन में से 138 को आकाश में ही नष्ट कर दिया गया जबकि अन्य 119 की इलेक्ट्रानिक प्रणाली के नियंत्रण को बिगाड़कर उन्हें भटका दिया गया। इनके अतिरिक्त रूस ने तीन बैलेस्टिक मिसाइलों से भी यूक्रेन पर हमला किया। इन हमलों में यूक्रेन के पांच इलाकों में नुकसान हुआ है। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि पिछले हफ्ते में रूस ने यूक्रेन पर 1,150 ड्रोन, 1,400 गाइडेड एरियल बम और विभिन्न तरह की 35 मिसाइलें दागी हैं। इनसे बचाव के लिए जेलेंस्की ने देश के एयर डिफेंस सिस्टम और मदद के लिए सहयोगी देशों का आभार जताया है। वहीं, यूक्रेन के साथ युद्ध के तीन वर्ष पूरे होने पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अपने सैनिकों की प्रशंसा की है।

अमेरिका नहीं चाहता यूक्रेन करे रूस की निंदा

अमेरिका चाहता है कि यूक्रेन यूएन में लाया गया रूस की निंदा का प्रस्ताव वापस ले और अमेरिकी प्रस्ताव का समर्थन करे। अमेरिकी प्रस्ताव में युद्ध के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराने से परहेज किया गया है। अमेरिका की अपेक्षा से स्तब्ध यूक्रेन ने प्रस्ताव वापस लेने से मना कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में सोमवार को यूक्रेन के प्रस्ताव पर मतदान हो सकता है। इस बीच युद्धविराम के लिए रूस से होने वाली वार्ता में यूक्रेन को भी शामिल करने के आग्रह के साथ फ्रांस के राष्ट्रपति व ब्रिटिश पीएम अगले हफ्ते वाशिंगटन जाकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलेंगे।

अफगानिस्तान में महिला रेडियो स्टेशन का निलंबन खत्म, फिर होगा प्रसारण

काबुल, एपी: अफगानिस्तान में एक महिला रेडियो स्टेशन का प्रसारण फिर से शुरू होगा। तालिबान ने एक विदेश टीवी चैनल को अनधिकृत रूप से सामग्री देने और लाइसेंस के दुरुपयोग का हवाला देते हुए संचालन निलंबित कर दिया था। रेडियो बेगम मार्च 2021 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शुरू हुआ था। इसके पांच महीने बाद अमेरिका व नाटो सेना की वापसी के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा कर लिया। रेडियो स्टेशन के विषय पूरी तरह अफगान महिलाओं द्वारा तैयार किए जाते हैं। इसका सहयोगी उपग्रह चैनल बेगम टीवी फ्रांस से संचालित होता है और यह सातवीं से 12वीं कक्षा तक के अफगान स्कूली पाठ्यक्रम को कवर करने वाले कार्यक्रम प्रसारित करता है।

अमेरिका पुनर्वास कराए वर्ना अफगानिस्तान भेजे जाएंगे शरणार्थी: पाकिस्तान ने कहा है कि जिन अफगान शरणार्थियों को अमेरिका पुनर्वास के लिए नहीं स्वीकारेगा उन्हें निकाला जाएगा।

****

काश पटेल एटीएफ के कार्यवाहक प्रमुख भी होंगे

- पटेल को न्याय विभाग की दो बड़ी एजेंसियों का प्रभारी बनाया गया है
- एक अधिकारी ने कहा, अगले सप्ताह शपथ दिलाई जा सकती है

काश पटेल फाइल

वाशिंगटन, एपी: नए एफबीआइ निदेशक काश पटेल को शराब, तंबाकू, आग्नेयास्त्र और विस्फोटक ब्यूरो का कार्यवाहक प्रमुख नामित किए जाने की उम्मीद है। न्याय विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कहा, पटेल को अगले सप्ताह शपथ दिलाई जा सकती है। एक असामान्य व्यवस्था में पटेल को न्याय विभाग की दो सबसे बड़ी एजेंसियों का प्रभारी बनाया गया है। हालांकि, व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने शनिवार शाम टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

एटीएफ 5,500 कर्मचारियों वाली एक अलग एजेंसी है और आग्नेयास्त्रों, विस्फोटकों और आगजनी को लेकर देश के कानूनों को लागू करने के लिए जिम्मेदार है। यह संघीय आग्नेयास्त्र डीलरों को लाइसेंस देने, अपराधों में इस्तेमाल की गई बंदूकों का पता लगाने और शूटिंग जांच में खुफिया जानकारी का विश्लेषण करने का प्रभारी है। यह खबर अटार्नी जनरल पाम बांडी द्वारा एटीएफ के शीर्ष वकील को बर्खास्त करने के कुछ दिनों बाद आई है।

बांडी ने शुक्रवार को कहा था कि उन्होंने मुख्य वकील पामेला हिक्स को निकाल दिया क्योंकि एजेंसी बंदूक मालिकों को निशाना बना रही थी। हिक्स, जिन्होंने न्याय विभाग के वकील के रूप में 20 साल से अधिक समय बिताया, ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि एटीएफ मुख्य वकील बनना उनके करियर का सर्वोच्च सम्मान था।

काश का भगवद्गीता पर हाथ रखकर शपथ लेना बहुत बड़ी बात

- चाचा कृष्णकांत पटेल ने कहा, ऐसा कर उन्होंने अपनी संस्कृति को रखा है जीवित

वडोदरा, एएनआइ : काश पटेल के चाचा कृष्णकांत पटेल ने अपने भतीजे की एफबीआइ निदेशक के रूप में नियुक्ति पर खुशी व्यक्त की है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, काश का भगवत गीता पर हाथ रखकर शपथ लेना बहुत बड़ी बात है। ऐसा करके उन्होंने अपनी संस्कृति को जीवित रखा है। मुझे उम्मीद है कि वह विदेश में भारतीय संस्कृति को जीवित रखेंगे। उन्होंने कहा, काश पटेल का गांव गुजरात के आणंद जिले के भद्रन में है। काश के पिता रमन पटेल मेरे भाई हैं। गौरतलब है कि काश पटेल अमेरिका की प्रमुख कानून प्रवर्तन एजेंसी एफबीआइ का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी बन गए हैं।

पाकिस्तान के सामने दिखा 'विराट स्वरूप'

लगातार दो जीत से सेमीफाइनल के नजदीक पहुंचा भारत | विराट के अलावा गिल श्रेयस और कुलदीप ने किया प्रभावित

जीत के बाद विराट कोहली को गले लगाते अक्षर पटेल ● एएफपी

अभिषेक त्रिपाठी
दुबई से

जब-जब मुद्दे बड़े होते हैं, पाकिस्तान के विरुद्ध विराट कोहली खड़े होते हैं। पाकिस्तान के विरुद्ध 17 वनडे में चार शतक और दो अर्धशतक लगाने वाले विराट ने रविवार को आइसीसी चैंपियंस ट्राफी के सबसे बड़े मुकाबले में अपना विराट स्वरूप दिखाया। चाहे 2012 में मीरपुर में एशिया कप में 183 रनों की पारी हो या 2015 विश्व कप में एडिलेड में पहले बल्लेबाजी करते हुए 107 रन का स्कोर या बर्मिंघम में 2017 चैंपियंस ट्राफी में नाबाद 81 रन बनाकर अपनी टीम को जिताना हो। पाकिस्तान के विरुद्ध इस बल्लेबाज का रिकार्ड हमेशा से अच्छा रहा। चाहे 2019 विश्व कप में 77 रन बनाना हो या 2023 एशिया कप में विपरीत परिस्थितियों में नाबाद 122 रन बनाकर पाकिस्तान के विरुद्ध बेहतरीन जीत दिलाना हो, विराट कभी नहीं डिगे। 2022 टी-20 विश्व कप में पड़ोसी देश की टीम के विरुद्ध नाबाद 82 रनों की पारी को कोई कैसे भूल सकता है। उसी तरह उन्होंने रविवार को दुबई में चैंपियंस ट्राफी के महामुकाबले में नाबाद 100 रन बनाकर भारत को छह विकेट से जीत ही नहीं दिलाई बल्कि सेमीफाइनल में भी टीम की जगह लगभग पक्की कर दी। इस हार ने पाकिस्तान के नाकआउट में पहुंचने के सफर को लगभग समाप्त कर दिया है।

पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराने वाली भारतीय टीम ने अपने ग्रुप के तीन में से दो मैच जीत लिए हैं। उसे तीसरा मैच दो मार्च को दुबई में न्यूजीलैंड से खेलना है। भारत से पहले न्यूजीलैंड की टीम पाकिस्तान को उसके घर में हरा चुकी है। ऐसे में इस ग्रुप से भारत और न्यूजीलैंड के सेमीफाइनल में पहुंचने की सबसे ज्यादा उम्मीद है।

अब बात करते हैं विराट की। भारत के इस महान बल्लेबाज ने पाकिस्तान के विरुद्ध 17 वनडे खेले हैं जिसमें 59.84 के औसत से 778 रन बनाए हैं। वहीं उन्होंने इस टीम के विरुद्ध 11 टी-20 में 70.28 के औसत से 492 रन बनाए हैं। उन्होंने इस प्रारूप में पाकिस्तान के विरुद्ध पांच अर्धशतक लगाए हैं। वह जब भी पाकिस्तान के विरुद्ध खेलते हैं तब उन्हें कुछ अलग सी शक्तियां हासिल हो जाती हैं। मेलबर्न में उन्होंने टी-20 विश्व कप में हारिस रऊफ पर दो छक्के मारकर हारे हुए मैच को जिता दिया था तो यहां पर इस मैच से पहले वह फार्म की तलाश में थे लेकिन मोहम्मद रिजवान की टीम के सामने आते ही उन्होंने ऐसी बल्लेबाजी की, जैसे उनके बल्ले में कोई समस्या ही नहीं थी। उन्होंने 2023 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के विरुद्ध इससे पहले इस प्रारूप में शतक लगाया था।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 31 के कुल स्कोर पर ही रोहित का विकेट गंवा दिया था लेकिन इसके बाद विराट और गिल ने 69 रन की साझेदारी की। इसके बाद विराट ने श्रेयस के साथ 114 रनों की साझेदारी करके पाकिस्तान से मैच छीन लिया। उन्होंने चौके-छक्कों पर ध्यान कम दिया और आराम से एक-दो रन लेकर आगे बढ़ते रहे। उन्होंने वनडे में 51वां और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 82वां शतक लगाया। विराट शनिवार को बाकी टीम से एक घंटा पहले अभ्यास करने पहुंचे थे, जिसका उन्हें लाभ मिला।

गेंदबाज रहे हावी: पाकिस्तानी कप्तान ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सटीक प्रदर्शन के कारण मेजबान टीम सिर्फ 241 रन बना सकी। शकील ने 62 रन बनाए और तीसरे विकेट के लिए कप्तान मोहम्मद रिजवान (46) के साथ 104 रन जोड़े। बीच के ओवरों में पिच धीमी हो गई और भारतीय गेंदबाजों ने सही लाइन और लेंथ पकड़कर रन बनाना मुश्किल कर दिया। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप ने नौ ओवर में 40 रन देकर तीन विकेट लिए।

भारतीय गेंदबाजों ने इस कदर दबाव बना दिया था कि एक समय रिजवान और शकील 55 गेंदों तक कोई चौका नहीं लगा सके। बाबर (23) और इमाम उल हक (10) के सस्ते में आउट होने के बाद दोनों को जोखिम लेने से भी बचना था। बाबर ने शुरुआत अच्छी की थी और हर्षित राणा तथा हार्दिक पांड्या को अपने कुछ ट्रेडमार्क कवर ड्राइव भी लगाए, लेकिन वह ज्यादा देर टिक नहीं सके। वह पांड्या की गेंद पर चौका लगाने के बाद अगली गेंद पर वह केएल राहुल को कैच दे बैठे। इसके बाद इमाम ने तेजी से एक रन चुराने के प्रयास में विकेट गंवाया। वह रन लेने के लिए दौड़े लेकिन मिडआन पर खड़े अक्षर ने सीधे थ्रो पर गिल्लियां बिखेर दीं। गेंदबाजी के दौरान असहज दिख रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और रोहित को कुछ देर के लिए मैदान से जाना पड़ा। रोहित गर्मी में असहज महसूस कर रहे थे जबकि शमी को पिंडली में कुछ परेशानी थी। हालांकि दोनों मैदान पर वापस लौटे।

सबसे तेज 14000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज बने विराट

दुबई : विराट कोहली रविवार को वनडे क्रिकेट में सबसे तेजी से 14000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। वह अब वनडे में 14000 से अधिक रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर (18246) और श्रीलंका के कुमार संगकारा (14234) उनसे आगे हैं। कोहली ने 287 पारियों में 14000 रन पूरे किए। विराट को इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए 15 रन की जरूरत थी। उन्होंने हारिस रऊफ को 13वें ओवर में कवर में चौका जड़कर रिकार्ड बनाया। उन्होंने सितंबर 2023 में पाकिस्तान के ही खिलाफ कोलंबो में एशिया कप के दौरान 13000 वनडे रन पूरे किए थे। उनके नाम वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक 50 शतकों का रिकार्ड भी है। उन्होंने 2023 विश्व कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में तेंदुलकर का रिकार्ड तोड़ा था। कोहली ने पाकिस्तान के विरुद्ध इस मैच में वनडे में किसी भारतीय क्षेत्ररक्षक के सर्वाधिक कैच का मोहम्मद अजहरुद्दीन का रिकार्ड भी तोड़ा। कोहली ने अपने 299वें मैच में 157वां कैच लपका। अजहर ने 1985 से 2000 के बीच 334 वनडे खेलकर 156 कैच लिए थे। कोहली ने कुलदीप यादव की गेंद पर पाकिस्तान के नसीम शाह का लांग आन से दौड़कर आते हुए डाइव लगाकर कैच लपका। उन्होंने इसके बाद हर्षित राणा की गेंद पर डीप मिडविकेट में खुशदिल शाह का कैच भी लिया।

सबसे तेज 14000 वनडे रन

पारी	खिलाड़ी	देश
287	विराट कोहली	भारत
350	सचिन तेंदुलकर	भारत
378	कुमार संगकारा	श्रीलंका

वनडे में सर्वाधिक रन

रन	मैच	खिलाड़ी
18426	463	सचिन तेंदुलकर
14234	404	कुमार संगकारा
14085	299	विराट कोहली
13704	375	रिकी पोंटिंग
13430	445	सनथ जयसूर्या
12650	448	महेला जयवर्धने

भारत ने बनाया लगातार टास हारने का अनचाहा रिकार्ड

पाकिस्तान के विरुद्ध भारतीय टीम ने टास हारने के साथ ही एक अनचाहा रिकार्ड भी बना डाला। भारत ने लगातार 12वीं बार टास हारा। भारतीय टीम का टास हारने का यह क्रम 2023 विश्व कप के फाइनल से शुरू हुआ था, जो दुबई में रविवार को भी जारी रहा। इससे पहले टास गंवाने का रिकार्ड नीदरलैंड्स के नाम था, जिसने 11 बार लगातार टास हारे थे।

स्कोर बोर्ड

पाकिस्तान : 241 (49.4 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
इमाम रन आउट	10	26	0/0
बाबर का. राहुल बो. हार्दिक	23	26	5/0
शकील का. अक्षर बो. हार्दिक	62	76	5/0
रिजवान बो. अक्षर	46	77	3/0
सलमान का. जडेजा बो.	19	24	0/0
तैय्यब बो. जडेजा	04	06	0/0
खुशदिल का. कोहली बो. राणा	38	39	0/2
शाहीन एलबीडब्ल्यू बो. कुलदीप	00	01	0/0
नसीम का. कोहली बो. कुलदीप	14	16	1/0
रऊफ रनआउट	08	07	0/1
अबरार अविजित	00	00	0/0

अतिरिक्त : 17, कुल : 49.4 ओवर में 241 रन पर सभी आउट, विकेटपतन : 1-41 (बाबर, 8.2), 2-47 (इमाम, 9.2), 3-151 (रिजवान, 33.2), 4-159 (शकील, 34.5), 5-165 (तैय्यब, 36.1), 6-200 (सलमान, 42.4), 7-200 (शाहीन, 42.5), 8-222 (नसीम, 46.4), 9-241 (रऊफ, 49), गेंदबाजी : शमी 8-0-43-0, राणा 7.4-0-30-1, हार्दिक 8-0-31-2, अक्षर 10-0-49-1, कुलदीप 9-0-40-3, जडेजा 7-0-40-1

भारत : 244/4 (42.3 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
रोहित बो. शाहीन	20	15	3/1
शुभमन बो. अबरार	46	52	7/0
विराट अविजित	100	111	7/0
श्रेयस का. इमाम बो. खुशदिल	56	67	5/1
हार्दिक का. रिजवान बो. शाहीन	08	06	1/0
अक्षर अविजित	03	04	0/0

अतिरिक्त : 11 (वा-11)
कुल : 42.3 ओवर में चार विकेट पर 244 रन
विकेटपतन : 1-31 (रोहित, 4.6), 2-100 (शुभमन, 17.3), 3-214 (श्रेयस, 38.5), 4-223 (हार्दिक, 39.6)
गेंदबाजी : शाहीन 8-0-74-2, नसीम 8-0-37-0, रऊफ 7-0-52-0, अबरार 10-0-28-1, खुशदिल 7.3-0-43-1, सलमान 2-0-10-0

संत प्रेमानंद के आशीर्वाद के बाद विराट ने जड़ा शतक

जासं, वृंदावन : एशिया कप में पाकिस्तान के विरुद्ध खेलते हुए स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने मैच की अंतिम बाल पर चौका लगाकर न केवल भारत को अहम मुकाबले में जीत दिलाई, बल्कि अपना 51वां शतक भी पूरा किया। लंबे समय बाद फार्म में आए विराट कोहली ने शतक लगाते ही गले में पड़ी माला को चूमा। यह माला संत प्रेमानंद ने पिछले महीने ही विराट कोहली को दी थी। क्रिकेटर विराट कोहली 10 जनवरी को अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा और बच्चों के साथ दस जनवरी को संत प्रेमानंद का आशीर्वाद लेने श्रीराधाकेलि कुंज पहुंचे थे। संत प्रेमानंद ने रविवार सुबह केलिकुंज में एकांतिक वार्ता में एक भक्त के सवाल पर कहा था कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ भारत की जीत निश्चित है और पाकिस्तान से हारकर भारत सीधे एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंचेगा।

वनडे में सर्वाधिक शतक

100	मैच	बल्लेबाज
51	299	विराट
49	463	सचिन
32	270	रोहित
30	375	पोंटिंग
28	445	जयसूर्या

चैंपियंस ट्राफी में भारत और पाकिस्तान

तिथि	विजेता टीम	परिणाम
19 सितंबर 2004	पाकिस्तान	तीन विकेट से जीता
26 सितंबर 2009	पाकिस्तान	54 रन से जीता
15 जून 2013	भारत	आठ विकेट से विजयी
चार जून 2017	भारत	124 रन से जीता
18 जून 2017	पाकिस्तान	180 रन से जीता
23 फरवरी 2025	भारत	छह विकेट से विजयी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक

शतक	बल्लेबाज
100	सचिन तेंदुलकर
82	विराट कोहली
71	रिकी पोंटिंग
63	कुमार संगकारा
62	जैक्स कैलिस

यह पारी बहुत विशेष है क्योंकि इससे हमारी सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें मजबूत हुई हैं। रोहित के जल्दी आउट होने के बाद साझेदारी की जरूरत थी और मैंने स्ट्राइक रोटेट पर अधिक ध्यान केंद्रित किया और अधिक जोखिम नहीं उठाने का निर्णय किया। हमने पिछले मैच की गलतियों से सीखने का निर्णय किया था। गिल और उनके बाद अय्यर ने भी अच्छी बल्लेबाजी की। इस परिस्थिति में हर बल्लेबाज द्वारा रन आना सुखद है।
-**विराट कोहली**, प्लेयर आफ द मैच

आइसीसी पुरस्कारों के साथ जसप्रीत बुमराह ● आइसीसी

मैच से पहले बुमराह को किया गया सम्मानित

दुबई, प्रेट्र: भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्राफी मैच शुरू होने से पहले आइसीसी के साल 2024 के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। बुमराह पीठ में चोट के कारण चैंपियंस ट्राफी में नहीं खेल रहे हैं। बुमराह को इन दोनों पुरस्कारों के अलावा 2024 के लिए पुरुष टेस्ट और टी-20 टीमों में जगह बनाने के लिए 'टीम कैप (टोपी)' भी सौंपी गई। आइसीसी चेयरमैन जय शाह ने बुमराह को ये पुरस्कार दिए।

दुबई में मैच देखते क्रिकेटर अभिषेक शर्मा, अभिनेता चिरंजीवी और क्रिकेटर तिलक वर्मा ● एक्स

हमने जिस तरह से गेंदबाजी की वह प्रशंसनीय है। पाकिस्तान को 240 पर रोक देना बहुत अच्छा था। लाइट में बल्लेबाजी करना आसान रहता है, लेकिन पिच स्लो भी होती है। हालांकि, हमारे पास एक ऐसी बल्लेबाजी है जो लक्ष्य हासिल कर सकती थी। पिछले मैच में जडेजा ने प्रदर्शन किया और आज अक्षर, हार्दिक और कुलदीप ने प्रदर्शन किया। कोहली बहुत वर्षों से ऐसे प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं और उन्हें ऐसे पारी खेलता देख आश्चर्य चकित होने वाली बात नहीं है। उनके साथ ही अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। मेरी हैमस्ट्रिंग अभी ठीक है।
-**रोहित शर्मा**, भारतीय कप्तान

भाजपा सांसद विपल्व देव, आइसीसी चेयरमैन जय शाह और मेघालय के सीएम कोनराड संगमा ● एक्स

एक नजर में

जीत की राह पर लौटने उतरेगा आरसीबी

बेंगलुरु: कप्तान स्मृति मंधाना की शानदार फार्म, मध्यक्रम के बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन तथा घरेलू दर्शकों के अपार समर्थन के दम पर आरसीबी सोमवार को यूपी वारियर्स के विरुद्ध बेहतर खेल दिखाकर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में जीत की राह पर लौटने की कोशिश करेगा। भारतीय उप कप्तान मंधाना लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। आरसीबी की टीम हालांकि दीप्ति शर्मा की अगुआई वाली टीम को किसी भी तरह से हल्के में लेने की गलती नहीं करेगी जो पिछले मैच में जीत हासिल करके उत्साह से भरी है। (प्रेट्र)

इंग्लैंड के विरुद्ध जीतने उतरेगी हाकी टीम

भुवनेश्वर: आयरलैंड के विरुद्ध लगातार दो जीत के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय पुरुष हाकी टीम अपने से ऊंची रैंकिंग वाली इंग्लैंड टीम के विरुद्ध सोमवार को एफआइएच प्रो लीग के मैच में इसी लय को कायम रखने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम छह मैचों में 12 अंक लेकर फिलहाल चौथे स्थान पर है। वहीं महिला टीम के सामने नीदरलैंड्स की चुनौती होगी। (प्रेट्र)

इयान चैपल ने पत्रकारिता करियर को विराम दिया

नई दिल्ली: आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने रविवार को अपना अंतिम कालम लिखकर पांच दशक से अधिक समय तक चले पत्रकारिता करियर को अलविदा कह दिया। चैपल ने लिखा, लिखते हुए आनंद के कई पल आए, विशेष रूप से सचिन का चेन्नई में वार्न से मुकाबला करना। ब्रायन लारा की प्रतिभा, रिकी पोंटिंग की आक्रामकता और कोलकाता में वीवीएस लक्ष्मण की 281 रन की कलात्मक पारी के बारे में लिखना शामिल है।' (प्रेट्र)

भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान खिलाड़ियों में प्रतिद्वंद्विता की कमी पर बोले पूर्व पाकिस्तानी कप्तान सरफराज

इंटरनेट मीडिया के कारण ये 'सब करना पड़ता' है

अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण

दुबई: भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान दोनों देशों के खिलाड़ियों के बीच प्रतिद्वंद्विता में कमी आई है और अब दोनों देशों के खिलाड़ी आपस में भिड़ते हुए कम दिखते हैं। यही नहीं मैच के पहले या बाद दोनों टीमों के क्रिकेटर गलबहियां करते हुए भी दिखते हैं। जब इस बारे में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज खान से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि पहले भी मैच के बाद दोनों देशों के खिलाड़ी आपस में मिलते थे। दोस्त होते थे। इंजी भाई, शोएब अख्तर, सौरव गांगुली, सचिन तेंदुलकर के दूसरी टीमों में अच्छे दोस्त थे, लेकिन ये सब मैदान में पूरी तरह आक्रामक रहते थे। अब ये थोड़ा कम हो गया है। इंटरनेट मीडिया के कारण ये सब करना पड़ता है।

सरफराज खान ● फाइल फोटो

सरफराज ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर पर सवाल पूछने पर कहा, 'लोगों को विराट और रोहित के बारे में बात भी नहीं करनी चाहिए। भारत के लिए उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। विराट ने भारत के लिए मुश्किल मैच जीते हैं और मैंने उन मैचों को देखा है। आप कल्पना नहीं कर सकते कि उन्होंने भारत के लिए किस तरह का प्रदर्शन किया है। रोहित के लिए भी यही बात लागू होती है। जिस तरह से वह टीम का नेतृत्व कर रहे हैं वह शानदार है। उन्होंने 2023 (वनडे) विश्व कप में टीम का बेहतरीन तरीके से नेतृत्व किया और इसके बाद टी 20 विश्व कप जीता। दोनों को खेलने दें और तय करने दें कि वे क्या करना चाहते हैं। आपको उनके आसपास ही अपनी टीम बनानी चाहिए। जिस तरह से उन्होंने टी-20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कहा उसी तरह से वे अन्य प्रारूपों में भी करेंगे। आपको उन्हें हटाकर टीम नहीं बनानी चाहिए, आपको उन्हें शामिल करके टीम बनानी चाहिए।'

सरफराज ने कहा कि पाकिस्तान को भी इसी तरह बाबर को केंद्र में रखकर टीम तैयार करनी चाहिए। पूर्व कप्तान बाबर भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्राफी मैच में महज 23 रन पर आउट हो गए। उन्होंने कहा, 'बाबर एक अलग खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि उन्हें (पाकिस्तान) टीम को इस तरह से तैयार करना चाहिए कि बाबर भारत के लिए विराट की तरह पूरे 50 ओवर खेल सकें। वह शुरुआत में समय लेते हैं और फिर खेल को आगे बढ़ाते हैं। उनका (बाबर का) लक्ष्य किसी पर क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए पूरे 50 ओवर तक खेलने का होना चाहिए। उनके साथ मौजूद दूसरे बल्लेबाजों को तेजी से रन बनाने का जिम्मा उठाना चाहिए।'

सरफराज ने भारत के पाकिस्तान नहीं जाने पर उन्होंने कहा, 'मैं आपसे पाकिस्तानी लोगों का सामान्य दृष्टिकोण साझा करना चाहूंगा। वे भारतीय टीम को पाकिस्तान में देखना चाहते हैं। पाकिस्तान के लोग भारत और उनके क्रिकेटरों से बहुत प्यार करते हैं और वे उनका बहुत सम्मान करते हैं।'

न्यूजीलैंड के विरुद्ध बांग्लादेश के लिए 'करो या मरो' का मुकाबला

रावलपिंडी, प्रेट्र: पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित न्यूजीलैंड की टीम चैंपियंस ट्राफी ग्रुप ए के मैच में सोमवार को हार से शुरुआत करने वाले बांग्लादेश के विरुद्ध जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी। वहीं बांग्लादेश के लिए यह मैच 'करो या मरो' वाला होगा क्योंकि एक और हार चैंपियंस ट्राफी के दरवाजे बंद कर देगी।

न्यूजीलैंड की टीम ने अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 60 रन से हराया था और बड़ी जीत से उसका नेट रन रेट भी अच्छा हुआ है। बांग्लादेश पर जीत से वह सेमीफाइनल में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच जाएगा।

नजमुल हसन शांतो ● फाइल फोटो, प्रेट्र

दूसरी तरफ भारत से हार के बाद बांग्लादेश का नेट रन रेट भी खराब है और उसे सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बने रहने के लिए न्यूजीलैंड के विरुद्ध हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। न्यूजीलैंड ने पहले मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया था। जहां तक बांग्लादेश का सवाल है तो उसके सामने अब बड़ी चुनौती है।

वेस्ट हैम से मिली हार के साथ आर्सेनल पिछड़ा

लंदन, एपी : आर्सेनल के शानदार स्ट्राइकर को टीम में शामिल करने की विफलता उन्हें प्रीमियर लीग खिताब जीतने के अवसर से वंचित कर सकती है। साथ ही निरंतर मिल रहे रेड कार्ड ने भी टीम की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रहा लिवरपूल जहां एक ओर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, दूसरी ओर दूसरे स्थान पर चल रहे आर्सेनल ने घरेलू मैदान पर हुए मैच में वेस्ट हैम से 1-0 से हारकर अपनी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इस हार के साथ ही अब लिवरपूल की बढ़त आठ अंकों की हो गई है।

वेस्ट हैम के जैरोड बोवन ने 44वें मिनट में हेडर से गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई, जो अंत में निर्णायक साबित हुआ। यह विगत आठ मुकाबलों में वेस्ट हैम की पहली जीत है। आर्सेनल की परेशानियां केवल हार तक समाप्त नहीं हुईं, 73वें मिनट में उनके लेफ्ट बैक माइल्स लुइस स्केली को वीडियो रिव्यू के बाद रेड कार्ड दे दिया गया। यह इस सत्र में टीम का पांचवां रेड कार्ड है, जिसने कोच आर्टेटा के कार्यकाल में टीम के अनुशासन को सवालों के घेरे में ला दिया है।

कोच आर्टेटा ने जताई नाराजगी, शीर्ष पर चल रहे लिवरपूल से अब आठ अंक हुए पीछे

मार्टिन ओडगार्ड ● एएफपी

बीसीसीआइ के नए संयुक्त सचिव होंगे रोहन देसाई

नई दिल्ली, जेएनएन : गोवा क्रिकेट संघ के सचिव रोहन देसाई भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के नए संयुक्त सचिव होंगे। रोहन ने शनिवार को संयुक्त सचिव पद के लिए नामांकन किया। देवजीत सैकिया के सचिव बनने के बाद से यह पद खाली था। मुंबई में एक मार्च को बीसीसीआइ की विशेष आम सभा (एसजीएम) में नए संयुक्त सचिव चुना जाएगा। रोहन देसाई इस पद के लिए अकेले उम्मीदवार हैं, इसलिए उनका चयन तय है।

पिछले वर्ष नवंबर में रोहन को दक्षिण अफ्रीका में चार टी-20 मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का मैनेजर बनाया गया था। देसाई को गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत का करीबी माना जाता है। रोहन से पहले असम से आने वाले सैकिया सचिव तो छत्तीसगढ़ के प्रभतेज भाटिया को कोषाध्यक्ष चुना गया था।

17 वर्षीय आंद्रीवा बनीं दुबई ओपन चैंपियन

टेनिस डायरी

दुबई, एपी : रूस की 17 वर्षीय खिलाड़ी मीरा आंद्रीवा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दुबई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में क्लारा टाउसन को 7-6 (1), 6-1 से हराकर अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब हासिल किया। इस जीत से एंड्रीवा का अगले सप्ताह विश्व रैंकिंग में पहली बार शीर्ष 10 में शामिल होना सुनिश्चित हो गया है। वह 2007 में निकोल वैदिसोवा के बाद ऐसा हासिल करने वाली पहली 17 वर्षीय खिलाड़ी बन जाएगी। आंद्रीवा ने दुबई चैंपियनशिप में शुरू से लेकर अंतिम शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने फाइनल तक के अपने सफर में 2023 की विंबलडन चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा, पांच बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक और 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना को हराया।

मीरा आंद्रीवा ● रायटर | आंद्रे रुबलेव ● एएफपी

कतर ओपन में दूसरी बार चैंपियन बने रुबलेव

दोहा, एपी : आंद्रे रुबलेव ने अपनी मानसिक दृढ़ता का अच्छा नमूना पेश करते हुए जैक ड्रेपर को तीन सेट तक चले फाइनल मुकाबले में 7-5, 5-7, 6-1 से हराकर दूसरी बार कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। रुबलेव ने तीन दिन में तीसरी बार तीन सेट में जीत हासिल की। रूस के इस खिलाड़ी ने इससे पहले अपने पिछले दो मैचों में एलेक्स डी मिनौर और फेलिक्स आगर एलियासिमे के खिलाफ भी दूसरा सेट गंवा दिया था। रुबलेव ने मैच के बाद कहा, 'मैं मानसिक रूप से वास्तव में मजबूत बना रहा और मैंने निराशा को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया।' रुबलेव ने इससे पहले 2020 में कतर ओपन का खिताब जीता था। यह पहला टूर्नामेंट है जिसमें वह दूसरी बार चैंपियन बने हैं।

****

कहानी

प्रत्यक्षा सिन्हा
गुरुग्राम, हरियाणा

बचपन की जिज्ञासा, कल्पना और मां के स्नेहिल संसार के परितः एक बच्ची द्वारा दुनिया के प्रतीक ग्लोब और एटलस के माध्यम से वास्तविक दुनिया को समझने की कथा...

सबसे बड़ा ग्लोब

इलस्ट्रेशन: अवधेश राजपूत

हमारे घर एक बैरोमीटर, एक लैक्टोमीटर और एक ग्लोब था। एक थर्मामीटर भी था, जो टूट गया था और जिसका पारा हमने एक पारदर्शी डिब्बी में इकट्ठा कर रखा था। लैक्टोमीटर से हम दूध की शुद्धता नापते थे। उन दिनों हमारे घर में फ्रिज नहीं था और मां दिन में चार बार दूध गरम करती थीं कि खराब न हो। हम स्टील के कटोरे में दूध डालकर जांचते थे। उसमें पानी डाल-डाल कर देखते कि लैक्टोमीटर सही बता रहा है या नहीं। हर बार सही माप हमें भौंचक करता और हम एक-दूसरे को देख विजयी भाव से हंसते थे, जैसे यह कोई जादू का खेल हो, जिसे हमने ही अंजाम दिया था।

गर्मी की चट दोपहरियों में मां साड़ी का आंचल एक तरफ फेंककर पंखे के नीचे फर्श पर चित सो जाया करती थीं, तब हम चुपके से दबे पांव बैरोमीटर लेकर बाहर निकल जाया करते। पुटुस की झाड़ियों की ठंडी छांह में भुरभुरी मिट्टी में तलवे धंसाए हम बैरोमीटर पढ़ते। उसका माप हमारे समझ के बाहर था, फिर भी उसकी बढ़ती-घटती रीडिंग देखना हमें अन्वेषणकर्ता बना देता था। ग्लोब पढ़ना अलबत्ता अकेले का खेल था। धीमे-धीमे उसे हम घुमाते और आंख बंद कर कहीं अंगुली रख देते। कुछ पल में ही एशिया से योरोप या दक्षिण अमेरिका पहुंच जाते। हम जगह सीख रहे थे- लीमा, पेरु, इस्तांबुल से बढ़ते हुए हम बुरकिना फास्सो, उलन बटूर, युरुग्वे, समोआ, तिमोर, इस्तोनिया, किरीबाटी, सान मरीनो तक पहुंच गए थे। फिर हमने एटलस पढ़ना शुरू किया। जमीन पर एटलस फैलाए हम मूड़ी जोड़े महीन अक्षरों को अंगुलियों से पढ़ते, फिर हमने पुरानी दराजों को खंगालते हुए मैग्नीफाइंग ग्लास को खोजा। उससे न सिर्फ अक्षर बड़े हो जाते थे, बल्कि हथेलियों की रेखाएं और अंगुलियों के पोरों के महीन घुमाव से लेकर त्वचा के रोमछिद्र तक विशाल दिखाई देते। पकड़ी हुई मक्खी का शरीर और चम्मच पर रखे शक्कर का दाना भी। और, सबसे मजे की बात यह कि सूरज की किरण को फोकस कर नीचे रखे अखबार का एक कोना भी जलाया जा सकता था।

पर, ये सब दूसरे दर्जे के खेल थे। असली मजा एटलस और ग्लोब पढ़ने का ही था। टुंड्रा, सवाना और पंपास समझने का था। पहाड़ों पर उगते मॉस लिचेंस और रोडोडेंड्रान जानने का था। एटलस को छाती से सटाए चित्त लेटकर छत देखने का था। छत देखते उन दूरदराज जगहों की गलियों में भटकने का था। मोरोक्कन जेल्लाबा, अरब हिजाब, काहिरा की गलियां, स्पैनिश क्रूसेड्स बोलने का था। दिन में सपने देखने का था, जबकि स्कूल में भूगोल मेरा प्रिय विषय नहीं था। इसमें सरासर गलती सिस्टर रोजलिन की थी। सिस्टर रोजलिन हमें भूगोल पढ़ाती थीं। उनके टखने नाजुक थे और पांव सुडौल। वे पतले काले फीते वाले सैंडल पहनती थीं और उनके सफेद हैबिट के नीचे उनके टखने और पांव नाजुक सुडौल दिखते थे। जब वे टेंपरेट और मेडिटेरानियन क्लाइमेट पढ़ातीं थीं, मैं उनके पांव और पतली कलाई और लंबी अंगुलियां देखती थी।

मां सुबह रोटियां बेलते वक्त गाने गाती थीं। बांग्ला गीत, चांदेर हाशी... या फिर भोजपुरी लोकगीत, कुसुम रंग चुनरी... या फिर फिल्मी गाने, रहते थे कभी जिनके दिल में...। मां काम करते वक्त गाने गाती थीं। चूंकि वह दिन भर काम करती थीं, हम दिन भर उनके गाने सुनते थे। उनकी आवाज में खनक थी। उनकी आवाज तहदार थी और पाटदार। मुझे लगता था उनकी आवाज पतली क्यों नहीं। मैं कई बार रात को प्रार्थना करती, सुबह उठूं तो उनकी आवाज पतली हो जाए या फिर मैं अपने कश्मीरी दोस्त की तरह गोरी हो जाऊं। बहुत बरस बीतने पर यह मेरी समझ में आया था कि मां की आवाज बेहद खूबसूरत थी, उसका एक अपना कलेवर था, अपना वजन और जो अपने आप को कहीं भी पहचान करवा सकता था। उस आवाज में एक खराश भरी लय थी, लोच था, जो लंबी तान में चक्करघिन्नियां खा सकता था। बिना टूटे, बिना बिखरे, जो कहीं दूर वादियों से उदास झुटपुटे की महक ला सकता था। जिसमें दिल मरोड़ देने वाली चाहत की प्रतिध्वनि थी। मेरे पिता मां की उस आवाज पर कैसे फिदा हुए होंगे, यह समझना बेहद आसान था।

मां दिन में एक घंटा सोती थीं। तब हम दूसरे कमरे में होते, जहां किताबें ही किताबें थीं। चौकोर भूरे दस लकड़ी के बक्से, जिनको हम कभी पिरामिड की तरह सजाते, कभी एक के ऊपर एक रखते। चार नीचे, फिर उनके ऊपर तीन, फिर उनके ऊपर दो और सबसे ऊपर एक। सबमें किताबें सजी होतीं। बालजाक, प्रूस्त, जोला, फ्लाबेयर, इलिया कजान, लौरेंस। इनके साथ-साथ महादेवी, रेणु, निराला, प्रेमचंद। बरसात के दिनों में गीले कपड़ों की महक इन किताबों में बस जाती। आज भी बरसात की महक से उन किताबों की महक आती है। पेट के बल लेटकर किताब पढ़ते-पढ़ते थककर सो जाते, फिर मां के गाने की आवाज से नींद खुलती। मां शाम के खाने की तैयारी में लगी होतीं। बाहर धुआं होता या फिर शायद रात घिरने को आती। लैंपपोस्ट्स पर बल्ब के चारों ओर लहराते पतिंगों का गोला होता और झींगुरों की हमहम होती। हमारे सब साथी छुट्टियों में गांव गए होते और अचानक शाम घिरते हम उदासी में डूब जाते। बैरोमीटर, टूटे थर्मामीटर का पारा, ग्लोब, सब आलमारी पर असहाय अकेले रखे होते। बिना संगी के, सिर्फ एक-दूसरे के साथ से हम अचानक ऊब से भर उठते। मां के गाने में भयानक उदासी होती। हम चुप खिड़की के शीशे से नाक सटाए अंधेरे में आंख फाड़ देखते कि शायद पिता, जो महीने भर के लिए बाहर थे, आज आ जाएं। आज ही आ जाएं।

मां दूध में रोटी डालकर पका देतीं। दूध जरा-सा किनारों पर जल जाता और रोटी भीगकर मुलायम हो जाती। घर में सोंधी खुशबू फैल जाती। खिड़की के बाहर अमरूद के पेड़ की डाली शीशे से टकराती। मां कहतीं जल्दी खाना खा लो, फिर हम बाहर बैठेंगे। रात की हवा गर्मी भगा देती और हम खटिया पर लेटे चित तारों को देखते। मां धीमे-धीमे गुनगुनातीं, फिर कहतीं, बस अब बीस दिन और। फिर कहतीं, गर्मी अब कम है। हम दोनों मां को देखते, फिर चुपके से हंसते। पिता ने वादा किया था कि इस बार बड़ा ग्लोब लाएंगे, जिसमें छोटे शहर और नदियां और पहाड़ भी दिखेंगे। हम चांद को देखते और हमारी आंखों में नींद भर जाती। रात किसी वक्त, जब शीत गिरती और हम ठंड से सिकुड़ जाते, हमारे पैर हमारी छाती से जुड़ जाते। मां हमारे शरीर पर चादर डाल देतीं और दुलार से हमारे बाल सहला देतीं। हम नींद में मुस्कुराते और अस्फुट बुदबुदाते, शायद समोआ, तिमोर और लीमा।

pratyaksha@gmail.com

शिव-स्तवन

रघोत्तम शुक्ल
लखनऊ, उत्तर प्रदेश

शशिशिर शैलजेश शर्व शांभवी के पति

शंकर शशांकशीश शंभु शिव शूलपाणि,
शशिशिर शैलजेश शर्व शांभवी के पति।
कंठ कालकूट कामकदन कपाली काली-
कंत करुणाकर कपर्दी है कृपालु अति।
भूतनाथ भव्य भव भस्म-अंग भालज्वाल,
भीम भवतारक भवेश भक्त-अंतगति।
चैलहीन चंड चिंत्य शुक्ल-चित्त-चिंतामणि,
चंद्रचूड़ चारु अंघ्रि-युग्म में मदीय रति।

शीश गंग शत्रु हैं अनंग के असंग संग-
बाम बामदेव अंग नित्य शैलजा विभाति।
भूख मात्र भाव की स्वभक्त चित्त में निवास,
मानते न भेद कौन वंश संप्रदाय जाति।
कंठ में पड़ी कपाल दाम, है जटाल नाम,
दास चातकों के हेतु तृप्ति मूल विंदु स्वाति।
ख्याति है कि हो छदाम योग्य जो न मंद भाग्य,
दें उसे तमाम हो प्रसन्न काम के अराति।

छंद : रूप घनाक्षरी

shuklaraghottam@gmail.com

पुस्तक परिचय
हिंदी के शब्दों की समझ

प्रख्यात भाषाविद कमलेश कमल की पुस्तक शब्द-संधान हिंदी भाषा के उन शब्दों को तार्किक रूप से समझाती है, जिनके अर्थ शब्दकोशों में जानकर भी कुछ न कुछ जानना शेष रह जाता है। इस पुस्तक में शब्दों की व्युत्पत्ति, धातु, वर्तनी, अर्थ, पर्यायवाची, शब्दों में विभेद तथा उनके सटीक प्रयोगों को स्थान दिया है, जिसके कारण शब्द संधान पूर्ण होता है। हिंदी प्रेमियों, विद्यार्थियों व हिंदी के अध्येताओं को यह पुस्तक अवश्य पढ़नी चाहिए।

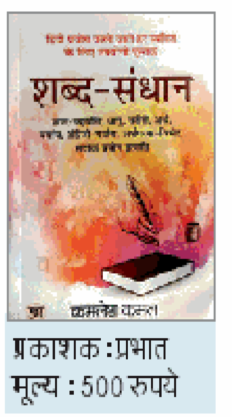

प्रकाशक : प्रभात
मूल्य : 500 रुपये

- विवेक भटनागर

पुस्तकें मिलीं

पुस्तक : संभवामि युगे-युगे (विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध संघर्षगाथा)
लेखक : कुमार सुरेश
प्रकाशक : विद्याविहार नई दिल्ली
मूल्य : 300 रुपये

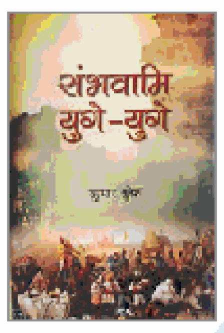

पुस्तक: आठवें मालेपर स्वाधिष्ठान (कविता संग्रह)
लेखिका: चिन्मयी त्रिपाठी
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन
मूल्य : 200 रुपये

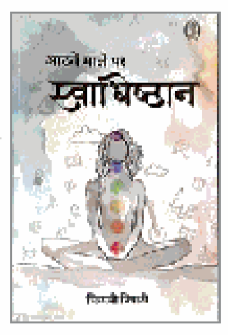

भाषा विमर्श

डा. बुद्धिनाथ मिश्र
देहरादून, उत्तराखंड

'स' को 'श' क्यों बोलते हैं आप?

पढ़े-लिखे लोग भी 'नमस्कार' का उच्चारण 'नमश्कार' करते हैं। 'स' को 'श' बोलने से अर्थ का अनर्थ भी हो सकता है...

'अनीश' संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ 'सर्वोपरि' होता है। अन्+ईश अर्थात जिसका कोई स्वामी नहीं हो, यानी जो स्वयं अपना मालिक हो। यह शब्द महादेव शिव, विष्णु और योगीश्वर कृष्ण का विशेषण है। अनीश से मिलता-जुलता उर्दू का 'अनीस' शब्द संस्कृत का ही अपभ्रंश है और प्राकृत के अलावा अरबी और उर्दू में भी प्रचलित है। उसका भी प्रमुख अर्थ सर्वोच्च ही है। कुछ क्षेत्रों में संस्कृत के पंडित परिनिष्ठित भाषा का प्रयोग करते समय 'स' को 'श' बोल देते हैं, जैसे 'इश शमय आप शुंदर लग रहे हैं'। इस 'स' और 'श' के सही उच्चारण न करने पर अर्थ का अनर्थ भी हो सकता है। इस संदर्भ में मुझे संस्कृत का एक श्लोक याद आता है :

यद्यपि बहु नाधीषे तथापि पठ पुत्र व्याकरणम्।
स्वजनो श्वजनो माऽभूत् सकलं शकलं सकृत्शकृत्॥

यह एक सूक्ति है। इसका अर्थ है कि पुत्र, भले ही तुमने बहुत शास्त्र पढ़ा हो, परंतु व्याकरण अवश्य पढ़ो, ताकि 'स्वजन' (अपने लोग) 'श्वजन' (कुत्ते) न हों, 'सकल' (सब) 'शकल' (टुकड़े) न हों और 'सकृत्' (एक बार) 'शकृत्' (मल) न हो। यही अंतर शंकर (महादेव) को संकर से (मिश्रित, दोगला) पृथक करता है। स्वाधीनता के बाद संकर नस्ल के बीजों को इतना महत्व दिया गया कि भगवान शंकर के प्रतीक मूल बीज का बचा रहना कठिन हो गया।

हमारी भाषाओं के व्याकरण में प्रत्येक ध्वनि का उच्चारण करने के लिए स्थान निर्धारित है। स दंत्य, ष मूर्धन्य और श तालव्य कहलाता है, क्योंकि इनका उच्चारण जीभ के क्रमशः दांत, मूर्धा और तालु के स्पर्श से होता है। इनमें ष का उच्चारण कहीं-कहीं ह के रूप में भी होता है। इसी से पुष्प को लोकभाषा में पुहुप कहा जाता है। पंडित समाज में यदि उड़द को भी सामिष मानते हैं तो उसका एक बड़ा कारण उसका संस्कृत नाम माष है, जो उच्चारण में मांस का समगोत्री लगता है।

संस्कृत का प्रकाश हिंदी में भी प्रकाश ही बना रहा, लेकिन विकाश हिंदी में आकर विकास बन गया। श का ध्यान हमें केवल संस्कृत शब्दों के उच्चारण में ही नहीं, हिंदी में नागरिकता प्राप्त अंग्रेजी और अरबी-फारसी शब्दों को उच्चारते समय भी देना चाहिए।

buddhinathji@gmail.com

कृपया इस पेज के बारे में अपनी सम्मति एवं सुझावों से अवगत कराएं : feature@jagran.com

संगीतायन

सुनंदा शर्मा
नोएडा, उत्तर प्रदेश

शिव और शक्ति का प्रतीक राग शंकरा

शिव के सभी तत्व ऊर्जा, शक्ति, रौद्र, भक्ति, और गूढ़ता राग शंकरा में विद्यमान रहते हैं। यह ओज का राग है।

कहा जाता है कि संगीत का प्रथम नाद और शब्द 'ॐ' सर्वप्रथम भगवान शंकर के मुख से निकला। राग शंकरा मानो नादब्रह्म और शिव की ऊर्जा का प्रतीक है। मुगल और पहाड़ी शैली के राग शंकरा के ध्यान-चित्रों में भगवान शिव को ध्यान मुद्रा में विराजमान दर्शाया गया है, जहां पृष्ठभूमि में चंद्रमा, गंगा और रात्रिकालीन दृश्य अंकित हैं। वहीं, बंगाल और दक्षिण भारतीय शैली के ध्यान-चित्रों में राग शंकरा के भक्ति रूप को दर्शाया गया है, जहां ध्यानमग्न शिव के पीछे कैलास पर्वत तथा प्रवाहित गंगा का चित्रण हुआ है। शिव के सभी तत्व - ऊर्जा, शक्ति, तांडव, भक्ति, और गूढ़ता, सभी राग शंकरा में हैं। राग शंकरा का आरोह (सा ग, प, नि ध सां) और अवरोह (सां निप, नि ध, सां नि प, ग, रे सा) सुनकर प्रतीत होता है मानो यह राग सारे शुद्ध स्वरों को लिए हुए शिव की ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक हो। यही कारण है कि राग शंकरा में ओज की अभिव्यक्ति होती है। पंडित राजन मिश्र और साजन मिश्र ने इस राग में मधुर शिव भजन गाया है- जय शिवशंकर जय गंगाधर। राग शंकरा की एक रचना महाशिवरात्रि का सुंदर गीत है, जिसमें माता पार्वती राग शंकरा में गाती हैं - 'सावलड़ो मन भायो। देखत ही चितड़ो लुभायो।' राग शंकरा के गायन और वादन में चित्त-वृत्ति स्वतः ही शिवतत्व को अंगीकार करने लगती है और कलाकार नाद योगी की अवस्था प्राप्त कर लेता है। जब कलाकार इस अवस्था को पा लेते हैं, तो राग शंकरा में शंकर के दर्शन होने लगते हैं।

स्फुरद् गानं सुमधुरं शशांककृतशेखरम्।
रागशंकरनामानं वंदे सच्चिदानंदकम्॥

अर्थात राग शंकरा की मधुरता और भगवान शिव में गहरा संबंध है, जो शिव सच्चिदानंद अर्थात सत, चित और आनंद के प्रतीक हैं।

फिल्मों में इस राग पर आधारित कई गाने संगीतबद्ध किए गए, जिनमें फिल्म सुशीला का मुबारक बेगम का गाया- बेमुरव्वत बेवफा... लोकप्रिय हुआ था। तानसेन फिल्म में केएल सहगल ने रुमझुम रुमझुम गाया। फिल्म देस परदेस के टाइटल सांग को राजेश रोशन ने राग शंकरा के स्वरों में संजोया था।

sunandash@gmail.com

आज का भविष्यफल- 24 फरवरी, 2025 सोमवार

पं. के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष एकादशी।
आज का राहुकाल : प्रातः 07 बजकर 30 मिनट से 09 बजे तक।
आज का दिशाशूल : पूर्व
आज का पर्व एवं त्योहार : विजया एकादशी
विशेष : मंगल मार्गी

कल 25 फरवरी, 2025 का पंचांग

कल का दिशाशूल : उत्तर
कल का पर्व एवं त्योहार : भौम प्रदोष व्रत
विक्रम संवत 2081 शके 1946 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु फाल्गुनमास कृष्ण पक्ष की द्वादशी 12 घंटे 48 मिनट तक, तत्पश्चात त्रयोदशी उत्तराआषाढ़ा नक्षत्र 18 घंटे 31 मिनट तक, तत्पश्चात श्रवण नक्षत्र, व्यतिपात योग 08 घंटे 15 मिनट तक, तत्पश्चात वरियान योग, मकर में चंद्रमा।

मेष : महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। शासनसत्ता का सहयोग मिलेगा।

वृष : रिश्तों में निकटता आएगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या धर्मगुरु का सहयोग रहेगा।

मिथुन : सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। धन हानि की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

सिंह : पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।

कन्या : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।

तुला : शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।

वृश्चिक : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक प्रगति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफलता मिलेगी।

धनु : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग और सान्निध्य मिलेगा। रिश्तों में निकटता आएगी।

मकर : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुंभ : विरोधी परास्त होगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी, पर मन अशांत रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मीन : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा।

वर्ग पहेली-2908

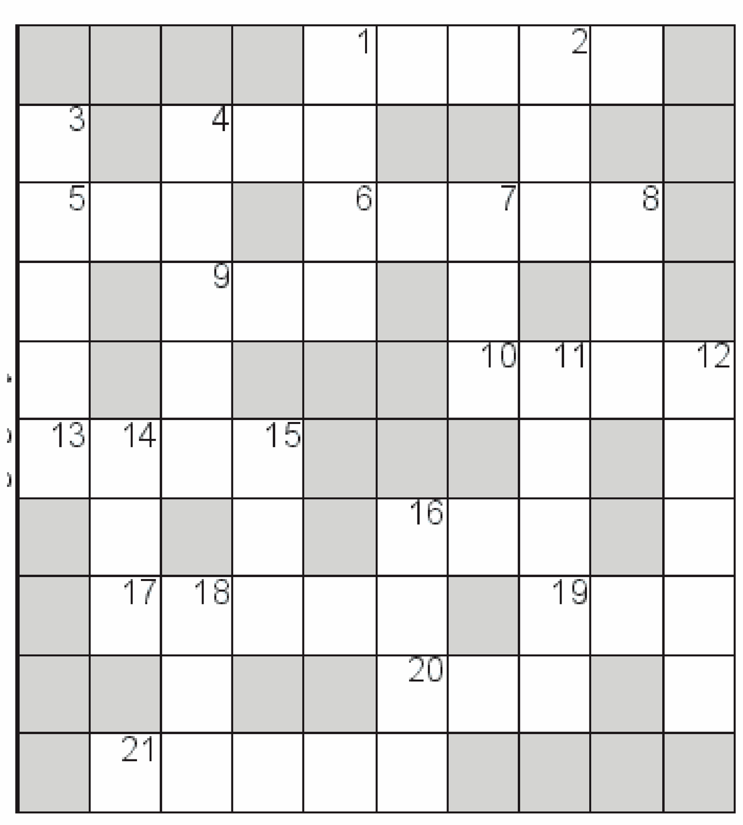

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं
1. कर्मठता, कर्मण्यता, कार्रवाई (5)। 4. बड़ा जंगल, घना वन (3)।
5. तपा हुआ (3)।
6. देवताओं का समूह, देवताओं के रहने का स्थान (5)।
9. बड़बड़ाना, आलतू-फालतू बोलना (3)। 10. दाढ़ी के बाल बनाने का काम (4)।
13. कठिनता (4)।
16. दंगा-फसाद (3)।
17. सुरसुरी उत्पन्न करना (5)।
19. चर्म (3)।
20. पहरेदार, रक्षा करनेवाला (3)। 21. ऊहापोह (5)।

ऊपर से नीचे
1. ध्यान देना (2,2)।
2. स्वाद (3)।
3. संसार का नाश करनेवाला, यमराज (5)।
4. प्रयोजन निकलना (2,3)।
7. नम्र एवं शांत (3)।
8. जिसका कोई न हो, अनाथ (3)।
11. जाति बताने वाला (5)।
12. तड़-तड़ शब्द होना (5)।
14. संकोच (3)।
15. देखने वाला, विचार करने वाला (3)।
16. इस नगर के ठग होते थे मशहूर (4)।
18. लिखने वाला (3)।

कल का हल

क (1)	न	क (2)		ख (3)	ब	र	न	वी	स (4)
या		र		ति					म
स		वा (5)	क	या		कि (6)	स (7)	ल	य
ल		ना		ना (8)	टा		वा		
गा			या (9)			मे (10)	ल	जो	ले (11)
नी (12)	ते	दा (13)	री			धा			ड़
		य		ना (14)	क (15)		द (16)		ख
द (17)	म	क	ल		त (18)	ला	शी		ड़ा
र्प					र		क		ह
क (19)	स	र	र	ख	ना		रं (20)	प	ट

जागरण सुडोकू-2908

3		6	8			4		7
	8		5				1	
	4				3		6	2
		9	3		8		4	
6	7			9				
			6				9	
5	9				6	1		8
		7	2					
4				3		6		5

कल का हल

8	7	6	5	4	9	1	2	3
3	4	1	6	2	8	9	7	5
2	5	9	7	1	3	6	4	8
9	6	4	3	8	1	2	5	7
1	3	5	2	7	6	8	9	4
7	8	2	9	5	4	3	1	6
5	1	7	8	3	2	4	6	9
4	9	3	1	6	7	5	8	2
6	2	8	4	9	5	7	3	1

राष्ट्रीय फलक

प्रतिकूल परिस्थितियों में भी निर्माण कार्य समयानुकूल गतिशील

लवलेश कुमार मिश्र • जागरण

- राम मंदिर में भक्तों के निरंतर आगमन के बाद भी मध्यम गति से चल रहा मुख्य शिखर व उप मंदिरों का निर्माण
- देवी-देवताओं के दो मंदिरों समेत मुख्य शिखर में 19 परत तक पत्थरों का संयोजन हुआ पूरा

अयोध्या: रामलला के दर्शन के लिए देश के विभिन्न प्रांतों से श्रद्धालुओं का नित्य आगमन हो रहा है। प्रतिदिन तीन लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं। पूरे रामजन्मभूमि परिसर में इन दिनों भोर से देर रात्रि तक बड़ी संख्या में भक्तों का आवागमन होता रहता है, फिर भी कोई भी निर्माण ठप नहीं पड़ा। न केवल राम मंदिर के मुख्य शिखर में पत्थरों का संयोजन किया जा रहा, अपितु परिसर के उप मंदिरों का निर्माण भी चल रहा है। यह अलग बात है कि भक्तों के निरंतर आगमन व प्रतिबंधों की वजह से कार्य द्रुत गति से नहीं हो पा रहे हैं। कार्यदायी एजेंसियों का यह प्रयास है कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी निर्माण समयानुकूल रखे जा सकें।

राम मंदिर में एक ओर दर्शन चल रहा तो दूसरी ओर रामजन्मभूमि परिसर में ही सप्तर्षियों व देवी-देवताओं के मंदिरों और राम मंदिर के प्रथम व द्वितीय तल सहित मुख्य शिखर का निर्माण जारी है। साथ ही पूरे परिसर को एक सूत्र में बांधने और श्रद्धालुओं के परिक्रमा के लिए आठ सौ मीटर लंबा परकोटा भी निर्मित हो रहा है। मंदिर की प्रथम वर्षगांठ के उपरांत गत माह से श्रद्धालुओं की संख्या अप्रत्याशित रूप से बढ़ी और अयोध्या में विभिन्न स्थानों पर प्रतिबंध लागू किए गए तो आवागमन प्रभावित जरूर हुआ, लेकिन कोई भी निर्माण बाधित नहीं हुआ है। यद्यपि मंदिर निर्माण समिति ने प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए विभिन्न कार्यों की समयावधि बढ़ा दी है, लेकिन कार्यदायी एजेंसियों की ओर से कार्य को गतिशील रखने का प्रयास किया जा रहा है। परिणाम स्वरूप परकोटे की परिधि के बाहर बन रहे सप्तर्षियों में तीन वाल्मीकि, अहिल्या व निषादराज का मंदिर पूर्ण हो चुके हैं, जबकि माता शबरी, विश्वामित्र, वशिष्ठ व अगस्त्य मुनि के मंदिर का निर्माण जारी है। परकोटे के मध्य बन रहे देवी-देवताओं के छह मंदिरों में से भगवान शंकर व गणेश जी का मंदिर बन चुका है। भगवान सूर्यदेव व माता भगवती के मंदिर शिखर बन रहा तो मां अन्नपूर्णा व हनुमानजी के मंदिर का निर्माण चल रहा है। राम मंदिर के मुख्य शिखर में 19 लेयर में पत्थर संयोजित हो चुके हैं तो 10 लेयर में अभी संयोजन होना शेष है। कुल 29 लेयरों में पत्थरों का संयोजन होना है। इसके अतिरिक्त यात्री सुविधा केंद्र में गोस्वामी तुलसीदास जी मंदिर भी बन गया है।

राम मंदिर का प्रथम तल कुछ इस तरह से हुआ है निर्मित। जागरण आर्काइव

महाशिवरात्रि पर पाकिस्तान में गूंजेंगे भोलेनाथ के जयघोष

जासं, अमृतसर : पाकिस्तान स्थित श्री कटास राज धाम में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर भोलेनाथ के जयघोष गूंजेंगे। सोमवार को श्री दुर्ग्याणा तीर्थ से 198 शिवभक्तों का जत्था श्री कटास राज धाम के लिए रवाना होगा। जत्था अटारी-वाघा सड़क मार्ग से पाकिस्तान जाएगा।

केंद्रीय सनातन धर्म सभा उत्तरी भारत के अध्यक्ष व तीर्थ यात्रा संयोजक शिवप्रताप बजाज ने बताया कि विभिन्न राज्यों के 200 यात्रियों का वीजा लगाने के लिए भेजा गया था, जिनमें 198 भक्तों के वीजा लगे हैं। 24 फरवरी को जत्था रवाना होगा और दो मार्च को वापस आएगा। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर शिव भक्त श्री अमरकुंड में धेनु संक्रांति का पवित्र स्नान करेंगे। शिव भोलेनाथ का अभिषेक करने के साथ पवित्र सरोवर के तट पर दीपमाला करेंगे। 28 फरवरी को जत्था लाहौर आएगा, जहां वह भगवान श्रीराम के सुपुत्र लव की समाधि में जाएगा। एक मार्च को जत्था श्री कृष्ण जी मंदिर में जाएगा।

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में कल से 27 फरवरी तक प्रोटोकाल दर्शन पर रोक

जागरण संवाददाता, वाराणसी

- महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं की भीड़ व नागा संन्यासियों की शोभायात्रा को देखते लिया निर्णय
- विभिन्न विभागों को पत्र लिख श्रद्धालु सुविधा व सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग का किया आग्रह

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में 25 से 27 फरवरी तक प्रोटोकाल के अंतर्गत दर्शन व्यवस्था पर रोक रहेगी। महाकुंभ से उमड़ता श्रद्धालुओं का रेला, महाशिवरात्रि पर भारी संख्या में लोगों के आने की संभावना व नागा-संन्यासियों की दर्शन शोभायात्रा को देखते हुए मंदिर न्यास परिषद ने यह निर्णय लिया है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने समस्त विभाग प्रमुखों को पत्र लिख कर आम श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा के लिए बनाई गई व्यवस्था में सहयोग का आग्रह किया है।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं के कारण मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

महाशिवरात्रि पर 26 फरवरी को देश के विभिन्न प्रांतों से दर्शनार्थियों के साथ विभिन्न अखाड़ों के नागा-संन्यासी भी शोभायात्रा निकाल कर बड़ी संख्या में दर्शन-पूजन करने आ रहे हैं। इससे पांच-छह घंटे गेट नंबर-चार (गोदौलिया द्वार) से सामान्यजन का प्रवेश बाधित रहेगा। इससे सामान्य दर्शन में ही पंक्तिबद्ध व्यक्तियों की सामान्य प्रतीक्षा अवधि 16 से 18 घंटे या अधिक हो सकती है। इस स्थिति में किसी स्तर से विशेष सुविधा का अनुरोध स्वीकारने पर सामान्यजन की प्रतीक्षा अवधि और गर्मी-उमस से दिक्कत बढ़ सकती है। इसके साथ ही दर्शनार्थियों की अधिक संख्या को देखते हुए 25 से 27 फरवरी तक सभी प्रकार के प्रोटोकाल दर्शन की व्यवस्था संभव नहीं हो पाएगी।

****

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
आजकल
सोमवार 24 फरवरी, 2025
www.jagran.com

प्रिंस चार्ल्स व लेडी डायना की शादी का औपचारिक एलान

1981 में आज ही ब्रिटेन के प्रिंस चार्ल्स और लेडी डायना की शादी का बकिंघम पैलेस की ओर से औपचारिक एलान किया गया। विवाह इसी वर्ष 29 जुलाई को हुआ। शादी के बाद लेडी डायना प्रिंसेज डायना बन गई थी। शादी को टीवी पर 7.75 करोड़ लोगों ने देखा था।

सचिन ने लगाया वनडे क्रिकेट इतिहास का पहला दोहरा शतक

2010 में आज ही सचिन तेंदुलकर ने वनडे क्रिकेट इतिहास का पहला दोहरा शतक लगाया था। सचिन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम में खेली गई वनडे सीरीज के दूसरे मैच में 147 गेंदों पर 200 रन बनाए थे। वनडे क्रिकेट में दोहरा शतक 39 वर्ष बाद आया था।

बालीवुड के पहले चाकलेटी हीरो थे जाय मुखर्जी

जाय मुखर्जी का जन्म 1939 में आज ही झांसी में हुआ था। फिल्मी करियर की शुरुआत पिता शशिधर के होम-प्रोडक्शन की फिल्म लव इन शिमला से हुई। 1960 में बनी यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई। 1964 और 1966 में उन्होंने दो और सफल फिल्में दीं-जिद्दी और लव इन टोकियो। आगे चल कर उन्होंने फिल्मों का निर्माण और निर्देशन भी किया। हालांकि इसमें उनको खास सफलता नहीं मिली। बालीवुड में चाकलेटी हीरो का टैग सबसे पहले जाय मुखर्जी के साथ जुड़ा था। उनकी तुलना हालीवुड के सुपरस्टार राक हडसन से की जाती थी।

जागरण विशेष

इस्पात संयंत्र के एक कचरे से पीने लायक बन जाएगा खारा पानी

● आइसर भोपाल और एमएनआइटी जयपुर के विज्ञानियों के शोध को मिली सफलता ● जिंक और कापर आक्साइड के नैनो कणों से होगा यह कमाल

अंजली राय ● नवदुनिया

भोपाल: अब वह दिन दूर नहीं जब पीने के स्वच्छ पानी के लिए लोगों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। खारे पानी को भी अब जल्द ही पीने योग्य बनाया जा सकेगा और वह भी बिना किसी बड़े खर्च के। ऐसा इसलिए, कि पानी को साफ करने के लिए इस्पात संयंत्र में इस्तेमाल के बाद कचरे में फेंके जाने वाले जिंक और कापर आक्साइड के कणों का इस्तेमाल होगा।

यह संभव हो सका है हेटेरोजंक्शन फोटो केटेलिस्ट के माध्यम से, जिसे इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस एजुकेशन रिसर्च (आइसर), भोपाल और मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (एमएनआइटी) जयपुर के विज्ञानियों ने मिलकर तैयार किया है। हेटेरोजंक्शन फोटो केटेलिस्ट रासायनिक प्रतिक्रिया कर कार्बोनेट्स (जैसे कि कार्बन डाइआक्साइड और कुछ रासायनिक यौगिक) को एसिटिक एसिड में बदल देता है। इस एसिटिक एसिड को भी एक अन्य प्रक्रिया से हटाकर जल को शुद्ध किया जाता है। शोधकर्ताओं ने इस प्रक्रिया के लिए विभिन्न प्रकाश स्रोतों का भी उपयोग किया है, जिसमें सूरज की रोशनी से लेकर विभिन्न तरंगदैर्ध्य एवं एकल रंग वाले प्रकाश (मोनोक्रोमैटिक लाइट्स) शामिल थे, ताकि प्रक्रिया के लिए सबसे उपयुक्त परिस्थितियां प्राप्त की जा सकें। इसके माध्यम से भूमिगत खारे जल (कार्बोनेट युक्त) को शुद्ध कर सकेंगे। इस शोध कार्य के निदेशक और आइसर के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. शंकर चाकमा ने बताया कि इस प्रक्रिया के माध्यम से खारे जल से कार्बोनेट को इस्तेमाल करके उससे दूसरा महत्वपूर्ण केमिकल बनाया जा सकता है।

यह शोध भोपाल आइसर के डा. शंकर चकमा और एमएनआइटी जयपुर डा. सुमित सोनकर और डा. मुकेश जैन के मार्गदर्शन में शोधार्थी रोहित फोगाट के नेतृत्व वाले एक समूह ने किया है। इसका प्रकाशन अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय जर्नल एसीएस सस्टेनबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग में हुआ है। विज्ञानियों का कहना है कि यह शोध पर्यावरणीय स्थिरता और औद्योगिक नवाचार दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। यह इस्पात उद्योग के कचरे को एक मूल्यवान रासायनिक पदार्थ में बदल देगा। इससे कचरे को कम करने, प्रदूषण को घटाने और एसिटिक एसिड जैसे पदार्थों का उत्पादन करने का एक बेहतर तरीका बनाने में मदद मिलेगी।

आइसर की प्रयोगशाला में कार्य करते शोधार्थी रोहित फोगाट ● आइसर

ये है हेटेरोजंक्शन फोटो केटेलिस्ट

गैल्वनाइज स्टील के उत्पादन के दौरान निकले जिंक कणों में कापर कणों को मिलाकर हेटेरोजंक्शन फोटो केटेलिस्ट बनाया जाता है। यह कार्बोनेट युक्त पानी के साथ प्रतिक्रिया कर एसिटिक एसिड बनाता है। यह पानी के साथ प्रतिक्रिया कर कार्बोनेट जैसे खराब तत्वों को बाहर निकाल देता है।

ऐसे काम करेगी यह तकनीक

यह फोटो केटेलिस्ट पाउडर के रूप में होगा। इसे कार्बोनेट वाले पानी के कंटेनर में डाल देंगे। इसके बाद मोनोक्रोमैटिक लाइट्स (ग्रीन लाइट्स) 525 नैनोमीटर का उपयोग करने के बाद यह रासायनिक प्रक्रिया होगी। इस प्रक्रिया से करीब चार घंटे में पानी पीने लायक हो जाएगा।

पानी साफ करने में इस्तेमाल होने वाला केटेलिस्ट पाउडर।

इस शोध में कार्बोनेटेड जल से एसिटिक एसिड बनाया गया है, साथ ही अन्य प्रक्रिया अपनाकर एसिटिक एसिड को हटाकर जल को पीने लायक बनाया जा सकता है। यह अभी तक की काफी सस्ती एवं भविष्य में बड़े पैमाने पर की जा सकने वाली प्रक्रिया है।

-डा. शंकर चाकमा, सहायक प्रोफेसर, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, आइसर

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

पांच मिनट के व्यायाम से बुजुर्गों में डिमेंशिया का खतरा होता है कम

नई दिल्ली, आइएएनएस: एक अध्ययन के अनुसार, रोजाना सिर्फ पांच मिनट की मध्यम से जोरदार एक्सरसाइज बुजुर्गों को डिमेंशिया के खतरे से बचा सकती है। अमेरिका में जांस हापकिंस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दिखाया कि प्रति सप्ताह शून्य मिनट की तुलना में प्रति सप्ताह 35 मिनट की मध्यम से जोरदार एक्स शारीरिक गतिविधि करने से डिमेंशिया विकसित होने का जोखिम 41 प्रतिशत कम हो सकता है।

जर्नल आफ द अमेरिकन मेडिकल डायरेक्टर्स एसोसिएशन में प्रकाशित अध्ययन ने वृद्धों में व्यायाम के लाभों को दिखाया, जो प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों के उच्च जोखिम में हैं। शोध लेखक अमल वानीगाटुंगा ने कहा कि प्रतिदिन पांच मिनट व्यायाम वृद्धों में डिमेंशिया के खतरे को कम कर सकता है।

इधर-उधर की

टायलेट में बिताए दो मिनट से ज्यादा, लगेगा जुर्माना

कैमरे से कर्मचारियों पर नजर रखेगी कंपनी। इंटरनेट मीडिया

बीजिंग, एजेंसी: चीन की एक कंपनी ने कर्मचारियों के लिए 'दो मिनट टायलेट रूल' लागू किया है। अगर कर्मचारी टायलेट में दो मिनट से ज्यादा समय लगाएगा तो उसे करीब 12,00 रुपये जुर्माना देना होगा। गुआंगडोंग के फोशान स्थित थ्री ब्रदर्स मशीन कंपनी ने एक प्राचीन चिकित्सा ग्रंथ का हवाला देते हुए तर्क दिया कि यह निर्देश कर्मचारियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया। इसका मकसद कार्यस्थल पर अनुशासन में सुधार लाना भी है।

हर साल ब्लैक फंगस के 100 करोड़ मरीज

अध्ययन ▶ अमेरिका की यूनिवर्सिटी आफ लुईविल केंटकी में शोध कर रहे प्रो. महावीर सिंह का दावा

पंत विवि में आयोजित 17वें राष्ट्रीय कृषि विज्ञान सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे

जासं, पंतनगर (ऊधम सिंह नगर)

फंगस से होने वाली बीमारियों पर पूर्व में किसी भी विज्ञानी का अपेक्षित ध्यान नहीं गया। कोरोनाकाल में जब ब्लैक फंगस से मृत्यु के आंकड़े बढ़ने लगे तो दुनिया की आंखें खुली। विश्व में हर साल ब्लैक फंगस के 100 करोड़ मरीज सामने आते हैं, इनमें सबसे ज्यादा 70 प्रतिशत भारत में होते हैं। ब्लैक फंगस से बचाव के लिए यूनिवर्सिटी आफ लुईविल केंटकी (अमेरिका) में चार साल से शोध कर रहे प्रोफेसर महावीर सिंह ने यह दावा किया है।

गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गांधी मैदान में आयोजित 17वें राष्ट्रीय कृषि विज्ञान सम्मेलन में पहुंचे प्रो. महावीर सिंह ने बताया कि कोरोनाकाल में बड़ी संख्या में लोगों की जान जाने लगी तो इससे बचाव के लिए अन्य दवाइयों के साथ स्टीरायड्स दिए जाने लगे। इससे लोगों की बीमारी से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता कम होने लगी। ऐसी स्थिति में लोग ब्लैक फंगस की चपेट में आने लगे। खासकर मधुमेह से ग्रसित मरीज भी दम तोड़ने लगे। कोरोनाकाल में ही ब्लैक फंगस से मृत्यु होने पर विश्व की चिंता बढ़ गई। इसकी वजह लोगों का कोविड वायरस और ब्लैक फंगस से लड़ना था। उन्होंने बताया कि वातावरण में सैकड़ों फंगस हैं। इनमें ब्लैक फंगस भी है, जो उन लोगों को ज्यादा प्रभावित करता है, जिनकी प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। किडनी, हृदय, मधुमेह रोगियों को भी फंगस ज्यादा चपेट में लेता है। फिजियोलाजी के प्रो. महावीर ब्लैक फंगस से बचाव के लिए चार साल से चूहों पर शोध कर रहे हैं। अपने प्रयोग के दौरान उन्होंने पाया कि जिन चूहों की प्रतिरोधक क्षमता कम रही, वे मर गए और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता वाले सुरक्षित रहे। भारत में मधुमेह के ज्यादा मरीज हैं इसलिए फंगस की चपेट में आने से यहां ज्यादा मौतें हुईं।

ऐसे फैलता है फंगस : सांस के माध्यम से फंगस शरीर में प्रवेश करता है। ये फंगल इन्फेक्शन साइनस, मस्तिष्क और लंग्स इन्फेक्शन का कारण बनता है। खेतों में काम करते समय शरीर के किसी भी हिस्से में कट जाने या सड़क हादसे में घायल हुए लोगों में घाव के माध्यम से फंगस शरीर में प्रवेश करता है। इसके लक्षणों में जीभ का रंग बदलना, मसूड़ों में सूजन, आंखों में लालपन, बुखार, सिरदर्द, सांस में तकलीफ आदि है।

प्रोफेसर महावीर सिंह। जागरण

ऐसे करें बचाव: फंगस से बचाव के लिए घरों की सफाई करें। घाव को गंदगी से बचाकर रखें। खानपान में सफाई हो। दिन में दो से तीन बार ब्रश करें। इसके अलावा गरारे या एंटीफंगल माउथ स्प्रे का इस्तेमाल कर मुंह की सफाई पर ध्यान देने से ब्लैक फंगस के खतरे से बचा जा सकता है। 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को भी सतर्क रहना चाहिए, क्योंकि इनकी प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है।

सुगंधित मोमबत्तियों से निकला मोम हवा में छोड़ सकता है विषाक्त कण

अनुसंधान

शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि सुगंधित मोम के पिघलने से निकलने वाले यौगिक घर के अंदर की हवा में उपस्थित ओजोन के साथ प्रतिक्रिया कर विषैले कण बना सकते हैं। यह अध्ययन इस धारणा को चुनौती देता है कि सुगंधित मोम अन्य मोमबत्तियों की तुलना में अधिक सुरक्षित विकल्प है।

एसीएस के पर्यावरण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पत्र में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, मोम को सीधे गर्म करने से इसका सतही क्षेत्रफल अधिकतम हो जाता है, जिससे अधिक सुगंध निकलती है, जैसे हाइड्रोकार्बन से बने वाष्पशील कार्बनिक यौगिक जो हवा में फैलते हैं। ये रसायन हवा में उपस्थित अन्य यौगिकों के साथ प्रतिक्रिया कर नैनोमीटर चौड़े कण बना सकते हैं, जिनके सांस के साथ अंदर जाने पर स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हालांकि, मोम-पिघलने के दौरान नैनोकणों के निर्माण की संभावना अज्ञात थी, इसलिए अमेरिका के पड्र्यू विश्वविद्यालय के नुसरत जंग, ब्रैंडन और उनके सहयोगियों ने घर के एक माडल में मोम को पिघलाकर प्रक्रिया की जांच की। माडल हाउस में 15 व्यावसायिक रूप से उपलब्ध मोम पिघलाने वाली सामग्रियों पर प्रयोग किए। मोम के पिघलने से कुछ दूरी पर हवा का नमूना लिया गया और हवा में एक से 100 नैनोमीटर चौड़े नैनोकण पाए गए, जिनका स्तर पारंपरिक मोमबत्तियों के लिए पहले बताए गए स्तरों के बराबर था। ये कण सांस के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर खतरा पैदा कर सकते हैं। (आइएएनएस)

स्क्रीन शाट

कंगना ने बताई भारतीय विवाह संस्कृति की विशेषता

सिनेमा के साथ-साथ सामाजिक विषयों पर भी मुखर रहती हैं कंगना। इंस्टाग्राम (@kanganaranaut)

हाल ही में हालीवुड अभिनेता बेन एफ्लेक और प्रख्यात अमेरिकी पाप स्टार जेनिफर लोपेज के बीच तलाक की खबरें आईं। जेनिफर फिलहाल 55 वर्ष तथा बेन 52 वर्ष के हैं। उम्र के इस पड़ाव पर तलाक को देखते हुई अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत ने पश्चिमी सभ्यता की तुलना में भारतीय विवाह संस्कृति की विशेषता बताई। कंगना ने रविवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर जेनिफर और बेन की तस्वीरें साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'जब भी वो भारतीय विवाह का मजाक उड़ाए, उन्हें सबसे ज्यादा बुद्धिमान और अच्छे दिखने वाले कलाकारों, फिल्मकारों और लेखकों के बार में याद दिलाए। कथित तौर पर पृथ्वी पर सबसे हाट आदमी कहने जाने वाले बेन एफ्लेक, कई शादी और कई बच्चों के बाद अब भी परफेक्ट पत्नी की तलाश में हैं। इसी तरह जेनिफर लोपेज, मेहनत से बनी, सबसे अमीर और महान पाप स्टार्स में से एक अब भी परफेक्ट व्यक्ति की तलाश में हैं।' आगे कंगना ने इन दोनों की कई बार शादी और बच्चे होने के बाद परफेक्ट साथी की तलाश की बात लिखी। उसके बाद आगे कंगना ने भारतीय विवाह संस्कृति की विशेषता के बारे में लिखा, 'वहीं भारत में अरेंज मैरिज में हमारी अपरिचितों से शादी होती है और फिर भी उम्र के आठवें दशक में भी हाथों में हाथ पकड़कर साथ चलते हैं।

अब जान अब्राहम को रोहित का सहारा

साल 2018 में प्रदर्शित फिल्म सत्यमेव जयते के बाद अब तक अभिनेता जान अब्राहम की बतौर नायक आठ फिल्में प्रदर्शित हो चुकी हैं। हालांकि, उसके बाद से एक हिट फिल्म की तलाश उनकी अभी भी जारी है। पागलपंती हो या अटैक पार्ट 1 या वेदा, जान ने अपनी भूमिकाओं को लेकर कई प्रयोग किए, लेकिन कोई भी प्रयोग टिकट खिड़की के आंकड़ों को अपने पक्ष में नहीं कर सका। अब उनकी आस फिल्मकार रोहित शेट्टी से है। सिंघम, सिंबा और सूर्यवंशी जैसी काप वर्ल्ड फिल्में बना चुक रोहित अब मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया की बायोपिक फिल्म पर काम कर रहे हैं। इसके लिए जान और रोहित की एक दूसरे से काफी दिनों से बातचीत चल रही थी। अब रोहित अगले महीने के मध्य से इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। राकेश मारिया से रोहित की अच्छी दोस्ती भी है और इस फिल्म के अधिकार रोहित उनसे कई साल पहले ही ले चुके हैं। फिल्म राकेश मारिया की लिखी किताब लेट मी से इट नाऊ पर आधारित होगी। एक रिपोर्ट्स के अनुसार, फिलहाल इस फिल्म का शीर्षक तय नहीं है। रोहित की योजना 45 दिनों के मैराथन शेड्यूल में पूरी फिल्म की शूटिंग एक साथ करने की है। उसके बाद वह स्टंट रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के अगले सीजन की शूटिंग के लिए जाएंगे और वहां से आकर गोलमाल 5 पर काम शुरू करेंगे।

एक बार फिर पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाने को तैयार हैं जान।

शाहिद ने ऐसे दूर की अपनी तड़प

फिल्म हैदर हो या उड़ता पंजाब या फिर कबीर सिंह, अभिनेता शाहिद कपूर एक के बाद एक फिल्मों से स्थापित चाकलेटी और रोमांटिक अभिनेता की छवि को तोड़ते गए। हिंदी सिनेमा में कदम रखने के करीब एक दशक तक उन्होंने ज्यादातर फिल्में रोमांटिक या चाकलेटी ब्वाय वाली भूमिकाएं ही निभाईं। अब वह उन भूमिकाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं, जैसे उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है। शाहिद के अनुसार, इस बदलाव के लिए उन्हें लड़ना पड़ा। वह कहते हैं, 'मैं इस पेशे में पिछले 20 वर्षों से हूं। अब कई निर्माता निर्देशक हैं, जो मेरा काम देख चुके हैं। आज मैं उस जगह पर हूं, जहां मुझे लेकर फिल्मकार शायद ये सोचते होंगे कि अब मैं शाहिद के साथ ऐसा क्या कर सकता हूं, जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया हो। यह मेरे लिए फायदे की बात है। एक समय था। जब मैंने अपना करियर शुरू किया था। तब लोग कुछ अलग करने का मौका ही नहीं देते थे। कहते थे कि नहीं यार तुम बस यह लव स्टोरी ही करो, ऐसे स्वीट, प्यारे भोले-भाले दिखने वाली भूमिकाएं ही निभाओ। उस समय मैं अंदर तड़प रहा था कि मुझे कुछ ऐसा करने को मिले जहां मैं स्वयं को बतौर कलाकार साबित कर सकूं। वह पाने के लिए आपको लड़ना पड़ता है, खुद को उस स्तर पर लाना पड़ता है, जहां दूसरे लोग उस तरह की भूमिकाओं को योग्य समझें।' शाहिद आगामी दिनों में फिल्म अर्जुन उस्तरा में नजर आएंगे।

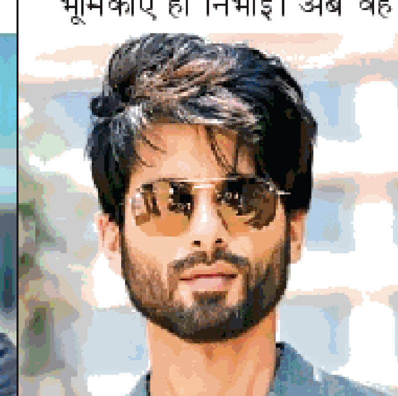

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म करने जा रहे हैं शाहिद। फाइल

जब वाचमैन ने परेश को स्टूडियो के गेट पर ही रोका

अंदाज अपना अपना और हेरा फेरी फिल्मों के अभिनेता परेश रावल को आज हिंदी सिनेमा के सबसे बेहतरीन कलाकारों में गिना जाता है। हालांकि, एक समय उन्हें वाचमैन भी स्टूडियो के अंदर नहीं जाने दे रहा था, वह भी तब, जब वह वह फिल्म के कलाकार के तौर पर चुन लिए गए थे। अपनी पहली फिल्म अर्जुन (1985) के सेट पर अपने पहले दिन को यादकर परेश ने एक इंटरव्यू में बताया, 'राजकमल स्टूडियो में हमारी शूटिंग का सेट लगा था। शूटिंग रात में होनी थी, तो मुझे नौ बजे बुलाया गया था। पहले दिन तो मैं सेट पर पौने नौ बजे ही पहुंच गया था। वहां स्टूडियो के गेट पर खड़े वाचमैन ने पूछा कि किधर जाना है? मैंने कहा कि अंदर शूटिंग हो रही है। मैं एक्टर हूं, मुझे शूटिंग के लिए बुलाया है। तब वाचमैन ने कहा कि अभी तो डायरेक्टर भी नहीं आया है, खड़े रहो तब तक बाहर। फिर दस सवा दस बजे स्टूडियो में राहुल भाई (निर्देशक राहुल रवैल) की गाड़ी गई। मैं भी उनकी गाड़ी के पीछे-पीछे स्टूडियो में गया। रात में बारह-साढ़े बारह बजे पहला सीन शूट हुआ। उसके बाद मेरा सीन शूट हुआ, अगली शाम को साढ़े छह-सात बजे। मैं सेट पर बैठे बैठे लोगों को देख रहा था, मुझे मजा आ रहा था। मैं शूटिंग के सेट पर हमेशा किताब लेकर जाता था, वही पढ़ते रहता था।

पहले खलनायक और फिर कामेडी भूमिकाओं से परेश ने कमाई खूब लोकप्रियता। फाइल

सात सवाल

@raashiikhanna

मैंने कभी स्टारडम पाने के लिए काम नहीं किया : राशि

दक्षिण भारतीय फिल्मों की अभिनेत्री राशि खन्ना अपनी प्रसिद्धि से माता-पिता को दूर रखती हैं। द साबरमती रिपोर्ट की सफलता के बाद वह तीन हिंदी फिल्में और कर रही हैं, जिनमें दो की शूटिंग पूरी हो चुकी है। इसके साथ ही उनकी पैन इंडिया पीरियड हारर फिल्म अगथिया 28 फरवरी को रिलीज होगी। इसे हिंदी में भी डब किया गया है। उनसे बातचीत के अंश।

● **द साबरमती रिपोर्ट की सफलता से हिंदी सिनेमा के करियर में क्या बदलाव है?**

-हर फिल्म के साथ आत्मविश्वास बढ़ता है। जब द साबरमती रिपोर्ट फिल्म की थी, तो मुझे पता नहीं था कि यह फिल्म बाक्स आफिस पर अच्छा करेगी या नहीं, प्रोपेगंडा फिल्म तो नहीं होगी। मैंने फिल्म की, ताकि लोगों तक वह कहानी पहुंचे। अब भी लगता है कि मेरा अच्छा काम आना बाकी है।

● **क्या वह अच्छा काम आपकी अगली फिल्म 'तलाखों में एक' से पूरा होगा?**

-हां, हो सकता है, संवेदनशील मुद्दा है। तलाक लेने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में मुद्दे का विश्वसनीय होना जरूरी है। दो लोग जो साथ रहने के लिए शादी करते हैं, वह अलग होने का फैसला क्यों करते हैं? इस विषय पर फिल्म की टीम ने काफी मेहनत की है।

● **आपने अपने माता-पिता को अपनी प्रसिद्धि से दूर क्यों रखा है?**

-स्टारडम मेरे करियर का बाय प्रोडक्ट है। मैंने स्टारडम पाने के लिए काम नहीं किया है। बाकी जहां तक बात है माता-पिता को फेम से दूर रखने कि तो वही लोग हैं, जो मुझे जमीन से जोड़कर रखते हैं।

● **फिल्म के ट्रेलर में एक डायलाग है कि इतिहास याद नहीं करता मेहनत करने वालो को। याद करता है नाम कमाने वालो को**

-मैं यह जानती हूं कि एक दिन दुनिया को अलविदा कहना है। जब जीवित हैं, किसी की मदद कर पाएं। कला से बदलाव ले आएं।

● **आपके भाई ने कहा था कि अच्छे कालेज में एडमिशन चाहिए, तो मेहनत करो, कोई बैकअप नहीं है। भाई की सलाह इंडस्ट्री में कितनी काम आई?**

-जब आप बड़े हो रहे होते हैं, तो इन बातों से असर पड़ता है। मैं पढ़ने वाले बच्चों को यही कहूंगी कि दबाव न लें। मैंने लिया था, लेकिन मेरी किस्मत मुझे अभिनय में ले आई। मेहनत करती हूं, क्योंकि उसमें कोई कमी नहीं रहनी चाहिए।

● **बालीवुड में आपने ज्यादा दोस्त भी नहीं बनाए हैं?**

-दोस्त बनाने के लक्ष्य से इंडस्ट्री में नहीं आई हूं। अपने आप बन जाए, तो ठीक है। आप शायद शूटिंग के दौरान 40-50 दिनों में दोस्त बन जाएं, लेकिन हमेशा बात करते रहना मुश्किल होता है। इसमें किसी की गलती नहीं होती है।

● **हैदराबाद से अब मुंबई में बसने का ख्याल नहीं आता?**

-कई बार सोचती भी हूं कि शिफ्ट होना है, लेकिन हो नहीं पाती हूं। हैदराबाद में घर बड़े होते हैं। मुंबई में जितना बड़ा घर, उतना उसका खर्च है। मुंबई में शिफ्ट होना महंगा लगता है।

(प्रियंका सिंह)

मेरे हसबैंड की बीवी को मिली ठंडी शुरुआत

पिछले सप्ताह प्रदर्शित फिल्म छावा की बयार के सामने इस सप्ताह प्रदर्शित हुई अर्जुन कपूर अभिनीत फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी की शुरुआत ठंडी रही। मुदस्सर अजीज निर्देशित इस फिल्म में अर्जुन के साथ अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और भूमि पेडणेकर मुख्य भूमिकाओं हैं। फिल्म को कमजोर पटकथा के कारण समीक्षकों का भी साथ नहीं मिला। फिल्म को शुक्रवार को सिर्फ 1.5 करोड़ रुपये की ओपनिंग मिली। शनिवार को फिल्म ने 1.65 करोड़ रुपये कमाए। इस तरह पहले दो दिनों में फिल्म 3.15 करोड़ रुपये ही कमा पाई। ओपनिंग के लिहाज से द लेडी किलर, संदीप और पिंकी फरार और कुत्ते के बाद अर्जुन की यह चौथी सबसे कमजोर फिल्म है। विक्की कौशल अभिनीत फिल्म छावा प्रदर्शित होने के नौवें दिन 300 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गई है। शनिवार तक फिल्म की कुल कमाई 293.41 करोड़ रुपये हो चुकी है। उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक (245.36 करोड़ रुपये) को पीछे छोड़ यह अब विक्की की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है।

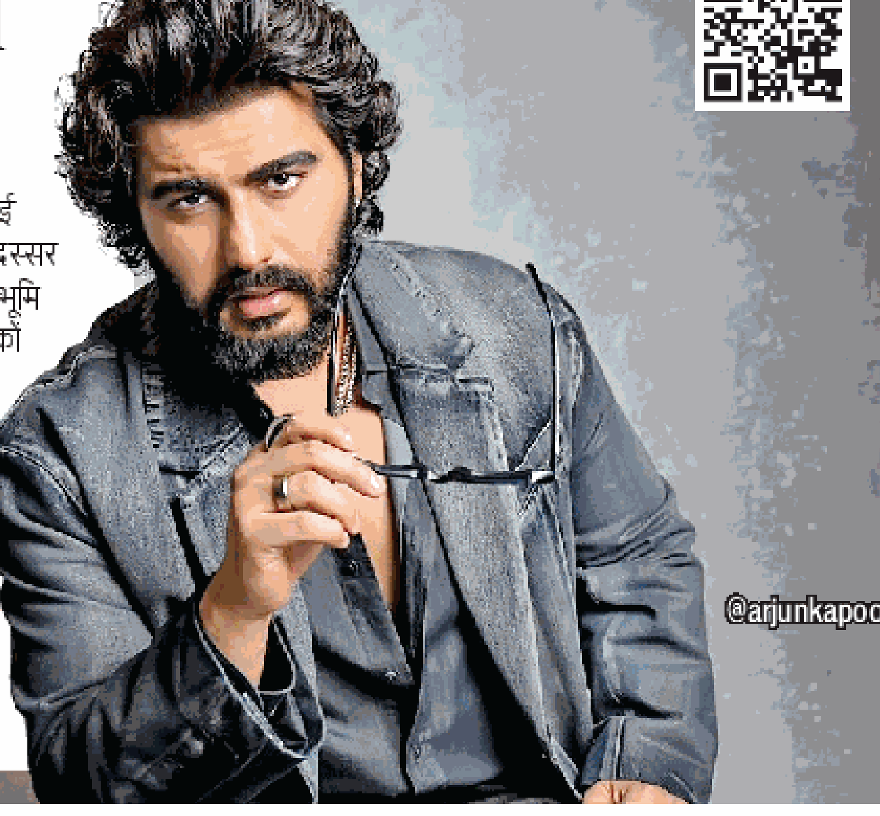

@arjunkapoor

****